www.niesbud.nic.in

उद्यमी लभते सिद्धिम्
niesbud

वार्षिक प्रतिवेदन 2013-14
Annual Report

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड)
(सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान)

The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD)
(An Autonomous Institute of Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises)

टोल फ्री न०
1800-180-8956

परिसर

वेबसाइट : www.niesbud.nic.in www.niesbud.org www.niesbudnaukri.com
www.niesbudtraining.org www.msmevirtualclusters.in

विषय-सूची

3 परिचय

5 उद्यमीय और कौशल प्रशिक्षण

7 प्रशिक्षण गतिविधियाँ

19 रोजगार सहायता

23 अनुसंधान, मूल्यांकन, सेमिनार और कार्यशालाएं

27 सूचना प्रौद्योगिकी परिपेक्ष्य

31 नई पहलें और अन्य गतिविधियाँ (2013-14)

35 क्षेत्रीय कार्यालय की गतिविधियाँ

37 निसबड के वित्तीय सुधार

39 संगठन और प्रबंधन

45 लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और वार्षिक लेखे (2013-14)

61 परिशिष्ट 'क' : वित्तीय स्थिति

62 परिशिष्ट 'ख' : कार्यक्रमों और लाभार्थियों की संख्या का विवरण

70 परिशिष्ट 'ग' : संगठन चार्ट

माननीय मंत्री सू.ल.म.उ. श्री कलराज मिश्र निसबड परिसर में कार्य ाला के अवसर पर सम्बोधन करतें हुए साथ में सचिव श्री माधव लाल संयुक्त सचिव श्री एस.एन त्रिपाठी, महानिदे ाक निसबड श्री अरूण कुमार झा।

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) उद्यमिता विकास के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का एक भीर्श प्रि ाक्षण संस्थान है। यह स्वायत्त संस्थान 1983 से प्रि ाक्षण, पराम ा तथा अनुसंधान एवं प्रका ान के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। संस्थान की प्रमुख गतिविधियाँ में प्रि ाक्षिकों का प्रि ाक्षण (टी0ओ0टी0), प्रबंध विकास कार्यक्रम (एमडीपी), उद्यमिता–सह–कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) इत्यादि भाामिल है। संस्थान द्वारा पिछले वर्शो में 31 मार्च 2014 तक 2.60 लाख से ज्यादा व्यक्तियों को उपयुक्त प्रि ाक्षण प्रदान किया जा चुका है, जिसमे विदे ाी मूल के 2500 से ज्यादा व्यक्ति जोकि 125 से अधिक दे ाों से आये हुए, भाामिल है। संस्थान को मार्च, 2014 के दौरान प्रशिक्षण एवं संबंधित गतिविधियों में गुणवत्ता के लिए आईएसओ 9001:2008 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। संस्थान को सैद्धांतिक रूप से उद्यमिता प्रबंध (60 सीट) में दीर्घकालीन (दो वर्ष) स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू करने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है। यह निसबड के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो नए अवसर खोलने के लिए रास्ता तैयार करेगा और संस्थान को नई ऊंचाईयों पर ले जाएगा।

1.1 संस्थान की प्रमुख गतिविधियों में निम्न शामिल हैं :

❖ प्रशिक्षण

- प्रशिक्षण की जरूरतों के साथ–साथ उसमें कमियों का मूल्यांकन करना और तदनुसार उद्यमिता के लिए युवान्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करने में सुविधा देना।
- समाज के विभिन्न स्तरों में उद्यमिता की संस्कृति का संवर्धन करने के लिए विभिन्न मीडिया के प्रयोग को विकसित करना, डिजाइन बनाना और सहायता करना।
- निसबड ऐसे संगठनों की सहायता करके समर्थनात्मक और उत्प्रेरणात्मक भूमिका निभाता है जो देश में उद्यमिता और स्व–रोजगार के विकास और संवर्धन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से लगे हुए हैं।

❖ परामर्श:

- उद्यमिता और सू.ल.म.उ के क्षेत्र में परामर्शी सेवाएं देना। सरकारी या निजी क्षेत्र में उद्यमी प्रशिक्षण में कार्यरत अन्य संस्थानों को भी सलाह और परामर्श देना।
- उद्यमिता तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को सप्रत्ययीकरण, डिजाइन तथा मानकीकृत करना।

निसबड केंद्र में प्रतिभागी कम्प्यूटर कक्षाएं लेते हुए

- उद्यमिता और सू.ल.म.उ के क्षेत्र में सरकार (केन्द्र और राज्य दोनों) और विदेशी सरकारों को सलाह देना।

❖ अनुसंधान एवं विकास :

- उद्यमिता विकास वि ोशतः सू.ल.म.उ के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों का संवर्धन करना। उद्यमिता/उद्यम विकास से संबंधित दस्तावेज तैयार करना और सूचना का प्रचार–प्रसार करना;
- उद्यमिता/उद्यम विकास/सू.ल.म.उ से संबंधित साहित्य और सूचना सामग्री तैयार करना और प्रकाशित करना;
- मुख्यतः संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों आदि के माध्यम से विभिन्न समूहों के लिए अनुभवों के आदान–प्रदान एंव विचार–विमर्श करने के लिए मंच प्रदान करना;
- नए आर्थिक उद्यमों की स्थापना में चरम बिन्दु पर पहुंचने के लिए उद्यमिता विकास की प्रक्रिया को तेज करने के लिए सामान्य ज्ञान हेतु समस्याओं का अध्ययन और अनुसंधान/समीक्षा अध्ययन आदि करना।

संस्थान के प्रशिक्षण कार्यकलाप उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करने, उसकी सहायता करने और संपोषित करने पर केन्द्रित हैं। निसबड द्वारा आरंभ किए / प्रायोजित किये गये कार्यक्रमों का सतत् मूल्यांकन और संशोधन किया जाता है ताकि उन्हें उद्यमिता और लघु उद्योग विकास की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुकूल बनाया जा सके। यह संस्थान उद्यमिता के विकास के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करने तथा उन व्यक्तियों के समर्थन के लिए, प्रचलित भ्रान्तियों को दूर करके आम जनता के बीच अनुकूल दृष्टिकोण विकसित करने में लगा है, जो उद्यमिता संबंधी जीवन–वृत्ति अपनाना चाहते हैं।

1.2 ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सरकार द्वारा बनाई गई रोजगार सृजन की विभिन्न योजनाओं की घोषणा ने मॉडल पाठ्यक्रम तैयार करके, लाभग्राहियों तथा अनुदेशकों के लिए नियम–पुस्तकें बनाकर, नवीन प्रशिक्षण सहायक सामग्री, प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आदि आयोजित करके स्व रोजगार का व्यापक रुप से प्रचार करने में अपनी निर्णायक भूमिका प्रदर्शित करने के लिए, इस संस्थान को नई चुनौतियाँ प्रदान की हैं।

1.3 संस्थान के कार्यक्रमों की वित्त व्यवस्था अधिकांशतः सरकार द्वारा की जाती थी चूंकि उद्यमिता तथा कला विकास एक संवर्धनात्मक और औद्योगिक विस्तार कार्यकलाप हैं। तथापि बदलते हुए समय को ध्यान में रखते हुए और सरकारी नीति–निर्देशों के अनुरूप, अधिक कार्यक्रम आयोजित करके, शुल्क युक्त बाजारोन्मुखी प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन बढ़ा कर, प्रशिक्षण सामग्री की बिक्री बढ़ाकर तथा अनुपातिक प्रशासनिक खर्चों में कमी करने के ठोस प्रयासों के परिणाम स्वरूप संस्थान आवर्ती व्यय के संबंध में वित्तीय आत्मनिर्भरता प्राप्त करने तथा बनाये रखने में सक्षम हुआ है।

1.4 संस्थान को दिशा–निर्देश एवं मार्गदर्शन इसकी संचालन परिषद् द्वारा मुहैया कराया जाता है जिसके अध्यक्ष माननीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हैं और सचिव, भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, उपाध्यक्ष हैं। सचिव (सू.ल.म.उ.) अध्यक्ष, अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.) उपाध्यक्ष और संस्थान के महानिदेशक सदस्य सचिव के तौर पर तथा 3 नामित सदस्यों सहित, कार्यकारिणी समिति के 9 सदस्य हैं। संचालन परिषद् की नीतियों और निर्णयों का निष्पादन कार्यकारिणी समिति द्वारा किया जाता है।

1.5 संस्थान के पास संकाय का प्रावधान है जो उद्यमी सक्षमता और प्रोत्साहन, परियोजना की पहचान करने और तैयार करने, वित्त, लघु उद्यम प्रबंध, महिला उद्यमिता, बौद्धिक सम्पत्ति अधिकारों, विपणन प्रबंध और उद्यमी शिक्षा, ई–लर्निंग मॉड्यूल, वेब प्लेटफार्म अर्थात् www.virtualcluster.in पर उद्यमों की स्थापना, उद्भवन के द्वारा प्रशिक्षण के पश्चात् सहायता प्रदान करने और कुशल व्यक्तियों के लिए नौकरी पोर्टल www.niesbudnaukri.com विकसित करके नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालों के बीच मिलान, विकासात्मक हिस्सेदारों की नेटवर्किंग, अनुभवी एवं वरिश्ठ वि ोशज्ञों सहित मद्द करता है। संकाय के सदस्यों की विशेषज्ञों के पैनल द्वारा सही पद्धति से सहायता की जाती है।

1.6 संस्थान ए–23, सेक्टर – 62, नोएडा, (दिल्ली) एनसीआर में एकीकृत कैम्पस से कार्य कर रहा है। यह लगभग 40,000 वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र के साथ 10,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में स्थापित है। इसमें पुस्तकालय, 32 कमरों का छात्रावास और अन्य सुविधाओं के अलावा 8 प्र ाक्षण कक्ष, 1 ऑडिटोरियम और 1 सम्मेलन कक्ष है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, विकसित या विकासशील दोनों ही तरह के देशों के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण तथा निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इन क्षेत्रों के यूनिटों द्वारा विभिन्न सामाजिक आर्थिक कर्तव्यों का निर्वाह करने के कारण इनको एक अर्थव्यवस्था का *''इंजन ऑफ ग्रोथ''* का नाम ठीक ही दिया गया है। वर्तमान की कठिन परिस्थितियों में इन यूनिटों की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो गई है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि संसार की लगभग सभी अर्थव्यवस्थाएँ इस समय इन क्षेत्रों को राहत और बचाव के लिए देख रही हैं।

इस बारे में भारत भी अपवाद नहीं है। लगभग रूका हुआ कृषि उत्पादन क्षेत्र, लगभग नगण्य रोजगार सृजन के साथ मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में धीमी ग्रोथ तथा सेवा सेक्टर द्वारा वांछित विकास दरों को न प्राप्त करना, सभी वर्तमान मुश्किल आर्थिक स्थिति में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्रों को सबसे अच्छा माध्यम मानते हैं।

2.1 देश की धरणीय तथा समावेशी बढ़ोतरी के लिए, सू.ल.म.उ. क्षेत्र को रीड़ की हड्डी ठीक ही माना गया है। क्षेत्र जिसको *''उद्यमिता की नर्सरी''* समझा जाता है, देश की जी.डी.पी. में 38 प्रतिशत, मैन्यूफैक्चरिंग उत्पाद में 45 प्रतिशत तथा निर्यात में 36 प्रतिशत से ज्यादा का योगदान करता है। यह 3 करोड़ 60 लाख उद्यमों द्वारा 6,000 से ज्यादा उत्पादों का उत्पादन करता है तथा 8 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

2.2 राष्ट्र की 120 करोड़ जनसमूह को उपर्युक्त तरीके से एक आर्शीवाद में बदलने की जरूरत है। आधे से अधिक युवाशक्ति वाले भारत विश्व में एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है। यदि ये सभी युवा प्रशिक्षित हो जाएं तो देश की अर्थव्यवस्था कहां से कहां पहुंच जाए यह अकल्पनीय है।

2.3 आज की परम आवश्यकता निसंदेह ''उद्यम सृजन'' करना और ''कौशल प्रशिक्षण'' है, बाद वाला बेरोजगारों की बढ़ती हुई श्रृंखला के लिए नौकरियों के सृजन के अलावा कुशल बल के माध्यम से लघु उद्योग क्षेत्र का अनुपूरण भी कर रहा है।

2.4 तदनुसार, आज की सरकार बेरोजगार व्यक्तियों द्वारा सूक्षम और लघु इकाइयों की स्थापना पर यथोचित बल देती रही है और प्रशिक्षण और हाथ से संभालने के पश्चात् क्रेडिट, विपणन और प्रौद्योगिकी सहायता की सेवाओं का व्यापक पैकेज प्रदान करके लघु उद्योग क्षेत्र में इकाइयों को समर्थनकारी वातावरण प्रदान कर रही है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की निधियों का आवंटन, उद्यमी प्रयासों को तेज करने वाली नोडल एजेंसियों ने 11वीं योजना के लगभग 11,000 करोड़ रुपए से दुगना करके 12वीं योजना के दौरान लगभग 24,000 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

2.5 विगत के अनुभव ने दर्शाया है कि यह बिल्कुल संभव है कि आयोजित प्रयासों के माध्यम से स्वरोजगार, आय पैदा करके आर्थिक उद्यमों को विकसित किया जा सकता है। संभावित लाभ–भोगियों के बीच सफलता की ऊंची दर को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण की जरूरत को बार–बार प्रदर्शित किया गया है। इसके लिए संवर्धनात्मक परिवर्तन एजेंटों की ओर से विशेषज्ञ सक्षमताएं अपेक्षित है जिन्हें प्रशिक्षण हस्तक्षेपों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

2.6 ''उद्यम सृजन'' और ''नियोज्यता'' में सुधार में कौशल प्रशिक्षण द्वारा निभायी गई महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए सरकार ने वर्ष 2022 तक 500 मिलियन युवाओं का कौशल बढ़ाने के लक्ष्य हेतु कौशल भारत मिशन विकसित किया है जो क्रियान्वित भी हो रहा है।

2.7 सू.ल.म.उ. मंत्रालय अपनी विशेषज्ञ संस्थाओं और क्षेत्र संगठनों के माध्यम से वर्ष 2022 तक 150 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा और पिछले वर्ष तक लगभग 28 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। वर्ष 2022 तक शेष 122 लाख व्यक्तियों के प्रशिक्षण का कार्य निसबड जैसे केन्द्र द्वारा सर्वोत्तम ढंग से किया जा सकता है जिसने अपनी क्षमता को पिछले 4 वर्षों के दौरान

कम्प्यूटर हार्डवेयर कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण

8 गुना से अधिक बढ़ाया है और अगले वर्ष के दौरान इसे दुगना करने की आशा है अर्थात् 5 वर्ष की अवधि के दौरान उल्लेखनीय 16 गुना है।

सुगंन्धित तेल और इत्र की कक्षा

2.8 संस्थान को कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करने और प्रशिक्षित व्यक्तियों को आश्वस्त नौकरी एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सामाजिक न्याय और आधारिक्ता मंत्रालय, (भारत सरकार) द्वारा कार्यक्रम क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में पैनल में लिया गया है और जिससे यह राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम (एनएसएफडीसी) और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी और वित्त निगम (एनएसकेएफडीसी) के लिए अनन्य क्रियान्वयन एजेंसी बन गया है। तदनुसार, संस्थान ने वर्ष के दौरान 600 अनुसूचित जाति भागीदारों के साथ उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में एनएसएफडीसी के तहत 24 प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए। प्रत्येक 1.5 महीने की अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम में डेस्क टॉप प्रकाशन, वेल्डर, कटिंग और टेलरिंग, विद्युत उपकरणों की मरम्मत, ब्यूटीशियन, स्टील फैब्रीकेशन, फिट्टर फैब्रीकेशन, सुगंन्धित तेल इत्रसाजी उत्पाद और दुपहिया मरम्मत के ट्रेड आदि हैं। प्रशिक्षण के पूरा होने के पश्चात् स्कीम के मानदण्डों के अनुसार कम से कम 70 प्रतिशत भागीदारों को लाभदायक ढंग से नियोजित किए जाने की संभावना है।

संस्थान के उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास के संवर्धन के क्षेत्र में शीर्ष निकाय होने के कारण यह विभिन्न लक्षित समूहों – उद्यमियों, प्रशिक्षकों, प्रवर्तकों, विकास पद–धारियों आदि के लिए नवीन, प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रस्तुत करता है। उनकी सार्थकता को बनाए रखने के उद्देश्य से संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रम इस प्रकार डिजाइन किए गए हैं कि प्रत्येक लक्षित समूह की विशेष प्रशिक्षण जरूरतों को पूरा किया जा सके। कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम की सामग्री को लगातार संशोधित किया जाता है ताकि उनको बदलते वातावरण के अनुरूप रखा जा सके। संस्थान समकालीन मूल्यों वाले संगत और लाभदायक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए उभरते आर्थिक/उद्यमी परिदृश्य की आवधिक रूप से समीक्षा भी करता है।

नियमित प्रशिक्षण गतिविधियों के अलावा, संस्थान विभिन्न नामित संगठनों/एजेंसियों से, उनकी विशेष प्रशिक्षण अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए, प्राप्त अनुरोधों के अनुसार बनाए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

3.1 वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा 3,886 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे 99,560 व्यक्तियों को लाभ प्राप्त हुआ। पिछले वर्ष की तुलना में कार्यक्रमों की संख्या के अनुसार 83 प्रतिशत अधिक था और प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के संबंध में 85 प्रतिशत अधिक था। सभी श्रेणियों में गतिविधियों में समग्र वृद्धि हुई थी। संस्थान की उल्लेखनीय वृद्धि इस तथ्य से और प्रमाणित होती है कि संस्थान में भौतिक और वित्तीय पैरामीटरों पर पिछले 4 वर्ष के दौरान 1000 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

Box 3.1 **प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या**

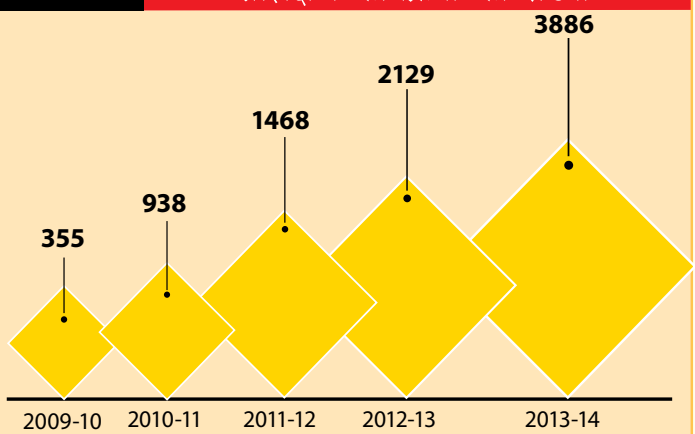

संस्थान ने वर्ष 2012-13 के दौरान आयोजित 2129 गतिविधियों की तुलना में वर्ष 2013-14 के दौरान 3886 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

3.2 यह प्रभावशाली प्रदर्शन, संस्थान के प्रबंधन द्वारा बहुविधि कार्यकलापों के विस्तार एवं विविधता के उद्देश्य से प्रगतिशील एवं नवीनतम नीतियां अपनाकर संभव हुआ, जिसमें समय–समय पर सहयोगी संगठनों का सहयोग

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आयात निर्यात कार्यक्रम

भी लिया गया। यद्यपि अधिकांश प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वंय संस्थान द्वारा भिन्न–भिन्न राज्यों/संघ–शासित क्षेत्रों में आयोजित किए गए, 184 कार्यकलाप, प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत संस्थान के भागीदार संस्थाओं के माध्यम से आयोजित किए गए।

3.3 प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों/सहायक संगठनों के अधिकारियों/विभागाध्यक्षों/वरिष्ठ संकाय आदि को प्रशिक्षण/अभिमुखीकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रयास जारी रखते हुए, संस्थान ने वर्ष के दौरान, 653 भागीदारों के लिए 32 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। हालांकि अधिकांश प्रशिक्षण कार्यकलाप प्रायोजित थे जोकि सम्बन्धित संगठनों के अनुरोध पर आयोजित किए गए, कई कार्यक्रम बाजारोन्मुखी स्व–प्रदत्त थे।

3.4 संस्थान ने सहयोगी संस्थानों और अवसंरचना प्रदाताओं के 55 समन्वयकों/संकाय को अभिविन्यास प्रदान करने के लिए सू.ल.म.उ. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता (एटीआई) स्कीम के तहत प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) की 2 श्रृंखलाएं आयोजित की ताकि वे स्कीम के तहत कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से आपेक्षित कर सकें।

3.5 उद्यमी आंदोलन को गति प्रदान करने के उद्देश्य से संस्थान ने व्यक्तियों, विशेष रूप से विद्यार्थियों, जो विभिन्न कारणों से पूर्णकालिक उद्यमिता विकास कार्यक्रम, पाठ्यक्रम में उपस्थित होने की स्थिति में नहीं हैं, जिसके प्रचुर लाभ के लिए उद्यमिता विकास के ई–लर्निंग मॉडयूल को विकसित किया है। विभिन्न राज्यों में शुरू किए गए मॉड्यूल में 50,196 व्यक्ति नामांकित किए गए और मॉड्यूल के तहत प्रमाणीकृत किए गए। संस्थान का प्रयास है कि पास होने वाले विद्यार्थियों को सेवाएं प्रदान करके स्वरोजगार में वैकल्पिक पेशे के विकल्प की सराहना करने में समर्थ हुए हैं।

3.6 उद्योग को कुशल जनशक्ति की आपूर्ति में वृद्धि करने के प्रयासों से सामाजिक सुविधा संगम : मिशन कनवरजेंस, दिल्ली सरकार के तत्वाधान में स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (एसजेएसआरवाई) के तत्वाधान में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुए। विभिन्न ट्रेड/कौशलों में प्रत्येक तीन महीने के अवधि के 47 कार्यक्रमों में पहचान की गई श्रेणियों से 1425 भागीदारों द्वारा भाग लिया गया। महानिदेशक पुनर्वास (डीजीआर) द्वारा वर्ष के दौरान प्रायोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम में सशस्त्र सेनाओं के तीन विंग से 16 सेवानिवृत्ति होने वाले कार्मिकों ने भाग लिया।

3.7 इसके बाजार उन्मुख फीस–आधारित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को डिजाइन और आयोजित करने पर बल देने को जारी रखते हुए संस्थान ने वर्ष के दौरान ऐसे कुल 270 उद्यमिता–सह–कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) आयोजित किए जिसमें 5,862 व्यक्तियों ने भाग लिया। खाद्य प्रसंस्करण, टैली के साथ कम्प्यूटर लेखाकरण, कम्प्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग तथा डेस्क टॉप प्रकाशन को अधिकतम प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ।

3.8 संस्थान ने निर्यात प्रबंध और प्रलेखन के तहत कुल 18 कार्यक्रम आयोजित किए। मौजूदा और उदीयमान उद्यमियों की उपलब्धता को देखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम सप्ताहांत और सप्ताह के दिनों के साथ–साथ उनकी उपलब्धता और सुविधा का पता लगाकर आयोजित किए गए थे। कैम्पस–प्रशिक्षण के अलावा, ऐसे प्रशिक्षण कैम्पस के बाहर विभिन्न स्थानों जैसे कि कोलकाता और देहरादून में भी आयोजित किए गए। निर्यातकों की शक्ति को सुदृढ़ करने के लिए वेब डिजाइनिंग और संवर्धन पर दो कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, इन कार्यक्रमों के माध्यम से 241 लाभार्थियों ने लाभ उठाया।

3.9 संस्थान ने वर्ष के दौरान सू.ल.म.उ. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं को सहायता (एटीआई) स्कीम के तहत 1500 उद्यमिता–सह–कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 39,979 व्यक्तियों ने भाग लिया 100 घंटे से 300 घंटे के बीच के कार्यक्रमों में 23 व्यावसायिक ट्रेड सहित कुल 67 विभिन्न ट्रेड को कवर किया गया, जिनमें वर्ष के दौरान पहली बार कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान द्वारा अधिकांश कार्यक्रम बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में अधिकांश कैम्पस के बाहर के कार्यक्रम थे, इनकी प्रभाविता को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से मॉनीटर किया गया था। इन गतिविधियों की उल्लेखनीय विशेषता कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के मानकीकरण पर मुख्य समूह द्वारा

Graph 3.1 प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या

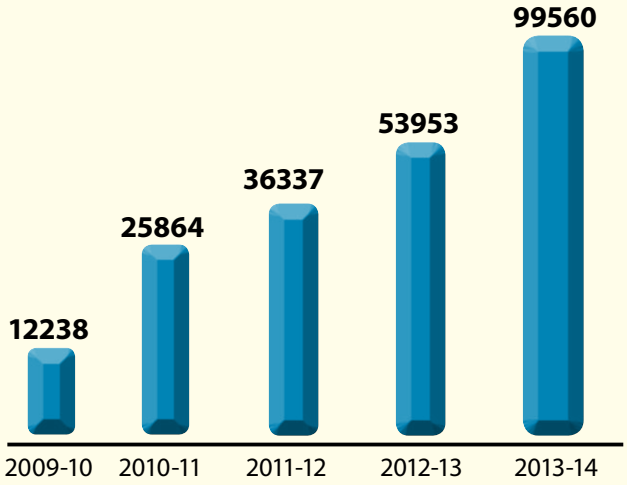

सुझाए गए मानकीकृत पाठ्यक्रम का अनुपालन करना था।

3.10 वर्ष 2013–14 के दौरान संस्थान ने 65 देशों से लिए गए 252 व्यक्तियों के साथ 13 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के बीच उद्यमिता के विकास में विविध भारतीय अनुभवों को साझा करने का अद्वितीय अवसर भी प्रदान किया। ये कार्यक्रम विदेश मंत्रालय के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के तहत प्रायोजित किये गये।

3.11 वर्ष 2013–14 के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों के संक्षिप्त ब्यौरे नीचे प्रस्तुत किए गए हैं :–

3.11.1 प्रशिक्षकों/प्रवर्तकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

संस्थान एक राष्ट्र स्तरीय उद्यमिता निकाय होने के नाते देश में प्रशिक्षित प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों की उपलब्धता को बढ़ाने में अपना योगदान देता रहा है, जो लाभार्थियों को सीधे प्रशिक्षण प्रदान करते हैं या सहायता सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार हैं। इसका उद्देश्य है कि कार्यकलापों का कासकेडिंग प्रभाव हो। ऐसे प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों की आवश्यकता हाल में प्रत्यक्ष कारणों से बढ़ रही है: उद्यमिता कैरियर के लिए इच्छुक व्यक्तियों की बढ़ती संख्या और विभिन्न सरकारी स्कीमों के अंतर्गत लाभ प्रदान करने के लिए पूर्व–अपेक्षानुसार उद्यमी प्रशिक्षण पर जोर दिया जाना। इन प्रशिक्षण कार्यकलापों का मुख्य उद्देश्य भिन्न–भिन्न रूपों में प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों की क्षमताओं विकसित/मजबूत करना है ताकि वे अपनी संबंधित भूमिका को प्रभावी ढंग से निभा सकें।

संस्थान ने वर्ष के दौरान उद्यमी प्रोत्साहन प्रशिक्षकों के लिए 2 प्रत्यायन कार्यक्रम आयोजित किए।

प्रत्येक शुरुआती और अंतिम चरण के कार्यक्रमों में 26 भागीदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने पर संस्थान द्वारा 8 भागीदारों को प्रशिक्षकों के रूप में प्रत्यायित किया गया। संगठन विकास और उत्कृष्टता के लिए नवीन नेतृत्व पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसका प्राथमिक उद्देश्य बुनियादी भूमिकाओं/तकनीकों और उनके किसी संगठन में अनुप्रयोग के साथ भागीदारों को परिचित कराना था। कार्यक्रम में डीसी (सू.ल.म.उ.) कार्यालय के 12 अधिकारियों के समूह सहित 20 भागीदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्य भागीदार एनएसआईसी, केवीआईसी, केनरा बैंक और राज्य व्यापार निगम से लिए गए थे।

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), विश्व बैंक समूह का एक सदस्य, से पूर्व में हुए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसरण में संस्थान ने आईएनपीएसीटी नामक – (प्रशिक्षकों की क्षमता को प्रगामी करने के लिए आईएफसी और निसबड कार्यक्रम पूर्व में निसबड–आईएफसी क्षमता निर्माण कार्यक्रम) 11 प्रशिक्षक क्षमता निर्माण कार्यक्रम की श्रृंखला आयोजित की। संस्थान ने मई, 2012 में शुरू हुए 17 प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरा किया। 150 से अधिक भागीदार कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कड़ी चयन प्रक्रिया से गुजरे थे। इस वर्ष के कार्यक्रम भारत भर में विभिन्न शहरों में आयोजित किए गए जिनका बुनियादी उद्देश्य भारत में सू.ल.म.उ. के साथ संबद्ध उद्यमी और व्यवसाय कौशल प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कौशल को बढ़ाना है। अध्यापन आईएफसी के व्यवसाय नेतृत्व कार्यक्रम पर आधारित है जिसका अब तक 30 से अधिक देशों में 1,500 से अधिक व्यवसाय कौशल प्रशिक्षकों के कौशल को बढ़ाना और प्रमाणित करने के लिए प्रयोग किया गया। इस सत्र के तहत कुल 28 प्रशिक्षक प्रमाणित हैं और मास्टर प्रशिक्षक बनने के पात्र हैं।

नोएडा में आयोजित इन्पेक्ट कार्यक्रम में सर्वोत्तम प्रस्तुतिकरण के लिए पुरस्कार प्राप्त करते हुए प्रतिभागी

सू.ल.म.उ. सत्र कार्यक्रम के तहत भारत में व्यवसाय सदस्यता संगठन (बीएमओ) के क्षमता निर्माण पर लक्षित जीआईजैड के साथ समझौता ज्ञापन के पश्चात् संस्थान ने जीआईजैड के सहयोग से बीएमओ के सचिवालय के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के 20 भागीदारों को सहयोग प्रबंध, राजस्व उत्पादन, सरकारी सहायता स्कीमों के लिए पहुंच, समर्थन और व्यवसाय जिम्मेदारी के क्षेत्रों में अभिविन्यास प्रदान किया गया था।

महानिदेशक पुनर्वास (डीजीआर), रक्षा मंत्रालय के साथ हुए समझौते के अनुसार संस्थान ने एलायंस एजुकेयर, साझीदार संस्थान के साथ सक्रिय सहयोग से वर्ष के दौरान अपने कैम्पस में लघु/ग्रामीण उद्यमिता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। 16 सप्ताह के कार्यक्रम में 16 रक्षा कार्मिकों ने भाग लिया, जिसे डीजीआर द्वारा सशस्त्र सेनाओं – वायु सेना, थल सेना और नौसेना के तीनों विंग के प्रतिनिधित्व को प्रायोजित किया गया, जो काफी उत्साहवर्धक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम भागीदारों के स्वभाव और जागरूकता के बीच अंतर को भरने और किसी आर्थिक उद्यम की स्थापना कराने और चलाने के लिए व्यावहारिक अपेक्षाओं के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

3.11.2 विकास अधिकारियों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम

उद्यमिता के संवर्धन के विभिन्न पहलुओं में समर्थन संगठनों के पदाधिकारियों के लिए लगातार अभिविन्यास प्रदान करने के महत्व को कम नहीं किया जा सकता। इन परिवर्तन एजेंटों की वांछित लक्षित समूहों के बीच उद्यमी संस्कृति के संवर्धन में भूमिका संभावित लाभार्थियों के साथ उनके प्रत्यक्ष संबंध के कारण महत्वपूर्ण हो जाती है।

संस्थान ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और जीआईजैड के सहयोग से उद्यमिता पर स्कूलों के अध्यापकों के लिए शिक्षण विधियों पर 3 कार्यक्रम आयोजित किए। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता के प्रसार के लिए प्रभावी प्रशिक्षण विधि शुरू करना था।

इसके अलावा नियोज्यता कौशल पर विशेष रूप से तैयार किए गए कार्यक्रम में, अन्य कौशल के साथ–साथ, अंग्रेजी भाषा, उद्यमिता, सम्प्रेषण कौशल, गुणवत्ता के साधन और व्यावसायिक सुरक्षा के क्षेत्रों को लिया गया है।

3.11.3 उद्यमिता को बनाए रखने के लिए लघु उद्यम सतत् शिक्षा कार्यक्रम

सूक्षम और लघु उद्यमों को पुष्टि प्रदान करने के लिए और ऐसी इकाइयों को एक व्यवहारिक हस्ती बनाने के लिए संस्थान अपने लघु उद्यम जारी शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से कार्यरत उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। इस श्रेणी में उद्यम के लिए प्रबंध की विवेचित कार्यात्मक क्षेत्रों में गहराई से ज्ञान और कार्यकरण कौशलों को प्राप्त करने के लिए छोटी अवधि के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। इस वर्ष संस्थान द्वारा निर्यात–आयात प्रक्रिया और दस्तावेजीकरण पर 18 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें 165 मौजूदा/संभावित उद्यमियों, वरिष्ठ कार्यपालकों, परामर्शदाताओं आदि ने भाग लिया। एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में, अन्य बातों के साथ–साथ, निर्यात संगठन का निर्माण, विदेश व्यापार नीति और अंतर्राष्ट्रीय वातावरण, उत्पाद और देश का चयन, इनकोटर्म 2010, भुगतान की शर्तें और साख पत्र, निर्यात वित्त और फेमा, दस्तावेजीकरण, इन्टरनेट विपणन और ई–कामर्स आदि के कुछ विषय शामिल किए गए थे।

3.11.4 वित्त और नेतृत्व प्रशिक्षण

लघु उद्योग के लिए ''वित्त कैसे जुटाएं'' पर एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में 17 छोटे उद्यमियों, कार्यपालकों और परामर्शदाताओं ने भाग लिया।

नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 अधिकारियों ने भाग लिया जिसमें पर नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया और जिसका लक्ष्य उनके संबंधित संगठनों में विकास को सुनिश्चित करने के लिए भागीदारों की नेतृत्व की गुणवत्ता को सुदृढ़ करना था।

''महिलाओं के लिए आयोजित अपनी बचतों का कैसे निवेश करें''– श्री एस.के. गगरू, भूतपूर्व ईडी, एसबीआई, श्री आर. के. चन्द्रा, सुश्री सरिता चौहान, निसबड कैम्पस में प्रतिभागियों के साथ

श्री राजीव सिन्हा, प्र. सचिव सू.ल.म.उ. पश्चिम बंगाल सरकार, श्री अरूण कुमार झा महानिदे ाक निसबड का मिलन मेला कोलकाता में स्वागत करते हुए।

3.11.5 विभागाध्यक्षों/वरिष्ठ संकायों/कार्यकारियों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम

संस्थान सरकारी और गैर–सरकारी क्षेत्रों में विभिन्न संगठनों के वरिष्ठ कार्यपालकों को अभिविन्यास प्रदान करता है। इन प्रशिक्षण गतिविधियों का उद्देश्य भागीदारों के ज्ञान और समझ को अद्यतन बनाना है ताकि उनके कार्यकलापों से संबंधित क्षेत्रों में उनके दिन–प्रतिदिन के प्रचालनों में अधिक विश्वास की भावना को आत्मसात किया जा सके और प्रभाविता दी जा सके।

संस्थान ने साझीदार संस्थाओं (पीआई) और अवसंरचना प्रदाताओं के कार्यक्रम निदेशकों/संकाय के लिए 3 अभिविन्यास कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की। कार्यक्रम सू.ल.म.उ. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं को सहायता (एटीआई) स्कीम के तहत आयोजित किया गया था, स्कीम के तहत उद्देश्यों, उद्यमी विकास के लिए विभिन्न स्कीमों और उद्यमी के व्यवसाय को अपनाने के लिए विद्यार्थियों को कैसे प्रोत्साहित किया जाए सहित प्रशिक्षण गतिविधियों को आयोजित करने के विभिन्न पहलुओं पर 87 व्यक्तियों को सुग्राही बनाया गया।

इसके अलावा, संस्थान की साझीदारी संस्थाओं के 27 प्रधानाचार्यों/संकाय सदस्यों के लिए अध्यापन विधियों पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। 3 दिवसीय कार्यक्रम को भागीदारों को समकालीन अध्यापन तकनीक, ग्रामीण/दूर–दराज के क्षेत्रों में सहायता/साधनों को संभालना, विभिन्न प्रशिक्षण के पश्चात् स्कीमों जैसे आरजीयूएमवाई, पीएमईजीपी आदि को प्रभावशाली ढंग से लागू करना, स्वरोजगार के लिए भागीदारों को और प्रोत्साहित/मार्गदर्शन कराने एवं सशक्त बनाने से अवगत कराने हेतु बुनियादी उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

3.11.6 कार्यपालकों का प्रशिक्षण

निसबड ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास वित्त निगम (एमएमडीएफसी) के स्टाफ सदस्यों के लिए कौशल को बढ़ाने और इसके उन्नयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उनके प्रबंधकीय और तकनीकी स्टॉफ के लिए प्रशिक्षण के दौरान कवर किए गए प्रमुख विषयों में सीएसआर का आंतरीकरण, जोखिम प्रबंध और कर्मचारियों को बहु–कौशल बनाना शामिल था।

3.11.7 बौद्धिक संम्पदा सुविधाकरण केन्द्र (आईपीएफसी)

बौद्धिक सम्पत्ति अधिकार के मुद्दों के प्रचार और संवर्धन और उदीयमान और मौजूदा उद्यमियों, विशेष रूप से मौजूदा समूहों में सूचना के लिए शाश्वत प्रयासों को जारी रखते हुए आईपीएफसी–निसबड ने देश के विभिन्न स्थानों में जागरूकता कार्यक्रम/सेमिनार/कार्यशाला आयोजित की जिसमें समूह एक्टरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। क्षेत्रों जैसे पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन, कॉपीराइट आदि में मामला–दर–मामला आधार पर चर्चाओं ने लाभदायक परिणाम दिए क्योंकि भागीदारों ने न केवल प्रशिक्षण हस्तक्षेप की सराहना की अपितु भविष्य में सतत् आधार पर ऐसे प्रयासों को दोहराने की जरूरत व्यक्त की ताकि जहाँ तक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से आईपीआर का वांछनीय संकेन्द्रण मुद्दा प्राप्त कर सके। जिससे भारतीय उद्यमियों को डब्ल्यूटीओ तंत्र के पश्चात् देश के अंदर और बाहर व्यवसाय वातावरण में सदैव बढ़ती चुनौती का सामना करने में उनकी समग्र प्रतिस्पर्धात्मकता को लाभ प्राप्त हो सके। जिसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के विभिन्न स्थानों में 8 जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

3.11.8 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान विभिन्न अध्येतावृत्ति स्कीमों के तहत अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का विदाई सत्र

श्री राजीव भार्मा मुख्य समन्वयक एवं श्री राके ा सिंह समन्वयक, निसबड कार्यक्रम के उदघाटन के अवसर पर।

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के पैनल में है। संस्थान सामान्यतः वर्ष में 10–12 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

सामान्यतः 8 सप्ताहों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य भागीदारों को आवश्यक तकनीकों, विधियों आदि से अवगत करना है ताकि उनको संबंधित देशों में प्रवर्तकों/लघु व्यवसाय के प्रभावशाली प्रशिक्षण/संवर्धन एवं उनको कर्तव्य करने में समर्थ बनाया जा सके। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए नामांकन आईटीईसी/एससीएएपी और कोलम्बो प्लान अध्येयतावृत्तियों के तहत विदेश मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त किये जाते हैं।

घोषित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, संस्थान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/एजेंसियों, प्रभुसत्ता संपन्न सरकारों आदि से प्राप्त अनुरोध पर बनाए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। संस्थान द्वारा लघु व्यवसाय योजना और संवर्धन (एसबीपीपी) पर ऐसा एक विशेष कार्यक्रम कोलम्बो प्लान सचिवालय के सहयोग से 10 भागीदारों के लिए वर्ष के दौरान आयोजित किया गया था। इसके अलावा, बीज उत्पादन में अफगान व्यवसाय प्रबंधकों के क्षमता निर्माण पर विशेष रूप से बनाया गया प्रशिक्षण आयोजित किया गया था जिसमें सरकारी अधिकारी के अलावा 6 अफगान एसएमई ने विधिवत् रूप में भाग लिया।

वर्ष 2013–14 के दौरान 65 देशों से लिए गए 252 व्यक्तियों के साथ संस्थान ने 13 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के बीच उद्यमिता के विकास में विविध भारतीय अनुभवों को साझा करने का अद्वितीय अवसर भी प्रदान किया।

संस्थान ने शीघ्र आने वाले और समकालीन क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का डिजाइन बनाने और आयोजित करने की अपनी परम्परा को जारी रखते हुए वर्ष के दौरान निर्यात प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

अफगानिस्तान

अरमिनिया

अर्जेनटीना

बांग्लादेश

भूटान

बोत्सवाना

कोलंबिया

डीआर कांगो

इथोपिया

फिजी आईलैंडस

घाना

गुनियाबासु

गुनिया

इंडोनेशिया

वर्ष के दौरान आयोजित तेरह कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :–

3.11.8 (क) क्लस्टर विकास – उद्यमिता के लिए/सू.ल.म.उ. उभरती रणनीति (सी.डी.ई.एस.–सू.ल.म.उ.)

संस्थान के सीडीईएस–सू.ल.म.उ. पर दूसरे पांच सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अफगानिस्तान, घाना और नाइजीरिया से 10 भागीदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के दौरान भागीदारों को बुनियादी अवधारणाओं से परिचय के अलावा समूह विकास, लघु व्यवसायों के विकास के लिए समूह कार्यनीतियों, समूह विकास की प्रक्रिया में शामिल विभिन्न हिस्सेदारों के विविध भारतीय अनुभवों से भी परिचित कराया गया। व्यावहारिक अभिविन्यास प्रदान करने के उद्देश्य से भागीदारों को विभिन्न औद्योगिक समूहों के दौरे पर ले जाया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रत्येक भागीदार ने अपने संबंधित देशों में समूह विकास के लिए कार्रवाई योजना तैयार किया।

3.11.8 (ख) अंतर्राष्ट्रीय विपणन एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा (आईएमजीसी)

आईएमजीसी पर 5 सप्ताह के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 विभिन्न देशों : अफगानिस्तान, इथोपिया, घाना, आइवरी कोस्ट, कजाकिस्तान, मंगोलिया, नाइजीरिया, तजाकिस्तान, तन्जानियां और उज्बेकिस्तान से 15 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन प्रतिस्पर्धात्मकता पर भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुभवों को साझा करने, निर्यात विपणन के लिए ज्ञान और कौशल को प्राप्त करने, अंतर्राष्ट्रीय विपणन में सुविधा के लिए नीतियों और योजना को समझने और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए कार्रवाई योजना तैयार करने के बुनियादी उद्देश्य से किया गया।

3.11.8 (ग) निर्यात प्रबंधन कार्यक्रम (ईएम)

संस्थान ने अपना ईएम पर पहला 5 सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन और आयोजित किया जिसमें तजाकिस्तान, तन्जानियां और जिम्बाम्वे से 05 भागीदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम प्रतिस्पर्धात्मकता पर भारतीय अनुभवों को साझा करने, निर्यात बाजारों के प्रबंध के लिए ज्ञान और कौशल प्रदान करने, निर्यात बाजारों में सुविधा देने के लिए नीतियों और योजना से भागीदारों को परिचित कराने और निर्यातों के सफलतापूर्वक प्रबंध करने के लिए कार्रवाई योजना तैयार करने के बुनियादी उद्देश्यों से आयोजित किया गया।

मलावी

इराक

ईरान

आईवरीकोस्ट

जामाईका

कीनिया

किरिगस्तान

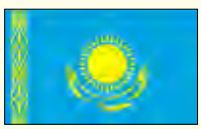
कजाकिस्तान

लाओ पीडीआर

लीस्थो

लिथुआनिया

मैडगास्कर

मालदीव

3.11.8 (घ) मानव संसाधन विकास और उद्यमिता शिक्षा (एचआरडीईई)

संस्थान ने वर्ष के दौरान एचआरडीईई पर अपना आठवां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उद्यमी और प्रबंधकीय शिक्षा में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों, कार्यपालकों और परामर्शदाताओं के लिए 8–सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम मानव संसाधन विकास और उद्यमिता के साथ इसके संबंध की प्रक्रिया को भागीदारों को समझाने, उद्यमी गुणवत्ताओं को प्रेरित करने और नवीन परिवर्तनों के लिए प्रोत्साहित करने, उद्यमों/संगठनों का सृजन और प्रबंध करने के लिए क्षमताएं और योग्यताएं विकसित करने और उद्यमिता के माध्यम से एचआरडी के लिए कार्रवाई योजना तैयार करने के बुनियादी उद्देश्यों को संचालित किया गया था। कार्यक्रम में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, कोस्टारिका, क्यूबा, जाम्बिया, घाना, इण्डोनेशिया, आइवरी कोस्ट, लिबिया, मॉरिशस, मोरक्को, मोजाम्बिक, म्यांमार, नाइजर, ओमान, फिलीस्तीन, रोमानिया, सिऐरा लिओन, श्रीलंका, तन्जानियां, उज्बेकिस्तान, वेनेजुऐला और जिम्बाम्वे से 36 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

3.11.8 (ड.) व्यवसाय सलाहकारों का प्रशिक्षण (बीएटी)

बीएटी पर संस्थान के अठारहवें प्रशिक्षण कार्यक्रम में अफगानिस्तान, मोरक्को, नाइजर, सूडान, तन्जानियां और जिम्बाम्बे से 09 उद्यमी व्यक्तियों द्वारा भाग लिया गया। 8 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्यम प्रबंध के महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान करने में पूरी जानकारी प्रदान करने, लघु उद्यमों के लिए नीतियाँ और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता को सुदृढ़ बनाने, व्यवसाय परामर्श के कौशल को तेज करने आदि के उद्देश्यों से आयोजित किया गया था। कक्षा में अध्यापन के पूरक उद्देश्य से प्रतिभागियों को आगरा, दिल्ली, जयपुर और चंडीगढ़ के शहरों में विभिन्न लघु इकाइयों और समर्थन संगठनों में अध्ययन दौरों पर ले जाया गया।

3.11.8 (च) लघु व्यवसाय योजना और संवर्धन (एसबीपीपी)

वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा एसबीपीपी पर तेईसवें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अफगानिस्तान, भूटान, कोलम्बिया, कोस्टारिका, डीआर कांगो, फिजी, आइवरी कोस्ट (कोट डी आइवरी), लाओ पीडीआर, मैडागास्कर, मलावी, मोरीटानिआ, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, नाइजर, नाइजीरिया, सीरिया, तजाकिस्तान, तन्जानियां, थाइलैण्ड, यूगाण्डा, उज्बेकिस्तान और जिम्बाम्वे से 31 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

श्रीलंका

मॉरीशस

मंगोलिया

म्यांमार

नॉबिया

नेपाल

नाइजीरिया

नाईजर

ओमान

पपुआ न्यूगिनियां

रूस

सर्बिया

सिरिया लियोन

स्लोवाकिया

साउथ अफ्रीका

सूडान

सीरिया

तजाकिस्तान

तंजानिया

टोगो

तुनिशिया

यूगांडा

उज्बेकिस्तान

वियतनाम

यमन

ज़ाम्बिया

जिबांवे

कार्यक्रम को व्यापक कवरेज प्रदान करने के उद्देश्य से संपूर्ण पाठ्यक्रम सामग्री को सात प्रमुख मॉड्यूल में विभाजित किया गया था – लघु व्यवसाय सृजन, लघु व्यवसाय योजना, लघु व्यवसाय प्रबंध कौशल, लघु व्यवसाय प्रवर्तकों की भूमिका और कार्य और दिल्ली के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा राज्यों में विविध समर्थन संगठनों के दौरों के अलावा बहुत से लघु व्यवसाय उद्यमों के लिए क्षेत्रीय दौरे शामिल हैं।

3.11.8 (छ) स्वंय सहायता समूहों का निर्माण, विकास एवं स्थायीत्व (एसएचजीएफजीएस)

समाज के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से महिलाओं के बीच उद्यमिता और आर्थिक गतिविधियों के संवर्धन में स्वयं–सहायता समूहों (एसएचजी) के बढ़ते हुए महत्व की पहचान करते हुए संस्थान ने अपना एसएचजीएफजीएस पर सातवां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। 8 सप्ताह का कार्यक्रम समूह बनाने की प्रक्रिया और एसएचजी की पुष्टि और विकास के लिए तकनीकों से प्रतिभागियों को परिचित कराने के बुनियादी उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांग्लादेश, एसटोनिया, इथोपिया, म्यांमार, थाईलैण्ड, यूगाण्डा, जाम्बिया और जिम्बाम्वे के 08 विभिन्न देशों से 14 सहभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया। पाठ्यक्रम के दौरान सहभागियों को भारतीय अनुभवों और एसएचजी और एसएमई के विकास के लिए फैलाए जा रहे दृष्टिकोणों को सीखने का अवसर दिया गया था।

3.11.8 (ज) कोलम्बो प्लान सचिवालय के लिए अनुरोध कार्यक्रम : लघु व्यवसाय नियोजना एव संवर्धन (एसबीपीपी)

एसबीपीपी पर 4 सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कोलम्बो प्लान सचिवालय से प्राप्त अनुरोध पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 07 विभिन्न देशों : बांग्लादेश, फिजी, लाओ पीडीआर, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका आदि के 10 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम संभावित युवा उद्यमियों को अपने संबंधित सूक्ष्म/लघु इकाइयां स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन/सहायता करने और मौजूदा उद्यमियों को वृद्धि और विकास के लिए अपने आर्थिक प्रचालनों का विस्तार, आधुनिक बनाने या विविधीकृत करने पर सलाह देने में प्रतिभागियों की क्षमता को विकसित करने के बुनियादी उद्देश्य से आयोजित किया गया था। सूक्ष्म और लघु व्यवसाय को विकसित करने में भारतीय अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ व्यापक रूप से साझा किया गया, जोकि समान सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से थे।

3.11.8 (झ) उद्यमिता तथा आय सृजन कार्यकलापों का संवर्धन (ईपीआईजीए)

ईपीआईजीए पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 17 देशों नामतः बांग्लादेश, केमरून, इथोपिया, फिजी, ईरान, केनियां, किरगिस्तान, मॉरिशस, म्यांमार, नाइजर, नाइजीरिया, सिऐरालिओन, श्रीलंका, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, यमन और जाम्बिया से 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम आय वृद्धि करने के लिए उद्यमिता विकास में पूरी जानकारी विकसित करने, उपयुक्त सूक्ष्म उद्यमों की पहचान और चयन के लिए योग्यताएं विकसित करने और सूक्षम उद्यमों की पहचान करने, सृजन, विकसित करने और चलाने के लिए डिजाइन तैयार करने/योजना तकनीकों के लिए ज्ञान/कौशल प्रदान करने के उद्देश्यों के साथ संचालित किया गया था।

3.11.8 (ञ) महिलाएं एवं उद्यम विकास (डब्ल्यूईडी)

डब्ल्यूईडी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, कम्बोडिया, इक्वाडोर, मिस्र, इथोपिया, फिजी, घाना, गुनिया, इण्डोनेशिया, ईरान, किरगिस्तान, मैडागास्कर, मॉरिशस, म्यांमार, नेपाल, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सेंट लुसिया, सूडान, तजाकिस्तान और तन्जानियां से 34 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया। 8 सप्ताह का कार्यक्रम अपने संबंधित देशों में आर्थिक गतिविधियां शुरू करने अधिक से अधिक महिलाओं को प्रोत्साहित करके महिला उद्यमिता विकास के क्षेत्र में प्रभावी प्रशिक्षक/प्रवर्तक/परामर्शदाता बनाने तथा प्रतिभागियों की मदद करने के लिए बनाया गया था। कार्यक्रम ने मुख्यतः समाज के विभिन्न आर्थिक वर्गों से आने वाली महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे लघु उद्यमों को बनाए रखने और सृजन के विशेष संदर्भ में महिला उद्यमिता विकास पर ध्यान केन्द्रित किया। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में उद्यम निर्माण, सूक्ष्म क्रेडिट, ग्रामीण महिलाओं, ग्रामीण विपणन आदि के लिए स्वयं सहायता समूहों के लक्षणों पर विशेष ध्यान दिया गया था।

3.11.8 (ट) संगठन के विकास और उन्नयन के लिए अभीनव नेतृत्व (आईएलओजीई)

संस्थान ने वर्ष के दौरान आईएलओजीई पर तीसरा 8 सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बांग्लादेश, कम्बोडिया, कुमोरस, इक्वाडोर, इथोपिया, हंगरी, आइवरी कोस्ट, कजाकिस्तान, कीनिया, किरगिस्तान, लाओस, लीसोथो, लाइबीरिया, मैडागास्कर, मॉरिशस, म्यांमार, नेपाल, नाइजीरिया, पेरू, पौलेंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूडान, तजाकिस्तान और वेनेजुएला के 25 विभिन्न देशों से कुल 36 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विचारों को पैदा

करने और समस्याओं और डिजाइन को समझने की कला के संबंध में अभिनवों के रूप में प्रतिभागियों को विकसित करने, विभिन्न लक्षित समूहों के लिए विकास स्कीमें और कार्यक्रम बनाने और क्रियान्वित करने के बुनियादी उद्देश्य से बनाया गया था। कार्यक्रम में, अन्य बातों के साथ–साथ, संगठनों के विकास, उत्कृष्टता और पुष्टि को सुनिश्चित करने के लिए सकारात्मक अभिविन्यास और व्यावसायिक कौशलों पर ध्यान केन्द्रित किया।

3.11.8 (ठ) लघु व्यवसाय प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों के लिए उद्यमिता (ईएसबी–टीपी)

ईसबी–टीपी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम बांग्लादेश, बुल्गारिया, आइवरी कौस्ट (कोट आइवरी), इथोपिया, गुनिया बिसाउ, कीनिया, किरगिस्तान, मॉरिशस, मोरक्को, म्यांमार, नाइजर, नाइजीरिया, सेंट लुसिया, सीरिया, तजाकिस्तान, टुवालु और उज्बेकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाले 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम इस प्रकार बनाया गया था कि विकासशील देशों से प्रशिक्षक और प्रवर्तक उद्यमिता विकास प्रक्रिया को समझने, संभावित उद्यमियों के लिए उद्यमिता प्रोत्साहत्मक प्रशिक्षण (ईएमटी) का डिजाइन और संचालन सीखने, संभावित उद्यमियों की पहचान के लिए कौशल प्राप्त कर उनका पता लगाने के लिए उपयुक्त चयन तकनीकों/साधनों का प्रयोग कर, उद्यम शुरू करने की गति को समझने, अवसर की बारीकी से जांच, परियोजना तैयार करना, संसाधनों का मूल्यांकन कर, लाभभोगियों को उनके उद्यमों का सफलतापूर्वक प्रबंध करने व मार्गदर्शन कर क्षमता प्राप्त करना और उनके उद्यमों की स्थापना में उनको सहायता प्रदान करने में समर्थ हो सकें। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में, अन्यों के साथ–साथ, भावनात्मक सूचना, बीपीआर और आईटी का अनुप्रयोग शामिल था।

3.11.8 (ड) अफगानिस्तान के व्यवसाय प्रबंधकों के लिए का क्षमता निर्माण कार्यक्रम

संस्थान ने अफगान प्रमाणित बीज उत्पादन कंपनियों के व्यवसाय प्रबंधकों के लिए 2 सप्ताह का विशेष रूप से तैयार किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। ग्लोबल प्रोजेक्ट एण्ड सर्विसिस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम को अफगान ग्रामीण उद्यम विकास कार्यक्रम (एआरईडीपी), ग्रामीण पुनर्वास और विकास मंत्रालय (एमआरपीडी), अफगानिस्तान सरकार के तहत प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम में मंत्रालय के अधिकारियों के अलावा अफगानिस्तान में बीज उत्पादन में कार्यरत 6 एसएमई इकाईयों द्वारा भाग लिया गया। कृषि में गुणवत्ता वाले बीज के महत्व के क्षेत्रों में कक्षा में अध्ययन, फसल किस्म विकास और अनुरक्षण, गुणवत्ता वाले बीज का उत्पादन, बीज सुखाने, साफ करने और प्रोसेसिंग, बीज स्वास्थ्य प्रबंध, बीज गुणवत्ता आश्वासन और प्रमाणन, बीज गुणवत्ता की जांच, शुद्धता, आर्द्रता और अंकुरण, अंतर्राष्ट्रीय बीज की जांच करने के संलेख, विपणन की विधियां, नवीन रणनीतियां और लिंकेज, बीज व्यवसाय का प्रबंध ताकि लघु और मध्यम उद्यमों को व्यवसाय सलाह का समर्थन दिया जा सके, क्षमता निर्माण और तकनीकी सेवाएं, बीज पैकिंग और भंडारण और पश्च और अग्र लिंकेज सहित आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंध के अलावा कार्यक्रम में प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभिविन्यास प्रदान करने के लिए संस्थाओं, इकाइयों और समर्थन संगठनों के व्यापक क्षेत्र शामिल थे।

राजदूतों/उच्चायुक्तों के लिए संपर्क बैठक का आयोजन

संस्थान ने सामान्य रूप से और विशेष रूप से इसके अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और इस संबंध में राजधानी में आधारित विदेशी बन्धुत्व की अपेक्षाओं को समझाने के लिए उद्यमी पहलों के बारे में उनके प्रतिनिधियों को अवगत कराने के उद्देश्य से 24 फरवरी, 2014 को संस्थान ने राजदूतों/उच्चायुक्तों के साथ परस्पर संपर्क कर बैठक आयोजित की थी। बैठक, जिसमें विभिन्न महाद्वीपों के प्रतिनिधियों के अद्वितीय समूह ने प्रतिनिधित्व किया, बैठक में दिल्ली में आधारित मिशनों के 15 राजदूतों/उच्चायुक्तों/प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अवसर का उपयोग संस्थान के परामर्शी सेवाओं के बुके को प्रस्तुत करने के लिए भी किया गया। संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में और सुधार करने के लिए विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी सुझावों पर तत्परता से कार्रवाई की।

3.11.9 उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी)

विभिन्न लक्षित समूहों, विशेष रूप से विद्यार्थियों में उद्यमी संस्कृति के संवर्धन के लिए संस्थान उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) आयोजित करता रहा है। ये गतिविधियां सहभागियों के बीच उद्यमिता के सूक्ष्म भेदों को शुरू करने में भी समर्थ हैं। जैसा ऊपर बताया गया है, नौकरी सृजकों के सृजन के लिए सू.ल.म.उ. मंत्रालय की संवर्धनात्मक गतिविधियों के भाग के रूप में बहुतायत जनसंख्या तक पहुंचने के लिए ई–लर्निंग मॉड्यूल शुरू किए गए हैं। सामान्य युवाओं, जो कम्प्यूटर लेने में समर्थ नहीं है और इंटरनेट तक पहुंच नहीं रखते हैं उनको कालेज/संस्थान में लक्षित करके समाधान किया गया था और साथ ही उन्हें ई–लर्निंग मॉड्यूल की सीडी प्रदान करना बड़ी सफलता थी। इसमें 1 दिन कक्षा में अध्यापन और सीडी के माध्यम से 14 दिन कम्प्यूटर पर सीखना भी शामिल है। 15वें दिन सीखने के पश्चात् सीखने वाला ऑन–लाइन मूल्यांकन और उसके पश्चात् परीक्षा के लिए पात्र हो

जाता है, सीखने वाले के लिए ऑन–लाइन प्रमाणपत्र तैयार किया जाता है। ई–लर्निंग मॉड्यूल से 52,000 से अधिक व्यक्तियों को कवर किया गया है। निसबड के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि थी जो उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) के तहत इतने अधिक व्यक्तियों को कवर करने में समर्थ रहा। यह निश्चित रूप से उनके 4–5 प्रतिशत को स्वयं के उद्यम स्थापित करने में प्रोत्साहित करेगा और आय और रोजगार द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में पर्याप्त रूप से योगदान करेगा।

3.11.10 उद्यमिता–सह–कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी)

संस्थान सू.ल.म.उ. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं को सहायता (एटीआई) स्कीम के तहत उद्यमिता –सह–कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) आयोजित करता रहा है। 100 घंटे से 300 घंटों के बीच ये प्रशिक्षण गतिवधियां पूरे उत्तरी क्षेत्र में छोटे नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित की जाती हैं। वर्ष के दौरान संस्थान ने स्कीम के तहत 49,469 लाभभोगियों के लिए 1,923 ईएसडीपी आयोजित किए। इसमें 9,490 प्रतिभागियों के साथ 423 प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल थे, जो पिछले राजकोषीय वर्ष में शुरू किए परन्तु वर्ष 2013–14 में पूरे हुए। बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल के 13 राज्यों में फैले प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान द्वारा उत्कृष्ट रूप से स्वयं ही आयोजित किए गए थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 60 से अधिक ट्रेड (व्यवसायों) को कवर किया गया था और इनमें प्रमुख ये थे : एसी, रेफ्रिजरेटर और वाटर कूलर मरम्मत (71), सी, सी ++ एण्ड ओओपी (83), सीएडी/सीएएम (58), टेली के साथ कम्प्यूटर लेखाकरण (137), कम्प्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग (158), डीजल ईंधन इंजेक्शन तकनीशियन (93), विद्युत उपकरण मरम्मत (100), फैशन डिजाइनिंग (71), खाद्य प्रसंस्करण (86), गृह प्रबंधन और आतिथ्य (50), मोबाइल रिपेयर (99), प्लम्बिंग और सैनेटरी फिटिंग (68), मरम्मत और 3.13.8 विद्युत आपूर्ति, इनवर्टर और यूपीएस का अनुरक्षण (163), खुदरा प्रबंध (89) और वेब डिजाइनिंग (156)। विभिन्न भूगोलीय स्थानों में प्रशिक्षित व्यक्तियों की प्रभावी गतिशीलता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने सभी स्थानों पर मानकीकृत पाठ्यक्रम को अपनाया। सरकार की नीति के अनुरूप संस्थान ने समाज के विभिन्न लाभकारी वर्गों के प्रशिक्षण पर यथोचित बल दिया। तदनुसार, वर्ष के दौरान 3,550 महिलाओं 10,683 अनुसूचित जातियों, 8,132 अनुसूचित जनजातियों, 680 अल्पसंख्यकों और 3,053 अन्य पिछड़े वर्गों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों के डाटाबेस के मौजूदा मानीटरिंग तंत्र प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों का आना और बुलाने के साथ प्रशिक्षण आदि के अतिरिक्त उपायों को अपनाने के माध्यम से वर्ष के दौरान कैम्पस से बाहर गतिविधियों की प्रभाविता को सुनिश्चित करने के लिए और सुदृढ़ बनाया गया। यद्यपि, सू.ल.म.उ. के कॉल सेंटर प्रतिभागियों को गतिविधियों पर फीडबैक प्राप्त करने के लिए आवधिक रूप से कॉल करते हैं, फिर भी निसबड के समन्वयकर्ता प्रशिक्षणार्थियों का अनुवर्तन यह देखने के लिए करते हैं कि उनको रोजगार प्राप्त होता है या अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करने में समर्थ होते हैं।

एटीआई स्कीम के तहत ईएसडीपी के अलावा, संस्थान उच्च नियोज्यता संभावना वाले ऐसे प्रदत्त बाजार–चालित कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। ऐसे कार्यक्रम सामान्यतः स्कूल/कालेजों से नए पास हुए या छोड़ गए विद्यार्थियों के लिए, जो उचित रोजगार की तलाश में है, के लिए आयोजित किए जाते हैं। संस्थान ने वर्ष के दौरान 5,862 प्रतिभागियों के लिए 270 ऐसी प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की। अधिकांश कार्यक्रम संस्थान के सहयोगियों के साथ सहयोग में विभिन्न स्थानों में आयोजित किए गए थे।

प्रारंभ से संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या और विभिन्न श्रेणियों के तहत लाभ–भोगियों की कुल संख्या दर्शाने वाला विवरण परिशिष्ट–क में संलग्न है।

संस्थान में विदेशी प्रतिनिधिमण्डल

संस्थान ने वर्ष के दौरान अपने कैम्पस में निम्नलिखित प्रतिनिधिमंडलों/दौरों की मेजबानी की : –

नार्थ केरोलीना यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधि–मंडल

1) लीबिया ने उद्यमिता और लघु व्यवसाय के संबंध में समृद्ध भारतीय अनुभवों से सीखने पर लक्षित द्विपक्षीय बातचीत करने के लिए 10 मई, 2013 को महामहिम, मलेशिया में लीबिया के राजदूत सहित डॉ. अली अल–इसावी, महामहिम, भारत में लीबिया के राजदूत ने संस्थान का दौरा किया।

   समाज के विभिन्न वर्गों में उद्यमी संस्कृति के फैलाव में संस्थान की गतिविधियों के बारे में और प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा अधिकतम उद्यम सृजन पर लक्षित प्रयासों को संक्षेप में बताने के अलावा, प्रतिनिधिमण्डल को क्षेत्रों जहां संस्थान लीबियाई युवाओं के कौशल–उन्नयन और इसकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति को देखते हुए देश में उद्यमी संस्कृति फैलाने/बनाए रखने के लिए सहायता कर सकता है से अवगत कराया गया था।

2) 16 मई, 2013 को संस्थान में नार्थ केरोलीना यूनिवर्सिटी, यूएसए से भारत के दौरे पर आया हुआ 25 स्नातकोत्तर व्यवसाय विद्यार्थियों का समूह आया।

   शुरू में समूह को विभिन्न लक्षित समूहों के बीच उद्यमी संस्कृति फैलाने में भारत सरकार की योजनाओं और नीतियों के अलावा संस्थान के इतिहास और कई प्रकार की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया गया था।

   सूक्ष्म और लघु उद्यमों के विकास में लंबे भारतीय अनुभव से उत्साहित होकर समूह ने उदारीकृत आर्थिक परिवेश में इन इकाइयों को पुष्टि प्रदान करने में भारत सरकार द्वारा किए गए उपायों में तीव्र दिलचस्पी भी दिखाई।

   उद्यमी पेशे के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने में आई चुनौतियों की सराहना करते हुए समूह के नेता ने आशा व्यक्त की कि भारत सरकार द्वारा अपनायी जा रही प्रगामी नीतियों से देश के लिए उद्यमिता और लघु व्यवसाय भविष्य के लिए अच्छा है।

3) विश्व लघु और मध्यम उद्यम संघ (डब्ल्यूएएसएमई) के अध्यक्ष श्री अलहाजी बाबेल उमेरू गरई (भूतपूर्व अध्यक्ष, सेंट्रल बैंक ऑफ नाइजीरिया) ने संघ के स्थानीय कार्यालय पदाधिकारियों के साथ 31 मई, 2013 को संस्थान का दौरा किया।

   बुनियादी रूप से अन्वेषणकारी दौरे पर श्री उमेरू गरई ने संस्थान की विविध गतिविधियों, विशेष रूप से इसके अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और परामर्शी सेवाओं, जो यह अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों को प्रस्तुत कर सकता है, में गहरी दिलचस्पी दर्शायी। अध्यक्ष ने इस क्षेत्र में संघ की गतिविधियों को बनाए रखने में संस्थान के सहयोग और सहायता को प्राप्त किया।

4) अमहारा विकास संघ, इथोपिया के अमहारा क्षेत्र में आत्म–निर्भरता और सहयोगकारी संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध स्वैच्छिक संगठन से पांच सदस्यीय इथोपियाई प्रतिनिधिमण्डल ने 15 जनवरी, 2014 को क्षेत्र में उद्यमिता और कौशल विकास के संवर्धन में संस्थान की सेवाओं का उपयोग करने की संभावना का तलाश करने के लिए संस्थान का दौरा किया।

   संस्थान ने प्रतिनिधिमण्डल के साथ चर्चा के दौरान उनकी परियोजनाओं/प्रयासों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय बहुपक्षीय एजेंसियों तक पहुंचाने में संघ को सहायता करने की भी पेशकश की। प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की विविध गतिविधियों में गहरी दिलस्पी दर्शायी और संस्थान के विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अधिकतम इथोपियाई प्रतिभागियों को प्रायोजित करने की उत्सुकता व्यक्त की।

संस्थान में अमहारा विकास संघ से इथोपियाई प्रतिनिधिमंडल

   संस्थान ने भारत में या उनके संबंधित देशों में उनकी सोसाइटियों के विशेष वर्गों के लिए प्रथागत/बनाए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की पेशकश की। प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का प्रावधान में प्रस्तुत किया गया ताकि सतत् आधार पर उनके संबंधित देशों में प्रशिक्षण गतिविधयां शुरू की जा सकेंगी। प्रतिनिधियमण्डल को मामले में आगे ठोस कार्रवाई करने के लिए इस संबंध में विशेष प्रस्ताव, यदि कोई हो, भेजने का अनुरोध किया गया था।

ENTREPRENEURSHIP
SKILLS

International Programme
on
Small Business Planning &
Promotion
(SBPP)

Desktop Publishing

बहुआयमी गतिविधियाँ

सू.ल.म.उ. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं को सहायता (एटीआई) स्कीम के तहत उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) और उद्यमिता–सह–कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) आयोजित करने का बुनियादी उद्देश्य प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या में प्रशिक्षण के पश्चात् स्व–रोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। तथापि, ऐसा भी नहीं है कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से संस्थान द्वारा प्रशिक्षित सभी प्रतिभागी अनिवार्य रूप से स्व–रोजगार के लिए जाएं। विभिन्न कारणों से संबंधित प्रतिभागियों की सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि मुख्य होती है, इसलिए बहुत से प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण के पश्चात् रोजगार का चयन करते हैं। यह कहने की आव यकता नही है कि हम प्रि क्षण कार्यक्रम में उपस्थिति उनकी नियोज्यता में अत्याधिक सुधार करते हैं।

नियोज्यता में सुधार करने के लिए संस्थान द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में, अन्यों के साथ–साथ, कार्यक्रमों का पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए उद्योग संघों/निकायों के साथ परस्पर संपर्क, उद्योग की आवश्यकताओं के प्रति अनुक्रियाशील और उनके संघटक – सदस्यों द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तियों को अवशोषित करना, प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित करने के साथ प्लेसमेंट एजेंसियों आदि को शामिल करना, प्रशिक्षित व्यक्तियों और संभावित नियोजकों आदि के संदर्भ के लिए सभी उपयुक्त अवसरों के ब्यौरे संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड करना शामिल है।

संस्थान प्रशिक्षण के पश्चात् लाभदायक रोजगार ढूंढ़ने में अपने प्रशिक्षित व्यक्तियों को सहायता प्रदान करने के लिए क्रमबद्ध प्रयास भी करता है। इस संबंध में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप देश में विभिन्न स्थानों पर भर्ती करने वालों एवं नौकरी चाहानें वालों के लिए रोजगार (नौकरी) मेला आयोजित कर रहा है। ये रोजगार मेला नियोजकों और नौकरी चाहने वालों के लिए साझा प्लेटफार्म प्रदान करता है, प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाता है और प्रतिभागी कंपनियों/फर्मों के लिए कुशल व्यक्तियों की तुरंत उपलब्धता को सुनिश्चित करता है। यह संस्थान को प्रशिक्षित व्यक्तियों से संभावित नियोजकों की आवश्यकता/आशाओं के बारे में जानकारी भी देता है ताकि भविष्य में प्रशिक्षण गतिविधियों को तदनुसार संशोधित किया जा सके।

विगत कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम से उत्साहित होकर संस्थान ने प्रत्युत्तर में वर्ष के दौरान ऐसे चार रोजगार (नौकरी) मेले आयोजित किये, जिनका आयोजन क्रम ः नोएडा (जून, 2013), बद्दी (जुलाई, 2013), रांची (जनवरी, 2014) और इलाहाबाद (मार्च, 2014), स्थानों पर हुआ।

रोजगार (नौकरी) मेला में 2000 से अधिक प्रशिक्षित व्यक्तियों का 101 विभिन्न कंपनियों/फर्मों द्वारा नौकरी के लिए साक्षात्कार किया गया। 968 व्यक्तियों का चयन किया गया और उनमें से अधिकांश को उसी स्थान पर रोजगार

रांची में नौकरी मेला में प्रशिक्षणार्थी जनसमूह

का प्रस्ताव दिया गया। इसके अलावा, 600 व्यक्तियों को साक्षात्कारों के बाद के दौरों के लिए भी रखा गया। बैठक–रोजगार (नौकरी) मेला में भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियों/फर्मों में ये शामिल थे : मेकडोनल्ड, कृष्णा इलेक्ट्रिकल वर्क्स, इंडोसोपुंग टूर, सोपुंग होलिडे इंडिया प्रा. लिमिटेड, मेमी दी हट्टी, हेरीटेज गारमेंट, पेन्टालून, पिजा हट, हल्दीराम, शोपर स्टाप और केएफसी।

4.1 क्षमता निर्माण

अन्य संस्थाओं की क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, सरकारी और एनजीओ द्वारा विभिन्न उद्यमी गतिविधियां करने से समाज के विभिन्न वर्गों में उद्यमी संस्कृति को बढ़ावा मिलता है और अपनी स्वयं की गतिविधियों की पहुंच को बढ़ाने के लिए भी संस्थान ने अपने संबंधित उद्यमिता कार्यक्रमों में उनको सहायता देने के लिए अवधि के दौरान विभिन्न संगठनों के साथ सहयोग किया।

संस्थान ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित संगठनों के साथ उनकी संबंधित गतिविधियों/सहयोगात्मक गतिविधियां करने के लिए समझौता ज्ञापन निष्पादित किया :–

City plus
DELHI NCR - EAST DELHI

JOB FAIR AND JOBS TO UNDERPRIVILEGED BY NIESBUD

प्रेस विज्ञप्ति : रोजगार मेला

रांची में नौकरी मेले के दौरान प्रशिक्षणार्थी आवेदन फार्म भरते हुए

- विश्वविद्यालय को प्रबंधन पाठ्यक्रमों के अपने विद्यार्थियों के लिए प्रबंधन और उद्यमिता विकास कार्यक्रमों (ईडीपी) को आयोजित करने में सहायता देने के लिए जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के साथ।
- प्रशिक्षित व्यक्तियों, अन्य संगठनों, के साथ सहयोग आदि के लिए हैंड–होल्डिंग सेवाओं के प्रावधान सहित प्रशिक्षण, अनुसंधान और अन्य हस्तक्षेपों के माध्यम से राज्य में उद्यमी परिवेश और लघु उद्योग के संवर्धन और विकास के लिए ''सूक्ष्म और लघु उद्योग तथा वस्त्रोद्योग मंत्रालय, पश्चिम बंगाल सरकार'' के साथ।
- उद्यम सृजन और रोजगार के लिए अशक्त व्यक्तियों को उद्यमी अभिविन्यास और हैंड–होल्डिंग सेवाएं प्रदान करने में सहयोग के लिए ''राष्ट्रीय विपणन ट्रस्ट (अरूनिम) सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण, भारत सरकार'' के साथ।
- विभिन्न हस्तक्षेपों के माध्यम से लघु उद्यमों की स्थापना का संवर्धन करने, उद्यमिता/स्व–रोजगार विकसित/संवर्धित करने में अन्य संगठनों को परामर्श देने, विभिन्न लक्षित समूहों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और उद्यमिता से संबंधित गतिविधियां करने के लिए कौशल ज्ञान प्रदाताओं को स्थापित करने के लक्ष्य से संयुक्त प्रयास शुरू करने के लिए ''अरूणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज अरूणाचल प्रदेश'' के साथ।

इसके अलावा, वर्ष के दौरान मिलते–जुलते प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित संगठनों को रुचि की अभिव्यक्ति दी गई थी :–

- संभावित/मौजूदा उद्यमियों और उनके कार्यपालकों के लिए संयुक्त उद्यमिता विकास कार्यक्रम/कौशल विकास कार्यक्रम (एसडीपी) और प्रबंध विकास कार्यक्रम (एमडीपी) आयोजित करने के लिए ''सिम्बोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल डिवेलपमेंट'' द्वारा।
- प्रशिक्षकों/प्रवर्तकों की क्षमताओं में सुधार और लघु व्यवसाय मालिकों, कार्यपालकों आदि की अपने वित्तीय संसाधनों को अधिक प्रभावशाली ढंग से प्रबंध करने के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रमों को डिजाइन करने ओर आयोजित करने के लिए ''इनटयूइट इंडिया साफ्टवेयर सोल्यूशन प्रा. लि.'' द्वारा।
- अवसंरचना, मानव संसाधन आदि उपलब्ध कराने के माध्यम से उद्यमिता के क्षेत्र और संबद्ध क्षेत्रों में संबंधित गतिविधियों को करने, संयुक्त गतिविधियां आयोजित करने, विभिन्न लक्षित समूहों के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम (एनडीपी) सहित कार्यक्रम, सम्मेलन कार्यशाला आदि, तीसरे पक्ष को सहयोगात्मक परामर्शी सेवाएं प्रदान करने और क्षेत्र में संयुक्त सीएसआर गतिविधियां करने में एक दूसरे को सहायता देने के लिए ''जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट, नोएडा'' द्वारा।
- एक–दूसरे की अवसंरचना और अन्य सुविधाओं का प्रयोग करके, डोन बोसको टेक सोसायटी के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण/अभिविन्यास कार्यक्रम संचालित करना, प्रशिक्षण संबंधी जरूरत के मूल्यांकन, कौशल/ट्रेड की पहचान करने, प्रशिक्षण मॉड्यूल/पाठ्यक्रम आदि के विकास के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण संबंधित गतिविधियों के संचालन में सहयोग, संबंधित गतिविधियों की प्रभाविता को बढ़ाने के लिए एक–दूसरे के संकाय का प्रयोग करने और संयुक्त गतिविधियां करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन डान बोसको सोसाइटी द्वारा।
- एक–दूसरे की अवसंरचना का प्रयोग करके प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, सीएआरटीई के अधिकारियों आदि के लिए क्षमता निर्माण/अभिविन्यास कार्यक्रम संचालित करने, प्रशिक्षण जरूरत के मूल्यांकन, कौशल/ट्रेड की पहचान करने, प्रशिक्षण मॉड्यूल/पाठ्यक्रम आदि के विकास और स्थानीय/क्षेत्रीय उद्योग संघ जैसे गाजियाबाद प्रबंधन संघ (जीएमए), उद्यमिता मंच बनाने, युवाओं के डाटाबेस का विकास, संबंधित गतिविधियों की प्रभाविता में सुधार के उद्देश्य से अनुसंधान/अभ्यास आदि के साथ संघ का विकास करने सहित प्रशिक्षण मॉड्यूल/पाठ्यक्रम आदि का विकास और संयुक्त गतिविधियां करने के लिए सीएआरटीई द्वारा।
- प्रभावी नौकरी पाने के प्रावधान के साथ संयुक्त बाजार/फीस आधारित कौशल विकास कार्यक्रम

(एसडीपी) आयोजित करने, प्रशिक्षक/उद्यमी आदान–प्रदान कार्यक्रमों में आस्ट्रेलिया और भारत में संबंधित अनुभवों/सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए शुरू करना, मास्टर प्रशिक्षकों के संवर्ग का सृजन करने के उद्देश्य से प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम संचालित कर समकालीन भारतीय स्थितियों को देखते हुए प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) तैयार करने और आयोजित करने के लिए आस्ट्रेलियाई वोकेशनल ट्रेनिंग एण्ड एम्प्लायमेंट ग्रुप प्रा. लि. द्वारा।

4.2 सूक्ष्म उद्यम की स्थापना

1) उद्यमिता विकास कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य रोजगार के बजाय सूक्ष्म यूनिटों की स्थापना के माध्यम से स्व–रोजगार अपनाने के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करना है। आदर्श उपलब्धि 10 प्रतिशत होनी चाहिए। सामान्यतः संबंधित प्राधिकारियों से सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त करने के पश्चात् किसी उद्यम की स्थापना में लगभग 1 वर्ष का समय लगता है। तथापि, यह देखा गया है कि अधिकांश प्रशिक्षणार्थी छोटी आयु के हैं, इसलिए वे पहले रोजगार के लिए प्रयास करते हैं।

2) वर्ष 2013–14 के दौरान संस्थान द्वारा सू.ल.म.उ. मंत्रालय की एटीआई स्कीम के तहत प्रशिक्षित व्यक्तियों के 4.2 प्रतिशत ने स्व–रोजगार में नियुक्त हुए हैं और अपने स्वयं के उद्यम स्थापित किए हैं। इस आंकड़े के बढ़ने की संभावना है क्योंकि इन प्रशिक्षित व्यक्तियों की सहायता पर अधिक बल दिया गया है।

3) स्थापित की गई इकाइयां मोटे तौर से कृत्रिम रत्न और आभूषण, मोबाइल मरम्मत, फैशन डिजाइनिंग, कम्प्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग, विद्युत आपूर्ति, इनवर्टर और यूपीएस की मरम्मत और अनुरक्षण, दुपहिया की अनुरक्षण और मरम्मत के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर हैं।

4) निसबड ने वर्ष 2013–14 के दौरान 28.2 प्रतिशत प्रतिभागियों कों रोजगार प्राप्त करने में मदद की। इस प्रकार कौशल विकास कार्यक्रमों में रोजगार फैशन डिजाईनिंग, वेब डिजाईनिंग, ईलैक्ट्रिक्ल गैजेट रिपेयर, कम्प्यूटर अकाउटिंग विद टैली इत्यादि ट्रेडों में दिलाया गया ।

कन्नौज (उत्तर प्रदेश) में ईडीपी सत्र प्रगति पर

4.3 साझीदार संस्थाओं के माध्यम से उद्यमिता विकास कार्यक्रम

संस्थान ने अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों की पहुंच को बढ़ाने के उद्देश्य से जमीनी स्तर के संगठनों, जो उद्यमी शिक्षा/विकास से संबंधित शैक्षिक गतिविधियों में कार्यरत हैं और उनके पास पर्याप्त अवसंरचना, सक्षम/अनुभवी संकाय और विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों के संचालन के लिए वित्तीय व्यवहार्यता को साझीदार संस्थाओं के माध्यम से उद्यमिता विकास केन्द्रों की स्कीम के तहत अपने साझीदार संस्थानों के रूप में पैनल में लिया है।

संस्थान ने वर्ष के दौरान सू.ल.म.उ. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं को सहायता स्कीम के तहत साझीदार संस्थाओं (पीआई) के माध्यम से – लाभभोगियों के लिए – उद्यमिता –सह–कौशल कार्यक्रम (ईएसडीपी) आयोजित किए।

क्षेत्रीय केन्द्र, देहरादून की 20 साझीदार संस्थाओं के संस्थान से जुड़ने से स्कीम के तहत 31 मार्च, 2014 को इसके साझीदार संस्थाओं की कुल संख्या अब 61 है।

माननीय मंत्री श्री कलराज मिश्र, सचिव श्री माधव लाल, संयुक्त सचिव श्री एस.एन. त्रिपाठी, महानिदे ाक श्री अरूण कुमार झा के साथ निसबड परिसर का निरीक्षण करते हुए। साथ मे संयुक्त विकास आयुक्त श्री सैम्युलस।

5-1 निसबड आरंभ से अनुसंधान और मूल्यांकन कार्य में कार्यरत है। निसबड की अनुसंधान और परामर्शी सेवाएं व्यावसायिकों के दल से समर्थित हैं, जो अपने संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञ, शैक्षिक रूप से प्रवीण और उद्यमिता, अर्थशास्त्र, विपणन और बाजार अनुसंधान वित्तीय प्रबंधन, परियोजना की पहचान करने, मानव संसाधन विकास और सामाजिक विकास के विभिन्न अनुशासनों में अनुभवी हैं।

अनुसंधान अध्ययन की गतिविधियों का निसबड एक विशेष अंग है। पिछले वर्षों के दौरान निसबड ने अनुसंधान अध्ययनों के निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त की हैं।

- कार्यक्रम मूल्यांकन
- उद्योग विशेष अनुसंधान
- क्षेत्र योजना बनाना
- संसाधन संभावित मूल्यांकन
- उद्योग अवस्थिति मूल्यांकन
- बाजार सर्वेक्षण
- मांग मूल्यांकन
- प्रशिक्षण की जरूरत और पाठ्यक्रम विकास
- समूह विकास

5.2 हमारे पास राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान विशेषों (परामर्शदाताओं) की नामिक सूची है जिन्हें सामाजिक और विकास कार्यक्रमो पर कार्य करने का व्यापक अनुभव है। वर्ष 2012–14 से निसबड ने प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से आवंटित भारत सरकार के तहत विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए 18 मूल्यांकन अध्ययन संचालित किए हैं।

5.3 वर्ष 2013–14 के दौरान इन स्कीमों के मूल्यांकन के तहत निम्नलिखित रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया गया और प्रस्तुत की गईं : ''आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन के लिए'' एचआर और मूल्यांकन (उषा) के लिए योजना स्कीम शहरी सांख्यिकी का समग्र कार्यान्वयन, ''लघु उद्योग के लिए बौद्धिक सम्पत्ति अधिकार पर जागरूकता का निर्माण'', ''राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम (एनएमडीएफसी) की स्कीमों के तहत वित्तपोषित लाभभोगियों का सत्यापन'', सीपीएसई के अलग हुए कर्मचारियों के लिए परामर्श, पुनः प्रशिक्षण और पुनः तैनाती (सीआरआर) की स्कीम।''

5.4 संस्थान को प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से ''आईएसओ 9000 / 14001 / एचएसीसीपी प्रमाणन प्रतिपूर्ति स्कीम का मूल्यांकन'', ''लोक उद्यम विभाग की सीपीएसई और एसएलपीई से संबंधित जातिगत मुद्दों संबंधी अनुसंधान, विकास और परामर्श की स्कीम का मूल्यांकन'' और वर्ल्ड विजन के लिए ''शहरी निर्धनों के लिए उपयुक्त हस्तक्षेप / गतिविधि की पहचान करना और मौजूदा तथा नई आजीविका गतिविधि का मूल्यांकन'' पर तीन अध्ययन प्रदान किए गए थे।

5.5 संस्थान को महिला और बाल विकास मंत्रालय की एसटीईपी स्कीम के तहत सात अध्ययन प्रदान किए गए थे जिन्हें निर्धारित समय में पूरा किया गया था। जो नामतः महिला उत्थान संस्थान, हस्तशिल्प परियोजना, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर स्वैच्छिक संघ, मछली फार्म परियोजना, दखिणगांव, असम, ग्रामीण शिल्पकार कल्याण सोसायटी, हस्तशिल्प परियोजना, जम्मू व कश्मीर, सभी पिछड़ी श्रेणी और आर्थिक विकास संगठन, कुक्कुट पालन परियोजना, थाडबल, मणिपुर, असम ग्रामीण विकास केन्द्र, गुवाहाटी, सूअर पालन परियोजना, असम, स्नेह बहुउद्देश्य संस्थान, डेरी परियोजना, नागपुर, महाराष्ट्र नेहरू युवा मंडल, बकरी फार्मिंग परियोजना, सतारा, महाराष्ट्र है।

5.6 पिछले दो वर्षों (2012–14) में निसबड द्वारा संचालित प्रमुख अनुसंधान अध्ययनों की सूची निम्नानुसार हैं :

क्रम. सं.	अध्ययन का शीर्षक	प्रमुख ग्राहक
1.	''बैद्धिक सम्पत्ति अधिकार की जागरूकता बनाना'' स्कीमों का मूल्यांकन अध्ययन	सू.ल.म.उ. मंत्रालय
2.	सू.ल.म.उ. को डिजाइन विशेषज्ञता के लिए डिजाइन क्लीनिक स्कीम का मूल्यांकन अध्ययन	सू.ल.म.उ. मंत्रालय
3.	राष्ट्रीय अवार्ड स्कीमों का मूल्यांकन अध्ययन	सू.ल.म.उ. मंत्रालय
4.	सू.ल.म.उ. का मूल्यांकन अध्ययन–प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र	सू.ल.म.उ. मंत्रालय
5.	टीआरईएडी स्कीम का मूल्यांकन	सू.ल.म.उ. मंत्रालय
6.	सीआरआर की स्कीम के तहत नोडल एजेंसी के निष्पादन का मूल्यांकन	लोक उद्यम विभाग
7.	एनसीआर में सू.ल.म.उ. इकाइयों में आईएसओ : 9000 प्रणाली प्रमाणन का प्रभाव अध्ययन	सू.ल.म.उ. मंत्रालय
8.	एसटीईपी का मूल्यांकन अध्ययन–पंजाब महिला डेरी परियोजना I और II (मिल्कफेड)	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
9.	एसटीईपी परियोजना का मूल्यांकन – महिला एवं बाल विकास–हस्तशिल्प (लखनऊ)	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
10.	एसटीईपी परियोजना का मूल्यांकन–डेरी परियोजना–नौगांव, असम	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
11.	एसटीईपी परियोजना का मूल्यांकन अध्ययन–महिला डेरी विकास, अलमोड़ा, उत्तराचंल (चरण–I)	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
12.	एनएमडीएफसी स्कीमों का मूल्यांकन अध्ययन	एनएमडीएफसी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

क्रम. सं.	अध्ययन का शीर्षक	प्रमुख ग्राहक
13.	"एचआर और निर्धारण के लिए शहरी सांख्यिकी (उषा)" योजना स्कीम का मूल्यांकन अध्ययन	आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय
14.	नेहरू युवा मंडल, बकरी फार्मिंग परियोजना, सतारा, महाराष्ट्र	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
15.	स्नेह बहुउद्देश्य संस्थान, डेरी परियोजना, नागपुर, महाराष्ट्र	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
16.	सभी पिछड़ी जाति और आर्थिक विकास संगठन, कुक्कुट पालन परियोजना, थोउबल, मणिपुर	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
17.	पूर्वोत्तर स्वैच्छिक संघ, मछली फार्मिंग परियोजना, दखिणगांव, असम	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
18.	ग्रामीण शिल्पकार कल्याण सोसायटी, हस्तशिल्प परियोजना, जम्मू व कश्मीर	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
19.	किरपाल शिक्षा संस्थान, डेरी परियोजना, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
20.	असम ग्रामीण विकास केन्द्र, गुवाहाटी, सूअर पालन परियोजना, असम	म. एवं बा.वि. मंत्रालय
21.	सीपीएसई और एसएलपीई से संबंधित जातिगत मुद्दों पर अनुसंधान, विकास और परामर्श की स्कीम का मूल्यांकन	लोक उद्यम विभाग
22.	सीपीएसई के अलग हुए कर्मचारियों के लिए सीआरआर की स्कीम का मूल्यांकन	लोक उद्यम विभाग
23.	"शहरी निर्धनों के लिए उपयुक्त व्यवसाय हस्तक्षेप/गतिविधि की पहचान करना और मौजूदा और नई आजीविका गतिविधि को सुदृढ़ करने का मूल्यांकन" पर अध्ययन	वर्ल्डविजन इंडिया

महिला उद्यमिता सम्मेलन में सुश्री स्तुति कक्कर, सचिव, डिसएबिलटी मामले विभाग

श्री एस. के. मित्रा, भूतपूर्व कार्यपालक निदेशक, नाबार्ड और श्री ए.के. झा, महानिदेशक, निसबड द्वारा सामाजिक उद्यमिता में उभरती प्रवृत्तियों पर चुने हुए प्रपत्र और टिप्पणियों का लोकार्पण

5.7 सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालएं

5.7.1 निसबड ने अशक्त व्यक्तियों में उद्यमिता के संवर्धन के लिए अरुणिम (ARUNIM) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 6 और 7 मार्च, 2014 को नेहरू युवा केन्द्र, नई दिल्ली में अशक्तता क्षेत्र पर विशेष संकेन्द्रण के साथ अरुनिम के साथ सहयोग का सामाजिक उद्यमिता का राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया था। सेमिनार के दौरान अशक्त व्यक्तियों द्वारा उद्यमों की स्थापना के लिए नियम पुस्तिका जारी की गई थी।

5.7.2 संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च, 2014 को महिला उद्यमिता शिखर सम्मेलन आयोजित किया। शिखर सम्मेलन में लगभग 12 विशेषज्ञों को विभिन्न सत्रों में बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया था। निसबड ने "उत्प्रेरित उद्यमिता" पर मामला पुस्तिका प्रकाशित की जो संभावित उद्यमियों और विद्यार्थियों को प्रेरित और मार्गदर्शन के लिए है जिसमे 20 सफल केस स्टडी का वर्णन है। इस पुस्तक को श्रीमती स्तुति क्कर, सचिव डिसएबिलटी विभाग, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण द्वारा प्रवर्त्तित किया गया था।

5.7.3 महिला उद्यमिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन –चुनौतियों और उभरते हुए अवसर का आयोजन परिसर में दिनांक 20–21 मार्च, 2014 को हुआ। इसमें 34 से अधिक देशों नामतः भारत, इथोपिया, हंगरी, सूडान, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर, नेपाल, पौलेंड, मेडागास्कर, वेन्जुएला, कंबोडिया, पेरू, किरगिस्तान, लाइबीरिया, बांग्लादेश, कोमोर्स, कजाकिस्तान, श्रीलंका, कीनिया, मॉरिशस, दक्षिण अफ्रीका, लिसोयो, नाइजीरिया, म्यांमार, लाओस, बुल्गारिया, गुनिया बिसाऊ, नाइजर, टूवालु, सीरिया, उज्बेकिस्तान, सेंट लुसिया, और मोरक्को से कुल 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 20 से अधिक विशेषज्ञ वक्ताओं ने छह विविध विषयों के तहत अपने क्षेत्र के प्रपत्र प्रस्तुत किए।

5.7.4 संस्थान ने 12–13 अप्रैल 2013, को अपने नोएडा परिसर में "सामाजिक उद्यमिता : चुनौतियां और अवसरों में उभरती प्रवृत्तियां" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का

अंतर्राष्ट्रीय महिला उद्यमिता सम्मेलन में श्री राय एस. मथरानी, डीजी, आईसीआईएसए के साथ श्री ए.के. झा, डीजी, निसबड; साथ में श्रीमती रीता सेनगुप्ता, डॉ. आर.आर. सिंह, प्रशिक्षण अधिकारी, निसबड

श्री माधव लाल, सचिव, सू.ल.म.उ. बौद्धिक परिसंपत्ति सुविधा केंद्र की बैठक को संबोधित करते हुए

आयोजन किया गया। सेमिनार, एशियाई उद्यमिता शिक्षा और विकास सोसायटी (एएसईईडी), नई दिल्ली, संस्थान का एक साझीदार संस्थान, के सहयोग से संस्थान द्वारा आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य प्रभावी कार्यनीतियां विकसित करना और स्थिर, सतत् और सफल सामाजिक उद्यमों में सामान्य परेशानियों से बचना था। 2 दिवसीय कार्यक्रम में नीति बनाने वाले, सामाजिक उद्यमी, उद्यमिता विकास संस्थाओं के प्रतिनिधि और अन्य हिस्सादारों से 90 व्यक्तियों ने भाग लिया, इसमें सामाजिक उद्यमों को शुरू करने और निधियन के लिए संगत कानूनों और प्रक्रियाओं आदि जैसे मुद्दों को भी संबोधित किया गया था।

5.7.5 सीबीएसई के सहयोग से निसबड द्वारा उद्यमिता पर कुल 4 अध्यापक प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं। 20 विभिन्न स्कूलों से 55 से अधिक अध्यापकों ने कार्यशाला में भाग लिया जिसमें नई प्रशिक्षण रूपात्मकता और सीबीएसई के स्कूली अध्यापकों के लिए प्रभावी अध्यापन के लिए शिक्षा–शास्त्र पर ध्यान केन्द्रित किया गया था। निसबड ने अध्यापकों को उद्यमिता कार्यक्रम पर ई–लर्निंग सीडी भी वितरित की ताकि वे भारत में व्यावहारिक ढंग से विद्यार्थियों के बीच उद्यमिता की भावना/संस्कृति को कैसे सवंर्धित कर समझ सकें।

''स्कूलों में उद्यमिता पर अध्यापकों के लिए कार्यशाला'' – जयपुर में श्री संदीप सेठी, सीबीएसई, डॉ. शंकर गोयनका, संकाय और सुश्री श्रावणी श्रीवास्तव, निसबड

5.7.6 संस्थान ने 3 दिन के लिए देहरादून में कौशल और आजीविका विकास और कोयम्बतूर और शिलांग में सूक्ष्म व्यवसाय केन्द्र स्थापित करने पर आवास और शहरी निर्धनता उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार के एसजेएसआरवाई के तहत 3 कार्यशालाएं आयोजित की। इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य इन स्थानों में कौशल विकास, अवसरों और व्यवसाय की सहायता और आय देने वाली गतिविधियों की प्रासंगिकता को समझना था। शहरी विकास की गतिविधियों में कार्यरत नगर आयुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित कुल 97 प्रतिभागियों ने इन कार्यशालाओं में भाग लिया।

5.7.7 संस्थान ने भुवनेश्वर और रांची में 2 एक–दिवसीय राज्यस्तर की कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। भुवनेश्वर कार्यक्रम सूक्ष्म उद्यमों के विकास और सूक्ष्म व्यवसाय केन्द्र पर नगरपालिकाओं के कार्यपालक अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया था। रांची मे आयोजित कार्यक्रम मे स्वयं सहायता समूह बनाने पर सामुदायिक आयोजकों और शहरी विकास विभाग के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में अत्यधिक लोगों ने भाग लिया व कार्यक्रम की काफी सराहना की गई।

ENTREPRENEURSHIP
SKILLS

वैश्वीकरण का प्रौद्योगिकी उद्‌गम एवं व्यावसायिक सेवाओं के लिए वैश्विक बाजार में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी का गहरा प्रभाव रहा है। वर्षों से इस क्षेत्र के लिए उत्प्रेरक विनिर्माण, दूरसंचार, बीमा, बैंकिंग और वित्त थे और हाल ही में, ऑनलाइन खुदरा एवं थोक विपणन के लिए मंच बन गए है। नए परिदृश्य में यह स्पष्ट है कि सूचना प्रौद्योगिकी का भावी विकास जलवायु परिवर्तन, मोबाइल एप्लीकेशन, स्वास्थ्य देखभाल, ऊर्जा दक्षता तथा संधारणीय ऊर्जा विषय स्तरीय गति से ईंधनीकृत होगा। आने वाले समय में अधिक से अधिक एसएमई, आईटी एप्लीकेशन एवं सेवाओं के लिए काम करेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण उभरता क्षेत्र है। क्षेत्र ने नवीनात्मक कारपोरेट पद्धतियों के साथ एक नई उद्यमिता श्रेणी के विकास हेतु उपजाऊ भूमि के रूप में काम किया है और प्रतिभा पलायन के उत्क्रमण में, भारत की ब्रांड इक्विटी को बढ़ाने में तथा अन्य संबद्ध लाभों को बढ़ाने में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ डी आई) को आकर्षित करने में सहायक है। इस क्षेत्र के आकार में विगत में जबरदस्त गति से वृद्धि हुई है। आईटी उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 8 प्रतिशत है और लगभग 2.8 मिलियन लोगों को सीधे रोजगार प्रदान करता है और लगभग 8.9 मिलियन लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है। यह, इसके साथ ही भारत के निर्यात में भी अति महत्वपूर्ण रूप में सहयोग करता है।

यह इस पृष्ठभूमि में है कि निसबड ने बेरोजगार व्यक्तियों को देश के कुशल एवं उत्पादक शक्ति में परिवर्तित करते हुए अपनी प्रतिपादक बेहिसाब वृद्धि को बनाए रखने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी यंत्रों को अपनाया है। सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण संस्थान में समाज के बड़े भाग को फायदा पहुंचाने के लिए कार्यरत हैं। लगभग 25 करोड़ इंटरनेट प्रयोगकर्ताओं के साथ आईटी के फायदे का नवीनतम उच्च स्तर के कौशल विकास कार्यक्रमों के क्षेत्र में मामूली लागत पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विस्तार किया जा सकता है।

वेबसाइट (आईटी परिदृश्य)

क्षेत्र के महत्व को देखते हुए और उद्यमिता प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं विकास की महत्वपूर्ण अपेक्षा को पूरा करने के क्रम में संस्थान व्यापक रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के जरिए आंतरिक कार्यनिष्पादन कर रहा है। कुछ उल्लेखनीय आईटी हस्तक्षेप, जिन्हें शुरू किया गया है, इस प्रकार हैं :–

1. वर्चुअल क्लस्टर : वेबसाइट msmevirtualclusters.in के जरिए सू.ल.म.उ. सहित सभी पणधारकों को एक साथ लाने के लिए एक मंच;
2. प्रशिक्षु डाटाबेस प्रबंधन (niesbudtraining.org);

वर्चुअल क्लस्टर की कार्यशाला के दौरान प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए श्री माधव लाल, सचिव, सू.ल.म.उ.

3. देश में प्रशिक्षित व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए जॉब पोर्टल (niesbudnaukri.com);
4. ई–लर्निंग मॉड्यूल्स : वेबसाइट (niesbudelearning.com) पर नवीनतम ई–लर्निंग मॉड्यूल्स;
5. देहरादून में निसबड के क्षेत्रीय कार्यालय में भी एक महत्वपूर्ण वेबसाइट है जो संस्थान के नियमित वेबसाइटों की कमी को पूरा करता है; (niesbud.nic.in, niesbud.org, niesbudnaukri.com, niesbudtraining.org, niesbudro.org);
6. प्रबंधन।

वर्चुअल क्लस्टर पोर्टल www.msmevirtualclusters.in

अपने सभी समूह सदस्यों को लाभ पहुंचाने के समूह आधारित दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने हाल ही में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के कार्यक्रम को सभी अन्य भागीदारों जैसे कि वित्तीय एवं शैक्षणिक प्रतिष्ठान,

विज्ञान भवन में सू.ल.म.उ. वर्चुअल क्लस्टर पोर्टल के लोकार्पण पर श्री अरुण कुमार झा, डीजी, श्री सुनील भारद्वाज, जेडी, निसबड और टीम

संबंधित उद्योगों के संघ, आपसी समझ एवं फायदों के जरिए तीव्र विकास हेतु सुसाधकों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए ''सू.ल.म.उ. – वर्चुअल क्लस्टर'' के नाम से एक मंच तैयार करने की कल्पना की है और सृजित किया है।

यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि यह हमारी मंत्रालय की एक स्वप्निल परियोजना थी जिससे सभी संबंधित व्यक्तियों को, विशेष तौर पर लघु एवं मध्यम उद्यमों को सुगमता प्रदान करने की चुनौती को स्वीकारा कर इस पोर्टल को अस्तित्व में लाया गया।

उपरोक्त उद्देश्य को पूरा करने के लिए संस्थान ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 19 फरवरी, 2014 को आरंभ पूर्व कार्यशाला सफलतापूर्वक संचालित की है। कार्यशाला की अध्यक्षता श्री माधव लाल, सचिव, भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा की गई थी। इस कार्यशाला की बड़ी सराहना की गई थी।

पोर्टल को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में मंत्रालय के एक सरकारी समारोह के अवसर पर शुरू किया गया था।

पोर्टल के उद्देश्यों के अनुसरण में, संस्थान ने 6–7 जून, 2014 को एक दिन का ''वर्चुअल क्लस्टर पर कार्यशाला'' आयोजित की, साथ ही परिसर में श्री कलराज मिश्र, माननीय मंत्री, सू.ल.म.उ. भारत सरकार द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था। कार्यशाला, श्री माधव लाल, सचिव, सू.ल.म.उ., श्री एस.एन. त्रिपाठी, संयुक्त सचिव, सू.ल.म.उ. और श्री ए.के. झा, महानिदेशक, निसबड, के साथ–साथ पोर्टल से जुड़े अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे। वित्तीय अव्यवस्था से जुड़े भारत की जनसंख्या, भौगोलिक विस्तार और क्षेत्रीय असंतुलनों पर विशेष प्रकाश डालते हुए माननीय मंत्री ने अपने जनसमूह में उद्यमीय प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने की जरूरत पर जोर दिया। निसबड के उद्देश्य को पूरा करने के कार्य हेतु माननीय मंत्री ने लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों में शामिल लोगों की जरूरत पर गंभीरतापूर्वक विचार करने की चुनौती को स्वीकारने के संस्थान के प्रस्ताव पर खुशी व्यक्त की।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के मार्गदर्शन एंव सहायता केन्द्र

बढ़ते महत्व और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग के परिपेक्ष्य में, संस्थान ने सूचना प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षुओं, मौजूदा एवं उदीयमान उद्यमियों के मार्गदर्शन एवं सहायता करने के लिए एक सेंटर विशेष रूप से सृजित किया

है। सेंटर का उद्देश्य उद्यमियों पर साफ्टवेयर के जरिए गुणवत्ता सेवाएं उपलब्ध कराना है। यह चुनौतियों से भरा अवसर है, क्योंकि बदलाव तेजी से एवं तीव्रतर घटित हो रहे हैं।

चुनौतियों का सामना करने के लिए तथा उत्कृष्टता हेतु इसे एक सेंटर बनाने हेतु इसके उद्देश्यों को पूरा करने के लिए संस्थान ने निम्नलिखित क्षेत्रों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए हैं :–

- एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर विकास
- मोबाइल एप्लीकेशन विकास
- वेबसाइट विकास
- आईटी परामर्शी सेवाएं
- स्कैनिंग एवं डिजिटाइजेशन सेवाएं।

https://www.facebook.com/niesbud

https://www.twitter.com/NIESBUDNOIDA

https://www.linkedin.com/pub/niesbud-noida/50/497/719

https://www.youtube.com/channel/UCIfr1TBhMVQTpdcm4ILjlwA

https://plus.google.com/u/0/+NIESBUDNOIDA83/posts

उपरोक्त के अतिरिक्त, संस्थान ने विभिन्न सामाजिक मीडिया साइटों, जैसे कि फेस बुक, लिंकइडिन, ट्वीटर, यू ट्यूब और गूगल प्लस पर अपनी उपस्थिति दर्ज की है, जहां, कोई भी कैम्पस में और कैम्पस से बाहर घटित घटनाओं पर जानकारी, फोटो, राइट–अप, समूह आदि की सूची प्राप्त कर सकता है। संस्थान पूरे भू–मंडल में इन साइटों के जरिए मंत्रालयों, कॉलेजों एवं संस्थानों, उद्यमी समूह में संबंधों को सुदृढ बना रहा है।

संस्थान के प्रकाशन एवं गतिविधियों को सोशल मीडिया साइटों पर नियमित रूप से देखा जा सकता है, जैसा कि जानकारी की सुलभता हेतु नीचे दिया गया है।

ई–लर्निंग पोर्टल एवं मुक्त शिक्षा संसाधन पहल

प्रशिक्षण की दुनिया बदल रही है, क्योंकि आधुनिक विश्व निरंतर विकास कर रहा है। अत्यधिक प्रगति होने से यह महत्वपूर्ण है कि प्रशिक्षण एक आसान तरीके में लर्नरों/विद्यार्थियों/संभावित कार्यबल तक पहुंचने में सक्षम हो ताकि वे भविष्य के लिए तैयार हो सके। आज के लर्नर कल के लीडर, आविष्कारक, अध्यापक तथा सफल उद्यमी हो सकते हैं। उचित कौशल के बगैर इन लोगों के पास सफलता एवं उत्तरजीविता हेतु आवश्यक, विशेष रूप से उद्यमीय मार्ग पर अपेक्षित तैयारी नहीं होगी।

इसके अतिरिक्त, सूचना प्रौद्योगिकी को शिक्षण प्रक्रिया के पुनःअभिकल्पन हेतु तथा इसे रूचिकर एवं प्रभावी बनाने के लिए लागू करने हेतु प्रशिक्षणों एवं प्रशिक्षण संस्थानों के लिए जबरदस्त चुनौती खड़ी करता है। आजकल, आईटी, इंटरनेट आदि के प्रयोग से लागत प्रभावी तरीके में दूरतम क्षेत्रों में शिक्षा का व्यवस्थापन संभव है।

ई–लर्निंग को आधुनिक प्रौद्योगिकियों की मदद से शिक्षा प्रदान करने की पद्धति के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह गतिशील है, कम व्यय में शीघ्र शिक्षा प्रदान करने वाली प्रणाली है। ई–लर्निंग इंटरनेट के जरिए दिए गए विषय–वस्तु और अनुदेश का मिश्रण है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, संस्थान ने अधिक से अधिक आठ ई–लर्निंग माड्यूल (जो संस्थान की सभी वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं) निम्नलिखित विषयों पर शुरू करने का निश्चय किया है :–

- संचार कौशल
- वेब डिजाइनिंग
- साइबर सुरक्षा
- व्यक्तित्व विकास
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- गणितीय मॉडलिंग
- उद्यमिता विकास
- जावा भाषा

यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि इन मॉड्यूलों को सिर्फ न्यूनतम लागत पर तैयार किया जाता है और वहनीय मूल्यों पर विशेष तौर पर विद्यार्थियों, देश के बेरोजगार युवाओं तथा प्रत्याशित उद्यमियों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। संस्थान की अगले वित्तीय वर्ष 2013–14 के अंत तक दूरतम क्षेत्र में गरीबतर लोगों तक पहुंचने के लिए विभिन्न विषयों पर अधिक से अधिक 50 ऐसे मॉड्यूल्स तैयार करने की योजना है।

संस्थान के प्रकाशन एवं गतिविधियों को सोशल मीडिया पर देखा जा सकता है और नियमित रूप से पालन किया जा सकता है :

Launch of EDP CD Module at Ranchi, Jharkhand

ई–लर्निंग सी.डी.

7.0 प्रशिक्षण

सौर ऊर्जा पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम

संस्थान ने सौर कारोबार को शुरू करने तथा इसे टिकाऊ बनाने के संबंध में जानकारी के प्रचार हेतु टीआरए इंटरनेशनल के सहयोग से सौर ऊर्जा पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू किया है। कैम्पस में पांच कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिसमें भारत में सौर पीवी संयंत्रों एवं पैनलों की स्थापना के वित्तीय, तकनीकी एवं विनियामक पहलुओं पर जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण

निसबड ने विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में, उद्योग विशेषज्ञों एवं परियोजना प्रबंधन विशेषज्ञों के गहन सहयोग से निजी एवं सरकारी क्षेत्र में मौजूदा कंपनियों के साथ–साथ सरकारी एवं एनजीओ क्षेत्रों, उद्यमिता एवं लघु उद्योग समुदाय तथा विद्यार्थी समुदाय की भी जरूरत को पूरा करने के लिए निसबड परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन माड्यूल तैयार किया है।

वर्ष 2013–14 में रांची, पश्चिम बंगाल, नोएडा, गोवा, केरल तथा उत्तराखण्ड में लगभग 250 भागीदारों को लाभ पहुंचाते हुए 14 कार्यक्रम आयोजित किए थे।

7.1 विषय–वस्तु/मॉड्यूल विकास

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष अब तक प्रशिक्षकों/अध्यापकों को पठनकक्ष/लैब में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करते समय कार्यप्रणाली के महत्व को समझने हेतु कुल 15 प्रशिक्षण मैनुअल/मॉड्यूल तैयार किए गए हैं।

1. खुदरा प्रबंधन
2. मोम एवं मोमबत्ती बनाना
3. स्क्रीन प्रिंटिंग
4. मोबाइल की मरम्मत
5. प्लांबिंग एवं सैनीटरी फिटिंग
6. डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी)
7. डीजल ईंधन अंतःक्षेपण टैक्नीशियन
8. कोर जावा
9. सी/सी ++
10. ए सी रेफ्रीजिरेटर एवं वाटर कूलर की मरम्मत
11. कॉस्मेटोलॉजी एवं ब्यूटीशियन
12. वेल्डिंग सिद्धांत
13. इलेक्ट्रिक गैजेट रिपेयर
14. पावर सप्लाई, इंवर्टर एवं यूपीएस की मरम्मत एवं रखरखाव।

सौर ऊर्जा पर ईडीपी में भाग लेते प्रतिभागी

7.2 शैक्षिक

ए.आई.सी.टी.ई. से मंजूरी

संस्थान को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा उद्यमिता प्रबंधन में (60 सीट) दीर्घ अवधि (दो वर्ष) स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू करने के लिए सिद्धांततः मंजूरी दी गई है। यह निसबड के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और वह नये रास्ते खोलने का मार्ग प्रशस्त करेगा जिसमें संस्थान नई ऊंचाईयों तक पहुंचेगा।

शैक्षणिक वर्ष 2015–16 से उक्त स्नातकोत्तर डिप्लोमा को अपनी लिखित परीक्षा में शामिल करने के लिए सीएटी के साथ पत्राचार पहले ही शुरू किया गया है।

- संस्थान ने मंत्रालय की एसडीआई योजना के तहत मूल्यांकन निकाय के रूप में गठन करने हेतु महानिदेशालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण (डीजीईटी), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार से अनुरोध किया है, जिसे सिद्धांततः मंत्रालय द्वारा सहमति मिल गई है।

7.3 अन्य

आई एस ओ 9001 : 2008 से प्रमाणित संस्थान

संस्थान को मार्च, 2014 के दौरान प्रबंधन प्रणाली आईएसओ 9001 : 2008 की अपेक्षाओं के लिए अनुपालक रूप में प्रमाणित किया गया है।

7.4 आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

निसबड ने दिसम्बर, 2012 में संस्थान के कर्मचारियों के लिए आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पहल शुरू की है, तब से हर माह 3 से 4 घंटे का प्रशिक्षण अनुभाग प्रमुखों, कार्यपालकों तथा समन्वयकों सहित सभी कर्मचारियों के लिए सुसंगत विषयों पर उपलब्ध है, जिसमें जानकारी एवं क्षमता के संबंध में व्यक्तियों के विकास के लिए मूल्य शामिल हैं। इन कार्यक्रमों की प्रभाव व उपर्युक्तता

के आधार पर अनुभाग प्रमुखों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा संस्थान के मध्य स्तरीय कार्यपालकों के लिए 22 अप्रैल से 25 अप्रैल, 2013 तक कानाताल में वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य पिछले वर्षों के कार्यक्रमों की समीक्षा, 2013–14 के लिए विकास योजना तथा अधिक प्रभावी रूप से एवं संशक्तिशील रूप में कार्य करने हेतु कर्मचारियों के लिए टीम निर्माण प्रक्रिया का समीक्षा करना था। सम्मेलन, अपने उद्देश्य के अनुसार लाभकारी साबित हुआ और जोर–शोर से काम कर रहे संस्थान के सभी अधिकारियों ने पूरे वर्ष वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तावित अपने लक्ष्यों के अनुसार काम किया। वर्ष 2013–14 में 12 आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम रखे गए थे, जिनमें से कुछ शीर्षक निम्नानुसार हैं – बौद्विक –संपदा संरक्षण, अत्यधिक निष्पादन हेतु टीम निर्माण, खुशहाली लाना, सू.ल.म.उ. मंत्रालय तथा सू.ल.म.उ. नीतियों, भुगतान प्रक्रिया तथा फाइलिंग, ''व्यक्तित्व विकास हेतु प्रभावी श्रवण कौशल'' तथा स्मार्ट कार्य हेतु आईटी टिप्स, शास्त्रों में प्रबंधन सिद्धांत; छह विचारणीय विषय।

7.5 अन्य गतिविधियाँ

7.5.1 सहायता हेतु क्लस्टर हस्तक्षेप

संस्थान, एक कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कैंची समूह, मेरठ में सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) की स्थापना करने में निरंतर तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा हैं। साइट में फोर्जिंग, हीट ट्रीटमेंट, लेजर मार्किंग हेतु उन्नत मशीनें एवं जांच उपकरण लगाए गए है। भवन निर्माण कार्य को भी निविदा दस्तावेज के मानकों के अनुसार पूरा कर लिया गया है। संस्थान ने सी एफ सी स्थापना के संबंध में सरकार का शेयर जारी करने के लिए डीसी (सू.ल.म.उ.) के कार्यालय से भी अनुरोध किया है।

कपड़ा छपाई समूह, पिलखुवा के एसपीवी सदस्यों ने रासायनिक/सिंथेटिक रंगों के बदले में रंग की मजबूती और प्राकृतिक/वनस्पति रंगों से संबंधित समसामयिक प्रौद्योगिकी के लिए आवाज उठाई थी। पीतल के सामान बनाने वाले उद्यमियों के समूह, मुरादाबाद ने कोयले से जलने वाली भट्टियों के प्रयोग और इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए प्रयुक्त इलेक्ट्रोलाइट उत्पाद, जो अत्यधिक खतरनाक रसायन है, में साइनाइड की मौजूदगी के कारण कठिन जीवन संबंधी परिस्थितियों के बारे में सूचित किया था। इस संबंध में आधुनिक भट्टियों के प्रौद्योगिकीय प्रदर्शन उनके बारे में बताने के लिए आयोजित किया गया था।

संस्थान क्लस्टर उत्पादों को विपणन संवर्धनात्मक सहायता प्रदान करने की दिशा में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ), 2013 में समूह एक्टरों की भागीदारी में सहायक था। पीतल सामान समूह, मुरादाबाद, बोनक्राफ्ट समूह, लोनी, सिजर्स समूह मेरठ और कपड़ा छपाई समूह, पिलखुवा के उत्पादों को मेले के दौरान प्रदर्शित किया गया था और उद्यमियों ने खरीदारों से सीधे बातचीत की। इसने कारीगरों को बाजार लिंकेज विकसित करने और अपने आप को निर्यात अवसरों से अवगत कराने का अवसर उपलब्ध कराया।

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2013–14 के दौरान, समूहों, नामतः, कपड़ा छपाई समूह, पिलखुवा, शीशा सामान समूह, फिरोजाबाद, बोनक्राफ्ट समूह, लोनी, कारपेट समूह, पानीपत, सिजर्स समूह, मेरठ, मिट्टी के वर्तन समूह, खुर्जा, कपड़ा छपाई समूह, जयपुर, पीतल सामान समूह, मुरादाबाद, गुच्छेदार कारपेट हेतु आधुनिक कारपेट बैंकिंग प्लांट, भदोही तथा क्रिकेट बैट विनिर्माण उद्योग समूह अनंतनाग में गुणवत्ता प्रबंधन मानक और गुणवत्ता प्रौद्योगिकी यंत्रों पर 10 (दस) एक दिवसीय जागरूकता अभियान आयोजित किए, जिसमें उद्यमियों/समूह एक्टरों ने प्रत्येक कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। भागीदार नवीनतम

श्री माधव लाल, सचिव, सू.ल.म.उ. – श्री अमरेन्द्र सिन्हा, एएस और डीसी, सू.ल.म.उ. श्री एस.एन. त्रिपाठी, जेएस, सू.ल.म.उ., श्री ए.के. झा, महानिदेशक, निसबड, श्री सुनील भारद्वाज, जे.डी, और सुश्री शिवी, निसबड के साथ आईआईटीएफ, 2013 में निसबड स्टाल का उद्घाटन करते हुए

श्री डी.के. सिंह, संकाय विकास वस्त्र छपाई समूह दस्तकार, पिलखुआ के साथ बातचीत करते हुए

क्यूएमएस/क्यूटीटी को अपनाने के लिए संवेदी एवं उत्साहित थे। भागीदारों के लिए दो विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण मानक 9001 और 14001 लागू किए गए थे। इन मानकों के संबंध में ''प्रमाणित यूनिट'' की व्याख्या और यूनिट की व्यावसायिक संभावना पर इसके प्रभाव के बारे में भागीदारों को बताया गया था। भागीदारों को इस विषय पर विचार मंथन करने को कहा गया था कि जानकारी एवं बहुमूल्य डाटा, जिसे 7 क्यूसी टूल्स के प्रयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है, उन्हें अपनी कारोबार प्रक्रियाओं पर अच्छी तरह नियंत्रण पाने में कैसे मदद कर सकता है। अपर्याप्त विनिर्माण एवं छह सिग्मा की उन्नत संकल्पना को भी लागू किया गया था और भागीदारों को इस संबंध में जागरूक बनाया गया था कि ये कैसे सुसंगत थे और विकासशील उद्योग के लिए पूरी तरह अत्यावश्यक थे।

क्षेत्रीय कार्यालय ने अब तक उत्तराखण्ड में दो (2) हथकरघा समूहों का संचालन किया है। ये समूह डुन्डा, उत्तरकाशी एवं मंगलौर, हरिद्वार समूह हैं। क्षेत्रीय कार्यालय ने हथकरघा समूह डुन्डा, उत्तरकाशी में सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) की स्थापना हेतु तकनीकी इनपुट उपलब्ध कराए हैं।

संस्थान ने इन दो (2) समूहों के लिए इसके विपणन पहलों के भाग के रूप में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ), हथकरघा एक्सपो, दिल्ली हॉट और राष्ट्रीय खादी व्यापार मेले में भाग लिया। इन समूहों के उत्पादों को मेले के दौरान प्रदर्शन–मंजूशा में रखा गया था। इसने समूह एक्टरों को भावी खरीदारों के साथ सीधे आपसी बातचीत करने तथा बाजार लिंकेज विकसित करने के अवसर भी उपलब्ध कराए। इसने कारीगरों को अपने आप को विपणन प्रवृत्तियों/ग्राहकों की प्रत्याशाओं, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों के साथ परिचित होने का अवसर भी प्रदान किया। इससे समूह एक्टरों को समसामयिक पद्धतियों के सामंजस्य में उत्पाद विविधता के संबंध में आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान किया।

7.6 प्रकाशन

निसबड ने ''उत्प्रेरित उद्यमिता'' पर एक पुस्तक प्रकाशित की, जिसमें भावी उद्यमियों एवं विद्यार्थियों को प्रेरणा देने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए उद्यमियों के 20 अध्ययन शामिल हैं। पुस्तक का विमोचन, सचिव, अशक्तता कार्य विभाग, सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा किया गया था, इसमें निसबड के भावी उद्यमियों एवं प्रशिक्षुओं को प्रेरित करने के लिए 20 सफल पहली पीढ़ी के उद्यमियों का सार–संग्रह है।

निसबड ने अशक्तता क्षेत्र पर जोर देते हुए सामाजिक उद्यमिता पर एक संसाधन नियम–पुस्तक भी तैयार की है, जिसका विमोचन सचिव, अशक्तता कार्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किया गया था। नियम–पुस्तक में सामाजिक उद्यम की स्थापना के संबंध में, विशेष तौर पर अशक्त व्यक्तियों

अरुणिम और निसबड द्वारा आयोजित उद्यमिता पर सेमिनार के दौरान श्रीमती स्तुति कक्कर, सचिव, डिसएबिलटी मामलों द्वारा संसाधन पुस्तक का लोकार्पण; डायस पर श्री दिनेश अवस्थी, संयुक्त सचिव, डिसएबिलटी मामले, श्रीमती पूनम नटराजन, अध्यक्ष, अरुणिम, श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक।

के लिए समस्त जानकारी शामिल है। नियम–पुस्तक का उद्देश्य लोगों को अशक्तता क्षेत्र में अशक्त व्यक्तियों की उन्हें रूटमैप उपलब्ध करवा कर मदद करने और क्षमता निर्माण हेतु सामाजिक उद्यमिता ग्रहण करने हेतु प्रोत्साहित करना है।

संस्थान ने सू.ल.म.उ मंत्रालय की ओर से मंत्रालय के प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता (एटीआई) योजना के तहत मानकीकृत विषयों के पाठ्यक्रम शीर्षक की एक पुस्तक को प्रकाशित किया।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी बी एस ई) की ओर से कक्षा 11 और 12 के लिए उद्यमिता पर पाठ्य पुस्तकों के पुनः आविष्कार करने के कार्य को अवधि के दौरान पूरा कर लिया गया था। बोर्ड के साथ चर्चा में यह स्पष्ट किया गया कि पाठ्यक्रम विषय–वस्तु को, जैसा कि कक्षा 11 के लिए संस्थान द्वारा तैयार किया गया है, कक्षा 11 की कक्षाओं के लिए वर्तमान पुस्तक के लिए संदर्भ के रूप में और कक्षा 12 की कक्षाओं के लिए संसाधन पुस्तक के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

7.7 उद्यम अभिप्रेरण प्रशिक्षण (ईएमटी) किट

उद्यम अभिप्रेरण प्रशिक्षण किट को संस्थान द्वारा तैयार किया गया है और यह छह गेमों और अभ्यासों का संग्रहण है। यह विकासशील उद्यम आचरण एवं अभिप्रेरण हेतु परीक्षित सहायता है। कार्यक्रम अवधि के दौरान ये अभ्यास/टूल्स उपयोगी डाटा तैयार करने में महत्वपूर्ण होते हैं, जो प्रशिक्षकों के लिए सिर्फ किसी उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) के लिए उद्यमियों/प्रशिक्षकों की पहचान करने और उनका चयन करने के लिए ही बेहद महत्व का नहीं है, बल्कि उद्यमी क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने के लिए भी बेहद महत्व का है। किट को प्रशिक्षण संस्थानों के एच आर व्यवसायियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए और कारपोरेट द्वारा अभिप्रेरण विकास के लिए तेजी से प्रयोग किया जा रहा है।

7.8 सूचना पत्र

वर्ष के दौरान, संस्थान ने अपने सूचना पत्रिका के प्रकाशन को फिर से शुरू किया है। सूचना पत्रिका को तिमाही प्रकाशन बनाया गया है और वर्ष के दौरान इसके तीन अंक तैयार किए गए थे। सूचना पत्रिका प्रशिक्षण कार्यक्रमों, शैक्षिक/अन्य कार्यकलापों, आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा संस्थान के अन्य कार्यकलापों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। आकर्षक अभिकल्पित खंडों के जरिए यह सू.ल.म.उ. तथा संबद्ध क्षेत्रों की विभिन्न योजनाओं, घटनाओं, समाचारों आदि के बारे में उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराता है। सूचना पत्र क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न प्रमुख व्यक्तित्वों/संगठनों के सहयोग का विशेष उल्लेख करने के अलावा, युवा लीडरों के लिए जीवनक्षम जीविका विकल्पों के बारे में भी सूचित करता है। सूचना पत्र को क्षेत्र में इच्छुक विभिन्न संगठनों, संस्थाओं और व्यक्तियों को निःशुल्क भेजा जाता है।

7.9 प्रलेखन

वर्ष के दौरान, प्रलेखन सेंटर अर्थात वर्तमान जागरूकता सेवा, एसडीआई और प्रेस क्लिपिंग सेवाओं, आदि की सेवाओं को नियमित रूप से उपलब्ध कराया गया। संस्थान ने अपनी पुस्तकालय के विभिन्न प्रचालनों को, जिसमें उद्यमियों, परियोजना, वित्त, मानव संसाधन, विपणन, व्यवहारात्मक विज्ञान एवं संबंधित विषयों से संबंधित लगभग 5,300 खंड हैं, अत्यधिक संख्या में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दैनिकियों एवं पत्रिकाओं के साथ संबंधित विषय हैं, कम्प्यूटरीकृत किया है।

7.10 उद्यमियों को परामर्श

संस्थान, मौजूदा एवं संभावित उद्यमियों एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) संगठनों को अपने बहुपक्षी कार्यकलापों में सलाह एवं परामर्श प्रदान कर रहा है। इस प्रकार, यह समाज में उद्यमियों के संवर्धन/विकास के कार्य में मदद करता है। पांच सौ मौजूदा/संभावित उद्यमियों, विकास संगठनों/संस्थानों से अधिक लोग संस्थान द्वारा उपलब्ध मार्गदर्शन से लाभान्वित हुए हैं। मार्गदर्शित बहुसंख्य संभावित उद्यमियों ने अपने स्वयं की आर्थिक उद्यमों को शुरू करने में अत्यधिक रूचि दिखाई।

8.1 इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्टरप्रिन्योरशिप (आईआईई) के पूर्ववर्ती क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी एवं देहरादून को 1 अप्रैल, 2013 से निसबड में शामिल किया गया। क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकलाप, निसबड में शामिल करने के बाद दो गुना बढ़ गए हैं। क्षेत्रीय कार्यालय ने 1,570 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं और 2013–14 में 38,888 भागीदारों को प्रशिक्षित किया है, जो पिछले वर्ष के निष्पादन से काफी अधिक है। क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 2013–14 में सृजित राजस्व 11,31,90,403 रुपए है। क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकलापों के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :

2013–14 से निसबड, क्षेत्रीय कार्याल, देहरादून द्वारा संचालित कार्यक्रम			
क्रम सं.	बाजार उन्मुखी कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	भागीदारों की संख्या
1	टीओटी	7	85
2	एमडीपी	30	687
3	एफडीपी	1	29
4	ईएसडीपी/ईडीपी	134	2600
5	कार्यशालाएं/सेमिनार	4	116
6	ई–लर्निंग ईडीपी	833	20825
	;kx	1009	24342
क्र.स.	प्रायोजित कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	भागीदारों की संख्या
1	डीआई, केवीआईसी, एनएमडीएफसी, टीएचडीसी द्वारा ईडीपी	48	1325
2	सू.ल.म.उ. (एटीआई) कार्यक्रम	487	12561
3	सू.ल.म.उ. (एटीआई) कार्यक्रम	26	660
	योग	**561**	**14546**
	सकल योग	**1570**	**38888**

8.2 अपने नियमित प्रशिक्षण कार्यकलापों के अलावा, संस्थान ने उद्यमिता हेतु विशिष्ट प्रशिक्षण अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। ट्रेनरों/प्रोमोटरों की मांग स्पष्ट रूप से बढ़ रही है; जिसमें उद्यमी आजीविका हेतु इच्छुक व्यक्तियों की बढ़ती संख्या और उद्यम प्रशिक्षण, जिस पर विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभ प्रदान करने हेतु जोर दिया जा रहा है, शामिल है। इन प्रशिक्षण कार्यकलापों का प्राथमिक उद्देश्य, विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षकों/प्रोमोटरों की क्षमताओं का विकास करना/उन्हें सुदृढ़ बनाना है, ताकि वे अपने संबंधित कार्यों को प्रभावी रूप से पूरा कर सकें। 2013–14 में, क्षेत्रीय कार्यालय ने उद्यमिता पर कुल 7 प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए हैं और 85 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है। ये क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून कैम्पस में संचालित पांच दिवसीय कार्यक्रम हैं।

8.3 संस्थान, संगठनों के पदाधिकारियों के लिए विभिन्न अभिविन्यास/पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यकलाप चला रहा है ताकि सौंपे गए जॉब को प्रभावी एवं दक्ष तरीके में पूरा करने में उनकी क्षमताओं को बढ़ाया जा सके। वर्ष 2013–14 के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय ने 30 एमडीपी संचालित किए हैं

श्री एन.एस. बिन्द्रा, अध्यक्ष, अल्पसंख्यक आयोग, उत्तराखंड सरकार के साथ डॉ. पूनम सिन्हा, क्षेत्रीय प्रमुख, निसबड प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुए

श्री उमेश शर्मा, एमएलए रायपुर, ईएसडीपी के माननीय मुख्य अतिथि, गृह व्यवस्था और आतिथ्य, विदाई समारोह पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुए

और 687 भागीदारों को प्रशिक्षित किया है। क्षेत्र में उद्यमिता बढ़ाने के लिए कार्यशाला और सेमिनार भी आयोजित किए गए थे। क्षेत्रीय कार्यालय ने (4) चार कार्यशाला/सेमिनार आयोजित किए हैं। 116 भागीदारों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

8.4 सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए तथा ऐसे यूनिटों को जीवनक्षम संस्था बनाने के लिए संस्थान ने पहली पीढ़ी के उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। संस्थान, युवाओं में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का उद्देश्य विभिन्न प्रबंधकीय एवं प्रचलनात्मक कार्यों से संबंधित अभिविन्यास एवं जागरूकता मुहैया कराना है। क्षेत्रीय कार्यालय ने पहली पीढ़ी के उन उद्यमियों के लिए (14) चौदह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत ऋण लिया है। 303 भागीदारों ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 18 उद्यमिता विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। ये कार्यक्रम उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रायोजित किए गए थे। 2 उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी), राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकस एवं वित्त निगम द्व ारा प्रायोजित किए गए थे और 60 भागीदारों को प्रशिक्षित किया गया था। ये कार्यक्रम पहली पीढ़ी के उद्यमियों के लिए अपने उद्यम स्थापित करने हेतु लाभकारी थे।

8.5 क्षेत्रीय कार्यालय ने वर्ष के दौरान सू.ल.म.उ. मंत्रालय के प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता (एटीआई) योजना के तहत 513 उद्यमिता–सह–कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) आयोजित किए हैं, जिसमें 13211 व्यक्तियों ने भाग लिया था। 100 घंटे से 300 घंटे की रेंज के कार्यक्रमों में 23 व्यवसायों सहित कुल 63 अलग–अलग ट्रेड शामिल हैं, जिनमें कार्यक्रम वर्ष के दौरान पहली बार आयोजित किए गए थे। कई कार्यक्रम स्वयं संस्थान द्वारा हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंण्ड राज्य में आयोजित किए गए थे। जैसा कि इनमें से कई कार्यकलाप, कैम्पस से बाहर के कार्यक्रम थे, उनकी प्रभाविता को बनाए रखने के लिए इन्हें नियमित रूप से मॉनीटर किया जा रहा था। इन कार्यकलापों की एक उल्लेखनीय विशेषता यह भी थी कि एक साथ कुल प्रशिक्षित व्यक्तियों के 40 प्रतिशत व्यक्तियों ने एक साथ स्व–रोजगार प्राप्त किया।

श्री किशन नाथ, अपर सचिव, सू.ल.म.उ., उत्तराखंड सरकार, डॉ. पूनम सिन्हा, क्षेत्रीय प्रमुख, निसबड नेतृत्व और टीम निर्माण पर विदाई समारोह पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुए

निसबड का विकास पिछले 4 वर्षों के दौरान अभूतपूर्व रहा है और अगले 2–3 वर्षों में इसे संधारणीय बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता अच्छे सहयोगियों को जोड़ना, डाटाबेस प्रणाली, मॉनीटरिंग, अनुभाग प्रमुखों के बीच और सभी कर्मचारियों के साथ हर माह आंतरिक नियमित विचारमंथन, कई आईटी हस्तक्षेप प्रमुख कारक हैं, जो विकास को बल देते हैं। इसके अलावा, निसबड इन कारकों में सतत रूप से सुधार कर रहा है। वास्तव में इसका कारण वे कर्मचारी हैं, जो इसमें गहरी लगन के साथ काम कर रहे हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, कार्यपालक एवं संचालन परिषद के असाधारण सहयोग ने इसे संभव बनाया है।

ग्राफ 9.1 राजस्व सृजन (लाख ` में)

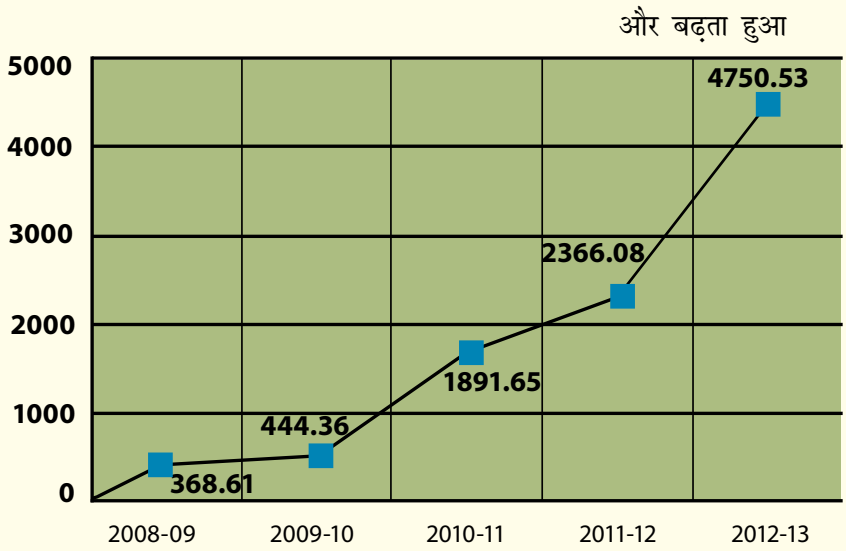

संस्थान को उद्यमिता को बढ़ाने के लिए उद्यमीय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 1983 में स्थापित किया गया था। प्राथमिक कार्यकलाप, उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) एवं प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम तक सीमित थे। समय के साथ संस्थान ने इसके साथ ही अनुसंधान एवं परामर्श क्षेत्र में प्रवेश किया। धीरे–धीरे कुछ प्रकाशन भी शुरू किए गए थे।

2009 के बाद संस्थान में अभूतपूर्व बदलाव हुए। कौशल विकास संबंधी राष्ट्रीय नीति के शुभारंभ ने संस्थान की कायापलट कर दी; जिसने इसके लिए कई द्वार खोल दिए थे और 17 राज्यों तक इसकी सुविधा को बढ़ाया। प्रशिक्षण पश्चात सहयोग अत्यंत आवशयक एवं परिमाणोन्मुखक गतिविधि बन गई। जिसमें सू.ल.म.उ. मंत्रालय, भारत सरकार केपीएमईजीपी और आरजीयूएमवाई जैसी योजनाओं ने नये उद्यमों में सहयोग किया। इसके अलावा, संस्थान ने रोजगार प्राप्त करने की इच्छा ने भी जॉब चाहने वालों और जॉब प्रदायकों के मैच–मेकिंग हेतु ''रोजगार मेला'' – आयोजित करके सहायता की। क्लस्टर हस्तक्षेप योजना ने भी प्रौद्योगिकी उन्नयन, विपणन लिंकेज तथा उनके संस्थाओं के गठन में असंगठित यूनिटों की सहायता करने में मदद की।

जैसे ही प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मात्रा में वृद्धि हुई, गुणवत्ता उन्मुखी एवं पारदर्शी तंत्र की आवश्यकता भी महसूस की गई थी। इसलिए, एक वेब आधारित मॉनीटरिंग व्यवस्था विकसित की गई थी, जिससे सू.ल.म.उ. प्रशिक्षण डाटाबेस तैयार हुआ, जो मंत्रालय की योजनाओं के तहत प्रशिक्षित प्रशिक्षु के डाटा के लिए सू.ल.म.उ. मंत्रालय का एक पोर्टल है। नवीनात्मक एवं पारदर्शी वेब–आधारित व्यवस्था इसका एक प्रकार है और साथ ही अन्य संगठनों द्वारा पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इसी तरह के वेब आधारित डाटाबेस बनाने का प्रस्ताव निसबड की इस प्राथमिकता का एक जीवंत उदाहरण है।

उद्भवन संकल्पना ने भी कार्यकलापों के विविधीकरण में और उदीयमान उद्यमियों की मदद करने में संस्थान की सहायता की। मौजूदा सू.ल.म.उ. की क्षमता निर्माण हेतु संस्थान ने विभिन्न विषयों पर जैसे परियोजना प्रबंधन, लीन प्रबंधन तथा छह सिग्मा, वित्त व्यवस्था बढ़ाने एवं प्रबंधन, सृजनात्मकता एवं नवीनता पर नये प्रबंधन विकास कार्यक्रमों को शुरू किया।

आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पहल दिसम्बर, 2012 में संस्थान के कर्मचारियों के लिए शुरू की गई थी। तब से, हर माह 3 से 4 घंटे का प्रशिक्षण अनुभाग प्रमुखों, कार्यपालकों तथा समन्वयकों सहित सभी कर्मचारियों के लिए सुसंगत विषयों पर उपलब्ध है, जिसमें जानकारी एवं क्षमता के संबंध में व्यक्तियों के विकास के लिए मूल्य शामिल है। इन कार्यक्रमों की प्रभावकारिता के आधार पर अनुभाग प्रमुखों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा संस्थान के मध्य स्तरीय कार्यपालकों के लिए 22 अप्रैल से 25 अप्रैल, 2013 तक कानाताल में वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य, पिछले वर्षों के कार्यक्रमों की समीक्षा, 2013–14 के लिए विकास योजना तथा अधिक प्रभावी रूप से एवं संशक्तिशील रूप में कार्य करने हेतु कर्मचारियों के लिए टीम निर्माण प्रक्रिया का समीक्षा करना

था। सम्मेलन अपने उद्देश्य के अनुसार लाभकारी साबित हुआ और जोर–शोर से काम कर रहे संस्थान के सभी अधिकारियों ने पूरे वर्ष वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तावित अपने लक्ष्यों के अनुसार काम किया। वर्ष 2013–14 में 12 आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम रखे गए थे, जिनमें से कुछ विषय इस प्रकार हैं– सू.ल.म.उ. मंत्रालय तथा सू.ल.म.उ. नीति का भू–दृश्य, व्यक्तित्व विकास हेतु प्रभावी श्रवण कौशल, बौद्धिक सम्पदा, स्मार्ट कार्य हेतु आईटी टिप्स, शास्त्रों में प्रबंधन सिद्धांत; छह विचारणीय विषय नेतृत्व, अधिकार और समूह विकास।

इन क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का प्रभाव कई गुना बड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या से स्पष्ट था। युवा एवं ओजस्वी टीम तथा मंत्रालय से सक्षम मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा बढ़ाने के लिए और अधिकतम संख्या में प्रशिक्षुओं को शामिल करने हेतु क्लास रूम ट्रेनिंग पर्याप्त नही है। इसलिए, डिजिटल इंडिया बनाने के प्रयास में, संस्थान ने अधिकतम भागीदारों को शामिल करने के लिए ई–लर्निंग माड्यूल्स और सीडी आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू किए हैं।

प्रथम वर्ष में 96 प्रशिक्षार्थी से वर्ष 2013–14 में 99560 तक का परिवर्तन इसे पूरी तरह व्यक्त करता है।

वित्तीय सुदृढ़ीकरण

मजबूत आंकडे

उद्घोषित कार्यक्रमों से राजस्व में 50% वृद्धि

- 2011-12 के 23.66 करोड़ रुपये के राजस्व के मुकाबले 47.51 करोड़ रुपये का कुल राजस्व
- घोषित (बाजार-उन्मुखी) कार्यक्रमों से प्राप्त राजस्व में 50% से भी अधिक की वृद्धि
- अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों से राजस्व 20% के दर से बढ़कर 3.56 करोड़ रुपये हुआ
- दीर्घकालीन स्थायित्व के लिए 7.39 करोड़ रुपये कॉरपस फंड में अंतरित किया जाना

राजस्व के स्रोतों का विविधकरण

- ए.टी.आई. योजना-सू.ल. एवं म.उ. (40%)
- अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (0.33%)
- टीओटी, एमडीपी एवं कार्यशालाएं (3.4%)
- ईडीपी, ईएसडीपी (गैर-एटीआई) (56.23%)

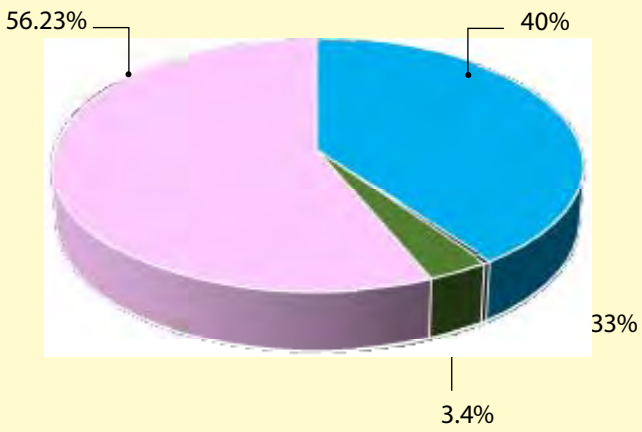

10.0 विभिन्न निकायों की बैठक

क : अधिशासी परिषद : विचार–विमर्श एवं निर्णय

संस्थान की अधिशासी परिषद की तीसवीं बैठक उद्योग भवन, नई दिल्ली में 16 दिसम्बर, 2013 को आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता श्री के.एच. मुनीयप्पा, तात्कालिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (सू.ल.म.उ.) द्वारा की गई थी।

सू.ल.म.उ. मंत्रालय के विभिन्न संगठनों के अनुसरण के मुद्दे पर पीएमईजीपी के क्रियान्वयन में चर्चा करते समय, परिषद ने निर्णय लिया कि उन आवेदकों के चयन में जिन्होंने उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) में और इसी तरह के प्रशिक्षण में भाग लिया है, को योजना के तहत प्राथमिकता/अधिमान दिया जाना चाहिए क्योंकि वे बैंकों के समक्ष बेहतर तरीके में अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे और उद्यमों की स्थापना करने में बेहतर क्षमता होगी।

माननीय मंत्री महोदय ने वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ आपसी बातचीत के महत्व का विशेष उल्लेख किया, जिससे कि प्रशिक्षित व्यक्ति ऋण प्राप्त करने में सक्षम हों और इस प्रकार अधिक से अधिक प्रशिक्षित व्यक्तियों को उद्यमीय आजीविका हेतु प्रेरित किया जा सके। उन्होंने प्रशिक्षण प्रदान करने की वांछनीयता पर और प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा उन क्षेत्रों में उद्यम स्थापित करने पर भी जोर दिया, जिनमें रक्षा उत्पादन आदि जैसे आयात प्रतिस्थापन की अत्यधिक संभावना हो।

सचिव (सू.ल.म.उ.) ने सलाह दी कि सभी हितधारी अपनी बेहतर पद्धतियों को अन्यों के साथ नियमित रूप से शेयर करें ताकि वे इष्टतम परिणाम हेतु एक–दूसरे के अनुभवों से सीख ले सकें।

माननीय मंत्री एवं परिषद के सदस्यों ने संस्थान को कार्यक्रमों के विविधीकरण हेतु और मंत्रालय द्वारा वर्ष 2013–14 के लिए निर्धारित लक्ष्य को समय से पहले पार करने के लिए संस्थान को धन्यवाद दिया और यह कि बाजार उन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो संस्थान हेतु राजस्व लाएगा, शुरू करने के लिए भी धन्यवाद दिया। तथापि, माननीय मंत्री महोदय ने प्रशिक्षित एवं शिक्षित, दोनों भावी उद्यमियों की वांछनीयता पर जोर दिया ताकि वे सफलतापूर्वक उद्यम चलाने की स्थिति में आ सकें और विभिन्न पणधारियों के साथ प्रभावी पारस्परिक संबंध स्थापित कर सकें।

वर्ष 2012–13 के लिए संस्थान को लेखापरीक्षित लेखा बहियों सहित मसौदा वार्षिक रिपोर्ट पर परिषद द्वारा विचार किया गया और अनुमोदित किया गया। परिषद ने अनुप्रयोज्य सेवा कर के अलावा, 20,000/–रुपए के पारिश्रमिक पर और वास्तविक यात्रा भत्ते की प्रतिपूर्ति पर

महानिदेशक श्री अरुण कुमार झा, श्री माधव लाल, सचिव (सू.ल.म.उ.) का निसबड परिसर में स्वागत करते हुए

वर्ष 2013–14 के लिए संस्थान के लेखा बहियों की लेखा परीक्षा करने के लिए मैसर्स डी. भाटिया एंड कंपनी, नई दिल्ली की नियुक्ति पर भी विचार किया और अनुमोदित किया। कार्यकारी समिति की अपनी विभिन्न बैठकों में किए गए निर्णयों एवं सिफारिशों पर परिषद द्वारा विचार किया गया और नोट किया गया।

माननीय मंत्री महोदय ने ''उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी), उद्यमिता–सह–कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी), प्रशिक्षुकों को प्रशिक्षण (टीओटी) तथा प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) के पाठ्यक्रम'' पर पुस्तक भी जारी किया। मंत्रालय के तत्वावधान में संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तक में विभिन्न संगठनों द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (सू.ल.म.उ) मंत्रालय, भारत सरकार की ''प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता'' (एटीआई) योजना के तहत आयोजित किए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के मानकीकृत एवं पाठ्यक्रम विषय–वस्तु शामिल हैं।

ख : कार्यकारी समिति : चर्चा एवं निर्णय

(क) समिति की 68वीं बैठक संस्थान के परिसर में 8 अप्रैल, 2013 को आयोजित की गई थी। श्री माधव लाल, सचिव (सू.ल.म.उ) ने बैठक की अध्यक्षता की। संस्थान को हॉस्टल ब्लाक के 5 और 6 तल में मौजूदा रूप में आवासीय यूनिटों को सरकारी मेहमानों, भागीदारों आदि द्वारा उपयोग हेतु पर्याप्त रूप में उन्नत बनाने की सलाह दी गई थी, बजाय उन्हें भारी लागत में हॉस्टल कक्षों में परिवर्तित करने के प्रस्ताव के। अध्यक्ष ने निदेश दिया कि क्षेत्रीय सेंटर देहरादून को स्वतंत्र लाभ सेंटर के रूप में काम करना चाहिए। समिति ने चालू वर्ष के दौरान संस्थान के निष्पादन की पुनरीक्षा की और सराहना की।

सचिव सू.ल.म.उ. द्वारा न्यूजलेटर का अनावरण

संस्थान के कार्यकलापों में विस्तारण के सामंजस्य में अवसंरचना को उपयुक्त रूप से सुदृढ़ बनाने के क्रम में, अध्यक्ष ने उपरोक्त संस्थान हेतु अतिरिक्त सुविधाओं के व्यवस्थापन हेतु ग्रेटर नोएडा में मंत्रालय को आबंटित भूमि के उपयोग करने की संभावनाओं का पता लगाने को कहा। समिति ने उद्यमियों एवं प्रबंधन में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम को पुनः शुरू करने में संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

समिति ने संस्थान को अनुसंधान परियोजनाएं प्रदान करने के लिए सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से संपर्क करने को कहा। सू.ल.म.उ. मंत्रालय (तथा इसके विभिन्न संगठनों) के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रमाणपत्र (त्रों) के मूल्यांकन एवं प्रदान करने के प्रश्न पर अध्यक्ष ने कहा कि मंत्रालय अपने स्वयं का विनियामक ढांचा तैयार कर सकता है जिसमें आंतरिक विनियामक/मूल्यांकन संस्थान/निकाय के साथ संगत मानक एवं मूल्यांकन/निर्धारण मानदंड निहित हों, क्योंकि दूसरे मंत्रालयों को निर्धारण एवं प्रमाणन संबंधी मौजूदा विनियामक ढांचे को सू.ल.म.उ. मंत्रालय के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया था।

समिति ने वर्ष 2013–14 के लिए संस्थान ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अन्य कार्यकलापों तथा बजट पर विचार किया और अनुमोदित किया। वर्ष 2012–13 के लिए कार्यक्रम लक्ष्य से अधिक प्राप्ति पर संस्थान के प्रयासों की प्रशंसा करते समय अध्यक्ष महोदय की राय थी कि संस्थान को एटीआई योजना के वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रशिक्षण व्यय के अन्य पहलुओं की जांच करनी चाहिए और इसलिए जनहित में इसे, योजना के तहत ऐसी लागत को पूरा करने में बचत का उपयोग किया जा सकता है। अध्यक्ष ने संस्थान को मई, 2013 के अंत तक वाउचर राइटिंग, विभिन्न लेखा बहियों आदि के रखरखाव सहित अपने सभी लेखाकरण कार्यकलापों को पूरी तरह कम्प्यूटरीकृत करने की सलाह दी।

समिति ने संस्थान को ग्रुप ग्रेज्यूटी योजना के तहत अपने भावी कर्मचारियों को शामिल करने के मामले पर एलआईसी के साथ बातचीत करने की सलाह दी। तथापि, संस्थान के पूर्ववर्ती एवं सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के उपदान का भुगतान, संस्थान के अपने संसाधनों से किया जाना चाहिए।

संस्थान में इसके बढ़ते कार्यकलापों को देखते हुए अतिरिक्त जनशक्ति की जरूरत का मूल्यांकन करते समय अध्यक्ष महोदय ने इच्छा जताई कि पद, परियोजना आधारित होने चाहिए और इन्हें संबंधित परियोजना के पूरा होने तक संविदा आधार पर भरा जाना चाहिए। समिति ने संस्थान की जनशक्ति संबंधी जरूरतों की जांच करने के लिए एक उपसमिति का भी गठन किया और इसकी रिपोर्ट समिति को सौंपी।

(ख) समिति की 69वीं बैठक 16 अगस्त, 2013 को उद्योग भवन, नई दिल्ली में श्री माधव लाल, सचिव (सू.ल.म.उ.) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। अध्यक्ष ने ग्रेटर नोएडा में भूमि के उपयोग के मामले की समीक्षा करने के बाद निर्देश दिया कि एएस एवं डीसी की अध्यक्षता में, जिसमें संयुक्त सचिव (एसएमई) तथा संस्थान के डीजी अन्य सदस्य के रूप में होंगे, एक उप–समिति संबंधित प्रयोजनों के साथ–साथ संस्थान के विस्तारण सेंटर की स्थापना के लिए ग्रेटर नोएडा में भूमि के उपयोग में शामिल सभी मुद्दों पर एक रिपोर्ट समिति को सौंपेगी।

समिति ने इच्छा व्यक्त की कि व्यवसाय/राजस्व मॉडल को शुरू किया जाना चाहिए ताकि विगत में उद्भूत लाभ अविकल रह सकें और संस्थान भविष्य में सामान्य एवं संधारणीय तरीके में विकास करे।

समिति ने नोट किया कि एटीआई योजना के तहत मंत्रालय के विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए प्रशिक्षण उनके फोटोग्राफ के साथ प्रत्येक लाभार्थियों के पूर्ण विवरण के साथ मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। उपाध्यक्ष ने भी स्पष्ट किया कि मंत्रालय के कॉल सेंटर द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षु बैच से आवधिक रूप में फीडबैक रिपोर्टें प्राप्त की जाती हैं।

गैर एटीआई श्रेणी के तहत अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाने में संस्थान के प्रयासों की सराहना करते समय अध्यक्ष ने सलाह दी कि मंत्रालय के सभी संस्थानों को उद्यमिता संवर्धन के मूल अधिदेश बनाए रखते समय अपने कार्यकलापों में परिवर्तन लाना चाहिए। समिति ने अनुसंधान/समीक्षा/परामर्शी सेवा शुरू करने में संस्थान

के प्रयासों का उल्लेख करते समय राय व्यक्त की थी कि संस्थान गुणवत्ता परामर्शी कार्य शुरू करने के लिए विशेषज्ञों को परामर्शदाता के रूप में भाड़े पर ले सकता है, जो राजस्व उत्पन्न कर सकते हैं, साथ ही संगठन को गौरव प्रदान कर सकते हैं। संस्थान को उस अंतर्राष्ट्रीय संगठन के प्रत्ययपत्रों की जांच करने को कहा गया था जिसके साथ यह उद्यमिता बढ़ाने के लिए सहयोग करना चाहता है।

संस्थान के जनशक्ति आधार को सुदृढ़ बनाने की जरूरत का मूल्यांकन करते समय, समिति ने देखा कि तीन उद्यमिता विकास संस्थानों (ईडीआई) के संगठनात्मक ढांचे को लचीला होना चाहिए और यह कि संस्थान को मॉडल संगठनात्मक ढांचे को तैयार करने के लिए अनुभवी एवं जानकार परामर्शदाता/सलाहकार नियुक्त करने चाहिए।

(ग) समिति की 70वीं बैठक 26 नवम्बर, 2013 को उद्योग भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। श्री माधव लाल, सचिव (सू.ल.म.उ.) ने बैठक की अध्यक्षता की। संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के प्रभावी निष्पादन पर गौर करते समय इसका संगठन ढांचा सिर्फ अपर्याप्त नहीं होना चाहिए, बल्कि लचीला भी होना चाहिए, अध्यक्ष महोदय ने संयुक्त सचिव (एसएमई) से अपने संगठन ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए संस्थान के महानिदेशक से विचार–विमर्श करने की पहल करने को कहा।

एएस एवं एफए द्वारा संस्थान को परामर्शदाताओं की सेवाओं को भाड़े पर लेते समय; यहां तक कि दैनिक भुगतान आधार पर भी, सम्यक प्रक्रिया का पालन करने को कहा। तथापि, अध्यक्ष ने गुणवत्ता परामर्शी कार्य शुरू करने हेतु विशेषज्ञों को भाड़े पर लेने की पुनः चर्चा की; जिससे संस्थान बाजार जरूरतों की दिशा में गुणवत्ता परामर्शी कार्य/नियुक्ति केंद्र के रूप में स्वयं तैयार हो सके। अध्यक्ष महोदय की राय थी कि परामर्शी सेवा, आने वाले समय में संस्थान के मूल कार्यकलापों में से एक कार्यकलाप होनी चाहिए।

महानिदेशक ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) पर ई–लर्निंग मॉडयूल के विकास एवं माड्यूल के तहत लगभग 50,000 व्यक्तियों के प्रशिक्षण पर प्रकाश डाला। एएस एवं एफए द्वारा संस्थान को विभिन्न कौशलों/ट्रेडों में महिलाओं के लिए भी विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी ताकि प्रशिक्षित व्यक्तियों में समाज के इस महत्वपूर्ण भाग के अनुपात को बढ़ाया जा सके।

कनाताल में टीम निसबड

अध्यक्ष महोदय ने राय व्यक्त की कि संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे व्यक्तियों और अन्य राष्ट्रीय ईडीआई को पीएमईजीपी योजना के तहत चयन में तरजीह दी जानी चाहिए। यह संबंधित प्रशिक्षण कार्यकलापों के मूल्य को जोड़ने के लिए प्रत्याशित है, क्योंकि भाग लेने वाले भागीदार/लाभार्थी योजना के तहत अधिमानिक व्यवहार के दृढ़–निश्चयी होंगे।

वर्ष 2012–13 के लिए संस्थान की मसौदा वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखापरीक्षित लेखा बहियों पर समिति द्वारा विचार किया गया था और अधिशासी परिषद के विचारार्थ एवं स्वीकरण हेतु भेजा गया था। तथापि, अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि कर्जदारों की राशि की वसूली संबंधित सरकारी विभागों/संगठनों को लिखित माध्यम से शीघ्र पूरी की जानी चाहिए, क्योंकि कर्जदारों की अधिकांश राशि सरकारी संगठनों की थी।

समिति ने सम्यक विचार करने के बाद वर्ष 2013–14 के लिए सेवा कर के अलावा, 20,000/–रुपए के पारिश्रमिक एवं वास्तविक यात्रा भत्ता एवं डीए, यदि कोई हो, की प्रतिपूर्ति पर संस्थान को लेखा बहियों की लेखापरीक्षा करने के लिए मैसर्स डी. भाटिया एंड कंपनी की नियुक्ति के विचार एवं मंजूरी हेतु अधिशासी परिषद को सिफारशि करने का निर्णय लिया। समिति ने संस्थान के 26 मौजूदा कर्मचारियों को ग्रुप ग्रेज्युटी योजना का विस्तार करने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को 4,57,389/–रुपए का भुगतान करने पर विचार किया और अनुमोदित किया।

10.1 कर्मचारियों की स्थिति

संयुक्त सचिव (एसएमई) की अध्यक्षता वाली विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के अनुसार, श्री मुकेश कुमार गुप्ता को 26 अप्रैल, 2013 (दोपहर बाद) से

संयुक्त निदेशक (व्यावसायिक विकास एवं प्रबंधन) के पद पर पदोन्नत किया गया था। श्री गुप्ता 24 फरवरी, 1993 से प्रशासनिक अधिकारी के रूप में संस्थान में काम कर रहे थे। वर्ष के दौरान श्री गुप्ता प्रशासनिक अधिकारी के पद के कार्यों का भी निर्वहन कर रहे थे।

सुश्री पूनम सिन्हा, आई.आई.ई की संकाय सदस्य, को, जो आईआईई के क्षेत्रीय सेंटर, देहरादून के प्रचालन कार्य को देख रही थीं, 01 अप्रैल, 2013 से क्षेत्रीय सेंटर, देहरादून को संस्थान में मिलाते समय संस्थान के वेतन पत्रक पर लिया गया था। सुश्री सिन्हा को उसके द्वारा धारित वेतन बैंड एवं ग्रेड वेतन में पद का सृजन करने पर संस्थान की नियमित संख्या में शामिल किया जाएगा। श्री विनोद कुमार शर्मा, लेखाकार को, जब तक इस पद को भरा नहीं जाता है संस्थान के लेखा अधिकारी के पद के कार्य सौंपे गए थे।

कार्यकलापों के विस्तारण एवं संस्थान द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त स्टाफ की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए समिति ने सूचित किया कि एक मॉडल लचीला एवं संगठित ढांचा तैयार किया जाना चाहिए जिसे सभी तीन उद्यम संस्थानों द्वारा अपनाया जा सके।

श्री पी.एस. नागर, पुस्तकाध्यक्ष की संविदात्मक नियुक्ति अवधि को 3 मई, 2013 से दो वर्षों की अवधि के लिए बढ़ाया गया।

संस्थान ने अपने रिक्त पदों को भरने का निरंतर प्रयास किया। संस्थान ने विभिन्न योजनाओं, अनुसंधान अध्ययनों आदि के तहत कार्य को पूरा करने के लिए विभिन्न श्रेणी के पदधारियों को निरंतर नियुक्त/आउटसोर्स भी किया।

संस्थान ने सभी कर्मचारियों के लिए, विशेष तौर पर महिला पदधारियों के लिए, जो कुल कार्मिकों का लगभग 30 प्रतिशत है, कार्य माहौल में सुधार लाने के लिए और प्रभावी कदम उठाए हैं।

31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार, संस्थान में विभिन्न वर्गों में प्रभावी नियमित कर्मचारी संख्या 27 थी।

संस्थान का संगठनात्मक चार्ट *ifjf'k"V&[k* पर है।

10.2 राजभाषा का प्रयोग

सरकारी नीति के अनुसार, सरकारी काम में हिन्दी के प्रयोग के उत्तरोत्तर रूप से लक्ष्यगत सभी प्रयास किए गए थे। वार्षिक कार्यक्रम : 2013–14, जैसा कि राजभाषा विभाग द्वारा संघ के सरकारी काम को हिन्दी में करने के लिए जारी किया गया है, को कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी प्रयास करने हेतु संस्थान के सभी अलग–अलग अनुभागों को परिचालित किया गया था। इसके अलावा, वर्ष 2012–13 के लिए संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट को दोनों भाषाओं में छपवाया गया था। संस्थान ने वर्ष के दौरान अपने समस्त पत्राचार को हिन्दी में आवरण पत्र के साथ अंग्रेजी में भेजने की प्रथा भी शुरू की। संस्थान ने अपने कर्मचारियों को मूल कार्यों को तेजी से हिन्दी में करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

प्रशिक्षण के दौरान एक एक्टिविटी

14 सितम्बर, 2013 से शुरू सप्ताह को हिन्दी सप्ताह के रूप में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर, संस्थान के महानिदेशक ने अपने संबोधन में कर्मचारियों को सरकारी पत्राचार में, आंतरिक नोटिंगों में और सभी अन्य संभावित स्थानों पर तेजी से हिन्दी के प्रयोग हेतु उन्हें प्रेरित किया। ''राजभाषा नीति तथा प्रशासिक शब्दावली'' पर कार्यशाला आयोजित करने के अलावा, नोटिंग एवं मसौदा लेखन, निबंध लेखन पर प्रतियोगिता, बहस एवं राजभाषा नीति के बारे में सामान्य जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित किए गए थे, जिसमें संस्थान के कुल 40 कर्मचारियों ने भाग लिया था।

संस्थान कनिष्ठ अनुवादक के पद को भरने के लिए अपने प्रयास जारी रखे हुए है। संस्थान द्वारा राजभाषा को लागू करने में प्रगति से संबंधित निर्धारित रिपोर्टों/सूचना को नियमित रूप से एवं समय पर मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया था।

10.3 मानव संसाधन विकास

वर्ष के दौरान संस्थान अपने मानव संसाधन के विकास पर और वर्तमान बदलते आर्थिक परिदृश्य में अपने जानकारी आधार को बढ़ाने पर जोर देता रहा।

पहल के तहत 2012 में कर्मचारियों के लिए मासिक क्षमता निर्माण सत्र शुरू किए गए। संस्थान ने बिना किसी रूकावट के विषयों, जैसे कि : टीम का निर्माण, गुणवत्ता परिप्रेक्ष्य, समय प्रबंधन, संचार कौशल, सू.ल.म.उ. नीतियों पर हर माह कार्यक्रम शुरू किए।

समूह निर्माण एवं उच्च कार्य निष्पादन हेतु प्रबंधन विकास कार्यक्रम

विकास पहलों में से एक पहल के रूप में प्रबंधन ने अपनी टीम को राजस्व उत्पन्न करने वाली बल में बदलने के लिए ''उच्च निष्पादन हेतु टीम निर्माण'' नाम का एक एमडीपी आयोजित करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य विश्वास, आत्म विश्वास का माहौल उपलब्ध करवा करके तथा सही टीम भावना को प्रोत्साहित करके उच्च निष्पादन टीम तैयार करना था। उद्देश्य, वर्ष 2013–14 के लिए निर्धारित प्रशिक्षण लक्ष्य प्राप्त करना था। नोएडा और देहरादून कार्यालय से कुल 26 भागीदारों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम सभी पहलुओं में सफल था, भागीदारों ने अत्यधिक उत्साह एवं टीम भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में ताजगी, राहत एवं पूर्णता महसूस की। कार्यक्रम ने निसबड प्रधान कार्यालय तथा क्षेत्रीय टीम को भविष्य में संशक्तिपूर्वक कार्य हेतु एक दूसरे को समझने में भी मदद की। dk;Øe d e[; ifj.kke bl idkj Fk % वर्ष 2013–14 के लिए अलग–अलग कार्य योजना : लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नई कार्यनीतियां : निसबड के लिए **''विजन 2014''** तैयार करना।

बेहतर तालमेल के लिए देहरादून में कार्यक्रम का आयोजन

नोएडा एवं देहरादून कार्यालय के कर्मचारियों के बीच बेहतर तालमेल सृजित करने के क्रम में, भावी योजनाओं, जिम्मेदारियों पर चर्चा करने के लिए तथा एक–दूसरे से उत्कृष्ट प्रणालियां सीखने के लिए एक परस्पर बातचीत सम्मेलन 29 से 31 अगस्त तक देहरादून कार्यालय में आयोजित किया गया था।

बैठक सफल रही क्योंकि भागीदारों ने उच्च विकास एवं लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अगले पांच वर्षों के लिए एक संयुक्त कार्य योजना तैयार की।

10.4 परिणाम ढांचा दस्तावेज (आरएफडी)

संस्थान ने वर्ष 2013–14 के लिए मंत्रालय के साथ अपने परिणाम ढांचा दस्तावेज (आरएफडी) पर हस्ताक्षर किए। दस्तावेज के अनुसार, संस्थान ने वर्ष हेतु विभिन्न कार्यकलापों हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया। अपने कठिन प्रयासों से संस्थान ने सामान्य तौर पर वर्ष हेतु निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और अलग–अलग क्षेत्र के भागीदारों को नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करने के लक्ष्यों से अधिक की प्राप्ति की :

क्रम सं.	उद्देश्य / कार्यकलाप	लक्ष्य	उपलब्धियां
1	प्रशिक्षण कार्यक्रम *(प्रायोजित)*	1916	1524
2	भागीदारी क्षेत्र :		
	अनुसूचित जाति	10,200	16,441
	अनुसूचित जनजाति	8,850	7,051
	महिला – सामान्य	3,900	28,111
	अल्पसंख्यक	680	960
	अलग–अलग रूप में अशक्त व्यक्ति	500	500
	अन्य	23,770	40,125
	अंतर्राष्ट्रीय	225	252
3	प्रशिक्षण कार्यक्रम *(बाजार संचालित)*	75	2362
4	मूल्यांकन / प्रभाव निर्धारण अध्ययन और परामर्शदायी कार्य *(प्रायोजित)*	13	15

इसके अलावा, स्वरोजगार हेतु प्रयासरत भागीदारों को परामर्शी एवं परामर्श सेवा उपलब्ध कराने तथा भागीदारों की रोजगार परखता बढ़ाने हेतु निर्धारित लक्ष्य कैंची समूह, मेरठ में मुख्य / व्यवहारिक हस्तक्षेप, तथा विभिन्न आईपी टूल्स की मंजूरी हेतु आवेदन दायर करने में सहायता करने के लक्ष्य भी सामान्य तौर पर काफी अधिक थे। इसके अलावा, सांविधिक जिम्मेदारियों को पूरा करने की प्रत्याशाएं, प्रशासनिक सुधार शुरू करने तथा आंतरिक दक्षता / जवाबदेयता / सेवा प्रदायगी में सुधार लाने की संभावनाओं को भी पूरा किया गया था।

10.5 सतर्क एवं पारदर्शी प्रबंधन

संस्थान के महानिदेशक श्री अरूण कुमार झा, मुख्य सतर्कता अधिकारी के दायित्व एवं कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

मॉनीटरिंग प्रणाली, जैसा कि कैम्पस के बाहर प्रशिक्षण कार्यकलापों के संचालन के निर्धारण हेतु और इसके प्रभावी देखरेख को सुनिश्चित करने के लिए संस्थान में मौजूद है, को प्रभावी कार्यनीतियां लागू करके वर्ष के दौरान और सुदृढ़ बनाया गया। इसके अलावा, अवसंरचना प्रदायकों, संकाय एवं समन्वयक एजेंसियों की ऐसे कार्यक्रमों के लिए पहचान करने और चयन करने की प्रक्रिया प्रशिक्षण कार्यकलापों के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए और पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया गया।

संस्थान ने 28 अक्तूबर से 02 नवम्बर, 2013 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। अवसर को सफल बनाने की दिशा में, संस्थान के कर्मचारियों ने सतर्कता प्रतीज्ञा ली। अवसर को संस्थान के कार्यकलाप में तथा अर्थोपायों में, जिसके जरिए कार्यकलाप को अधिक पारदर्शी बनाया जा सकता है, पारदर्शिता आदि की विशिष्टता को बताने के लिए भी उपयोग में लाया गया।

वर्ष के दौरान, लंबित अनुशासनिक मामलों और अन्य सतर्कता मामलों की स्थिति पर अपेक्षित जानकारी/रिपोर्टों को भी नियमित रूप से और समय पर मंत्रालय को भेजा गया।

10.6 सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

वर्ष के दौरान, संस्थान ने अधिनियम के तहत जानकारी हेतु सभी आवेदनों को स्वीकार करते हुए सभी 16 मामलों में जानकारी प्रस्तुत की। इसके अलावा, जैसा कि अधिनियम द्वारा अधिदेशित है, संस्थान ने अपनी वेबसाइट पर विभिन्न जानकारी पूरी तरह से व्यक्त की है। संस्थान ने अधिनियम की धारा 25 के तहत तिमाही रिपोर्टों को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) की वेबसाइट पर भी तुरंत अपलोड किया।

संस्थान के महानिदेशक अधिनियम के तहत अपीलीय अधिकारी (प्रथम) और पारदर्शी अधिकारी के कार्यों का भी निर्वाह कर रहे हैं।

डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार

25, लक्ष्मी इन्श्योरेंस बिल्डिंग
ऑसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002
वैबसाइट: *www.dbhatia.net*

फोन: 91-011-23238686, 23233508, 23230780
फैक्स: 91-011-23239702
ई-मेल: *dbcoca@gmail.com*

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान, नौएडा के सदस्यों को लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान, नौएडा के संलग्न 31 मार्च, 2014 के हमारे द्वारा हस्ताक्षरित इस रिपोर्ट के अधीन, तुलन-पत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए संस्थान के संबंधित आय तथा व्यय लेखा की, लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन के दायित्व हैं। हमारा दायित्व हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में सामान्यतया स्वीकार्य लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है । इन मानकों के अनुसार अपेक्षा की जाती है कि, हम लेखापरीक्षण कार्य का नियोजन एवं निष्पादन इस तरह से करें कि हमें इस बात के संबंध में उचित आश्वासन प्राप्त हो कि, वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण गलत विवरणों से मुक्त हैं। एक लेखापरीक्षा कार्य में परीक्षण आधार पर लेखों के समर्थन तथा वित्तीय विवरणों के खुलासों के साक्ष्यों की जाँच शामिल है। एक लेखापरीक्षण कार्य में लागू किये गये सिद्धान्तों, प्रबंधन द्वारा किये गये महत्वपूर्ण आंकलन और समग्र वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय व्यक्त करने के उचित आधार प्रदान करते हैं।

हम रिपोर्ट करते है कि :-

(क) हमने वे सभी सूचनायें तथा स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार, इस लेखापरीक्षा के उद्देश्य से आवश्यक थे।

(ख) हमारी राय में, जहां तक पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है, संस्थान ने नियमानुसार यथापेक्षित लेखों की उचित पुस्तिकायें रखी हैं।

(ग) इस रिपोर्ट के साथ संलग्न किये गये तुलन-पत्र और आय तथा व्यय लेखा, संस्थान की लेखा पुस्तिकाओं से मेल खाते हैं।

(घ) हमारी राय में, तुलन-पत्र और आय तथा व्यय लेखा, आई.सी.ए.आई. द्वारा यथा निर्धारित लेखांकन मानकों (ए.एस.) जोकि संस्थान के मामले में लागू समझे गये हैं, के अनुरूप हैं।

(ड.) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण अनुसूची 15: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां तथा लेखों पर नोट्स के, नोट्स की शर्त पर तथा उनके साथ पठित, भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखाकरण सिद्धान्तों के अनुरूप, सत्य और सही स्थिति प्रस्तुत करते हैं:

डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार

(i) 31 मार्च, 2014 को संस्थान के मामलों की स्थिति को, तुलन-पत्र के मामले में और

(ii) 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखा के मामले में, व्यय की तुलना में अधिक आय को।

हस्ता /-
सुनील भाटिया
साझीदार
एम. संख्या 16495
की ओर से
डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 25 सितम्बर, 2014

(₹)

	अनुसूचि संदर्भ		31 मार्च, 2014 की यथास्थिति		31 मार्च, 2013 की यथास्थिति
धन के स्रोत					
क. संचित अधिशेष :					
आदि ोश		110,812,420			71,664,353
घटाएं : निधि 2012–13 से भिन्न निर्धारित		(15,000,000)			(33,275,725)
		95,812,420			38,388,628
जोडें : वर्श के अधि ोश/(घाटा)		86,818,671			72,423,792
ोश संचित अधि ोश			182,631,091		110,812,420
संग्रह फंड					
आदि ोश		33,275,725			33,275,725
जोड़ें : वर्श के दौरान संवर्धन		15,000,000			-
जोड़ें : समूह निधि पर ब्याज		6,398,118			3,166,936
			54,673,843		36,442,661
2010–11 निधि से भिन्न निर्धारित		-			5,806,243
घटाएं : वर्श 2012–13 के दौरान खर्च		-			5,806,243
			-		-
योग			**237,304,934**		**147,255,081**
धन का उपयोग					
ख. अचल परिसंपत्तियां:					
सकल ब्लॉक	1	11,865,714		6,599,883	
घटाएं : आज तक का मूल्यह्रास		(4,197,952)		(2,794,650)	
निवल ब्लॉक			7,667,762		3,805,233
ग. चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा पेशगियां					
सामान	2	296,461		217,342	
विविध देनदार	3	122,134,477		124,014,574	
रोकड़ तथा बैंक ोश	4	191,299,549		74,613,685	
प्रतिभूति जमा	5	5,652,162		3,064,155	
ऋण तथा पे गियां	6	34,926,651		4,552,309	
योग : चालू परिसंपत्तियां		**354,309,300**		**206,462,065**	
घ. घटाएं : चालू देयताएं	7	**124,672,128**		**63,012,217**	
निवल चालू परिसंपत्तियां (ग–घ)			**229,637,172**		**143,449,848**
योग			**237,304,934**		**147,255,081**
लेखांकन नीतियां तथा लेखों पर नोट्स	15				

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/–
सुनील भाटिया
साझेदार
एम. संख्या 16495
कृते एवं निमित्त
डी. भाटिया एण्ड कंपनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971एन

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/–
(विनोद कुमार भार्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(अरूण कुमार झा)
महानिदे ाक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25 सितम्बर, 2014

आय तथा व्यय लेखा

31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹)

		अनुसूचि संदर्भ	चालू वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
क.	**आय**			
	प्रि ाक्षण आय	8	424,108,519	470,438,376
	अन्य आय	9	6,637,785	4,615,210
	योग		**430,746,304**	**475,053,586**
ख.	**व्यय**			
	कर्मचारियों का पारिश्रमिक एवं लाभ	10	19,541,166	26,428,909
	प्रि ाक्षण व्यय	11	299,234,328	358,886,752
	अनुसंधान तथा प्रका ान व्यय	12	2,651,323	1,989,303
	प्र ाासन व्यय	13	18,349,164	13,390,268
	मूल्यह्रास		877,422	434,089
	योग		**340,653,403**	**401,129,321**
ग.	अनुदान सहायता से पूर्व वर्श के लिए अधि ोश/ (घाटा)	(क+ख)	90,092,901	73,924,265
घ.	जोड़ें : सहायता अनुदान		-	-
ड.	सहायता अनुदान के बाद अधि ोश (घाटा)	(ग+घ)	90,092,901	73,924,265
च.	पूर्व अवधि समायोजन	14	3,123,888	(1,500,473)
छ.	संग्रह निधि में स्थानांतरित संग्रह निधि पर ब्याज		6,398,118	-
ज.	**तुलन–पत्र में ले जाया गया निवल अधिशेष**	**(ड.+च–छ)**	**86,818,671**	**72,423,792**
लेखांकन नीतियां तथा लेखों पर नोट्स		15		

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/–
सुनील भाटिया
साझेदार
एम. संख्या 16495
कृते एवं निमित्त
डी. भाटिया एण्ड कंपनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971एन

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/–
(विनोद कुमार भार्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(अरूण कुमार झा)
महानिदे ाक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25 सितम्बर, 2014

अनुसूची-1 स्थाई परिसंपत्तियां, 31मार्च 2014 की यथास्थिति

क. आवर्ती अनुदान से अधिप्राप्त परिसंपत्तियां

परिसंपत्तियों का विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	31.03.2013को	वर्ष के दौरानवृद्धि	वर्ष के दौरान बिक्री / समयोजन	31.03.2014 के योग	31.03.2013तक	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समयोजन	31.03.2014 तक	31.03.2014 को	31.03.2013को
पुस्तकालय पुस्तकें	1,377,812	53,255	-	1,431,067	1,159,825	30,467	-	1,190,292	240,775	217,987
फर्नीचर तथा फिक्सचर	1,116,005	694,067	-	1,810,072	160,865	132,365	(20,237)	313,467	1,496,605	955,141
कार्यालय उपस्कर	1,719,290	528,920	-	2,248,210	461,799	151,830	16,602	597,027	1,651,183	1,257,491
प्र िक्षण उपस्कर	617,515	-	-	617,515	277,696	25,754	-	303,450	314,065	339,819
इलेक्ट्रिकल्स	1,185,774	950,400	-	2,136,174	324,860	141,537	-	466,397	1,669,777	860,914
कम्प्यूटर्स	2,373,155	556,403	-	2,929,558	1,230,934	314,717	471,173	1,074,478	1,855,080	1,142,221
वाहन	690,746	-	-	690,746	172,089	80,752	-	252,841	437,905	518,657
योग (₹) (क)	**9,080,297**	**2,783,045**	**-**	**11,863,342**	**3,788,068**	**877,422**	**467,538**	**4,197,952**	**7,665,390**	**5,292,230**

ख. विशिष्ट अनुदान से अधिप्राप्त परिसंपत्तियां

परिसंपत्तियों का विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	31.03.2013 को	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान बिक्री / समयोजन	31.03.2014 का योग	31.03.2013 तक	वर्ष केलिए	वर्ष के दौरान समयोजन	31.03.2014 तक	31.03.2014 को	31.03.2013को
भवन लेखा	72,888,109			72,888,109						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	72,888,108			72,888,108						
	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
पट्टे पर भूमि	35,789,768			35,789,768						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	35,789,767			35,789,767						
	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
पुस्तकालय पुस्तकें	120,103			120,103						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	119,904			119,904						
	199	-	-	199	-	-	-	-	199	199
फर्नीचर एवं फिक्सचर	3,358,721			3,358,721						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	3,357,764			3,357,764						
	957	-	-	957	-	-	-	-	957	957
कार्यालय उपकरण	10,105,466			10,105,466						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	10,104,599			10,104,599						

अनुसूची-1 स्थाई परिसंपत्तियां, 31मार्च 2014 की यथास्थिति ¼tkjh½

ख. विशिष्ट अनुदान से अधिप्राप्त परिसंपत्तियां

	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
परिसंपत्तियों का विवरण	31.03.2013 को	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान बिक्री/ समयोजन	31.03.2014 का योग	31.03.2013 तक	वर्ष केलिए	वर्ष के दौरान समयोजन	31.03.2014 तक	31.03.2014 को	31.03.2013को
	867	-	-	867	-	-	-	-	867	867
प्रशिक्षण उपकरण	843,106			843,106						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	843,101			843,101						
	5	-	-	5	-	-	-	-	5	5
इलैक्ट्रिकल्स	2,276,653			2,276,653						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	2,276,465			2,276,465						
	188	-	-	188	-	-	-	-	188	188
कम्प्यूटर मदें	3,252,006			3,252,006						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	3,251,853			3,251,853						
	153	-	-	153	-	-	-	-	153	153
वाहन	433,715			433,715						
घटाएं : भारत सरकार से अनुदान	433,714			433,714						
	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
योग ₹ (ख)	**2,372**	**-**	**-**	**2,372**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,372**	**2,372**
जोड ₹ (क+ख)	**9,082,669**	**2,783,045**	**-**	**11,865,714**	**3,788,068**	**877,422**	**467,538**	**4,197,952**	**7,667,762**	**5,294,602**
Previous Years ₹	**5,989,187**	**1,277,183**	**666,487**	**6,599,883**	**2,984,868**	**434,089**	**624,307**	**2,794,650**	**3,805,233**	**3,004,319**

टिप्पणी : भारत सरकार के अनुदानों में खरीदी गई परिसंपत्तियों को 1.00 रुपए प्रति मद द ार्शाया गया है।

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/–
सुनील भाटिया
साझेदार
एम. संख्या 16495
कृते एवं निमित्त
डी. भाटिया एण्ड कंपनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971एन

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/–
(विनोद कुमार भार्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(अरूण कुमार झा)
महानिदे ाक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25 सितम्बर, 2014

(₹)

	31 मार्च, 2014 की यथास्थिति	31 मार्च, 2013 की यथास्थिति
अनुसूची– 2 – वस्तुसूची		
ई. एम. टी. किट्स	51,987	70,434
प्रका ान स्टॉक	5,346	8,199
पाठ्यक्रम सामग्री का स्टॉक	131,271	81,905
लेखन–सामग्री का स्टॉक	107,857	56,804
योग :	**296,461**	**217,342**
अनुसूची – 3 – विविध देनदार		
छह माह से अधिक बकाया :		
– अच्छे समझे गए	95,701,363	5,704,273
– संदेहास्पद समझे गए	-	-
	95,701,363	5,704,273
घटाएं : अ ोध्य ऋणों हेतु प्रावधान	-	-
अन्य – छह माह से कम बकाया	26,433,114	118,310,301
योग :	**122,134,477**	**124,014,574**
अनुसूची – 4 – नकदी तथा बैंक शेष		
हस्तगत नकदी	236,588	542,920
ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स– आर, जी. यू. एम. वाई	57,792	54,421
कामि यिल इंटरने ानल बैंक (मिस्र) (यू. एस. डी. 776 के बराबर)	42,152	42,152
ओरियंटल बैंक आफ कॉमर्स बचत फंड खाता – 2654	50,872,890	16,280,205
ओरियंटल बैंक आफ कॉमर्स बचत फंड (ओजोन)	-	18,472
ओरियंटल बैंक आफ कॉमर्स बचत फंड खाता –2982	40,966,903	5,465,929
एच. डी. एफ. सी. बचत फंड खाता	218,047	209,586
एक्सिस बैंक बचत फंड खाता	15,773,057	-
स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर बचत फंड खाता	1,702,777	-
बैंक ऑफ बड़ौदा बचत फंड खाता – 778	1,470,117	-
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया बचत फंड 4239	18,661	-
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया बचत फंड 5780	11,445,457	-
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया चालू खाता	10,005	-
स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर में एफ डी आर	19,800,000	-
ओ बी सी में एफ डी आर	37,122,103	52,000,000
एफ डी आर – यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया में आउटस्वीप	3,563,000	-
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया में एफ डी आर	3,000,000	-
उत्तराखंड ग्रामीण बैंक में एफ डी आर	5,000,000	-
योग :	**191,299,549**	**74,613,685**
अनुसूची – 5 – प्रतिभूति जमा		
टेलीफोन	8,200	6,500
जल	89,425	89,425
विद्युत	401,537	273,230
डी. जी. ई. एवं टी.	50,000	50,000
प्रतिभूति जमा (निविदा)	5,053,000	2,245,000
प्रतिभूति प्रिंटर	20,000	20,000
प्रतिभूति जमा (एस. एस. एस. दिल्ली)	-	350,000
प्रतिभूति (वाि ांग मशीन)	30,000	30,000
;kx %	**5,652,162**	**3,064,155**

(₹)

	31 मार्च, 2014 की यथास्थिति	31 मार्च, 2013 की यथास्थिति
अनुसूची – 6 – ऋण तथा अग्रिम		
आई आई ई गुवाहाटी से प्राप्य	27,416,585	-
अन्य को अग्रिम	1,304,400	-
स्टॉफ को अग्रिम	83,300	-
त्यौहार अग्रिम स्टाफ	12,600	9,000
पूर्वदत्त व्यय	212,710	285,630
यात्रा भत्ता अग्रिम	45,000	6,000
स्रोत पर कर कटौती वापसी योग्य/वसूली योग्य	4,378,851	3,035,716
धनरा ि । वसूलनीय – श्री विने । छाबड़ा	74,825	74,825
देय उपचित ब्याज – एम एस एम ई	1,398,380	1,141,138
योग :	**34,926,651**	**4,552,309**
अनुसूची – 7 – चालू देनदारियां		
विभिन्न लेनदार	49,921,252	20,309,200
देय रा ि ।	17,226,375	4,118,312
देय वेतन	73,622	73,622
	67,221,249	24,501,134
सरकारी क्षेत्र से अग्रिम :		
सी आर आर कार्यक्रम हेतु अग्रिम	-	720,000
योजना का मूल्यांकन अध्ययन करने हेतु अग्रिम	-	311,000
अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय हेतु अग्रिम	-	1,075,000
एस जे एस आर वाई कार्यक्रम हेतु अग्रिम	-	1,350,000
ट्रीड कार्यक्रम हेतु अग्रिम	-	180,000
हुपा (एच यू पी ए) हेतु अग्रिम	-	435,000
आई पी एफ सी, कार्यक्रम हेतु अं ादान	1,638,390	2,323,331
पूंजीगत परिसंपत्तियों हेतु अं ादान	51,619	51,619
आई पी एफ सी कार्यक्रम अग्रिम पर ब्याज	-	105,205
आर जी यू एम वाई अग्रिम पर ब्याज	-	96,477
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया एसबी खाता 5797 को देय रा ि । (प्राप्त ओवरड्राफ्ट)	24,141,414	-
	25,831,423	6,647,632
अन्यों को देय राशि :		
देय प्रतिभूति जमा	24,787,055	20,690,698
	24,787,055	20,690,698
प्रावधान :		
सेवानिवृत्ति लाभों हेतु प्रावधान	6,763,723	11,104,075
अ ोध्य ऋणों हेतु प्रावधान	68,678	68,678
	6,832,401	11,172,753
योग :	**124,672,128**	**63,012,217**
अनुसूची – 8 – प्रशिक्षण आय		
पाठ्यक्रम भुल्क	10,818,499	9,870,572
अंतर्राश्ट्रीय प्र ि ाक्षण कार्यक्रम भुल्क	36,944,317	35,629,286
श्रम मंत्रालय से प्राप्तियां	-	410,400
सूक्ष्म लघु मध्यम उद्योग से प्राप्तियां	321,757,875	420,679,741
एम एस एम ई (ब्याज) से प्राप्तियां	4,887,319	-
सी आर आर कार्यक्रम से प्राप्तियां	720,000	-
आई पी एफ सी से प्राप्तियां	665,331	176,669
एस एस एस दिल्ली से प्राप्तियां	12,683,880	-

(₹)

	31 मार्च, 2014 की यथास्थिति	31 मार्च, 2013 की यथास्थिति
एच यू पी ए से प्राप्तियां	1,350,000	-
ट्रीड कार्यक्रम से प्राप्तियां	157,500	-
मूल्यांकन अध्ययन से प्राप्तियां	15,027,900	924,000
आई पी आर प्र ि क्षण कार्यक्रमों से प्राप्तियां	1,050,000	500,000
मध्य प्रदे ा कार्यक्रम से प्राप्तियां	-	155,105
आर जी यू एम वाई से प्राप्तियां	4,261,600	2,019,000
ई डी सी आय	-	30,000
क्लस्टर से प्राप्तियां	4,654,750	-
डी आई सी एवं के वी आई सी से प्राप्तियां	3,746,808	-
घोशित कार्यक्रम से आय	5,260,920	-
प्रका ान/ई एम टी किट की बिक्री	121,820	43,603
योग :	**424,108,519**	**470,438,376**
अनुसूची – 9 – अन्य आय		
सदस्य भुल्क	20,500	-
छात्रावास आय	826,790	1,555,477
अग्रिम रा ि पर ब्याज	49,275	14,736
बचत पर ब्याज	1,890,919	1,914,827
संग्रह निधि पर ब्याज	3,231,182	-
कार्यालय किराया आय	117,230	1,044,100
भर्ती भुल्क	2,100	42,250
निविदा दस्तावेजों की बिक्री	2,000	-
पुराने समाचारपत्रों की बिक्री	30,250	-
पूर्ववर्ती वर्शों में प्रभारित अधिक मूल्यह्रास	467,539	-
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	-	43,820
योग :	**6,637,785**	**4,615,210**
अनुसूची – 10 – कर्मचारियों का पारिश्रमिक एवं लाभ		
ए सी पी एरियर (कर्मचारी)	837,843	521,273
मूल वेतन (अधिकारी)	3,308,295	3,697,491
मूल वेतन (कर्मचारी)	2,001,170	1,895,656
स्टाफ को बोनस	69,080	69,080
महंगाई भत्ता (अधिकारी)	3,565,393	3,177,188
महंगाई भत्ता (कर्मचारी)	2,146,064	1,676,290
प्रतिनियुक्ति भत्ता (महा)	24,000	37,067
महंगाई भत्ता एरियर	231,419	121,844
भविश्य निधि में नियोक्ता का अं ादान	1,746,177	1,712,221
ग्रेड वेतन (अधिकारी)	850,520	834,048
ग्रेड वेतन (कर्मचारी)	507,500	500,961
स्टाफ को मानदेय	307,500	90,500
मकान किराया भत्ता (अधिकारी)	687,178	1,394,690
मकान किराया भत्ता (कर्मचारी)	749,649	716,033
कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण	205,824	2,318,704
अवका ा यात्रा रियायत व्यय	82,436	146,257
चिकित्सा लाभ व्यय	1,031,852	2,160,493
ओवरटाईम व्यय	5,438	6,225
उपदान व्यय (जी आई एस)	493,735	-
वेतन एवं भत्ते	-	299,032
वि ोश भत्ता	7,500	7,500

अनुसूचियां

आय तथा व्यय लेखा का भाग, 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹)

	31 मार्च, 2014 की यथास्थिति	31 मार्च, 2013 की यथास्थिति
स्टाफ एवं निकाय विकास व्यय	-	1,300
स्टाफ कल्याण व्यय	110,897	106,657
परिवहन भत्ता (डी ए)	263,856	277,355
परिवहन भत्ता (अधिकारी)	154,240	183,148
परिवहन भत्ता (कर्मचारी)	153,600	204,773
उपदान लाभ	-	4,273,123
योग :	**19,541,166**	**26,428,909**
अनुसूची – 11 – प्रशिक्षण व्यय		
बोर्डिंग एवं लोजिंग व्यय – प्र िक्षण	14,329,634	13,635,421
उदघोशित कार्यक्रम व्यय	1,561,084	-
व्यवसाय संवर्धन व्यय	22,472	935,155
क्लस्टर विकास कार्यक्रम व्यय	1,290,669	356,657
पराम र्दाताओं का भुल्क तथा व्यय	580,045	347,000
पाठ्यक्रम सामग्री	1,236,877	794,207
सी बी एस ई कार्यक्रम व्यय	236,954	-
समन्वयक भुल्क एवं व्यय	-	213,000
सी आर आर कार्यक्रम व्यय	510,000	-
डी जी आर कार्यक्रम व्यय	-	160,178
ई डी पी – एस बी आई कार्यक्रम व्यय	-	20,000
ई एम टी किट व्यय	18,447	31,863
मूल्यांकन अध्ययन सू. ल. म. उ.	-	638,750
मूल्यांकन अध्ययन (एन एम डी एफ सी) व्यय	1,564,510	390,000
आई एस ओ 9001 कार्यक्रम व्यय का मूल्यांकन	800,000	-
विदे ा यात्रा व्यय	-	130,116
एच यू पी ए कार्यक्रम व्यय	958,293	-
आई एफ सी कार्यक्रम व्यय	266,743	77,548
आई पी एफ सी कार्यक्रम व्यय	928,240	524,061
आई पी आर कार्यक्रम व्यय	80,791	471,240
बाह्य संकाय व्यय	1,276,775	1,077,150
प्रचार व्यय – प्र िक्षण	587,915	1,531,491
दक्षता विकास कार्यक्रम व्यय	-	75,000
अध्ययन दौरा व्यय	7,374,938	6,122,699
संकाय यात्रा व्यय	-	611,488
एम एस एम ई समन्वयक/विविध व्यय	91,141,675	60,783,467
एम एस एम ई संकाय व्यय	19,796,286	66,813,900
एम एस एम ई पी आई कार्यक्रम व्यय	16,200,000	74,610,264
एम एस एम ई कार्यक्रम व्यय	30,226,163	10,603,550
एम एस एम ई किराया व्यय	92,417,354	117,461,000
एन एस एफ डी सी कार्यक्रम व्यय	3,525,160	-
क्यू एम एस/क्यू टी टी कार्यक्रम व्यय	439,455	-
के वी आई सी कार्यक्रम व्यय	40,000	-
एस एस एस, दिल्ली कार्यक्रम व्यय	9,711,909	-
ट्रीड कार्यक्रम व्यय	227,500	-
निविदा भुल्क	77,127	114,500
वाहन किराया व्यय	1,807,312	352,286
क्षतिग्रस्त विविध देनदार (एम ई ए)	-	4,761
योग :	**299,234,328**	**358,886,752**

(₹)

	31 मार्च, 2014 की यथास्थिति	31 मार्च, 2013 की यथास्थिति
अनुसूची – 12 – अनुसंधान तथा प्रकाशन व्यय		
न्यूजलैटर व्यय	9,000	179,000
अनुसंधान/प्रका ान व्यय	2,642,323	1,810,303
योग :	**2,651,323**	**1,989,303**
अनुसूची – 13 – प्रशासन व्यय		
विज्ञापन व्यय	1,080,428	16,728
वार्शिक सदस्यता भुल्क	50,562	22,060
लेखापरीक्षा भुल्क	37,472	18,539
बैंक प्रभार	23,244	833
उपभोग्य मदों पर व्यय	4,468	8,876
वाहन व्यय	396,822	230,469
विद्युत अनुरक्षण व्यय	58,655	94,933
विद्युत एवं जल व्यय	2,708,362	2,528,063
जेनरेटर व्यय	349,615	494,793
बागवानी व्यय	553,308	782,842
होस्टल व्यय	311,487	94,815
हाउस कीपिंग व्यय	844,472	1,063,171
बीमा व्यय	48,647	45,014
टी डी एस पर ब्याज	77,987	-
पुस्तकालय हेतु पत्रिकाएं	13,573	13,056
विधिक एवं व्यावसायिक व्यय	439,896	39,356
बैठक व्यय	139,006	38,169
समाचार पत्र तथा पत्रिकाएं	121,382	93,315
डाक एवं तार व्यय	220,018	161,905
पैट्रोल, ऑयल एवं लुब्रिकेंट्स	406,790	273,992
भर्ती व्यय	15,000	231,563
मरम्मत तथा रखरखाव – अचल परिसंपत्तियां	546,287	899,700
मरम्मत तथा रखरखाव – कार्यालय	3,396,901	2,915,958
सुरक्षा व्यय (कार्यालय)	593,127	511,402
लेखन सामग्री तथा मुद्रण व्यय	3,362,545	1,749,553
टेलीफोन व्यय	1,538,708	912,242
वाहन परिचालन तथा अनुरक्षण व्यय	87,979	57,771
धुलाई व्यय	118,843	91,150
किराया	664,800	-
त्यौहार व्यय	72,944	-
समारोह एवं सेमिनार व्यय	65,836	-
योग :	**18,349,164**	**13,390,268**
अनुसूची – 14 – पूर्वावधि समायोजन		
क. पूर्वावधि आय :		
व्यय वसूली खाता	-	12,020
पूर्वावधि आय	3,226,936	354,117
योग :	**3,226,936**	**366,137**
पूर्व अवधि व्यय :		
ख. पूर्व अवधि व्यय	103,048	1,866,610
योग :	**103,048**	**1,866,610**
निवल पूर्वाधिक समायोजन (क–ख)	**3,123,888**	**(1,500,473)**

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/–
सुनील भाटिया
साझेदार
एम. संख्या 16495
कृते एवं निमित्त
डी. भाटिया एण्ड कंपनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971एन

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/–
(विनोद कुमार भार्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(अरूण कुमार झा)
महानिदे ाक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25 सितम्बर, 2014

अनुसूची 15

महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियां तथा लेखों पर नोट्स
31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लेखों के विवरणों का भाग

क. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. वित्तीय विवरणों को तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण, चालू फॅर्म अनुमान के आधार पर तथा मूल लागत परम्परा के तहत तैयार किए गए हैं।

संस्थान द्वारा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा अधिसूचित सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन मानकों का प्रयोग किया गया है।

संस्थान, सामान्यतया लेखांकन की वाणिज्यिक प्रणाली (मर्केंटाइल सिस्टम) का अनुपालन करता है और महत्वपूर्ण अनिश्चितताओं वाले आय तथा व्यय को छोड़कर, प्रोद्भवन आधार पर, आय तथा व्यय को मान्यता देता है।

2. अचल परिसंपत्तियां

(i) अचल परिसंपत्तियों का मूल्यांकन अधिग्रहण और तदन्तर तत्संबंधी सुधार कार्यों की लागत के आधार पर किया जाता है, जिनमें अधिग्रहण एवं संस्थापना से संबंधित कर, शुल्क, भाड़ा तथा अन्य अनु ांगिक व्यय (विशिष्ट उधारी की लागत सहित) शामिल होते हैं।

(ii) परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, प्रबंधन द्वारा आकलित परिसंपत्तियों की आयु के आधार पर ''स्ट्रेट लाइन मैथड'' (एस एल एम) पर प्रदान किया गया है।

(iii) लीजहोल्ड का परिशोधन नहीं किया गया है, क्योंकि यह दीर्घ–कालिक (अर्थात 99 वर्ष) के लिए है और इनका मूल्य संवर्धित रूझान के अनुसार है।

3. वस्तुसूची

पाठ्यक्रम सामग्री का मूल्यांकन लागत या निवल वसूली–योग्य मूल्य दोनों में से जो कम हो, के आधार पर किया जाता है। लागत में सभी सीधे व्यय शामिल होते हैं परंतु प्रशासन, वित्तीय और बिक्री व्यय शामिल नहीं होते हैं।

4. आय तथा व्यय का निर्धारण

आय तथा व्यय का निर्धारण प्रोद्भवन आधार पर किया जाता है।

5. सरकारी अनुदान

(क) विशिष्ट अचल परिसंपत्तियों से संबंधित सरकारी अनुदान को, तुलनपत्र में परिसंपत्तियों का खाता मूल्य निकालने के लिए संबंधित परिसंपत्तियों के सकल मूल्य से, कटौती करके दर्शाया जाता है। जहां इस प्रकार का अनुदान सहायता परिसंपत्तियों की संपूर्ण लागत मूल्य के बराबर होता है, वहां परिसंपत्ति को तुलनपत्र में एक रुपए प्रत्येक के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया जाता है।

(ख) राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदान, आय तथा व्यय लेखा में अलग से दर्शाया जाता है।

6. आकस्मिक देयताएं

ऐसी आकस्मिक देयताएं जिनका उल्लेख खातों में नहीं किया जाता है, उन्हें लेखाओं पर नोट्स में अलग से दर्शाया जाता है।

7. पूर्व अवधि के समायोजन

वर्ष के दौरान अभिनिश्चित तथा निर्धारित समायोजनों सहित पूर्व अवधि के सभी समायोजन, संबंधित लेखा शीर्ष के अंतर्गत दर्शाए गए हैं।

ख. लेखों पर नोट्स

1. वर्ष के दौरान भारतीय उद्यमिता, गुवाहाटी के क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून को मौजूदा पदधारियों के साथ 1 अप्रैल, 2013 से एम एस एम ई के दिनांक 01–04–2013 के आदेश के तहत निसबड में मिला लिया गया था।

2. विविध कर्जदार, जो 9,57,01,363/–रुपए की सरकारी क्षेत्र की राशि को निरूपित करते हुए छह माह से अधिक की है, पुष्टि के अधीन हैं।

3. कामर्शियल इंटरनेशनल बैंक, मिस्र में 42,152/–रुपए की शेष राशि पड़ी हुई है परंतु वित्तीय वर्ष 2013–14 के दौरान बैंक विवरण अथवा शेष राशि के पुष्टिकरण प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं। तथापि, प्रबंधन ने बैंक से खाते को बंद करने के लिए अनुरोध किया है।

4. संस्थान के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंदर आने वालो किसी भी पूर्तिकर्ता को कोई भी धनराशि देय नहीं है। इस कारण से कोई भी ब्याज का प्रावधान/भुगतान नहीं किया गया है।

5. कर्जदारों, ऋणों और अग्रिमों की शेष राशि। क्रोडिटरों/व्ययों के प्रति देयताओं का बकाया कन्फर्मेशन और समाधान (रिकांसिलेशन) के अधीन है।

6. **आकस्मिक देयताएं** : संस्थान के एक कर्मचारी द्वारा दायर विधायी मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित है जिसके संबंध में उच्च पद/अधिक वेतन की मांग के कारण, देनदारी की मात्रा का निर्धारण नहीं किया जा सकता।

7. 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाओं में सभी ज्ञात देयताएं दर्शाई गई हैं।

8. संस्थान, सदस्यता शुल्क का निर्धारण नकदी आधार पर कर रहा है।

9. संस्थान के प्रबंधन की राय में तथा अपनी सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार, लेखों पर नोट्स में उल्लिखित को छोड़कर, सामान्य व्यवसाय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों एवं एडवांस की वसूली का मूल्य, उस

राशि से कम नहीं होगा जिन पर उनको तुलनपत्र में दिखा गया है।

10. पूर्व अवधि के समायोजन में निम्नलिखित शामिल है :–

	2013–14	2012–13
क) चालू वर्ष में शामिल पिछले वर्ष की आय	3226936	3,66,137
ख) व्यय के रूप में भारित राशि	(–) 103,048	(–) 18,66,610
	3123888	(–) 15,00,473

11.

लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक	चालू वर्ष (₹)	पिछला वर्ष (₹)
लेखापरीक्षा शुल्क (सेवा कर सहित)	37,472/	18,539/-

12. संस्थान की आंतरिक लेखापरीक्षा संवीक्षाधीन वर्ष के लिए सनदी लेखाकार फर्म द्वारा शुरू की गई है।

13. पूर्ववर्ती वर्ष के आंकड़ों को, जहां कहीं भी आवश्यक हो पुनः सम्मिलित किया गया है और/अथवा पुनः व्यवस्थित किया गया है। पैसे को निकटतम रुपए में पूर्णांकित किया गया है।

14. अनुसूचियां 1 से 7, 31 मार्च, 2014 के अनुसार तुलनपत्र के अंग भाग हैं; अनुसूची 15 नोट्स एवं लेखाकरण नीतियों तथा अनुसूचियां 8 से 14 आय एवं व्यय के अंगभाग हैं।

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/–
सुनील भाटिया
साझेदार
एम. संख्या 16495
कृते एवं निमित्त
डी. भाटिया एण्ड कंपनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971एन

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25 सितम्बर, 2014

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/–
(विनोद कुमार भार्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(अरूण कुमार झा)
महानिदे ाक

प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

भुगतान	राशि (रूपये में)	भुगतान	राशि (रूपये में)
बैंक खाते		देय सीपीएफ	537,458.00
वाणिज्यिक अंतर्राश्ट्रीय बैंक (मिस्र)	42,152.00	देय आय कर (वेतन)	8,375.00
सावधि जमा खाता – ओबीसी 2654	52,000,000.00	देय आय कर (अन्य)	12,491,131.00
एचडीएफसी एस/एफ खाता - 03941450000114	209,586.00	आरजीयूएमवाई वि. पर ब्याज	96,477.00
ओ बी सी (ओजोन) एस/एफ खाता - 09312011002678	18,472.00	उपदान हेतु प्रावधान	4,273,123.00
ओ बी सी पी आई एस/एफ खाता - 09312011002982	5,465,929.00	सेवानिवृत्ति लाभ हेतु प्रावधान	67,229.00
ओ बी सी एस/एफ खाता - 09312011002654	16,280,205.00	देय प्रतिभूति जमा	1,743,643.00
ओ बी सी (आरजीयूएमवाई) एस/एफ खाता-09312151009476	54,421.00	विविध लेनदार	183,744,000.00
हस्तगत नकदी	542,920.00	कंप्यूटर, सावधि परिसंपत्तियां	589,428.00
बैंक में सावधि जमा	13,747,260.00	सावधि परिसंपत्ति इलैक्ट्रीकल्स	28,500.00
बैंक में ऑटोस्वीप	15,000.00	सावधि परिसंपत्तियां, फर्नीचर एवं जुड़नार	667,905.00
बैंक में शेष	-	सावधि परिसम्पत्तियां, पुस्तकालय पुस्तके	53,255.00
-बीओबी # 0605	715,813.00	सावधि परिसंपत्तियां, कार्यालय उपकरण	509,073.00
-यूबीआई # 0819010104239	6,658.00	त्यौहार अग्रिम	3,600.00
-यूबीआई # 0819010113205	3,116,683.00	त्यौहार व्यय	72,944.00
आधारभूत निधि खाते पर ब्याज	2,139,736.00	समारोह एवं सेमीनार व्यय	65,836.00
एटीआई कार्यक्रम एमएसएमई से आय	382,882,125.00	पूर्वदत्त व्यय	28,383.00
डीसीएमएसएमई से आय	395,000.00	टीडीएस वसूलनीय/वापसी योग्य राशि	1,070,626.00
-डीआईसी एंड केवीआईसी से आय	3,745,604.00	प्राप्य प्रतिभूति	2,098,307.00
योजना के मूल्यांकन अध्ययन से आय	760,000.00	स्टाफ को टी ए अग्रिम	357,024.00
(आई पी आर) कार्यक्रम से आय	550,000.00	स्टाफ को अग्रिम	1,068,658.00
आईपीएफसी वि. पर ब्याज	33,185.00	अन्यों को अग्रिम	67,687,931.00
ऑटोस्वीप पर ब्याज	69,431.00	व्यवसाय संवर्धन व्यय	673,041.00
सावधि जमाओं पर ब्याज	536,643.00	सीबीएसई कार्यक्रम व्यय	11,954.00
देय राशि	429,509.00	क्लस्टर कार्यक्रम व्यय	1,290,669.00
प्रोदभूत ब्याज	1,141,138.00	चमड़े के सामान पर कार्यक्रम व्यय–केवीआईसी	40,000.00
विविध लेनदार	29,770,662.00	परामर्श शुल्क	14,045.00
पाठ्यक्रम शुल्क	14,721,216.00	समन्वयक शुल्क एवं व्यय	5,000.00
अंतर्राश्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुल्क	21,611,636.00	विशय सामग्री प्रशिक्षण	899,021.00
क्लस्टर से आय	3,147,900.00	मूल्यांकन अध्ययन एनएमडीएफसी	1,272,010.00
एमएसएमई से आय (ब्याज)	4,887,319.00	संकाय ट्रेवलिंग व्यय	473,992.00
एसएसएस दिल्ली से आय	6,577,202.00	आई एफ सी कार्यक्रम व्यय	82,353.00
उद्घोशित कार्यक्रमों से आय	3,353,270.00	आईपीएफसी कार्यक्रम व्यय	615,841.00
आई पी आर प्रशिक्षण कार्यक्रम से आय	500,000.00	आईपीआर कार्यक्रम व्यय	8,387.00
राश्ट्रीय अवार्ड स्कीम से आय	175,000.00	रहन–सहन एवं खान–पान व्यय	9,020,652.00
अनुसंधान/मूल्यांकन अध्ययनों से आय	8,508,900.00	एमएसएमई किराया व्यय	44,614,242.00
आरजीयूएमवाई से आय	4,261,600.00	एमएसएमई संकाय व्यय	26,849,205.00
ट्रीड कार्यक्रम से आय	157,500.00	एमएसएमई समन्वयक/विविध खर्च	15,583,841.00
पाठ्यक्रम की बिक्री	1,000.00	एमएसएमई कार्यक्रम व्यय	14,770,088.00
ईएमटी किट की बिक्री	31,250.00	एनएसएफडीसी कार्यक्रम व्यय	1,515,160.00
प्रकाशनों की बिक्री	89,570.00	बाहय संकाय व्यय	9,000.00
उद्घोशित कार्यक्रम व्यय	1,648,597.00	प्रचार व्यय (प्रशिक्षण)	193,534.00
पूर्व अवधि आय	60,000.00	क्यूएमएस/क्यूटीटी कार्यक्रम व्यय	71,455.00
हॉस्टल से आय	826,790.00	अनुसंधान एवं प्रकाशन व्यय	85,776.00
बचत राशि पर ब्याज	977,503.00	अनुसंधान अध्ययन व्यय	5,160.00
सदस्यता शुल्क	2,500.00	एस जे एस आरवाई व्यय	618,851.00
कार्यालय किराया आय	117,230.00	एस एस एस दिल्ली कार्यक्रम व्यय	22,689.00
भर्ती शुल्क	2,100.00	अध्ययन दौरा व्यय	4,560,917.00
पंजीकरण शुल्क	18,000.00	निविदा व्यय	77,127.00

प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

भुगतान	राशि (रूपये में)
पुराने समाचार पत्र की बिक्री	30,250.00
निविदा दस्तावेजों की बिक्री	2,000.00
प्राप्य प्रतिभूति जमा	50,000.00
आई आई ई, गुवाहाटी–प्रधान कार्यालय से आय	13,036,449.00

भुगतान	राशि (रूपये में)
वाहन किराए पर लेने संबंधी व्यय	1,052,878.00
किराया	715,000.00
विज्ञापन व्यय	289,766.00
वार्षिक सदस्यता भुल्क	50,562.00
बैंक व्यय	23,244.00
उपभोज्य मदें	3,888.00
वाहन भाड़ा	445,247.00
बिजली एवं पानी व्यय	2,618,002.00
इलैक्टिक रख–रखाव व्यय	58,655.00
लेखा परीक्षा भुल्क	10,000.00
बागवानी व्यय	13,820.00
जनरेटर व्यय	338,721.00
हॉस्टल व्यय	141,168.00
गृह व्यवस्था व्यय	334,695.00
बीमा व्यय	17,254.00
टीडीएस पर ब्याज	77,987.00
पुस्तकालय हेतु पत्रिकाएं	13,356.00
कानूनी एवं का. व्यय	269,503.00
बैठक संबंधी व्यय	139,006.00
समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं	121,382.00
पेट्रोल, तेल एवं स्नेहक	405,695.00
डाक व्यय	202,911.00
मुद्रण एवं स्टे ानरी	1,917,236.00
मरम्मत एवं कार्यालय रख–रखाव	894,256.00
वाहनों की मरम्मत एवं रख–रखाव	79,432.00
अचल परिसंपत्तियों की मरम्मत एवं रख–रखाव	210,202.00
दूरभाश व्यय	1,242,823.00
धुलाई खर्च	100,243.00
एसीपी (बकाया) स्टाफ	837,843.00
मूल वेतन–अधिकारी	3,308,295.00
मूल वेतन–स्टाफ	2,001,170.00
बोनस खर्च	69,080.00
सीपीएफ में अं ादान	1,775,092.00
डीए बकाया रा ि यां	231,419.00
डीए–अधिकारी	3,565,393.00
डीए–स्टाफ	2,146,064.00
प्रतिनियुक्ति भत्ता–डीजी	24,000.00
ग्रेड वेतन (अधिकारी)	850,520.00
ग्रेड वेतन (कर्मचारी)	507,500.00
उपदान व्यय (जी आई एस)	493,735.00
कर्मचारियों को मानदेय	307,500.00
एचआरए–अधिकारी	975,088.00
एचआरए–कर्मचारी	749,649.00
(डीजी) को छुट्टी नकदीकरण	37,704.00
कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण	168,120.00
एलटीसी व्यय	36,296.00
चिकित्सा लाभ	1,031,852.00
समयोपरि	5,438.00
वि ेश भत्ता	7,500.00
कर्मचारी कल्याण व्यय	94,284.00

प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

भुगतान	राशि (रूपये में)	भुगतान	राशि (रूपये में)
		परिवहन भत्ता (डीए)	263,856.00
		परिवहन भत्ता–अधिकारी	154,240.00
		परिवहन भत्ता कर्मचारी	153,600.00
		पूर्व अवधि व्यय	75,693.00
		अन्त शेष	-
		वाणिज्यिक अंतर्राश्ट्रीय बैंक (मिस्र)	42,152.00
		सावधि जमा खाता–ओबीसी 2654	37,122,103.00
		सावधि जमा एसबीटी बैंक 0574	19,800,000.00
		एचडीएफसी एस/एफ खाता - 03941450000114	218,047.00
		एक्सिस बैंक खाता 913010038953628	15,773,057.00
		ओबीसीपीआई एस/एफ खाता 09312011002982	40,966,903.00
		ओबीसी (आरजीयूएमवाई) एस/एफ खाता -09312151009476	57,792.00
		ओबीसी एस/एफ खाता -09312011002654	50,872,890.00
		एसबीटी एस/एफ खाता 67226280574	1,702,777.00
		हस्तगत नकदी	236,588.00
		यूबीआई # 0819010115780	11,445,457.00
		बीओबी #41460100000778	1,470,117.00
		यूबीआई # 0819010104239	18,661.00
		यूबीआई चालू # 0819010113205	10,005.00
		सावधि जमा	8,000,000.00
		ऑटोस्वीप खाता	3,563,000.00
		-यूबीआई #8019010115797	(24,141,414.00)
योग	**599,462,914.00**	**योग**	**599,462,914.00**

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/–
सुनील भाटिया
साझेदार
एम. संख्या 16495
कृते एवं निमित्त
डी. भाटिया एण्ड कंपनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971एन

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/–
(विनोद कुमार भार्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(अरूण कुमार झा)
महानिदे ाक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25 सितम्बर, 2014

परिशिष्ट 'क' वित्तीय स्थिति

संस्था की कार्यकारी समिति समय – समय पर निसबड को ए.टी.आई. योजना पर निर्भरता कम करने की ओर अन्य स्रोतो से राजस्व सृजन करने की सलाह देती है। यह सलाह संस्थान को आने वाले समय में आत्मनिर्भर बनने के लिए दी गई थी। इसी क्रम में संस्थान ने अपने भविश्य की योजना को क्रियान्वित करने की पहल की एवं तरह–तरह की गतिविधियों की भुरूआत की। इन गतिविधियों को भुरू करते समय ध्यान रखा गया कि संस्थान अपने उद्दे य से न भटके।

इसलिए 2013–14 में 43.07 करोड़ रू. का राजस्व सृजन हुआ जोकि 2012–13 के राजस्व सृजन (रू. 47.51 करोड़) से 9.34% कम था।

गैर ए.टी.आई. गतिविधियाँ 105% से अधिक बढ़ी और साथ ही ए.टी.आई. योजना का राजस्व 9.89 करोड़ कम हो गया जोकि इस वर्श 34.07 करोड़ था इसके साथ ही संस्थान ने 126.45% का एक प्रभाव ाली रिकवरी अनुपात प्राप्त किया। इससे सिद्ध होता है कि संस्थान पूरे वर्श का व्यय स्वयं के संसाधनों से अर्जित करने में सफल रहा। आवर्ती व्यय 2012–13 की तुलना में 15% कम था। इस प्रकार 8.68 करोड़ का अधि ोश उत्पन्न हुआ जोकि संस्थान के कॉर्पस फंड के लिए स्थानान्तरित कर दिया जायेगा।

चालू वर्श के लिए संस्थान ने 2.53 करोड़ अगले 5 वर्शो के दौरान संस्थान के कर्मचारियों के लाभदायी उद्दे य पर खर्च करने के लिए अलग किया गया।

संस्थान इस संबंध में संस्थान की कार्यकारी समिति द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार अपने सभी पूर्व कर्मचारियों को ग्रेच्युटी अधिनियम, 1972 के तहत ग्रेच्युटी की रा ि ा जारी करने में सफल रहा। इसके अलावा समिति की सलाह के अनुसार संस्थान कर्मचारीयों को ग्रेज्युटी को जारी करने के लिए प्रर्याप्त धन की उपलब्धता सुनि ित करने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के सहयोग से कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी नकद संचय योजना में डाल दिया। संस्थान ने एक आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में, वर्श के दौरान आवधिक और संस्थान के सभी प्रमुख लेनदेन की सत्त निगरानी / परीक्षा के लिए मैसर्स एस.के हांडा व एसोसिएट चार्टर्ड एकांउटेंट को नियुक्त किया एवं इस फर्म की सिफारि ाों को संस्थान की प्रक्रियाओं को व्यवस्थित बनाने के लिए लागू किया गया।

संस्थान की लेखा परीक्षा रिपोर्ट में कोई नकारात्मक अनुत्तरित या गैरअनुपालित पैरा नहीं है।

प्रबंधन और संस्थान के कर्मचारियों के बीच वर्श के दौरान संबंध बहुत सौहार्दपूर्ण थे। इस वर्श के दौरान 2012–13 में प्रति कर्मचारी 760 प्रतिभागियों से बढ़कर 810 प्रतिभागियों की उत्पादकता मे वृद्धि हुई।

परिशिष्ट 'ख'

कार्यक्रमों तथा लाभार्थियों की संख्या का विवरण

कार्यक्रम की श्रेणियां	1983-1992		1992-2011		2011-2012		2012-2013		2013-2014	
	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम										
क) प्रत्यायन कार्यक्रम:										
i) प्रथम चरण	14	228	33	472	3	58	1	17	2	20
ii) अंतिम चरण	11	130	21	252	2	31	1	8	-	-
ख) उद्यम शुरू करना तथा प्रबंधन	10	160	7	106	–	–	–	–	-	-
ग) लघु उद्यम प्रबंध सहायकों के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	–	–	3	40	–	–	–	–	-	-
घ) स्वैच्छिक संगठनों के परियोजना अधिकारियों के लिए सूक्ष्म उद्यम विकास पर उन्मुखी कार्यक्रम	–	–	3	37	–	–	–	–	-	-
ड.) स्वरोजगार (प्र.म.रो.यो.)/आय-सृजन के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	–	–	17	299	–	–	–	–	-	-
च) परियोजना पहचान, तैयारी, तथा मूल्यांकन	–	–	13	186	3	45	–	–	-	-
छ) ई.डी.पी. नियोजन तथा आयोजित करना	–	–	10	189	1	13	–	–	-	-
ज) एस.आर.डी.टी. संकाय प्रशिक्षकों हेतु टी.टी.पी.	–	–	3	47	–	–	–	–	-	-
झ) लघु व्यवसाय नियोजन और संवर्धन	–	–	4	57	–	–	–	_	-	-
ञ) व्यवसाय सलाहकार प्रशिक्षण	–	–	1	07	–	–	–	–	-	-
ट) उद्यमिता के माध्यम से मानव संसाधन विकास	–	–	2	44	–	–	–	–	-	-
ठ) उद्यमिता विकास में क्षमता निर्माण	_	_	4	49	–	–	–	–	-	-
ड) क्षमता निर्माण कार्यक्रम (निसबड-आई.एफ.सी.)	_	_	_	_	_	_	5	82	11	150
ढ़) संगठन के विकास एवं उत्कृष्टता हेतु अभिनव नेतृत्व	_	_	_	_	_	_	1	20	3	31
ण) क्यूबीएससी पीचर प्रशिक्षण	-	-	-	-	-	-	-	-	4	55
योग	**35**	**518**	**121**	**1,785**	**9**	**147**	**8**	**127**	**20**	**256**
2. प्रशिक्षक/प्रोत्साहक उन्मुखी कार्यक्रम										
क) जि.उ.के. और अन्य मध्यवर्गीय प्रबंधन	20	443	8	173	–	–	1	70	-	-
ख) सीडो अधिकारी	12	181	4	63	2	35	–	–	-	-
ग) स्वैछिक संगठनों के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम	1	12	1	17	–	–	–	–	-	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
घ) महिला प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम/आय-सृजक कार्यकलापों का संवर्धन	4	81	7	100	–	–	–	–	.	.
ङ.) आई.आई.टी प्रोफेसरों के लिए उन्मुखी कार्यक्रम	1	8	–	–	–	–	–	–	.	.
च) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षकोन्मुखी कार्यक्रम/ई.डी.पी. नियोजन एवं आयोजन	11	390	3	87	–	–	–	–	-	-
छ) औद्योगिक स्वास्थ्य के मूल्यांकन और मानीटरिंग पर पाठ्यक्रम	1	8	–	–	–	–	–	–	-	-
ज) संभावित उद्यमियों की पहचान तथा चयन की तकनीके	2	33	–	–	–	–	–	–	.	.
झ) औद्योगिक/व्यवसाय परियोजना मूल्यांकन तकनीकों पर टी.टी.पी	–	–	4	49	–	–	–	–	-	-
ञ) खादी ग्रामोद्योग आयोग के/सेवा निवृत्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों/ आई.एल.एफ.एस./बेसिल के लिए उद्यमिता उन्मुखी प्रशिक्षण/डी.जी.आर.	–	–	10	189	–	–	1	15	-	-
ट) उन्नत निष्पादन हेतु निजी प्रभावित क्षमता निर्माण विकसित करना	–	–	10	167	2	30	–	–	-	-
ठ) उद्यमिता प्रेरणा पर संकाय विकास कार्यक्रम	–	–	13	225	–	–	–	–	-	-
ड.) एस.एम.ई. प्रबंधन विकास कार्यक्रम/एम.डी.पी.-तनाव प्रबंधन	–	–	9	210	–	–	2	33	2	24
ढ़) परियोजना पहचान, चयन, नियोजन, अनुसूचीकरण और मानिटरिंग	–	–	6	91	–	–	–	–	.	.
ण) बौद्धिक संपदा अधिकार	–	–	7	209	–	–	–	–	8	200
त) स्वयं सहायता समूहों का स्थायीकरण तथा विकास	–	–	2	50	–	–	–	–	-	-
थ) प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्फूर्ति)/ लीन मैन्युफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धा	–	–	3	50	–	–	–	–	-	-
द) कार्यशील पूंजी आंकलन और प्रबंधन	–	–	1	13	–	–	–	–	-	-
ध) व्यवसाय विकास सेवा प्रदायकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम/बी.एम.ओ.	–	–	1	25	–	–	1	20	-	-
योग	**52**	**1,156**	**89**	**1,718**	**4**	**65**	**5**	**138**	**10**	**224**
3. लघु व्यवसाय प्रोत्साहक कार्यक्रम										
क) लघु व्यवसाय प्रोत्साहकों/उद्यम विकास के माध्यम से महिला सशक्तिकरण/नियोज्य कलाएँ	4	66	17	464	–	–	1	20	.	.
ख) ट्रायसम तथा आई.एस.बी. लाभग्राही/कॉलसेंटर अधिकारी/ उद्यमी मित्र	3	64	11	317	5	135	5	73	-	-
ग) अ.जा./अ.ज.जा. के प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों के लिए उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण	3	45	–	–	–	–	–	–	-	-
घ) स्व-रोजगार प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	1	22	–	–	–	–	–	–	-	-
ङ.) स्वैच्छिक संगठनों की उद्यमिता विकास परियोजनाओं पर उन्मुखी कार्यक्रम	1	6	9	233	1	16	–	–	-	-
च) डी.डब्ल्यू.ए.सी.आर.ए. कार्यकर्ताओं/कमजोर वर्गों/एस.एच.जी./आई.जी.पी./ सूक्ष्म उद्यम विकास के लिए उद्यमिता उन्मुखी कार्यक्रम	–	–	44	1,062	4	78	3	55	2	52
छ) उद्यम सहायता दलों का प्रशिक्षण/ ग्रासरूट प्रबंधन प्रशिक्षण (जी.एम.टी.)-वेमटॉप परियोजना	–	–	36	814	–	–	–	–	.	.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
ज) सूक्ष्म ऋण कार्यक्रम/अभिनव व्यवसाय अवसर	–	–	2	41	–	–	–	–	–	–
ञ) उद्यम विकास के माध्यम से लिंग समानता	–	–	2	120	–	–	–	–	–	–
ट) प्रोत्साहकों के लिए अधिष्ठापन कार्यक्रम (सी.बी.एस.ई.-निसबड-जी.आई.जेड)	–	–	–	–	–	–	1	30	–	–
ठ) डायरेक्टर जनरल आफ रिसट्लमेंट (डीजीए) प्रोमोटरों के लिए परिचय कार्यक्रम	–	–	–	–	–	–	-	-	1	16
योग	**12**	**203**	**121**	**3,051**	**10**	**229**	**10**	**178**	**3**	**68**
4. उद्यमिता को बनाये रखने के लिए लघु उद्यम सतत् शिक्षा (एस.ई.सी.ई.पी.)										
क) लघु उद्यमियों के लिए सामान्य प्रबंधन पाठ्यक्रम	2	48	–	–	–	–	–	–	-	-
ख) लघु उद्यम प्रबन्ध कार्यक्रम तैयारी/कार्यान्वयन	1	20	–	–	–	–	–	–	-	-
ग) कार्यशील पूंजी का आकंलन और प्रबन्धन	3	22	6	90	–	–	–	–	-	-
घ) विपणन (निर्यात) के लिए उन्मुखी कार्यक्रम/निर्यात के लिए वैब प्रोमोशन	1	27	17	337	17	214	18	165	18	241
ड.) लघु उद्यमियों के लिए औद्योगिक/ वाणिज्यिक विधि प्रबोधन कार्यक्रम/लघु उद्यमियों के लिए कम्प्यूटर	15	445	1	9	–	–	–	–	-	-
च) रचनात्मक बाधाओं पर पार पाने के लिए रचनात्मकता एवं नवनीतम कलाएँ	–	–	–	–	–	–	1	168	-	-
छ) लघु उद्योगों के लिए वित्तीय नियोजन और नियंत्रण/वित्त कैसे जुटाएँ	4	49	6	63	–	–	1	17	4	73
ज) लघु उद्यमों के विस्तारण, विविधीकरण और आधुनिकीकरण के लिए अवसर तथा सहायता	4	91	1	12	–	–	–	–		
झ) उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार करना	1	28	2	14	–					-
ञ) लघु उद्यम प्रबंधन सहायता कार्यक्रम (बेयरफुट प्रबंधक)	–	–	2	35	–					-
ट) समग्र गुणवत्ता प्रबंधन (लघु व्यवसाय तथा उद्योग)	–	–	5	61	–					-
ठ) लघु उद्योगों तथा व्यवसायों के लिए विपणन	–	–	10	106	–					-
ड) लघु व्यवसाय लेखो का प्रबंधन तथा नियंत्रण	–	–	4	46	–					-
ढ़) अवसरों का पता लगाना तथा मार्गदर्शन करना	–	–	5	68	–					-
ण) प्रबंधन निर्णयों के लिए विपणन अनुसंधान / सृजक बिक्री तथा प्रभावी विज्ञापन/ प्रभावी विक्रय कला	–	–	10	115	–					-
त) व्यवसाय शुरू करने के लिए बाजार आकंलन पद्धतियां	–	–	2	19	–					-
थ) लघु व्यवसाय हेतु कार्यनीतिक प्रबंधन	–	–	3	19	–					-
द) लघु तथा मध्यम उद्यमों के लिए प्रभावी व्यवसाय संप्रेषण	–	–	5	79	–					-
ध) परियोजना प्रबंधन/परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन	–	–	1	10	–	–	4	71	-	-
न) एन.एस.आई.सी. में ऋण प्रस्तावों के मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	–	–	2	63	–	–	–	–	-	-
प) उन्नत व्यावसायिक निष्पादन हेतु प्रभावी विपणन नीतियां	–	–	4	57	–	–	–	–	–	–

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
फ) उन्नत उद्यम ग्रोथ एवं विकास हेतु नेतृत्व एवं टीम निर्माण कौशल	–	–	3	40	5	98	1	25	-	-
ब) एच.सी.एल. के नव नियुक्तों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण (एन.आई.आई.टी.)/व्यक्तित्व विकास तथा सम्प्रेषण कलाएँ	–	–	2	59	–	–	1	9	-	-
भ) 8/8 बीयोंडर नेतृत्व/बीयोंडर-I प्रज्ञता/होल ब्रेन थिंकिंग	–	–	–	–	3	29	–	–	-	-
म) वीडियो एडिटिंग तथा साउंड-रिकार्डिंग/ फिल्म प्रोडक्शन एवं डारेक्शन/टीवी. पत्रकारिता	–	–	–	–	3	19	–	–	-	-
य) क्रेता-विक्रेता मिलने से/रचनात्मकता एवं नवीनता के माध्यम से संगठनात्मक विकास	–	–	–	–	1	25	4	30	-	-
योग			**31**	**730**	**91**	**1,302**	**29**	**385**	**22**	**314**
5. विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए उद्यमिता-उन्मुखी कार्यक्रम										
क) एस.आई.एस.आई. के निदेशकों के लिए उद्यमिता में उभरते रूझानों पर कार्यशाला	1	14	–	–						-
ख) राज्य स्तर के उच्च/मध्य स्तरीय अधिकारियों के लिए उद्यमिता उन्मुखी कार्यक्रम	3	102	1	42						-
ग) रोजगार कार्यालय निदेशक/श्रमिक विद्यापीठ के अधिकारी	3	41	–	–						-
घ) वरिष्ठ अधिकारियों के लिए नैदानिक एवं परामर्शदायी कौशल	1	15	–	–						-
ड.) पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्व-रोजगार और उद्यमिता विकसित करने में अनुभवों का आदान-प्रदान करने पर क्षेत्रीय सम्मेलन	3	128	–	–						-
च) उत्तर प्रदेश के स्कूल प्रधानाचार्यों/प्रशिक्षकों/ अध्यापकों के लिए उद्यमिता उन्मुखी कार्यक्रम/भागीदार संस्थाएं	1	16	1	17	–	–	4	114	-	-
छ) संस्थानों के अध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों का वार्षिक सम्मेलन-लघु उद्योग मंत्रालय	–	–	2	215						-
ज) अभिनव नेतृत्व और भावोत्तेजक समझें/उद्यमिता निष्पादन संवर्धन	–	–	16	288						.
झ) आई.आई.टी. के प्रिंसिपल/वरिष्ठ संकाय के लिए क्षमता/सक्षमता निर्माण	4	125	20	323	5	93	5	96	2	50
योग		**16**	**441**	**40**	**885**	**5**	**93**	**9**	**2**	**50**
6. राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं										
क) विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं	17	950	201	10,741	1	35	1	25	59	2129
ख) आई.आई.टी., दिल्ली के लिए उद्यमिता विकास पर कार्यक्रम	1	41	–	–	–	–	–	–	-	-
ग) विश्व व्यापार संगठन: लघु उद्योग के मुद्दे तथा समस्याएं	–	–	1	55	–	–	–	–	-	-
घ) विश्व व्यापार संगठन एंव आई.पी.आर./स्फूर्ति/ कलस्टर पर सुग्राही कार्यशाला	–	–	25	1,050	2	55	10	527	-	-
ड.) प्रशिक्षकों की बैठक/से.बो.सै.ए. की ब्रेनस्ट्रोम बैठक/केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यापकों की कार्यशालाएँ	–	–	1	68	1	31	3	73	-	-
च) अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस	–	–	1	150	–	–	–	–	-	-
छ) निर्यात प्रबंधन	-	-	-	-	–	–	–	–	1	5
ज) बीज उत्पादन में अफगान व्यवसाय प्रबंधन का क्षमता निर्माण	-	-	-	-	–	–	–	–	1	6
झ) कोलोम्बो प्लान सेक एवं टैनफेस के लिए अनुरोध कार्यक्रम, लघु व्यवसाय योजना एवं प्रोनियोशन	-	-	-	-	–	–	–	–	1	10
योग		**18**	**991**	**229**	**12,064**	**4**	**121**	**14**	**62**	**2150**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
7. अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम, कार्यशाला, संगोष्ठी और प्रशिक्षण										
क) महिला उद्यमियों के लिए अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	1	42	1	43	–	–	–	–	-	-
ख) उद्यमिता विकास के क्षेत्र में एक माह का व्यक्तिगत प्रशिक्षण	1	1	2	21	–	–	–	–	-	-
ग) लघु व्यवसाय सृजन और विकास पर महिला उद्यमियों के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम/डब्ल्यू.ई.डी.	5	46	21	264	1	38	1	16	1	34
घ) विदेशी उद्यमिता विकास नीतियां और कार्यक्रम	1	2	1	22	–	–	–	–	-	-
ड.) राष्ट्रमंडल देशों के प्रतिभागियों के लिए उद्यमिता विकास और उद्यमिता दक्षता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2	11	–	–	–	–	–	–	-	-
च) लघु व्यवसाय प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों हेतु उद्यमिता पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (ई.एस.बी.-टी.पी.)	5	49	21	391	1	33	1	37	1	24
छ) व्यवसाय प्रवेशकों हेतु उद्यमिता विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (यूनाडो कार्यक्रम)	1	14	–	–	–	–	–	–	-	-
ज) लघु व्यवसाय नियोजन और संवर्धन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम(एस.बी.पी.पी.)	1	8	20	336	2	37	2	37	1	31
झ) भारत में सूक्ष्म उद्यम विकास पर अनुरोध कार्यक्रम	–	–	5	36	–	–	–	–	-	-
ञ) मामला विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम	–	–	1	1	–	–	–	–	-	-
ट) पाठ्यक्रम विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम	–	–	1	1	–	–	–	–	-	-
ठ) उद्यमिता विकास और आय सृजक कार्यकलापों का संवर्धन (ई.डी.-पी.आई.जी.ए.)	–	–	22	396	1	24	1	20	1	21
ड) व्यवसाय परामर्शक प्रशिक्षण कार्यक्रम (बी.ए.टी.पी.)	–	–	16	180	1	11	1	12	1	9
ढ़) उद्यमिता शिक्षा के माध्यम से मानव संसाधन विकास (एच.आर.डी.-ई.ई)	–	–	5	64	1	28	1	24	1	36
ण) स्वयं सहायता समूहों का स्थायीत्व और विकास (एस.एच.जी.एफ.जी.एस.)	–	–	4	62	1	13	1	18	1	14
त) संगठन की ग्रोथ तथा उनयन्न के लिए अभिनव नेतृत्व (आई.एल.ओ.जी.ई.)	–	–	–	–	1	34	1	40	1	36
थ) लीड लेखा-परीक्षकों एवं परामर्शदाताओं के लिए समग्र क्वालिटी प्रबंधन (टी.क्यू.एम.-एल.ए.सी.)	–	–	–	–	–	–	1	8	-	-
द) अंतरराष्ट्रीय विपणन एवं वैश्विक प्रतिस्पर्दा (आई.एम.जी.सी.)	–	–	–	–	–	–	1	24	1	15
ध) क्लस्टर विकास-सूलम.उ/उद्यमिता के लिए उभरती रणनीति (सी.डी.ईएस-एम.एस.एम.ई)	–	–	–	–	–	–	1	9	1	10
योग	**17**	**173**	**120**	**1,817**	**9**	**218**	**12**	**245**	**10**	**230**
8. उद्यमिता विकास कार्यक्रम/उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रम										
क) सामान्य श्रेणी/ई.लर्निंग माडयूल	27	731	45	1,225	64	1,764	18	457	1976	50196
ख) महिला उद्यमी	9	262	4	103	–	–	–	–	2	33
ग) विज्ञान और प्रौद्योगिकी युवा/निर्यात	5	107	1	40	–	–	3	71	-	-
घ) एस.ई.ई.यू.वाई/एस.ई.ई.पी.	2	58	14	360	–	–	–	–	-	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
ड) ईडीपी पीएमईजीपी	-	-	-	-	–	–	–	–	10	250
ड) भूतपूर्व सैनिक/स्वैच्छिक सेवा निवृति योजना कर्मचारी	6	158	8	129	–	–	–	–	-	-
च) स्कूल छोड़ने वाले/विद्यार्थी	1	24	4	132	–	–	–	–	-	-
छ) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्गों के युवा	4	103	2	41	–	–	–	–	.	.
ज) खाद्य/उत्पाद/प्रसंस्करण उन्मुखी ई.डी.पी.	7*	228	110	2,778	–	–	–	–	-	-
झ) एकीकृत उद्यमिता विकास	26*	770	191	4,775	–	–	–	-	-	-
ञ) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर हार्डवेयर	–	–	39	1,128	–	–	–	–	36	1718
ट) कैरियर मार्गदर्शी कार्यशाला/उद्यमिता/कला जागरुकता कार्यक्रम	–	–	140	9,643	–	–	–	–	-	-
ठ) एपीजे डिजाईन संस्थान/जी.जी.एस.आई.पी. विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों/एस.बी.आई. के लिए ई.डी.पी.	–	–	3	147	_	_	1	24	- .	- .
ड.) ब्रिकी/शोरूम प्रबंधन/माल प्रबंधन/खुदरा प्रंबधन	–	–	14	345	44	1,089	89	2,326	10	250
ढ़) विपणन संपर्क	–	–	51	1,249	_	_	_	_	-	-
ण) लेखाकंन और सामग्री प्रबंधन/कम्प्यूटरस लेखाकंन	–	–	37	940	_	_	1	25	-	-
त) सिलाई मशीन आपरेशन/कटाई तथा सिलाई	–	–	350	9,487	_	_	3	50	21	525
थ) मोबाईल रिपेयरिंग	–	–	149	3,463	237	5,947	99	2,584	71	1735
द) आर्टिफिसियल जैम्स एंड ज्वैलरी/आर्टिफिसियल ज्वैलरी की डिजाईनिंग एवं निर्माण	–	–	19	478	12	254	10	272	32	817
ध) बॉयो-टैक्नौलॉजी	–	–	20	500	8	200	6	150	10	525
न) वैल्डिगं प्रक्रिया और गुणवत्ता नियत्रंण/बिजली उपकरण मरम्मत	–	–	32	796	46	1,150	139	3,469	15	325
प) एनिमेशन/सी.डी.आई./एंड्रयोड/बिजली यंत्रों की डिजाईनिंग एवं सज्जीकरण	–	–	12	289	_	_	12	305	.	.
फ) होस्पिटलिटी/रिशेपशनिस्ट/हाउस किपिंग पर ई.एस.डी.पी.	–	–	113	2,680	29	725	56	1,375	27	476
ब) रूम बॉयज	–	–	8	200	–	–	–	–	-	-
भ) वेस्ट यूटीलाईजेशन/मशरूम जुताई	–	–	12	323	2	50	10	265	-	-
म) डैस्कटॉप पब्लिशिंग	–	–	4	100	238	5,933	52	1,454	77	206
य) ट्रैक्टर/दो पहिया मरम्मत	–	–	6	140	4	100	26	667	40	1095
i) कपड़ा ड्राफ्टिंग एवं निर्माण	–	–	–	–	8	196	2	35	23	589
ii) सौदंर्य एवं हेल्थकेयर/कॉसमिटोलौजी	–	–	–	–	22	533	21	525	83	2107
iii) वैब डिजाईनिंग	–	–	–	–	53	1,406	156	4,067	20	716
iv) फैशन डिजाईनिंग	–	–	–	–	123	3,079	71	1,863	9	225
v) चमड़ा उत्पाद/फूटवियर डिजाईनिंग	–	–	–	–	18	450	4	84	4	102
vi) प्रो-इंजीनियरस् के साथ सी.ए.डी.	–	–	–	–	32	800	_	_	-	-
vii) व्यक्तित्व विकास	–	-	-		-	-	-	-	10	780
viii) निर्माण प्रबंधान	-	-	-	-	-	-	-	-	6	128
ix) योग एवं कर	-	-	-	-	-	-	-	-	21	504

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
vii) इल्कट्रोपलेटिंग/इलक्ट्रोनिक मैकनिक	–	–	–	4	100	7	157	-	12	306
viii) टैली के साथ कंम्प्यूटर ऐकुटिंग	–	–	–	89	2,225	137	3,610	-	144	3642
ix) खेल का सामान	–	–	–	4	100	–	–	-	5	128
x) पावर सप्लाई, इनवर्टर एवं यू.पी.एस./ बैट्रीज की मरम्मत तथा रखरखाव	–	–	–	24	603	163	4,070	-	109	2626
xi) प्लंम्बर एवं सैनटरी फिट्टिंग्स	–	–	–	6	150	68	1,703	-	14	223
xii) टी.आई.जी./एम.आई.जी. वैलडिंग	–	–	–	5	125	6	133	-	6	92
xiii) मोडलिंग एवं पैट्रन कटिंग/निर्माण	–	–	–	2	50	7	157	-	3	40
xiv) खाद्य प्रसंस्करण	–	–	–	38	953	106	2,552	-	46	1080
xiv) सी.ए.डी. के साथ इंजीनिरिंग ड्राईंग	–	–	–	4	102	–	–	-	26	728
xvi) टी.वी. मरम्मत	–	–	–	2	50	25	549	-	15	364
xvii) वायरमैन प्रशिक्षण	–	–	–	2	50	6	134	-	7	147
xviii) सी.ए.डी./सी.ए.एम./सी.एन.सी. प्रोग्रामिंग	–	–	–	24	600	61	1,584	-	21	1694
xix) फिटर फैब्रिकेशन/सामान्य फिटर रख-रखाव	–	–	–	4	100	34	789	-	28	672
xx) इंटीरियर डिजाईनिंग	–	–	–	3	75	7	156	-	4	103
xxi) सुरक्षा गार्डस	–	–	–	4	100	10	276	-	6	128
xxii) कंम्प्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग	–	–	–	233	5,829	158	4,157	-	148	3692
xxiii) सी.एन.सी. लैथ वायर कट मिलिंग	–	–	–	4	100	2	50	-	16	412
xxiv) एप्रैल निर्माण एवं मरचैनडाईनिंग	–	–	–	1	5	2	50	-	2	40
xxv) कंम्प्यूटर-बेसिक	–	–	–	2	11	4	78	-	11	243
xxvi) कंम्प्यूटराइज्ड एम्ब्रायडरी प्रकिया	–	–	–	3	75	–	–	-	-	-
xxvii) ए.सी., रेफ्रीजिरेटर तथा वाटर कूलर की मरम्मत	–	–	–	–	–	71	1,826	-	97	2416
xxviii) ऑटो बॉडी पेनटिंग	–	–	–	–	–	4	120	-	-	-
xxix) बेकरी उत्पाद	–	–	–	–	–	4	101	-	23	568
xxx) सी. सी++ एवं ओ.ओ.पी.एस.	–	–	–	–	–	83	2,207	-	60	1435
xxxi) बढ़ईगिरी	–	–	–	–	–	2	42	-	10	237
xxxii) कोर जावा/जावा एवं जे.2ई.ई./ जावा द्वारा ओ.ओ.पी.एस.	–	–	–	–	–	19	557	-	11	261
xxxiii) डेयरी	–	–	–	–	–	2	46	-	16	422
xxxiv) डीजल फ्यूल इंजक्शन	–	–	–	–	–	93	2,295		72	2088
- खुदरा प्रबंधन	-	-	-	-	-	-	-	-	52	1508
- कपड़े धोने की मशीन व माइक्रोवेव का मरम्मत तथा रखरखाव	-	-	-	-	-	-	-	-	22	616
- एन्टीकोम सिस्टम का मरम्मत तथा रखरखाव	-	-	-	-	-	-	-	-	16	409
- इलैक्ट्रीकल जुगत मरम्मत	-	–	–	–	–	–	-		59	1204

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
xxxv)	डिजिटल विपणन/माइक्रो-स्ट्रिप पेच एंटीना डिजाइन एवं तकनीकें	–	–	–	–	–	3	44	-	2	52
xxxvi)	.नैट प्रौद्योगिकी/एम्बैडिड प्रणाली	–	–	–	–	–	2	43	-	-	-
xxxvii)	ड्राटस्मैनशिप	–	–	–	–	–	44	1,136	-	14	361
xxxviii)	फिनिशिंग तथा पैकिंग सुपरवाईजर	–	–	–	–	–	3	64	-	4	108
xxxix)	ग्लास कटिंग एवं पोलिशिंग	–	–	–	–	–	4	90	-	5	126
XI)	होजरी एवं ऊनी कपडे	–	–	–	–	–	4	89	-	2	54
XIi)	लाईनक्स प्रशासन	–	–	–	–	–	2	43	-	2	51
XIii)	एम.सी.पी. तथा सी.सी.एन.ए.	–	–	–	–	–	4	104	-	-	-
XIiii)	मेहंदी	–	–	–	–	–	2	30	-	-	-
XIiv)	मोटर एवं ट्रांसफर्मर रिवाईडिंग/मोटर वाईडिंग	–	–	–	–	–	6	135	-	24	624
XIv)	मोटर वाईडिंग एवं पम्पसैट मरम्मत	–	–	–	–	–	45	1,153	-	48	1392
XIvi)	एम.एस.ऑफिस एवं इंटरनेट/एम.एस.ऑफिस एवं इंटनरेट-सह-क्योसक आपरेटर /एम.एस. आफिस एवं नेट/एम.एस.ऑफिस उपयोग एवं इंटरनेट	–	–	–	–	–	6	152	-	23	598
XIvii)	मल्टीमिडिया तथा एनिमेशन	–	–	–	–	–	18	502	-	25	750
XIviii)	कार्यलय क्मयूनिकेशन/कार्यलय प्रबंधन	–	–	–	–	–	3	45	-	-	-
XIix)	ओरक्ल/पी.सी.बी./पी.एल.सी./वी.एच.डी.एल.	–	–	–	–	–	4	76	-	-	-
L)	रऊटिंग टेक्नोलॉजी सी.सी.एन.ए.	–	–	–	–	–	6	150	-	-	-
Li)	शीशे पर स्क्रीन पेंटिग तथा हस्त पेंटिग	–	–	–	–	–	1	21	-	21	53
Lii)	एस.क्यू.एल. सर्वर डैटाबैस प्रशासन	–	–	–	–	–	14	380	-	17	425
Liii)	टूल एवं डाई निर्माण	–	–	–	–	–	4	88	-	4	104
Liv)	टूर आपरेट्रस	–	–	–	–	–	6	133	-	26	650
योग		**87**	**2,441**	**1,388**	**41,491**	**1,398**	**35,079**	**2,041**	**51,945**	**-**	**3757**	**96278**
9.उद्यमिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		3	45	–	–	–	–	–	–	-	-	-
योग		3	45	–	–	–	–	–	–	-	-	-
	कुल योग	271	6,698	2,199	64,113	1,468	36,337	2,129	53,953	-	3886	99560

*इसमें महिलाओं के लिए एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम शामिल हैं (34 लाभग्राही)

**इसमें महिलाओं के लिए दो आई.ई.डी.एम.पी. कार्यक्रम शामिल हैं (57 लाभग्राही)

परिशिष्ट 'ग'

संगठनात्मक चार्ट

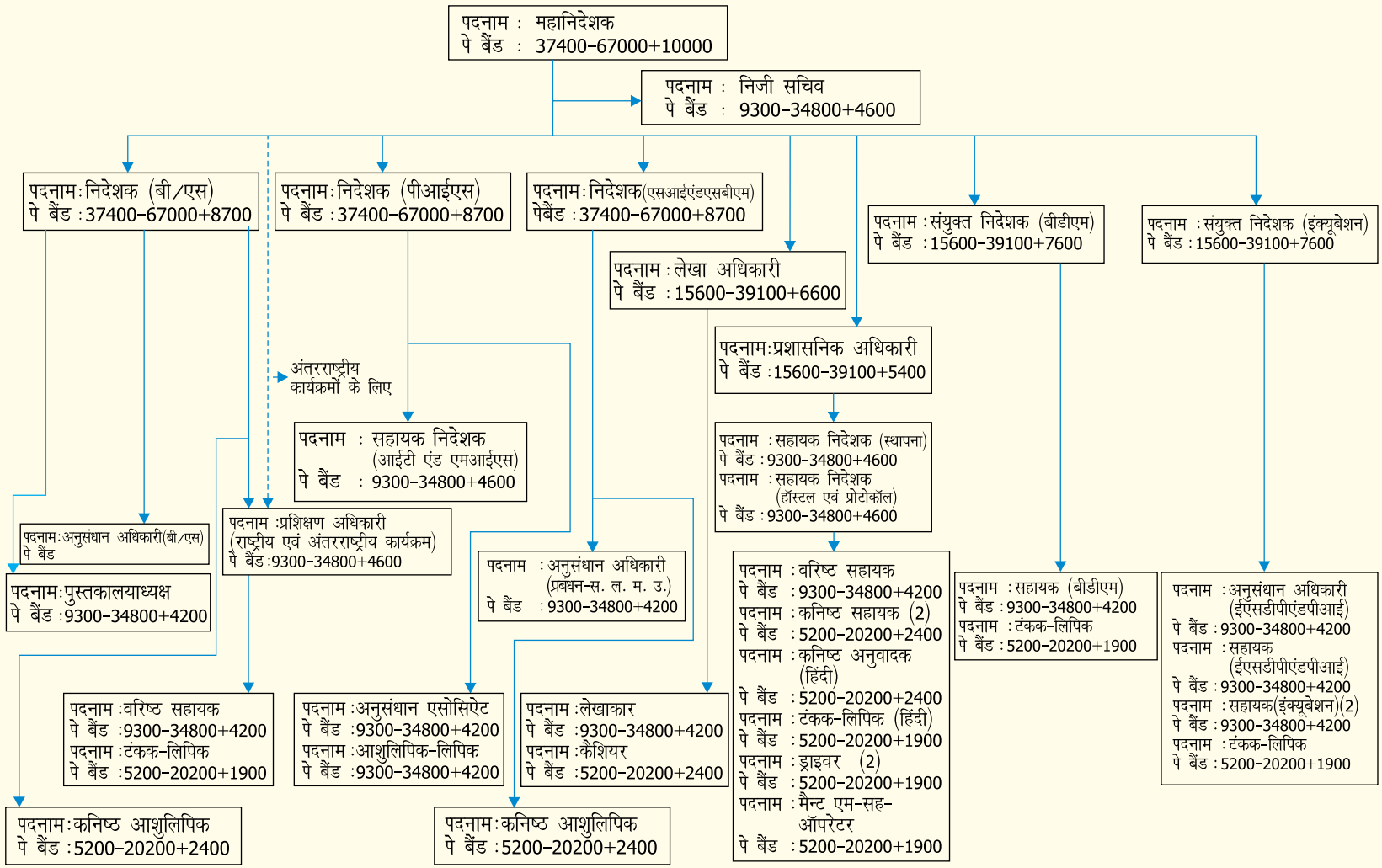

इसके अलावा, संस्थान में 06 एम.टी.एस. हैं। संस्थान विभिन्न विशेषज्ञों की सेवाएं जब भी जरूरत हो, कॉन्ट्रेक्ट आधार पर करता है।

प्रदर्शक-1 पिछले तीन वर्षों में राज्य-वार प्रशिक्षण कार्यक्रम

क. 2011-12

राज्य	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
उत्तर प्रदेश	693	16968
हरियाणा	98	2424
छत्तीसगढ़	2	50
पंजाब	56	1400
उत्तराखण्ड	60	1516
गुजरात	38	950
मध्य प्रदेश	39	987
हिमाचल प्रदेश	27	670
पश्चिम बंगाल	126	3125
दिल्ली	74	1852
राजस्थान	45	1132
झारखंड	115	2879
बिहार	87	2184
जम्मू एवं कश्मीर	8	200
योग	**1468**	**36337**

ख. 2012-13

राज्य	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
राजस्थान	89	2630
उड़ीसा	91	3100
दिल्ली	81	1950
बिहार	218	6820
मध्य प्रदेश	104	3200
पश्चिम बंगाल	186	4249
पंजाब	84	2100
झारखण्ड	253	6815
हिमाचल प्रदेश	48	1200
हरियाणा	125	3620
उत्तर प्रदेश	692	13559
गुजरात	101	3210
चंडीगढ़	21	300
छत्तीसगढ़	36	1200
योग	**2129**	**53953**

ग. 2013-14

राज्य	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
उत्तर प्रदेश	937	23630
उत्तराखण्ड	360	10415
राजस्थान	193	3515
उड़ीसा	312	4305
दिल्ली	79	1640
बिहार	466	12660
मध्य प्रदेश	282	7413
पश्चिम बंगाल	415	11350
पंजाब	161	5620
झारखण्ड	209	5355
हरियाणा	102	3120
गुजरात	232	6990
हिमाचल प्रदेश	69	1751
छत्तीसगढ़	42	1106
चंडीगढ़	27	690
योग	**3886**	**99560**

प्रदर्शक–2

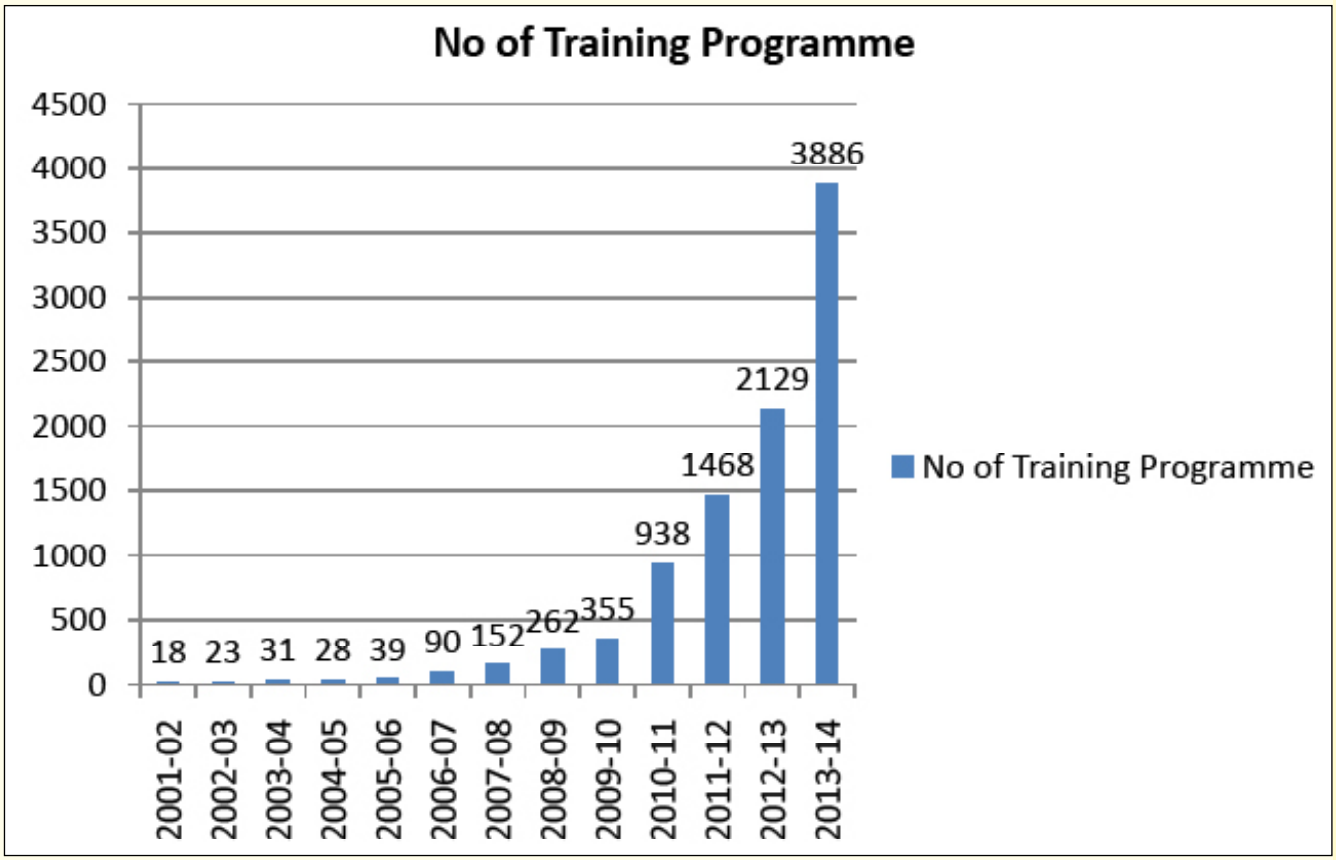
No of Training Programme
4500
4000
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
18
23
31
28
39
90
152
262
355
938
1468
2129
3886
2001-02
2002-03
2003-04
2004-05
2005-06
2006-07
2007-08
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
No of Training Programme

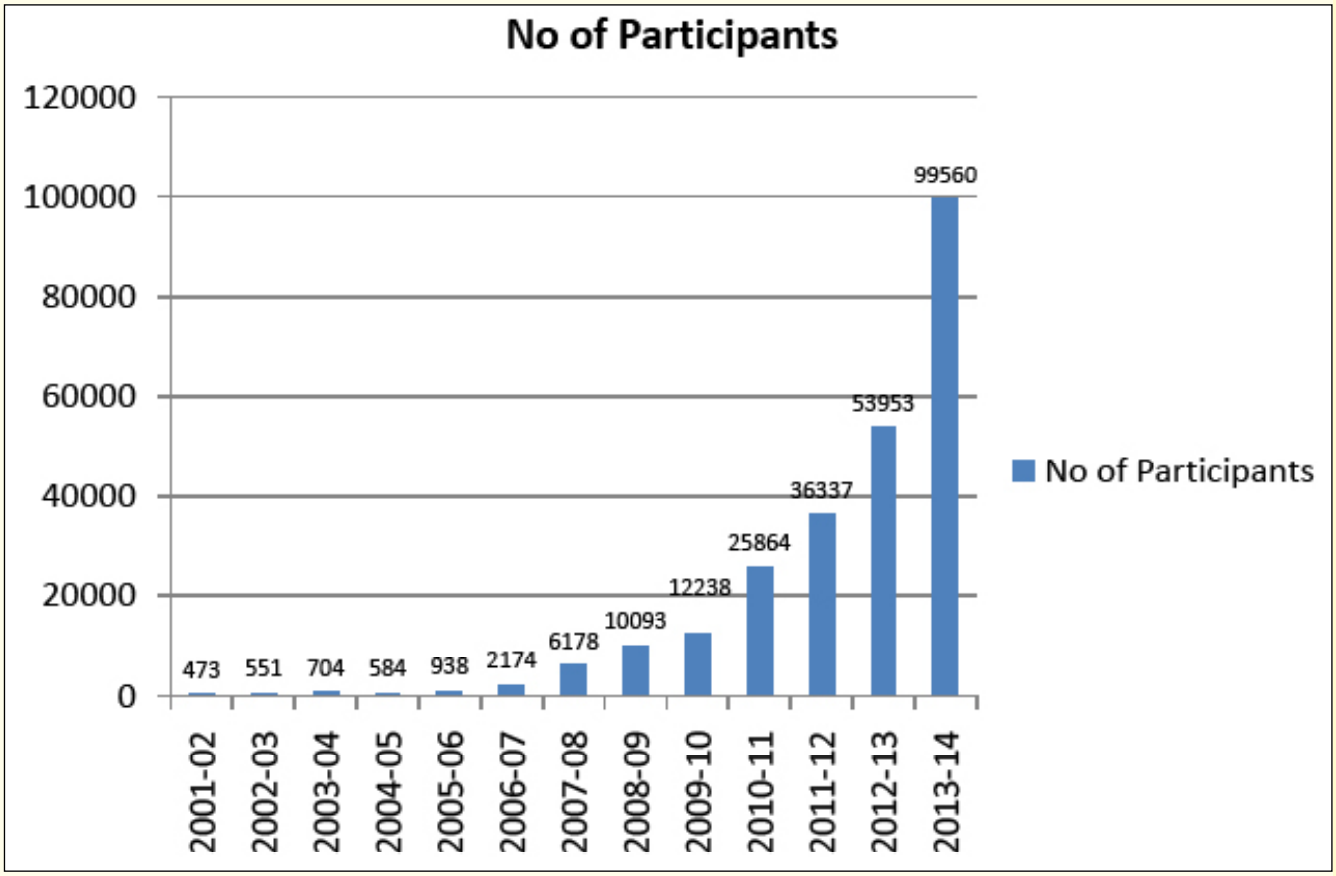
No of Participants
120000
100000
80000
60000
40000
20000
0
473
551
704
584
938
2174
6178
10093
12238
25864
36337
53953
99560
2001-02
2002-03
2003-04
2004-05
2005-06
2006-07
2007-08
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
No of Participants

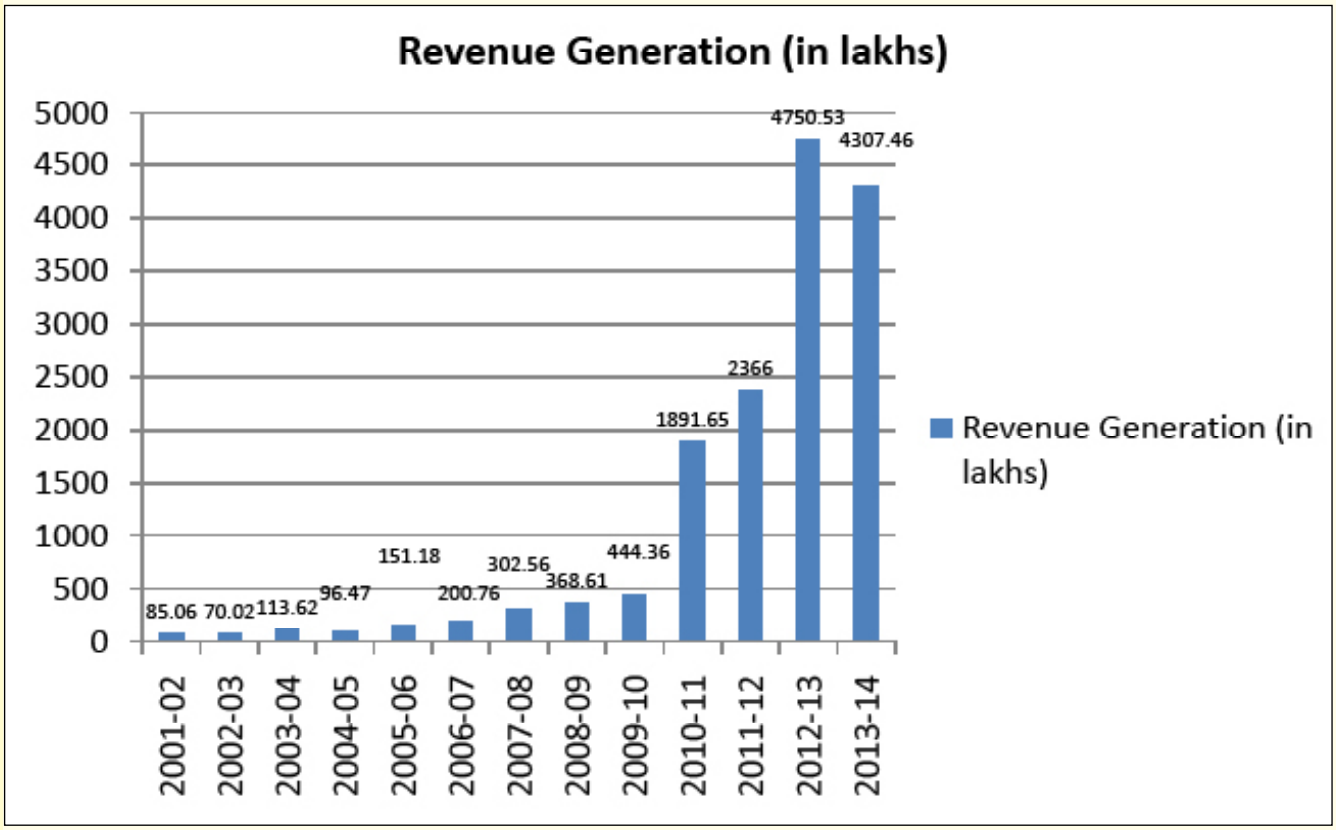
Revenue Generation (in lakhs)
5000
4500
4000
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
85.06
70.02
113.62
96.47
151.18
200.76
302.56
368.61
444.36
1891.65
2366
4750.53
4307.46
2001-02
2002-03
2003-04
2004-05
2005-06
2006-07
2007-08
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
Revenue Generation (in lakhs)

CONTENTS

77 INTRODUCTION

79 ENTREPRENEURIAL AND SKILL TRAINING

81 TRAINING ACTIVITIES (2013-14)

93 EMPLOYMENT ASSISTANCE

97 RESEARCH, EVALUATION, SEMINARS AND WORKSHOPS

101 IT LANDSCAPE

105 INITIATIVES & OTHER ACTIVITIES (2013-14)

109 PERFORMANCE AT REGIONAL OFFICE

111 NIESBUD TURNAROUND STORY

113 ORGANISATION AND MANAGEMENT

119 AUDITORS' REPORT AND ANNUAL ACCOUNTS (2013-14)

135 Appendix 'A': FINANCIAL POSITION

136 Appendix 'B': STATEMENT OF NUMBER OF PROGRAMMES AND BENEFICIARIES

144 Appendix 'C': ORGANISATION CHART

Hon Minister MSME Sh. Kalraj Mishra addressing the audience on the occasion of a workshop at NIESBUD campus. On the dias: Sh. Madhav Lal Secretary, (MSME), Sh. S.N. Tripathi JS and Sh. Arun Kumar Jha, DG (NIESBUD).

Chapter - 1 INTRODUCTION

The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development is an apex organisation under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises engaged in Training, Consultancy, Research and Publication in order to promote entrepreneurship. The major activities of the Institute consist of Training of Trainers (ToT), Management Development Programme (MDP), Entrepreneurship-cum-Skill Development Programme (ESDP) and Entrepreneurship Development Programme (EDP) etc. The Institute has trained more than 2.60 lakh trainees including 2,600 persons from more than 125 countries till date. The Institute has been certified as an ISO 9001: 2008 by TUV NORD CERT GmbH during March, 2014. The Institute has been accorded *in-principle* approval by the All India Council for Technical Education (AICTE) for starting a long term (two years) Post Graduate Diploma in Entrepreneurship Management (60 seats). It is a milestone achievement for NIESBUD and will pave the way for opening up new avenues which will see the Institute attain newer heights.

1.1 The major activities of the Institute inter alia include :

- Training:
  - Assessing training needs as well as gaps therein and accordingly facilitating organize of training programmes, orienting and motivating youth towards entrepreneurship.
  - Evolving, designing and helping use of various media for promoting the culture of entrepreneurship among different strata of society in the country.
  - Playing a supportive and catalytic role by helping organizations which are directly or indirectly engaged in developing and promoting entrepreneurship and self employment in the Country.
- Consultancy:
  - Offering consultancy services in the area of entrepreneurship especially for MSMEs. Offering advice and consultancy to other Institutions engaged in entrepreneurial training either in Government or in Private Sector.
  - Conceptualizing, designing and standardizing course curriculum for entrepreneurship and skill development programmes.
  - Advising Governments (both Central & State) and foreign Governments as well in the area of entrepreneurship and MSMEs.

Participants taking Computer training at NIESBUD Centre

- Research & Development:
  - Promoting research and development activities in the area of entrepreneurship particularly in MSME sector. Undertaking documentation and disseminating information related to entrepreneurship/ enterprise development;
  - Preparing and publishing literature and information material related to entrepreneurship/enterprise development/ MSMEs;
  - Providing forum for interaction and exchange of views/experiences for different groups mainly through seminars, workshops, conferences etc;
  - Studying problems and conducting research/ review studies etc. for generating knowledge accelerating the process of entrepreneurship development culminating in establishment of new economic ventures;

The Institute's training activities are focused on areas of stimulation, support and sustenance of entrepreneurship development. The programmes initiated/sponsored by NIESBUD are constantly evaluated and revised to enable it to adapt to the changing needs for entrepreneurship and small business development. The Institute is engaged in creating an environment conducive to the development of entrepreneurship and in creating a favourable attitude amongst the general public in support of those who opt for an entrepreneurial career by removing the prevalent myth and misconceptions that entreprenurs are born.

1.2 The announcement of various employment generation schemes by the Government, aimed

at creating employment opportunities for the unemployed youth both in rural as well as urban areas, has thrown up new challenges to the Institute to demonstrate its crucial role in propagating self-employment by bringing out Model Syllabi, Manuals for Beneficiaries and Instructors, preparation of innovative training aids materials, organizing Training of Trainers etc. to achieve the challenging goals.

1.3 Keeping in tune with the changing times and in consonance with the Government's policy, the Institute through concerted efforts has been able to achieve and sustain financial self-sufficiency through organizing various programmes; enhancing the conduct of market driven fee-based training activities; increasing sales of training materials and reducing relative administrative expenditure to render cost effective services.

1.4 The direction and guidance to the Institute is provided with by its Governing Council whose Chairman is the Hon'ble Minister of Micro, Small & Medium Enterprises (M/o MSME) and Vice-Chairman is the Secretary to the Government of India, M/o MSME. The Executive Committee consists of nine Members including three Nominated Members with the Secretary (M/o MSME) as Chairman, Additional Secretary & Development Commissioner (MSME) as its Vice-chairman and the Director General of the Institute as its Member-Secretary. The policies and decisions of the Governing Council are executed through the Executive Committee.

1.5 The Institute has provision of faculty who are quite senior and experienced professionals with specialization in areas such as Entrepreneurial Competency & Motivation; Project Identification & Formulation; Finance and Credit; Small Enterprise Management; Women Entrepreneurship; Intellectual Property Rights; Marketing Management & Entrepreneurial Education, E-Learning Modules, Networking of Developmental Stakeholders on a web platform i.e. www.virtualcluster.in extending post-training support by way of handholding and incubation for setting up enterprises and also match making between employers and jobseekers by developing www.niesbudnaukri.com a job portal for skilled persons. The Institute is taking steps for appointing the faculty at an early date. The faculty members are ably assisted by a panel of guest faculty/ specialists.

1.6 The Institute is operating from an integrated Campus in Sector-62, NOIDA, NCR of Delhi. It is about 20 km away from the city centre of Delhi. It is established in the area of 10,000 sq. meters with about 40,000 sq. feet of built up area. It has 8 class rooms, 1 auditorium, and 1 conference hall besides library consists of 32 rooms, hostel inter alia other facilities.

Chapter - 2 ENTREPRENEURIAL AND SKILL TRAINING

The Micro, Small and Medium Enterprises play a crucial and decisive role in the economic development of any developed and /or under developed Contry. In view of socio-economic roles played by these units in such sectors, these have appropriately been termed as "*Engine of Growth*" of an economy. Their role has become more pronounced in the present turbulent times. It would be no exaggeration to state that almost all the economies of the world are looking towards these sectors for succur and emancipation.

India is not an exception. The situations of almost stagnant agricultural production; low growth in manufacturing sector coupled with negligible employment generation and the service sector not registering the desired growth rates, all make the Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Sector, the best bet in these prevalent difficult economic situations.

2.1 The MSME Sector has been truly described as the backbone for inclusive growth and sustainable development of our Country. The Sector, also correctly perceived as the *"Nursery of Entrepreneurship"* which contributes 37% to the country's GDP, 45% (at factor cost including contribution to service sector) to the manufacturing output and more than 40% towards exports. It also provides employment to over 80 million persons through around 36 million enterprises producing over 6,000 products.

2.2 Besides, the demographic dividend being enjoyed by the nation at present, it needs to be suitably harnessed into a "*blessing*" about 653 million workforce by 2031 with more than 200 million youth entering the labour force by 2025 could be an envious position for any progressing economy giving it a unique structural advantage/edge over the others.

2.3 The paramount necessity, as of today, undoubtedly, is the *"enterprise creation"* and *"skill training"*. The latter besides creating jobs for the growing battery of unemployed youth also supplements the MSME Sector through providing with skilled force. There could not be any other better form of "*inclusion*". It is one of the better forms of inclusive growth.

2.4 Accordingly, the Government has been laying due emphasis on setting up of micro and small units by unemployed persons and providing with enabling environment to the units in MSME Sector by extending comprehensive package of services ranging from training and hand-holding support followed by credit, marketing and technological support. The allocation of funds to the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), the nodal agency for accelerating entrepreneurial efforts and sustenance of the Sector, has been doubled from around Rs. 11,000 crore in 11th Plan to around Rs. 24,000 crore during 12th Plan.

2.5 The past experience has shown that it is possible to develop self-employment, income-generation and economic ventures through planned efforts. The need of appropriate training for ensuring a higher success rate among prospective beneficiaries has also been demonstrated repeatedly. This requires specialized competencies on the part of promotional change agents which can be developed through training interventions.

2.6 In view of the vital role played by skill training both in "Enterprise Creation" and improving "Employability", the Government evolved and is implementing Skill India Mission with a target of skilling/up-skilling 500 million youth by 2022.

2.7 The Ministry of MSME through its specialized institutions and field organizations is to provide training to 15 million persons by 2022 with about 2.8 million being trained till previous year. The task of training the huge balance of 12.2 million persons by 2022 would be best taken by NIESBUD which has enhanced its capacity by more than 8 times during the last 4 years and is expected to double over the next year i.e. a remarkable 16 times over the span of 5 years.

A view of practical training under Computer Hardware Programme

2.8 The Institute has been empanelled as Programme Implementing Agency by Ministry of Social Justice and Empowerment (Government of India) for organizing skill training programmes and providing assured placement opportunities to the trained persons and

A training session in Essential Oils and Perfumery Class

thereby become the exclusive implementing agency for National Scheduled Castes Finance and Development Corporation (NSFDC) and National Safai Karmacharis Finance and Development Corporation (NSKFDC). Accordingly, the Institute conducted as many as 24 training programmes under NSFDC in Uttar Pradesh and Maharashtra covering 600 SC participants during the year. The training programmes of 1.5 months duration each are in the trades of Desk Top Publishing, Welder, Cutting & Tailoring, Electrical Gadgets Repair, Beautician, Steel Fabrication, Fitter Fabrication, Essential Oil Perfumery Products and Two Wheeler Repair. After completion of the training atleast 70% of the participants are expected to be gainfully employed as per norms of the Scheme.

Chapter - 3 TRAINING ACTIVITIES

The Institute being an apex body in the area of promotion of entrepreneurship and small business development, offers innovative training packages for different target groups viz entrepreneurs, trainers, promoters, development functionaries etc. In order to maintain their effectiveness, the training programmes of the Institute are so designed as to meet the specific training requirements of each target group. The course contents of the programmes are continually revised to keep them in tune with the changing environment. The Institute also periodically reviews the emerging economic/entrepreneurial scenario for introduction of relevant and beneficial training programmes under contemporary values.

Besides its regular training activities, the Institute also conducts tailor-made training programmes as per the requests received from various organizations/ agencies designed to cater to their specific training requirements.

3.1 The training programmes organized by the Institute during the current year stood at 3,886 which benefitted 99,560 persons. This was 83% higher in terms of the number of the programmes and 85% as regards the number of the beneficiaries. There was an overall increase in activities across all categories. The remarkable growth of Institute is further established by the fact that Institute witnessed a growth of more than 1000% over last 4 years, both on physical and financial parameters.

Box 3.1 Number of Training Programmes

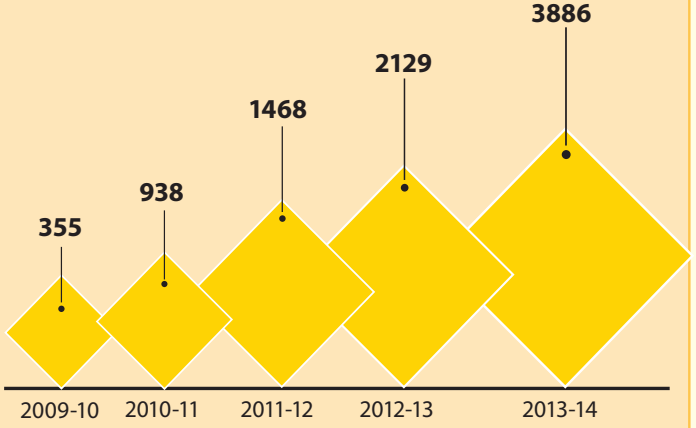

The Institute has conducted 3886 training programmes during 2013-14 in comparison to 2129 activities organised during 2012-13.

3.2 This impressive performance during the year had been made possible by adoption of progressive and innovative policies of the Institute aimed at expansion and diversification of its multifarious activities also drawing upon the strength of collaborative organizations at times. While majority of the training programmes were organized by the Institute itself in different States/U.T, 96 activities were organized through Partner Institutions (PIs) of the Institute under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme.

Import Export Programme for Under Graduate students

3.3 Continuing with its emphasis on providing training/orientation to trainers/promoters/officials of support organizations/heads of departments/ senior faculty etc., the Institute organized 71 training programmes, i.e. Management Development Programme (MDP) benefitting 1317 participants during the year. While majority of these training activities were sponsored, organized at the request of the concerned organizations, many of the programmes were self-paid market-driven programmes.

3.4 The Institute organized a series of 2 Training of Trainers (ToT) programmes under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of M/o MSME for providing orientation to 55 Coordinators/Faculty of its Partner Institutions and Infrastructure Providers so that they could execute the programmes under the Scheme effectively.

3.5 In order to provide momentum to the entrepreneurial movement, the Institute developed an E-Learning Module of Entrepreneurship Development Programme for the larger benefit of persons especially students who, for a variety of reasons, are not in a position to attend full time EDP Course in formal parameters. The Module launched in different States, saw 50,196 persons being enrolled and certified under the Module. This efforts of the Institute are providing a great services to passing out students who have been

able to appreciate the alternative career option in self employment.

3.6 The efforts of the Institute to increase supply of skilled manpower to industry saw commencement of Skill Training Programmes of Swarna Jayanti Shahri Rojgar Yojana (SJSRY) under the auspices of Samajik Suvidha Sangam : Mission Convergence, Government of NCT of Delhi. The 17 programmes, each of three months duration in different trades/skills, are being attended by 425 participants from the identified categories. The Directorate General of Resettlement's (DGR) sponsored Entrepreneurship Development Programme during the year saw participation of 16 retiring personnel from the three wings of the armed forces.

3.7 Continuing with its emphasis on designing and conducting market driven fee-based Skill Training Programmes, the Institute organized a total of 270 such Entrepreneurship-cum-Skill Development Programme (ESDPs) during the year which were attended by 5,862 persons. The programmes on Food Processing, Computer Accounting with TALLY, Computer Hardware & Networking and Desk Top Publishing, elicited the maximum response.

3.8 The Institute conducted a total number of 18 programmes under Export Management & Documentation. In view of availability of existing and budding entrepreneurs, the training programmes were conducted on weekend and weekdays both to suit their availability and convenience. Besides its campus training, such training programmes were also conducted off campus at different locations such as Kolkata and Dehradun. To strengthen the power of exporters', two programmes on Web Designing & Promotion were also conducted benefitting 241 participants.

3.9 The Institute during the year organized 1500 Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the M/o MSME which were attended by 39,979 persons. The programmes ranging from 100 hours to 300 hours covered a total of 67 different trades including 23 vocations in which the programmes were organized for the first time during the year. The majority of the Programmes were organized by the Institute itself in the States of Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Haryana, Himachal Pradesh, Jharkhand, Madhya Pradesh, Odisha, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand and West Bengal. As majority of these activities were off-campus programmes, these were regularly monitored

Graph 3.1 Number of Persons Trained

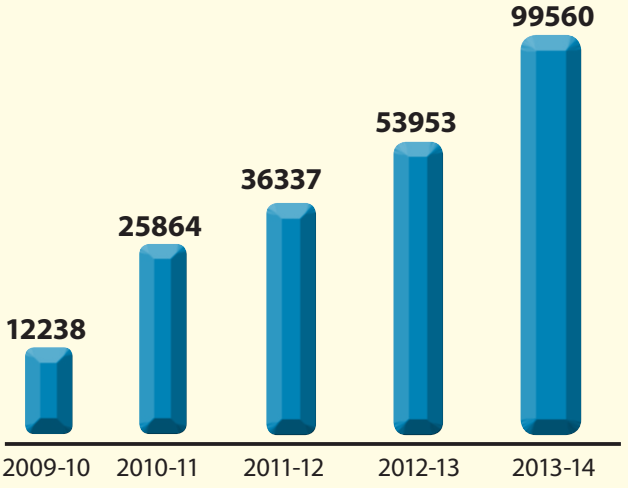

for maintaining their effectiveness. A notable feature of these activities was following a standardized course curriculum as recommended by the Core Group on Standardization in skill training programmes.

3.10 During the year 2013-14, the Institute conducted 13 International Training Programmes with 252 persons drawn from 65 countries which also provided with an unique opportunity of sharing the varied Indian experiences in development of entrepreneurship among different sections of the society. These programmes were sponsored under India Technical & Economic Cooperation (ITEC) of M/o External Affairs.

3.11 The succinct details of the training activities organized by the Institute during 2013-14, are placed below: -

3.11.1 TRAINING OF TRAINERS/PROMOTERS (ToTs)

The Institute being a national level entrepreneurial body, has been doing its might in augmenting availability of trained trainers/promoters in the Country who in turn impart training to the beneficiaries directly responsible for providing support services. In this manner, the objective is to have a cascading effect of the activities of the Institute. The requirement of such trainers/promoters has been growing for obvious reasons. The increasing number of persons opting for entrepreneurial careers and the entrepreneurial training being insisted upon as a pre-requisite for grant of benefits under different Government Schemes. The primary objective of these training activities is to develop/strengthen the capabilities of the trainers/promoters in different

aspects so that they could perform their respective roles effectively.

The Institute organized 2 Accreditation Programmes for Entrepreneurial Motivation Trainers during the year. The programmes one each of the First and Final Phase were attended by 26 participants. The successful completion of the Final Phase of the Programme saw 8 participants being accredited as Trainers by the Institute.

A one-week training programme on Innovative Leadership for Organization Growth & Excellence was organized with the primary objective of acquainting the participants with the basic roles/techniques of leadership and their application in the growth and expansion of an organization. The programme was attended by 20 participants including a group of 12 Officials of the Office of the DC (MSME). The other participants of the programme were drawn from NSIC, KVIC, Canara Bank and State Trading Corporation.

In pursuance of the Memorandum of understanding earlier signed with the International Finance Corporation (IFC), a member of the World Bank Group, the Institute organized a series of 11 Trainers Capacity Building Programme called INPACT – (IFC & NIESBUD Programme for Advancing the Capacity of Trainers erstwhile (NIESBUD – IFC Capacity Building Programme). In total, The Institute completed its 17 Training Programmes since its commencement in May 2012. More than 150 participants have gone through rigorous selection process to become the part of programme. This year the training programmes were organized at various cities across India with the basic objective of advancing training skills of entrepreneurial and business skills Trainers associated with MSMEs in India. The pedagogy is based upon Business Edge Programme of IFC which has so far been used to upgrade the skills and certify more than 1,500 business skill trainers in more than 30 countries. Under the umbrella total 28 trainers are certified and became eligible for becoming Master Trainers.

Participants receiving award for best presentation in INPACT programme held at NOIDA

Following its Memorandum of Understanding (MOU) with GIZ aimed at Capacity Building of Business Membership Organizations (BMOs) in India under the MSME Umbrella Programme, the Institute, in association with GIZ, organized a 5 days' training programme for the Secretariat of the BMOs. The 20 participants of the programme were provided orientation in the areas of association management; revenue generation; access to public support schemes; advocacy and business responsibility.

In accordance with an understanding reached with the Directorate General of Resettlement (DGR), Ministry of Defence, the Institute, in active association with the Alliance Educare, a Partner Institute organised a training programme on Small/Rural Entrepreneurship at its Campus during the year. The 16 weeks' intensive programme was attended by 16 defence personnel, sponsored by the DGR representing all the three wings of the armed forces – Air Force, Army and Navy. The programme was organized with the objective of bridging the gap between the temperament and consciousness of the participants and the practical requirements for establishing and running up an economic venture.

3.11.2 ORIENTATION PROGRAMMES FOR DEVELOPMENT OFFICERS

The importance of providing continuous orientation to functionaries of support organizations involved in different facets of promotion of entrepreneurship cannot be under-emphasized. The role of these change agents in promoting entrepreneurial culture amongst the desired target groups becomes crucial owing to their direct linkage with the prospective beneficiaries.

The Institute, in association with the Central Board of Secondary Education (CBSE) and GIZ organized 3 programmes on Teaching Method for teachers of schools on Entrepreneurship. The aim was to introduce effective training method for spread of entrepreneurship among students.

Besides a specially designed programme on Employability Skills was organized which inter-alia covered the areas of English Language, Entrepreneurship, Communication Skills, Quality Tools and Occupational Safety.

3.11.3 SMALL ENTERPRISE CONTINUING EDUCATION PROGRAMME (SECEP) FOR SUSTAINING ENTREPRENEURSHIP

For providing sustenance to micro and small enterprises and to make such units a viable entity, the Institute has been conducting training programmes for practising entrepreneurs through its Small Enterprise Continuing Education Programme (SECEP). Under this category, short duration programmes are offered to build in-depth knowledge and acquire working skills in critical functional areas of management for the enterprises. The year saw a series of 18 training programmes on Export-Import Procedure & Documentation being organized by the Institute which were attended by 165 existing/ prospective entrepreneurs, senior executives, consultants, etc. The one-week training programmes inter-alia included the topics of Formation of Export Organization, Foreign Trade Policy & International Environment, Selection of Product & Country, Incoterms 2010, Terms of Payment & Letter of Credit, Export Finance & FEMA, Documentation, Internet Marketing & E-Commerce etc. to name a few.

3.11.4 FINANCE AND LEADERSHIP TRAINING

The day-long orientation programme on "How to Raise Finance" for MSMEs small entrepreneurs, executives and consultants is designed for prospective and small entrepreneurs, excutives & consultants.

Four (4) such programme were organised benefitting 73 participants in total.

The training programme on Leadership was attended by 25 officials who were impressed upon the crucial role of leadership and aimed at strengthening the leadership qualities of the participants for ensuring development of their respective organizations.

How to Invest your savings "a programme organised for Women"

Sh. A.K. Jha, DG, NIESBUD releasing the magazine published by International Participants.

3.11.5 ORIENTATION PROGRAMMES FOR HODs/SENIOR FACULTY/ EXECUTIVES

The Institute has been providing orientation to the Senior, Executives of different organizations, both in Governmental and Non-governmental Sectors. The objective of these training activities is to update the knowledge and understanding of the participants in their respective areas of functioning to imbibe a sense of greater confidence and impart effectiveness to their day to day operations.

The Institute organized a series of 3 Orientation Programmes for Programme Directors/Faculty of the Partner Institutions (PIs) and Infrastructure Providers to the Institute. The programmes were conducted under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the M/o MSME, sensitizing 87 persons on different facets of organizing training activities under the Scheme including the objectives, different Schemes for entrepreneurship development and how to motivate students to take up entrepreneurial career.

Besides, an orientation programme on Teaching Methodologies was organized for 27 Principals/ Faculty members of the Partner Institutions to the Institute. The 3-days' Programme was organized with the basic objective of apprising the participants with contemporary teaching techniques; handling of aids/ tools in rural/far-flung areas; administering different post-training Assistance Schemes effectively like RGUMY, PMEGP etc. empowering them to further motivate/guide the participants towards self-employment.

3.11.6 TRAINING OF EXECUTIVES

NIESBUD organised training programmes for staff members of the National Minority Development Finance Corporation (NMDFC) helping their skill enhancement and its upgradation. The major topics that were covered during training for their managerial and technical staff are such as Internalising CSR, Risk Management and Multi-skilling of employees.

3.11.7 INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS FACILITATION CENTRE

In continuation of perpetual efforts to propagate and promote the intellectual property rights issues and information amongst the budding and existing entrepreneurs particularly in existing clusters, the IPFC-NIESBUD organised the Awareness Programme/ Seminar/Workshop at various places in the Country wherein the cluster actors actively participated. The discussions on case to case basis on areas such as patent, trademarks, industrial designs, copyrights etc. etc. yielded fruitful results as participants not only appreciated the training intervention but expressed need to replicate such efforts in future on continual basis so that the non-issue of IPR so far in micro, small and medium enterprises could attain a desirable focus benefitting the Indian entrepreneurs in their overall competitiveness to face ever increasing challenging business environment in and outside the Country after WTO regime. 8 awareness & training programmes were organised at different places of UP and Uttarakhand.

3.11.8 INTERNATIONAL TRAINING PROGRAMMES

The Institute is empanelled with the Ministry of External Affairs, Government of India for conducting International Training Programmes under its different Fellowship Schemes. The Institute generally organizes 10-12 International Training Programmes in a year.

Valedictory session of International Training Programmes

International Participants on Study tour GCCI

Generally, the 8 weeks' training programmes are aimed at equipping the participants with the necessary techniques, methodologies etc. to enable them to perform their duties of training/promotion of promoters/small business effectively in their respective countries. The nominations to these training programmes are received from the Ministry of External Affairs, Government of India under ITEC/ SCAAP and Colombo Plan Fellowships.

Besides its announced training programmes, the Institute also conducts tailor-made training programmes on requests received from different International organizations/agencies, sovereign Governments etc. One such special programme on Small Business Planning and Promotion (SBPP) was organized by the Institute during the year for 10 participants from the Colombo Plan Secretariat. Besides, a specially designed training programme on Capacity Building of Afghan Business Managers in Seeds Production was organized which was duly attended by 6 Afghan SMEs besides a Government Official.

During the year 2013-14, the Institute conducted 13 International Training Programmes with 252 persons drawn from 65 countries which also provided a unique opportunity of sharing the varied Indian experiences in development of entrepreneurship among different sections of the society.

Continuing with its tradition of designing and organizing training programmes in upcoming and contemporary areas, the Institute introduced the training programme on Export Management during the year.

Afghanistan

Armenia

Argentina

Bangladesh

Bhutan

Botswana

Colombia

D R Congo

Ethiopia

Fiji Islands

Ghana

Guinea Bissau

Guinea

Indonesia

Iran

Iraq

Ivory Coast

Jamaica

Kenya

Kyrgyzstan

Kazakhstan

Lao PDR

Lesotho

Lithuania

Madagascar

Maldives

A brief description of the thirteen programmes conducted during the year, is given below:-

3.11.8 (a) Cluster Development – Emerging Strategy for MS&ME/Entrepreneurship (CDES-MSME)

The Institutes' second 5-weeks' International training programme on CDES-MSME saw participation by 10 participants hailing from Afghanistan, Ghana and Nigeria. During the course of the programme, the participants besides being introduced to the basic concepts were also familiarized with diverse Indian experiences in cluster development, cluster strategies for developing small businesses, process of cluster development and different stake- holders involved in the process. In order to provide practical orientation, the participants were taken on visit to different industrial clusters. Towards the end of the programme, each of the participants could prepare an Action Plan for cluster development in their respective countries.

3.11.8 (b) International Marketing & Global Competitiveness (IMGC)

The 5-weeks' second International training programme on IMGC was attended by 15 officials from 10 different countries : Afghanistan, Ethiopia, Ghana, Ivory Coast, Kazakhstan, Mongolia, Nigeria, Tajikistan, Tanzania and Uzbekistan. The programme was organized with the basic objective of sharing Indian and International experiences on competitiveness; acquiring knowledge and skills for export marketing; understanding the policies and planning for facilitating international marketing and formulating action plan for global competitiveness.

3.11.8 (c) Export Management (EM)

The Institute designed and organized its first 5-weeks' International training programme on EM which was attended by 05 participants hailing from Tajikistan, Tanzania and Zimbabwe. The programme was organized with the basic objectives of sharing Indian experiences on competitiveness; imparting knowledge and skills for managing export markets; familiarizing the participants with policies and planning for facilitating export markets and formulating action plan for managing exports successfully.

Malawi

3.11.8 (d) Human Resource Development and Entrepreneurship Education (HRDEE)

The Institute organized its eighth International training programme on HRDEE, during the year. The 8-weeks' training programme meant for Senior Officials, Executives and Consultants engaged in entrepreneurial and managerial education, was conducted with the basic objectives of making the participants understand the process of human resource development and its relationship with entrepreneurship; stimulating entrepreneurial qualities and motivation for innovations; developing capabilities and abilities for creating and managing ventures/ organizations and formulating action plan for HRD intervention through entrepreneurship. The programme was attended by 36 participants from Afghanistan, Bangladesh, Bhutan, Costa Rica, Cuba, Gambia, Ghana, Indonesia, Ivory Coast, Libya, Mauritius, Mongolia, Morrocco, Mozambique, Myanmar, Niger, Oman, Palestine, Romania, Sierra Leone, Sri Lanka, Tanzania, Uzbekistan, Venezuela and Zimbabwe.

3.11.8 (e) Business Advisors' Training (BAT)

The Institute's eighteenth training programme on BAT was attended by 09 enterprising persons from Afghanistan, Morocco, Niger, Sudan, Tanzania and Zimbabwe. The 8-weeks' long training programme was conducted with the objectives of providing insights into diagnosing the critical issues of enterprise management; strengthening the awareness about policies and programmes for small enterprises; sharpening the skills of business counselling etc. In order to supplement the classroom teaching, the participants were taken on study visits to different small scale units and support organizations in the cities of Agra, Delhi, Jaipur and Chandigarh.

3.11.8 (f) Small Business Planning and Promotion (SBPP)

The twenty-third International training programme on SBPP conducted by the Institute during the year, was keenly attended by 31 participants from Afghanistan, Bhutan, Colambia, Costa Rica, D.R. Congo, Fiji, Ivory Coast (Cote d Ivoire), Lao PDR, Madagascar, Malawi, Mauritania, Mongolia, Myanmar, Nepal, Niger, Nigeria, Syria, Tajikistan, Tanzania, Thailand, Uganda, Uzbekistan and Zimbabwe. In order to provide

Mauritius

Mongolia

Myanmar

Namibia

Nepal

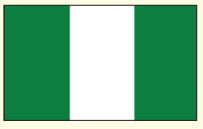
Nigeria

Niger

Oman

Papua New Guinea

Russia

Serbia

Sierra Leone

Slovakia

South Africa

Sri Lanka

Sudan

Syria

Tajikistan

Tanzania

Togo

Tunisia

Uganda

Uzbekistan

Vietnam

Yemen

Zambia

Zimbabwe

comprehensive coverage to the programme, the entire course content was divided into seven major modules - Small Business Creation, Small Business Planning, Appraising Small Business Opportunity, Entrepreneurial Qualities for Small Business Entrepreneurs, Small Business Management Skills, Small Business Promoters' Role & Functions and Field Visits to a number of small business enterprises and industrial ventures besides visits to a variety of support organizations in the States of Rajasthan, Uttar Pradesh and Haryana in addition to Delhi.

3.11.8 (g) Formation, Growth and Sustenance of SHGs (SHGFGS)

Realizing the growing importance of establishing Self-Help Groups (SHGs) in the promotion of entrepreneurship and economic activities among different strata of the society especially women, the Institute organized its seventh International trainers' training programme on SHGFGS. The 8-weeks' programme was conducted with the basic objective of acquainting the participants with the process of group formation and techniques for sustenance and growth of SHGs. The training programme was enthusiastically attended by 14 participants hailing from 08 different countries of Bangladesh, Estonia, Ethiopia, Myanmar, Thailand, Uganda, Zambia and Zimbabwe. During the course of the programme, the participants were given an opportunity of learning from the Indian experiences and the approaches being deployed for development of SHGs and SMEs.

3.11.8 (h) Request Programme for Colombo Plan Secretariat : Small Business Planning and Promotion (SBPP)

The 4-weeks' International training programme on SBPP was organized at the request received from the Colombo Plan Secretariat. The programme was attended by 10 officials of the Secretariat drawn from 07 different countries : Bangladesh, Fiji, Lao PDR, Myanmar, Nepal, Pakistan and Sri Lanka. The programme was organized with the basic objective of developing the capability of the participants in guiding/assisting the potential young entrepreneurs to set up their respective micro/small units and advising the existing ones to expand, modernize or diversify their economic operations for growth and development. The Indian experiences in developing the micro and small business were extensively shared with the participants who hailed from similar socio-economic backgrounds.

3.11.8 (i) Entrepreneurship and Promotion of Income Generation Activities (EPIGA)

The training programme on EPIGA was attended by 21 participants coming from 17 countries namely Bangladesh, Cameroon, Ethiopia, Fiji, Iran, Kenya, Kyrgyzstan, Mauritius, Myanmar, Niger, Nigeria, Sierra Leone, Sri Lanka, Tajikistan, Uzbekistan, Yemen and Zambia. The programme was conducted with the objectives of developing insights into the process of entrepreneurship development for income generation; developing abilities for identification and selection of appropriate micro enterprises and imparting knowledge/skills for designing/planning techniques for identifying, creating, developing and running micro enterprises.

3.11.8 (j) Women and Enterprise Development (WED)

The training programme on WED was attended by 34 participants from Afghanistan, Bangladesh, Cambodia, Ecuador, Egypt, Ethiopia, Fiji, Ghana, Guinea, Indonesia, Iran, Kyrgyzstan, Madagascar, Mauritius, Myanmar, Nepal, Nigeria, South Africa, Sri Lanka, St. Lucia, Sudan, Tajikistan and Tanzania. The 8-weeks' programme was designed to help the participants become effective trainers/promoters/counsellors in the area of women entrepreneurship development for encouraging more and more women to take up economic activities in their respective countries. The programme largely focused on women entrepreneurship development with special reference to creating and sustaining small enterprises being run by women, coming from different economic strata of the society. The curriculum of the programme paid special attention to Gender Issues in Enterprise Building; Micro Credit; Formation of Self Help Groups for Rural Women, Rural Marketing etc.

3.11.8 (k) Innovative Leadership for Organization Growth and Excellence (ILOGE)

The Institute organized its third 8-weeks' International training programme on ILOGE during the year. The programme was enthusiastically attended

by a total of 36 participants coming from 25 different countries of Bangladesh, Cambodia, Comoros, Ecuador, Ethiopia, Hungary, Ivory Coast, Kazakhstan, Kenya, Kyrgyzstan, Laos, Lesotho, Liberia, Madagascar, Mauritius, Myanmar, Nepal, Nigeria, Peru, Poland, South Africa, Sri Lanka, Sudan, Tajikistan and Venezuela. The programme was designed with the basic objective of developing the participants as leaders/innovators with regard to generation of ideas and art of understanding problems and designing; formulating and implementing the development schemes & programmes for different target groups. The programme inter-alia focused upon developing positive orientation and professional skills for ensuring growth, excellence and sustenance of the organizations.

3.11.8 (l) Entrepreneurship for Small Business Trainers/ Promoters (ESB-TP)

The training programme on ESB-TP, was attended by 24 participants representing Bangladesh, Bulgaria, Ivory Coast (Cote Ivoire), Ethiopia, Guinea Bissau, Kenya, Kyrgyzstan, Mauritius, Morrocco, Myanmar, Niger, Nigeria, Saint Lucia, Syria, Tajikistan, Tuvalu and Uzbekistan. The programme was designed to enable trainers and promoters from developing countries to acquire an understanding of the entrepreneurship development process, learn designing and conducting EMT (Entrepreneurship Motivational Training) for prospective entrepreneurs, acquire skills for identification of potential entrepreneurs and use appropriate selection techniques/tools for locating them, understand the dynamics of enterprise launching; scanning of opportunity; project formulation; appraisal and mobilizing resources, gain capability of guiding the beneficiaries in managing their enterprises successfully and develop insights into planning and extending support to them in setting up their enterprises. The curriculum of the programme inter-alia included topics of Emotional Intelligence, BPR and IT Applications.

3.11.8 (m) Capacity Building of Afghan Business Managers in Seeds Production

The Institute organized this 2-weeks' especially designed training programme for Business Managers of Afghan Certified Seed Production Companies. The programme organized in collaboration with the Global Projects & Services Private Limited, New Delhi was sponsored under the Afghanistan Rural Enterprise Development Programme (AREDP), Ministry of Rural Rehabilitation & Development (MRRD), Government of Afghanistan. The programme was attended by 6 SMEs engaged in seeds production in Afghanistan besides an official from the Ministry. Besides, the classroom teaching in the areas of importance of quality seed in agriculture; crop variety development and variety maintenance; quality seed production; seed drying, cleaning and processing; seed health management; seed quality assurance and certification; seed quality testing : purity, moisture and germination; international seed testing protocols; methods of marketing, innovative strategies and linkages; management of seed business to support small and medium seed enterprises with business advisory, capacity building and technical services; seed packaging & storage and supply chain management including backward & forward linkages, the programme involved extensive field visits to institutions, units and support organizations for providing practical orientation to the participants.

Interactive Meet with the Ambassadors / High Commissioners

In order to apprise the representatives of the foreign fraternity based in the Capital about entrepreneurial initiatives of the Institute in general and its International Training Programmes in particular and to appreciate their requirements in this regard, the Institute organised an Interactive Meet with Ambassadors / High Commissioners on February 24, 2014. The Meet which represented a unique conglomeration of the representatives of different continents, was attended by 15 Ambassadors/ High Commissioners/ Representatives of the Missions based in Delhi. The opportunity was also utilized for presenting the Institutes' bouquet of Consultancy Services. The Institute acted promptly on all the suggestions put forward by the dignitaries for further improving the international training programmes.

3.11.9 ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT PROGRAMMES (EDPs)

In order to promote entrepreneurial culture among different target groups especially the students, the Institute has been organizing Entrepreneurship Development Programmes (EDPs).

These activities are also able to introduce different nuances of Entrepreneurship among the participants. As mentioned above, E-Learning Modules have been introduced to reach out to larger population as a part of promotional activities of the M/o MSME to create job creators. The unaffordability of the general youth in possessing a computer and accessing internet as well was solved by targeting them in a college/institute and providing them a CD of E- Learning module. The programme was a great success. It also involved 1 day class room teaching and 14 days computer learning on CD. After 15 days of learning, the learner becomes eligible to take on-line assessment and subsequent to test, on-line certificate is generated for the learner. Besides a few class room trainings, E-learning module could cover more than 52,000 persons. This was a great achievement for NIESBUD which was able to cover so many persons under EDP. This would certainly motivate at least 4-5 % of them in setting up their own enterprises and contributing substantially to the economy of country by way of income and jobs.

3.11.10 ENTREPRENEURSHIP – CUM – SKILL DEVELOPMENT PROGRAMMES (ESDPs)

The Institute has been organizing Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the Ministry of MSME. These training activities ranging from 100 hours to 300 hours are organized in small towns and rural areas all over the northern region. During the year, the Institute organized 1,500 ESDPs for 39,979 beneficiaries under the Scheme. The training programmes spread over 13 States of Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Haryana, Himachal Pradesh, Jharkhand, Madhya Pradesh, Odisha, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand and West Bengal were predominantly organized by the Institute itself.

The training programmes covered more than 60 different trades/vocations with the chief ones being AC Refrigerator & Water Cooler Repair (71); C, C++ & OOPs (83); CAD/CAM (58); Computer Accounting with TALLY (137); Computer Hardware & Networking (158); Diesel Fuel Injection Technician (93); Electrical Gadget Repair (100); Fashion Designing (71); Food Processing (86); Housekeeping and Hospitality (50); Mobile Repairing (99); Plumbing and Sanitary Fittings (68); Repair and 3.13.8 Maintenance of Power Supply, Inverter and UPS (163); Retail Management (89) and Web Designing (156). In order to ensure effective mobility of the trained persons across different geographical locations, the training programmes followed a Standardized Course Curriculum at all the places. In consonance with the Government's Policy, the Institute laid due emphasis on training of the persons from different disadvantaged sections of the society. Accordingly, 3,550 Women; 10,683 SCs; 8,132 STs; 680 Minorities and 3,053 OBCs were provided training under the Scheme, during the year.

The existing monitoring mechanism of Database of the trainees, visit of and calling of trainees during the training as well as after the training, etc. for ensuring effectiveness of these off- campus training activities was further strengthened during the year through adoption of additional measures. While the MSME Call Centre of M/o MSME were participants for getting their feedback on the activities, the coordinators of the NIESBUD were following up with the trainees to see that they get employed or are able to set up their own enterprises.

Besides the ESDPs under the ATI Scheme, the Institute has been organizing paid market-driven programmes with high-employability potential. Such programmes are generally organized for new pass-outs from schools/colleges or The drop-outs who are on look-out for appropriate employment opportunities. The Institute organized 96 such training activities for 1,924 participants during the year. The majority of the programmes were organized in different places in collaboration with associates of the Institute.

A statement showing the total number of training programmes organized by the Institute since inception and the total number of beneficiaries under different categories, is at APPENDIX – A.

Foreign Delegations at the Institute

The Institute played host to the following delegations/visits to its Campus during the year: -

University of North Carolina delegation

1) Dr. Ali Al-Isawi, His Excellency, Ambassador of Libya in India alongwith His Excellency, Ambassador of Libya in Malaysia visited the Institute on May 10, 2013 for holding bilateral talks aimed at promotion of entrepreneurship and small business in Libya learning from rich Indian experiences in this regard.

   Besides being briefed about the activities/initiatives of the Institute in spread of entrepreneurial culture among different strata of society and efforts aimed at maximizing enterprise creation by the trained persons, the Delegation was apprised of the areas where the Institute could assist Libya in skill-upgradation of the Libyan youth and spreading/sustaining entrepreneurial culture in the country in light of its socio-economic conditions.

2) A Group of 25 undergraduate business students, on an exploratory visit to India from the University of North Carolina, USA, were at the Institute on May 16, 2013.

   At the outset, the Group was briefed about the history and multi-farious activities of the Institute besides the plans and policies of the Government of India in spreading entrepreneurial culture among different target groups.

   Enthused by the long and cherished Indian experience in development of micro and small enterprises, the Group also evinced keen interest in the measures initiated by the Government in providing sustenance to these units in the liberalised economic environment.

   While appreciating the challenges faced in motivating youngsters to entrepreneurial career, the leader of the Group expressed hope that future of entrepreneurship and small business really holds good for the country owing to the progressive policies being followed by the Government of India.

3) Mr. Alhazi Babale Umeru Gerei (former Chairman, Central Bank of Nigeria), President, World Association for Small and Medium Enterprises (WASME) visited the Institute on May 31, 2013 alongwith the local office-bearers of the Association.

   Basically on an exploratory visit, Mr. Umeru Gerei evinced keen interest in the multifarious activities of the Institute especially its international training programmes and the consultancy services which it can offer to international clients. The President elicited co-operation and assistance of the Institute in sustaining the activities of the Association in this Region.

4) A five-member Ethiopian Delegation from Amhara Development Association, a voluntary organization committed to promote self-reliance and participatory development in the Amhara region of Ethiopia, visited the Institute on January 15, 2014 to explore the possibility of utilizing the services of the Institute in promoting entrepreneurship and skill development in the region.

Ethiopian Delegation from Amhara Development Associationat the Institute

   The Institute, during the course of discussions with the Delegation also offered to assist the Association in reaching out to various international multilateral agencies for seeking financial assistance for their projects/ endeavours. The members of the Delegation showed keen interest in the multi-farious activities of the Institute and expressed willingness to sponsor maximum of Ethiopian participants to different International Training Programmes of the Institute.

The multi-farious activities

The basic objective of organizing Entrepreneurship Development Programmes (EDPs) and Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) under the "Assistance to Training Institutions (ATI)" Scheme of the Ministry of MSME, is to encourage the maximum number of participants to go in for *self-employment* after the training. However, it is not that all the participants being trained by the Institute through these programmes necessarily go in for self-employment. On account of a variety of reasons, the social and economic background of the concerned participants being the principal ones, many of the trainees opt for wage-employment after training. The attendance at these training programmes, needless to add, greatly improves their employability.

The different measures undertaken by the Institute for improving the employability inter-alia include interaction with Industry Associations/ Bodies for making course curriculum of the programmes, responsive to the requirements of the Industry and absorption of the trained persons by their constituent-members; involvement of placement agencies etc. with organizing of training activities; uploading the details of the trained persons on Website of the Institute and all plausible avenues for reference of the prospective employers etc.

The Institute also makes systematic attempts to provide assistance to its trained persons in finding gainful wage-employment after training. One of the important interventions in this regard, is organizing of Job Fair/Rojgar Mela at different places in the country. These Meets provide a common platform to both employers and job-seekers; increase the employment opportunities for the trained persons and ensure ready availability of skilled persons for the participating Companies/Firms. These also enlighten the Institute about the requirements/expectations of the prospective employers from the trained persons so that future training activities could be modified accordingly.

Encouraged by the warm response and positive outcome of its earlier such events, the Institute organized four such Job Fairs during the year: NOIDA (June, 2013), Baddi (July, 2013), Ranchi (January, 2014) and Allahabad (March, 2014).

These Job Fairs saw a total of 2000 trained persons being interviewed for jobs by 101 different Companies/ Firms. 968 persons were selected with majority of them being given Offer of Employment on the spot itself. Besides, 600 persons were also retained for subsequent round of interviews. The prominent Companies/Firms which participated in the meets included McDonald's; Krishna Electrical Works; Indosopung Tour; Sopung Holiday India Pvt. Ltd.; Mammey Di Hatti; Heritage

Trainees gathering at Job Fair at Ranchi

Garments; Pantaloons; Pizza Hut; Haldiram's; Shoppers' Stop and KFC.

4.1 CAPACITY BUILDING

In order to strengthen the capabilities of other institutions, both Governmental and NGOs for effectively undertaking different entrepreneurial activities thus boosting the entrepreneurial culture across different sections of the society and also to enlarge the outreach of its own activities, the Institute collaborated with different organizations, during the period, for assisting them in their respective entrepreneurship education programmes.

The Institute executed, MoUs with the following organizations during the year for assisting in their respective activities/undertaking collaborative activities: -

- ❖ Jamia Hamdard University, New Delhi for assisting the University in organizing Management and Entrepreneurship Development Programmes (EDPs) for its students of Management Courses.

Jagran
City plus
DELHI NCR - EAST DELHI

JOB FAIR AND JOBS TO UNDERPRIVILEGED BY NIESBUD

In order to provide jobs to under privileged section of society, NIESBUD MSME, Govt. of India in association with JITM Skills organized today JOB FAIR in Delhi in which 252 trainees belonging to Below Poverty Line (BPL), SC/ ST, Minorities were given offer letter of jobs by sixteen different companies.

NIESBUD, MSME govt. of India in association with Mission Convergence of Govt. of NCT, Delhi has provided skill training to 2500 trainees to underprivileged section under Swarnan Jayanti Sahara Rozgar Yojana.

Trainees who participate in the Mega camp also belong to Project "Seekho aur Kamao" training conducted by JITM skills on behalf of Ministry of Minority Affairs Govt. of India.

The companies participated in job fair include GLOBUS, Pizza Hut, Sagar Ratna, Paltan Bazar, Skill Horizon, Costa Coffee, Mera Job India, Future Group, Nijh World, Mangilal Services and others.

The trainees mainly includes school drop outs, children engaged as unskilled workers, trainees belonging to JJ cluster with BPL Category, SC, ST and Minorities.

The trainees were trained in different skilled like Web Designing, Beauty And Health Care, Fashion Designing, Retail Management, Electronic Gadgets, Home Appliances, Repair And Maintenance, Inverter Repair, and Education Crèche Management.

Sh. Arun Kumar Jha, Director-General, NIESBUD emphasized the need of linking training to wage employment and self employment. We must train people so that Industry get required trained skill

According to Prof. Yogesh Kumar, Project Coordinator to mobilize such trainees bring them regularly to attend the classes and change their mindsets for employment in organized sector is the big challenge. This involves not only imparting skills but also involves transformation of the entire personality.

Skill training can be undertaken only with infinite passion and commitment. That is the only way in which poverty can be alleviated and industry will get trained and skilled

News clip : Job fair organised at NIESBUD, Noida

Trainees filling application forms during Job fair at Ranchi

- Department of Micro & Small Scale Industries and Textiles, Government of West Bengal for promoting and developing entrepreneurial environment and MSMEs in the State through training, research and other interventions including provision of hand-holding services for the trained persons, collaboration with other organizations etc.
- Association of Rehabilitation under National Trust Initiative of Marketing (ARUNIM), Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India, for collaboration in providing entrepreneurial orientation and extending hand-holding services to Persons with Disabilities, for enterprise creation and/or wage employment.
- Arunachal University of Studies, Arunachal Pradesh for initiating joint efforts aimed at promoting setting up of small enterprises through different interventions; mentoring other organizations in developing/ promoting entrepreneurship/self-employment; organizing training programmes for different target groups and establishing Skill Knowledge Providers for undertaking activities related to entrepreneurship.

Besides, Expression of Interest was given to the following organizations for similar purposes, during the year : -

- Symbiosis Institute of Skill Development for organizing joint Entrepreneurship Development Programmes (EDPs)/Skill Development Programmes (SDPs) and Management Development Programmes (MDPs) for prospective/ existing entrepreneurs and their executives.
- Intuit India Software Solutions Pvt. Ltd. for jointly designing and organizing training programmes for improving the capabilities of the trainers/promoters and abilities of the small business owners, executives etc. in more effectively managing their financial resources.
- Jaipuria Institute of Management; NOIDA for assisting each other in carrying out the respective activities in the area of Entrepreneurship and related fields through making available infrastructure, human resources etc.; organizing joint activities: Programmes, Conferences, Workshops etc. including Management Development Programmes (MDPs) for different target groups; providing collaborative Consultancy Services to the third parties and undertaking joint CSR activities in the area.
- Don Bosco Tech Society for organizing the training programmes using the infrastructure and other facilities of each other; conducting capacity building/orientation programmes for the officials etc. of Don Bosco Tech Society; collaborating in conducting Skill Development training initiatives and related activities through assessment of training need, identification of skills/trades, development of training Modules/ Curriculum etc.; utilizing each other's Faculty for enhancing the effectiveness of the respective activities and undertaking joint activities.
- Centre for Agrarian Research Training and Education for organizing the training programmes using the infrastructure and other facilities of each other; conducting capacity building/orientation programmes for the officials etc. of CARTE; assisting CARTE in its Skill Development Training initiatives through assessment of training need, identification of skills/trades, development of training Modules/ Curriculum etc. and undertaking joint activities including developing association with local/ regional Industry Associations like Ghaziabad Management Association (GMA), formation of Entrepreneurship Forums, development of youth database, conducting research/exercises etc. with a view to improve the effectiveness of respective activities.
- Australian Vocational Training and Employment Group Pvt. Ltd. for organizing joint market/fee-based Skill Development Programmes (SDPs) with provision of effective job linkages; undertaking Trainer/Entrepreneur Exchange Programmes in Australia and India for sharing of respective experiences/best practices; conducting Training of Trainers (TOTs) Programmes with the objective of

creating a cadre of Master Trainers and designing and organizing Management Development Programmes (MDPs) keeping in view the contemporary Indian conditions.

4.2 ESTABLISHMENT OF UNITS

1) The primary objective of the ESDPs is to encourage the participants to go in for self-employment through setting up of micro units as against wage employment. The ideal achievement should be 10%. Normally, it takes about 1 year to set up an enterprise after getting statutory clearances from the concerned authorities. However, it has been noticed that most of the trainees are of young age therefore, they try wage employment first.

2) 4.2% of the persons trained by the Institute during the year 2013-14, under the ATI Scheme of the Ministry of MSME, have taken up self-employment and set up their own enterprises. This figure is likely to go up as the support to these trained persons has been intensified.

3) The units established are broadly in the areas of Artificial Gems & Jewellery; Mobile Repairing; Fashion Designing; Computer Hardware & Networking; Repair and Maintenance of Power Supply, Invertor & UPS; Two Wheeler Maintenance and Repair etc.

4) The institute was able to provide gainful wage employment to 28.2 % of the participants. The trades in which the employment was provided were, Fasion Designing, Web Designing, Electrical Gadget Repair & Computer Accounting with tally etc.

4.3 SCHEME OF ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT CENTRES THROUGH PARTNER INSTITUTIONS

The Institute with a view to increase the outreach of its training activities, empanels grass-root level organizations, engaged in educational activities including those pertaining to entrepreneurial education/development and have adequate infrastructure, competent/experienced faculty and financial viability for conduct of different training activities, as its Partner Institutions under the Scheme of Entrepreneurship Development Centres through Partner Institutions.

EDP session in progress at Kannauj (U.P.)

The Institute, during the year, organized 96 Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) for 2297 beneficiaries through the Partner Institutions (PIs) under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the Ministry of MSME.

With the 20 Partner Institutions empanelled with the Regional Centre, Dehradun, coming to fold of the Institute, the total number of its Partner Institutions under the Scheme now stands at 61 as on March 31, 2014.

श्री गिरिराज सिंह माननीय राज्य मंत्री सू.ल.म.उ. मंत्रालय, अंतराष्ट्रीय व्यापार मेले में महानिदेशक श्री अरूण कुमार झा के साथ गहन मंत्रणा में व्यस्त।

Sh. Giriraj Singh Hon MoS, visiting a stall of NIESBUD in IITF with DG NIESBUD.

Chapter - 5 RESEARCH, EVALUATION, SEMINARS AND WORKSHOPS

5.1 NIESBUD is engaged in research and evaluation work since its inception. NIESBUD's Research and Consultancy services are backed by a team professionals who are specialists in their respective areas, academically accomplished and experienced in various disciplines of entrepreneurship, economics, marketing & market research, financial management, project identification, human resource development and social development.

Research Studies is one of the core areas of NIESBUD portfolio. Over the years, NIESBUD has specialized in the following sectors of research studies

- Program Evaluation
- Industry Specific Research
- Area Planning
- Resource Potential Assessment
- Industry Location Assessment
- Market Survey
- Demand Assessment
- Training need and Curriculum Development
- Cluster Development

5.2 We have a pool of national level research experts (consultants) who have a vast experience of working on social and development agendas. From 2012-14 NIEBSUD has conducted 18 evaluation studies for various Ministries and Departments under Government of India allocated to us through competitive bidding process.

5.3 2013-14 saw the following reports being finalised and submitted under Evaluation of these schemes during the year: "Overall Implementation of the Plan Scheme Urban Statistics for HR and Assessment (USHA)" for Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation; "Building Awareness on Intellectual Property Rights for MSMEs", "Verification of beneficiaries financed under the schemes of National Minorities Development and Finance Corporation (NMDFC)"; "Scheme of Counselling, Retraining and Redeployment (CRR) for separated employees of CPSEs".

5.4 The Institute through competitive bidding was awarded three studies on "Evaluation of ISO 9000/14001/ HACCP certification reimbursement scheme"; "Evaluation of Scheme of Research, Development & Consultancies on Generic Issues related to CPSEs& SLPEs of Department of Public Enterprises" ; "Identification of appropriate business intervention/activity for urban poor and assessment of strengthening existing and new livelihood activity" for World vision

5.5 The Institute was awarded seven studies under STEP scheme of Ministry of Women and Child Development (WCD) which were completed in stipulated time. These were Mahila Utthan Sansthan, Handicraft Project, Barabanki, Uttar Pradesh; North East Voluntary Association, Fish Farming Project, Dakhingaon, Assam; Rural Artisans Welfare Society, Handicraft Project, J& K; All Backward Classes & Economic Development Organisation, Poultry Project,Thoubal, Manipur; Assam Centre for Rural Development, Guwahati, Piggery Project, Assam; Sneh Bahuddeshiya Sansthan, Dairy Project, Nagpur, Maharashtra; Nehru Yuva Mandal, Goat Farming Project, Satara, Maharashtra

5.6 A list of major research studies conducted by NIESBUD in last 2 years (2012-14) is as follows:

Sl. No.	Title of the Studies	Clients
1.	Evaluation Study of the schemes "Building Awareness of Intellectual Property Right"	M/o MSME
2.	Evaluation Study of Design Clinic Scheme for design expertise to MSME	M/o MSME
3.	Evaluation Study of National Award Schemes	M/o MSME
4.	Evaluation Study of MSME - Technology Development Centres	M/o MSME
5.	Evaluation of TREAD Scheme	M/o MSME
6.	Evaluation of Performance of Nodal Agency under scheme of CRR	Department of Public Enterprises
7.	The Impact Study of ISO : 9000 System Certification in MSME units in NCR	M/o MSME
8.	Evaluation Study of STEP - Punjab Women's Dairy Project I & II (Milkfed)	M/o WCD
9.	Evaluation of Scheme of STEP Project - M/o Women & Child Development - Handicrafts (Lucknow)	M/o WCD
10.	Evaluation of Scheme of STEP Project - Dairy Project - Nagaon, Assam	M/o WCD
11.	Evaluation Study of STEP Project - Mahila Dairy Vikas, Almora, Uttranchal (Phase 1)	M/o WCD
12	Evaluation Study of NMDFC Schemes	NMDFC, M/o Social Justice and Empowerment
13..	Evaluation Study of Plan Scheme "Urban Statistics for HR and Assessments (USHA)"	M/o Housing & Urban Poverty Alleviation
14.	Nehru Yuva Mandal, Goat Farming Project, Satara, Maharashtra	M/o WCD

Sl. No.	Title of the Studies	Clients
15.	Sneh Bahuddeshiya Sansthan, Dairy Project, Nagpur, Maharashtra	M/o WCD
16.	All Backward Classes & Economic Development Organisation, Poultry Project, Thoubal, Manipur	M/o WCD
17.	North East Voluntary Association, Fish Farming Project, Dakhingaon, Assam	M/o WCD
18.	Rural Artisans Welfare Society, Handicraft Project, J & K	M/o WCD
19.	Kirpal Shiksha Sansthan, Dairy Project, Haridwar Uttarakhand	M/o WCD
20.	Assam Centre for Rural Development, Guwahati, Piggery Project, Assam	M/o WCD
21.	Evaluation of Scheme of Research, Development & Consultancies on Generic Issues related to CPSEs & SLPEs	Department of Public Enterprises
22.	Evaluation of scheme of CRR for separated employees of CPSEs	Department of Public Enterprises
23.	Study on "Identification of appropriate business intervention/activity for urban poor and assessment of strengthening existing and new livelihood activity"	Worldvision India

Ms. Stuti Kacker, Secretary, Disability Affairs, Govt of India at the Women Entrepreneurship Summit

Launch of Selected papers and notes on Emerging Trends in Social Entrepreneurship by Shri S K Mitra, Former ED, NABARD, Shri A K Jha, DG, NIESBUD

5.7 CONFERENCES, SEMINARS AND WORKSHOPS

5.7.1 NIESBUD has signed an MoU with ARUNIM to promote Entrepreneurship in persons with Disabilities. A National Seminar of Social Entrepreneurship was organised in Association with ARUNIM with a special focus on Disability Sector held in at Nehru Yuva Kendra, New Delhi. During the seminar a manual for setting up enterprises/ventures by persons with disabilities was released.

5.7.2 The Institute on the occasion of International Women Day organised the Women Entrepreneurship Summit on March 8th, 2014. In the summit around 12 experts were invited to talk on different plenary sessions. NIESBUD published a case book on "Inspired Entrepreneurship" which covers 20 case studies of Entrepreneurs to inspire and guide the prospective Entrepreneurs and students. The book was launched by Smt. Stuti Kacker, Secretary, Department of Disability Affairs, Ministry of Social Justice and Empowerment.

5.7.3 The International Conference on Women Entrepreneurship – Challenges & Emerging Opportunities was organized during March at the campus. A total of 80 participants from more than 34 countries: India, Ethiopia, Hungary, Sudan, Ivory Coast, Ecuador, Nepal, Tajikistan, Poland, Madagascar, Venezuela, Cambodia, Peru, Kyrgyzstan, Liberia, Bangladesh, Comoros, Kazakhstan, Sri Lanka, Kenya, Mauritius, South Africa, Lesotho, Nigeria, Myanmar, Laos, Bulgaria, Guinea Bissau, Niger, Tuvalu, Syria, Uzbekistan, St. Lucia, and Morocco attended the conference. More than 20 speakers specialised in their field presented the papers under six diversified themes.

5.7.4 The Institute organized a two-days National Seminar on "Emerging Trends in Social Entrepreneurship: Challenges and Opportunities" at its NOIDA Campus on April 12-13, 2013. The Seminar, in association with the Asian Society for Entrepreneurship Education & Development (ASEED), New Delhi a partner institute of Institute was organized by the Institute, with the objective of evolving effective strategies and avoiding

Shri Roy S Mathrani DG, iCISA along with Shri A K Jha, DG, NIESBUD at the International Women Entrepreneurship Summit

Sh. Madhav Lal, Secretary MSME addressing Intellectual Property Facilitation Centre meeting

common pitfalls, in creating stable, sustainable and successful social ventures. The 2-days' event attended by 90 persons comprising of policy makers, social entrepreneurs, representatives of Entrepreneurship Development Institutions and other stakeholders, also addressed the issues like relevant laws and procedures etc. for launching and funding of social enterprises.

5.7.5 Total 4 Teachers Training Workshops on Entrepreneurship have been conducted by NIESBUD in Association with CBSE. More than 55 teachers from 20 different schools participated in the workshop which was focused on the new training methodology and pedagogy for effective teaching for CBSE School Teachers. NIESBUD also distributed E-learning CD on Entrepreneurship Development Programme (EDP) to the teachers to make them understand how to promote and inculcate the feeling/ culture of Entrepreneurship among students in a practical way across India.

"Workshop for Teachers on Entrepreneurship in schools"- Mr Sandeep Sethi, CBSE, Dr Shankar Goenka, Faculty and Ms Shrawani Srivastava, NIESBUD at Jaipur

5.7.6 The Institute organised the 3 Workshops under SJSRY/ NULM of M/o Housing and Urban Poverty Alleviation, Government of India on Skill and Livelihood Development at Dehradun and Establishing Micro Business Centre at Coimbatore and Shillong for 3 days each. The main objective of these workshops was to understand the skill development opportunities at these places and the relevance of micro business centre for the support of business and income generation activities. A total of 97 participants including municipal commissioners and seniors officials working in the urban development activities attended these workshops.

5.7.7 The Institute also organised 2 one-day state level workshops under NULM at Bhubneshwar and Ranchi. The Bhubaneshwar programme was organised for Executive Officers of Municipalities on Microenterprise Development and Micro Business Centre. The Ranchi Programme was organised for Community organisers and officials of the Department of Urban Development on Self Help Group Formation. The programmes were well attended and were well appreciated.

Skill Training

Globalisation has had a profound impact in shaping the Indian IT industry with India capturing a sizeable chunk of the global market for technology sourcing and business services. Over the years, the growth drivers for this sector have been the verticals of manufacturing, telecommunication, insurance, banking, and finance and, of late, became the platform for online retail and wholesale shopping. As the new scenario unfolds, it is getting clear that the future growth of IT will be fuelled by the verticals of climate change, mobile applications, healthcare, energy efficiency and sustainable energy. Traditional business strongholds will make way for new geographies, there would be new customers and more and more of SMEs will go for IT application and services.

Information Technology (IT) is an important emerging sector of the Indian Economy. The sector has served as a fertile ground for the growth of a new entrepreneurial class with innovative corporate practices and has been instrumental in reversing the brain drain, raising India's brand equity and attracting foreign direct investment (FDI) leading to other associated benefits. The Size of this sector has increased at a tremendous pace in the past. IT industries account for 8% of the GDP of India and provide direct employment to about 2.8 million, and indirectly to 8.9 million people. It also contributes very significantly to India's exports as well.

It is in this background NIESBUD has adopted the IT tools to maintain its exponential growth of outreaching the unemployed persons in converting them to skilled and productive force of the country. IT Tool is harnessed in the institute to reach out to the large section of the society. With an estimated number of 25 crore internet users, the advantage of IT can be leveraged to provide training to at a nominal cost in the area of latest high-end skill development programmes.

Websites (I.T Landscape)

In view of the significance of the sector and in order to cope up with the substantial requirement of entrepreneurial training, research and development, the Institute has been extensively using interventions through information technology in-house work performance and culture. A few worth mentioning IT interventions which have taken place are:-

1. Virtual cluster : A Platform to bring together all the stakeholders including MSMEs through website msmevirtualclusters.in;
2. Trainees Database Management (niesbudtraining.org);

Sh Madhav Lal, Secretary MSME addressing the delegates during Workshop on Virtual Cluster

3. A Job Portal to provide with employment opportunities to trained persons in the Country (niesbudnaukri.com);
4. E-learning Modules: Latest e-learning modules on the website (niesbudelearning.com);
5. NIESBUD's Regional office at Dehradun is also having an exclusive website which supplements regular websites of the institute; (niesbud.nic.in, niesbud.org, niesbudnaukri.com, niesbudtraining.org, niesbudro.org)
6. Data Management System set up at NIESBUD Noida, campus.

Virtual Cluster Portal www.msmevirtualclusters.in

In view of cluster based approach of benefitting its all cluster actors the Institute has recently conceptualized and created a platform under the

Sh. Arun Kumar Jha, DG, Shri Sunil Bhardwaj, JD, NIESBUD and Team at the Launch of MSME Virtual Cluster at Vigyan Bhawan

name as "MSME-Virtual Clusters" to synergize the functioning of micro, small and medium enterprises with all the other stakeholders such as the financial and academic institutions, federation of respective industries, facilitators for a faster growth through mutual understanding and benefits.

It is worth mentioning that this was a dream project of our Ministry which took up the challenge of reaching out to all concerned persons particularly the sector of small and medium enterprises.

To augment the above cause, the Institute has successfully conducted a pre launch Workshop in February 2014 at the India International Centre, New Delhi. The Workshop was presided over by Shri Madhav Lal, Secretary to Govt of India, Ministry of MSME. This workshop was applauded from all quarters.

The Portal was officially launched by the Honorable Prime Minister of India on 1st of March 2014 on occasion of an official event of the Ministry at Vigyan Bhavan, New Delhi.

In pursuance of the objectives of the Portal, the Institute organised a two-day's "Workshop on Virtual Clusters" June, 2014 as well which was inaugurated by the Hon' Minister for MSME, Govt. of India, Shri Kalraj Mishra at the Campus. The Workshop witnessed the gracious presence of Shri. Madhav Lal, Secretary, MSME, Shri S.N. Tripathi, the JS, MSME and Shri AK Jha, the Director General of NIESBUD, along with other dignitaries associated with the portal. While highlighting India's population, geographic extension and the regional imbalances accompanying financial disorganization, the Hon`ble Minister emphasised the need to promote entrepreneurial inclination among the masses. While applauding NIESBUD for its incontestable promise to work for the cause, the Honourable Minister expressed delight over the Institute's resolution to take up the challenges in reaching out whole heartedly to people involved with the Small and Micro Enterprises.

Centre for Guidance/Assistance on IT services

In backdrop of growing significance and use of information technology, the Institute has exclusively

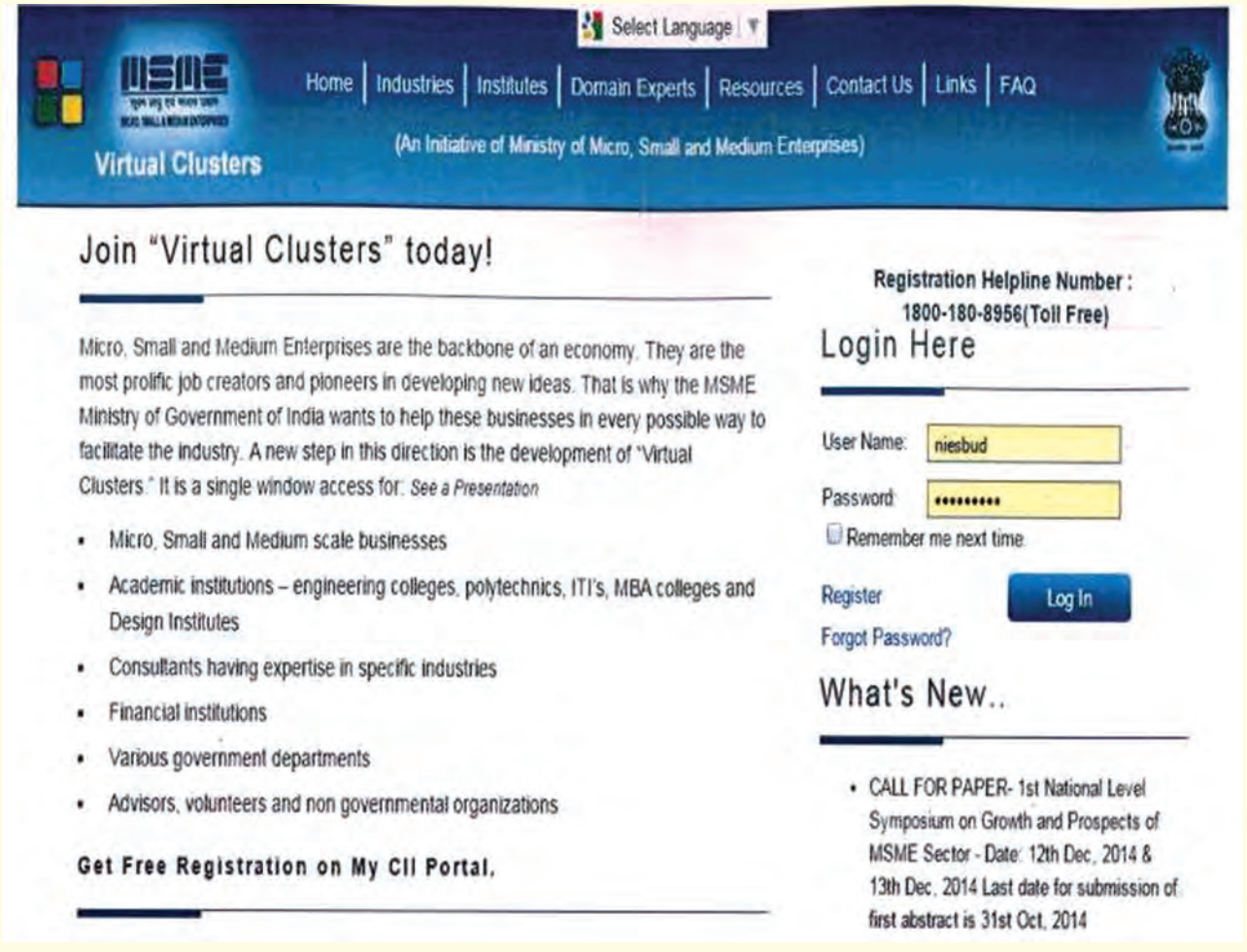

created a Centre for guiding and assisting trainees, existing and budding entrepreneurs on information technology. The Centre aims at providing development quality services through software support endeavour of the government which time to time envisages role of information and its dissemination for national development. It is an opportunity full of challenges as changes are taking place quite rapidly creating newer challenges.

To cope up with the challenges and meet its objectives of making this a centre for excellence, the Institute has developed various training programmes on areas such as:-

- Application software Development
- Mobile Application Development
- Website Development
- IT Consultancy services
- Scanning and Digi tization services

Besides the above, the Institute has made its presence on all social media sites, such as Facebook, Linkedin, Twitter, You Tube and Google Plus where one can find the information, photos, write-up, list of groups etc. on events and traing taking place on and off Campus. The Institute is facilitating connections amongst Ministries, Colleges and Institutes, Entrepreneurs group through these sites across the globe.

The presence of the Institute can be observed regularly on social media sites as placed below for ease of information.

E- Learning Initiative

The world of training is changing as the modern world continues to grow. With so much progress happening, it's important that training is able to reach learners/students/potential workforce in a easier way so that they may be prepared for the future. The learners of today are the leaders, inventors, teachers, and successful entrepreneurs of tomorrow. Without proper skills, these people will not have the required preparation needed to succeed and survive particularly on entrepreneurial path.

Moreover, the technological revolution poses tremendous challenges to the trainers and training institutes to apply technology in creative way to redesign learning process and to make it interesting and effective. After affecting extensive changes in the way people communicate and do business, the Internet is poised to bring about a paradigm shift in the way people learn. Now a days, with the use of IT, internet etc. It is possible to arrange education in remotest areas on cost effective manner.

E-Learning is termed as the practice of providing education with the help of modern technologies. It is dynamic, operates in real time, in a cost effective manner. E-learning is a combination of content and instruction delivered by through internet. In view of the above, the Institute launched as many as Eight E-Learning Modules (available on all the websites of the institutes) on the following subjects:-

- Communication Skills
- Web Designing
- Cyber Security
- Cloud Computing
- Presonality Development
- Mathematical Modelling
- Entrepreneurship
- Java

It is relevant to mention that these modules are developed at bare minimum cost and is being made available learners particularly students, unemployed youth of the country and prospective entrepreneurs at affordable prices. The Institute has planned to develop as many as 50 such modules on different topics by the end next financial year of 2013-14 to reach out to the poorest in remotest area.

Launch of EDP CD Module at Ranchi, Jharkhand

E-Learning Modules : CD

7.0 TRAINING

EDP on Solar Energy

The Institute started Entrepreneurship Development Programme on Solar Energy in association with TRA International to disseminate knowledge on starting and sustaining a solar business. Five programmes were organised in the campus which provided the information and training on financial, technical and regulatory aspects of setting up of Solar PV plants and panels in India.

Project Management Training

NIESBUD has developed the NIESBUD Project Management Training and Certification Module modified in Indian context in close collaboration with industry experts and project management specialists to address the need of the private and public sector as well as the Government and NGOs new entrepreneurs and small industry and also the student.

14 programmes were organised in the year 2013-14 benefitting around 250 participants at Jharkhand, West Bengal, U.P., Goa, Kerala and Uttarakhand

7.1 CONTENT/MODULE DEVELOPMENT

For the promotion of skill development training programmes, a total of 15 Training Manuals/ Modules have been developed this year to make the trainers/teachers understand the importance of Methodology while delivering the skill development training in the classroom/Lab.

1. Retail Management
2. Wax & Candle Making
3. Screen Printing
4. Mobile Repairing
5. Plumbing & Sanitary Fittings
6. Desktop Publishing (DTP)
7. Diesel Fuel Injection Technician
8. Core Java, C/C++
9. AC Refrigerator & Water Cooler Repair
10. Cosmetology & Beautician
11. SQL Server Database Administration
12. Welding Theory
13. Electric Gadgets Repair
14. Repairing & Maintenance of Power Supply, Inverter & UPS

Participants attending EDP on Solar Energy

7.2 ACADEMIC

Approval from AICTE

The Institute has been given *in-principle* approval by the All India Council for Technical Education (AICTE) for starting a two years Post Graduate Diploma in Entrepreneurship Management (60 seats). It will pave the way for opening up new avenues which will see the Institute attain newer heights.

A communication with CAT for adding the said PG Diploma in their written examination from the academic year 2015-16 has already been initiated.

- The Institute has approached the Directorate of General Employment and Training (DGET), Ministry of Labour and Employment, Government of India for appointment of NIESBUD as Assessing Body under SDI Scheme of the Ministry which has been agreed to *in-principle* by the Ministry.

7.3 OTHERS

Certification as ISO 9001: 2008 Organisation.

The Institute has been certified as compliant to the requirements of Management System ISO 9001 : 2008 by TUV NORD CERT GmbH during March, 2014.

7.4 Internal Training Programmes

NIESBUD started an initiative of Internal Training Programmes for the employees of Institute in December 2012, since then every month 3-4 hours training is provided to all employees including section heads, executives and coordinators on topics of relevance which add value to the growth of individuals

in terms of knowledge and competence. Based on effectiveness of these programmes, the Annual Meet was organised at Kanatal from April 22nd- 25th, 2013 for section heads, senior officers and middle level executives of the Institute. The objective of the meet was to review the last years activities, create a growth plan for 2013-14 and also team building exercise for employees to work more efficiently and cohesively. The meet proved to be beneficial as per its objective and the year saw all officers of Institute working productively as per their targets proposed in the Annual Meet. The year 2013 – 014 saw 12 Internal Training Programmes. Some of the titles are as follows. Team building for High Performance, Creating Happiness, MSME ministry and landscape of MSME policy, Procedure of payments and closing file, Effective Listening Skills for Personality Development, Conducted at the Institute IT tips for smart work, Management Principles in Shastras Six hats of Thinking.

7.5 OTHER ACTIVITIES

7.5.1 CLUSTER INTERVENTIONS

The Cluster based approach was adopted by the Institute as a key strategy for enhancement of competitiveness and productivity of Micro and Small Enterprises of different clusters. The Institute, as an Implementing Agency is providing continuous technical supports in setting up of Common Facility Centre (CFC) at Scissors Cluster, Meerut. The advanced machines for forging, heat treatment, laser marking and testing equipment have been installed at the site. The building construction work has also been completed as per norms of the tender document. The Institute also approached O/o the DC (MSME) for release of Government's share towards CFC establishment.

The SP V members of Textile Printing Cluster, Pilkhuwa were exposed to the contemporary technology related to colour fastness and use of natural/ vegetable dyes in place of chemical/ synthetic dyes. The entrepreneurs of Brassware cluster, Moradabad were informed about the heat/ material loss and filthy living conditions due to use of coal-fired furnaces and presence of cyanide in electrolytes used for electroplating the product which is extremely hazardous chemical. Technological demonstration of modern furnaces was organized for their exposure in this regard.

In order to provide marketing & promotional assistance to cluster products, the Institute was instrumental in participation of Cluster Actors in the India International Trade Fair (IITF) 2013. The products from Brassware Cluster, Moradabad; Bonecraft Cluster, Loni, Scissors Cluster, Meerut and Textile Printing Cluster, Pilkhuwa were displayed during the Fair and entrepreneurs interacted with the buyers directly. It provided an opportunity to the artisans to develop market linkages and familiarize themselves with the export opportunities.

The Institute organized 10 (Ten) one day Awareness Campaigns on Quality Management Standards (QMS) and Quality Technology Tools (QTT) at the clusters namely Textile Printing Cluster, Pilkhuwa; Glassware Cluster, Ferozabad; Bonecraft Cluster, Loni; Carpet Cluster, Panipat; Scissors Cluster, Meerut; Pottery Cluster, Khurja; Textile Printing Cluster, Jaipur; Brassware Cluster, Moradabad; Modern Carpet Backing Plant for Tufted Carpets, Bhadohi and Cricket Bat Manufacturing Cluster, Anantnag during the FY 2013-14 wherein entrepreneurs/ cluster actors actively participated in each programme. The participants were sensitized and encouraged to adopt latest QMS/QTT. The two

Sh Madhav Lal, Secretary, MSME inaugurating NIESBUD stall at IITF 2013 with Sh Amarendra Sinha, AS & DC, MSME, Sh SN Tripathi, JS, MSME, Sh AK Jha, DG, NIESBUD, Sh Sunil Bhardwaj, Joint Director, NIESUBD and Ms Shivi P Narain, NIESBUD

Shri DK Singh, faculty Training Textile printing cluster artisans, Pilkhuwa

specific and important standards 9001 and 14001 were introduced to the participants. The interpretation of a 'Certified UNIT' on these standards and its impact on the unit's business potential was exposed to the participants. The participants were deliberated to brainstorm on how the information and precious data that is made available through usage of 7 Quality Control (QC) tools could help them gain far better control over their business processes. The advanced concepts of Lean Manufacturing and Six Sigma were also introduced and the participants were made aware so as to how these were pertinent and absolute necessity for a growing industry.

The Regional Office (NIESBUB) is engaged in two Handloom Closters in Dunda, Uttarkashi and Mangalore, Haridwar in Uttarakhand. The Office has provided technical inputs for setting up of Common Facility Centre (CFC) at Handloom Cluster Dunda Uttarkashi.

The Institute as a part of its marketing initiatives for these two (2) Clusters, participated in the India International Trade Fair (IITF), Handloom Expo, Delhi Haat and National Khadi Trade Fair. The products of these Clusters were showcased during the Fair. This provided an opportunity to the Cluster Actors to have direct interaction with the prospective buyers and develop market linkages. It also provided an opportunity to the artisans to familiarize themselves with the marketing trends/expectations of the clients especially the international ones. It also orientated the cluster actors towards product diversification in consonance with the contemporary practices.

7.6 PUBLICATIONS

NIESBUD published a case book on "Inspired Entrepreneurship" which covers 20 case studies of Entrepreneurs to inspire and guide the prospective Entrepreneurs and students. The book launched by Secretary, Department of Disability Affairs, Ministry of Social Justice is a compendium of 20 successful first generation entrepreneurs to inspire the prospective entrepreneurs and trainees of NIESBUD.

NIESBUD has also prepared a resource manual on Social Entrepreneurship focusing on Disability sector which was launched by Secretary, Department of Disability Affairs, Ministry of Social Justice and Empowerment. The manual covers all the information regarding setting up of a social venture especially for persons with disabilities. The objective of the manual is to encourage people to take up social entrepreneurship in Disability sector. TMS will help and build capacity of persons with disability by providing them the route map.

Launch of Resource Manual by Mrs Stuti Kacker, Secretary, Disability Affairs On dias Shri Dinesh Awasthi, JS, Disability Affairs, Sh. AK Jha, Mrs Poonam Natrajan, Chairperson, ARUNIM, Mr Rajan Choudhary, NSDC and Ms Nandini, VSO & DG, NIESBUD

The Institute on behalf of the Ministry of MSME, published a Book titled Curriculum of Standardized Courses under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the Ministry.

The work of reinventing the Text Books on Entrepreneurship for Class XI and XII on behalf of the Central Board of Secondary Education (CBSE) was completed during the period. In discussions with the Board it transpired that the course content as developed by the Institute for class XI shall be used as Reference book for the class XI and a resource book for class XII.

7.7 ENTREPRENEURIAL MOTIVATION TRAINING (EMT) KIT

The Entrepreneurial Motivation Training Kit has been assembled by the Institute and is a collection of six games and exercises. It is a tested aid for developing entrepreneurial behaviour and motivation. During the course of a programme, these exercises/tools are important in generating useful data which is of immense importance to the trainers not only for identifying and selecting entrepreneurs/trainers for any EDP but also strengthening entrepreneurial competencies. The Kit is being increasingly used for imparting training to HR practitioners trainers of Training Institutions and Corporates for motivation development.

7.8 NEWSLETTER

During the year, the Institute revived publication of its discontinued Newsletter. The Newsletter has been made a quarterly publication and its three Issues were brought out during the year. The Newsletter provides information about the training programmes, academic/other activities, forth-

coming training programmes and other intivities of the Institute. Through beautifully designed segments, it makes available useful information about different schemes, events, news etc. of the MSME and allied sectors. The Newsletter besides highlighting the contribution of different prominent personalities/ organizations working in the field also informs about viable career options for the young readers. The Newsletter is sent free of cost to different organizations, associations and individuals interested in the Sector.

7.9 DOCUMENTATION

During the year, the services of the Documentation Centre viz.; Current Awareness Service, SDI and Press Clipping Services etc. were regularly made available. The Institute has computerized different operations of its Library having nearly 5,300 volumes pertaining to entrepreneurship, project, finance, human resource, marketing, behavioural sciences and related subjects with fairly large number of National and International journals and periodicals.

7.10 CONSULTANCY / ADVICE TO ENTREPRENEURS

The Institute has been providing advice and consultancy to existing and potential entrepreneurs and EDP organizations in their multi-faceted activities. It thus helps the cause of promotion/development of entrepreneurship in the society. The year saw more than five hundred existing/potential entrepreneurs, development organizations/institutes being benefited from the guidance provided by the Institute. The majority of the potential entrepreneurs guided, have shown keen interest in commencing their own economic ventures.

Chapter - 8 PERFORMANCE AT REGIONAL OFFICE, DEHRADUN

8.1 The erstwhile Regional Office of Indian Institute of Entrepreneurship (IIE), Guwahati another autonomous organisation of M/o MSME, Dehradun, Uttarakhand was merged with NIESBUD from 1st April 2013. The activities of the Regional office have increased two-fold after merging with NIESBUD. The Regional Office has organized 1,570 training programmes and trained 38,888 participants in 2013-14 exceeding last years' performance. The revenue generated in 2013-14 by the Regional Office is Rs. 11,31,90, 403 . The details of the activities of the Regional Office is as follows :

careers and the entrepreneurial training being insisted upon as a pre-requisite for grant of benefits under different Government Schemes. The primary objective of these training activities is to develop/strengthen the capabilities of the trainers/promoters in different aspects so that they could perform their respective roles effectively. In 2013-14, the Regional office has conducted total 7 Trainers Training Programme on Entrepreneurship and trained 85 persons. These are five weekdays programmes, conducted a Regional Office, Dehradun Campus.

Programmes conducted by NIESBUD, R.O, Dehradun from 2013-14			
Sl.	**Market oriented Programmes**	**No. of Programmes**	**No. of Participants**
1	TOT	7	85
2	MDPs	30	687
3	FDP	1	29
4	ESDPs/EDP	134	2600
5	Workshop/Seminars	4	116
6	E-Learning EDP	833	20825
	Total	**1009**	**24342**
	Sponsored Programmes	**No. of Programmes**	**No. of Participants**
1	EDPs by DI, KVIC, NMDFC, THDC	**48**	1325
2	MSME (ATI) Programmes	**487**	12561
3	MSME (ATI) Programmes	**26**	660
	Total	**561**	**14546**
	Grand Total	**1570**	**38888**

8.2 Besides its regular training activities, the Institute also conducts tailor-made training programmes to cater to the specific training requirements for entrepreneurship. The requirement of trainers/ promoters has been growing for obvious reasons: the increasing number of persons opting for entrepreneurial

8.3 The importance of providing continuous orientation to functionaries of Support Organizations, in different facets of promotion of entrepreneurship is the mandate of the institute. The Institute has been conducting different Orientation/Refresher training activities for these functionaries so as to enhance their

Shri N.S. Bindra, Chairman, Minority Commission, Govt. of Uttarakhand with Dr Poonam Sinha, RO Head, NIESBUD distributing the certificates to the participants

Shri Umesh Sharma, M.L.A Raipur, Distributing Certificates to the Participants at Valediction Function

capabilities in accomplishing the assigned jobs in an effective and efficient manner. During the year 2013-14, the Regional office has conducted 30 MDPs and trained 687 participants. The workshop and seminars were also organized to promote entrepreneurship in the region. The Regional Office has organized (4) Four Workshop/Seminars. The 116 participants attended the programmes.

8.4 For providing sustenance to micro and small enterprises and to make such units viable entities, the Institute has been conducting training programmes for first generation entrepreneurs. The institute is organising entrepreneurship development programmes to promote entrepreneurship among the youth. The Regional Office has organized (14) Fourteen training programmes for the first generation entrepreneurs who have availed loan under Prime Minister Employment Generation Programme. 303 participants attended the training programmes. The 18 Entrepreneurship Development Programmes were also organized by the Regional Office. These programmes were sponsored by Directorate of Industries, Govt. of Uttarakhand Two (2) EDPs were sponsored by National Minority Development and Finance Corporation which trained 60 Participants. These programmes were beneficial for the first generation Entrepreneurs to setup their Enterprise.

8.5 The Regional Office during the year has organized 513 Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) under the Assistance to Training

Shri Kisan Nath, Additional Secretary, MSME, Govt. of Uttarakhand, Dr Poonam Sinha, RO Head, NIESBUD distributing for trainees Leadership and Team Building

Institutions (ATI) Scheme of the Ministry of MSME which were attended by 13,211 persons. The programmes ranging from 100 hours to 300 hours covered a total of 67 different trades including 23 vocations in which the programmes were organized for the first time during the year. The majority of the Programmes were organized by the Institute itself in the States of Haryana, Himachal Pradesh, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh and Uttarakhand. As majority of these activities were off-campus programmes, these were regularly monitored for maintaining their effectiveness. A notable feature of these activities was that self and wage employment was provided to 40% of total trained persons.

NIESBUD's growth has been phenomenal during the last 4 years and another 2-3 years can make it sustainable. The in-house decision on quality of training, finding out good associates, database mechanism, 360 degree monitoring, in-house regular brainstorming amongst section heads and with all employees every month, several IT interventions are the major factors which fuels the growth. Further, NIESBUD is improving on these factors continuously. At the core of it is ofcourse the employees who have been giving their heart and soul into it. The extraordinary supports of the parent Ministry of MSME, Executive and Governing Council have made it possible.

Graph 8.1 **Revenue Generation** (In ₹ Lakh)

And Growing

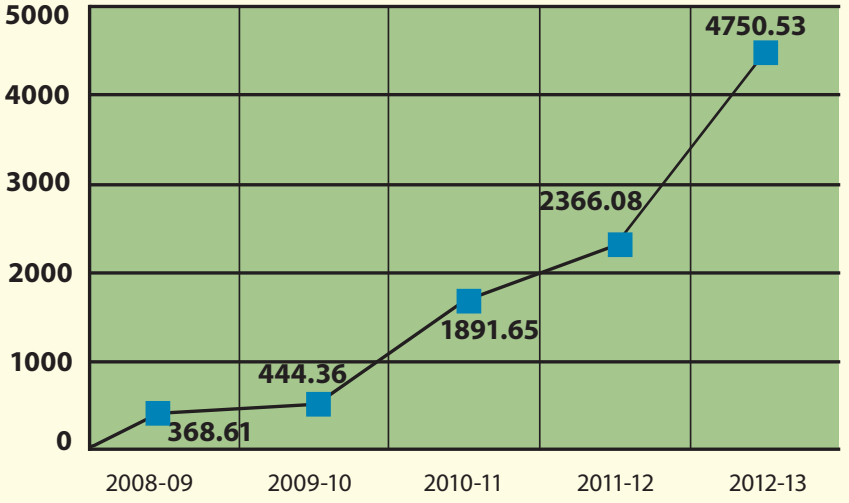

The Institute was established in 1983 with an objective to provide entrepreneurial education to promote entrepreneurship. The primary activities were limited to Entrepreneurship Development Programmes and Training of Trainers' Programmes. With the time, the Institute entered into Research and Consultancy as well. Gradually, some publications were also launched.

The Institute saw a complete turnaround after 2009. The introduction of National Policy on Skill Development was metamorphosis for the Institute, which opened many avenues for it and increased its outreach to 17 States. The post-training support became the key area of attention, wherein schemes like PMEGP and RGUMY of Ministry of MSME, Govt. of India supported the new ventures. In addition, the desire for getting gainful wage employment was also supported by orgainizing "Recruiters Meet"- a platform for match-making of the jobseekers and jobproviders. The Cluster Intervention scheme also helped the Institute in assisting unorganized units in technology upgradation, marketing linkages and forming their associations.

As the quantum of the training programmes increased, the necessity of a quality oriented and transparent mechanism was also felt. Therefore, a web based monitoring mechanism was developed which resulted into MSME TRAINING DATABASE, a portal of Ministry of MSME for the data of trainees trained under the schemes of the Ministry. The innovative and transparent web based mechanism is one of its kind and worth its replication on maintaining transparency by other organizations as well.

The Incubation concept also helped the Institute in diversifying the activities and helping the budding entrepreneurs. To build capacity of existing MSMEs, the Institute introduced new Management Development Programmes on a variety of subjects' viz. Project Management, Lean Management and Six Sigma, Raising and Managing Finance, Creativity and Innovation.

An initiative of Internal Training Programmes was started for the employees of Institute in December 2012. Since then every month 3-4 hours training is being provided to all employees including section heads, executives and coordinators on topics of relevance which add value to the growth of individuals in terms of knowledge and competence. Based on effectiveness of these programmes, annual meet was organised at Kanatal from April 22nd- 25th, 2013 for section heads, senior officers and middle level executives of the Institute. The objective of the meet was review of the activities of 2012-13, creating a growth plan for 2013-14 and also a team building exercise for employees to work more efficiently and cohesively. The meet proved to be beneficial as per its objective and the year saw all the officers of Institute working productively as per their targets proposed in the Annual Meet. The year 2013 – 014 saw 12 Internal Training Programmes on topics such as MSME ministry and landscape of MSME policy, Effective Listening Skills for Personality Development, IT tips for smart work, Management Principles in Shastras, Six hats of Thinking, Leadership, Intellectual Property Rights and Cluster Development.

The effect of these capacity building programmes was evident from the number of training programmes

increased multifold, thanks to young and energetic team and able guidance from the Ministry.

To increase the outreach of the training programmes and to cover the maximum number of trainees, the classroom training could not be the sufficient tool for the purpose. Therefore, in an effort to make DIGITAL INDIA, the Institute introduced e-learning modules and CD based training modules to cover maximum participants.

The leap from 96 participants in the first year to 99560 in year 2013-14 says it all.

The Fiscal Consolidation

ROBUST NUMBERS

50% rise in the revenue from announced programmes

- Total Revenue of ₹ 35.79 crore as against ₹ 47.51 crore for 2012-13
- More than 50% jump in the Revenue from Announced (Open) Programmes
- Revenue from International Training Programmes rose to ₹ 3.69 crore.
- ₹ 5.46 crore to be transferred to the Corpus Fund for long term sustenance

Diversification of Sources of Revenue

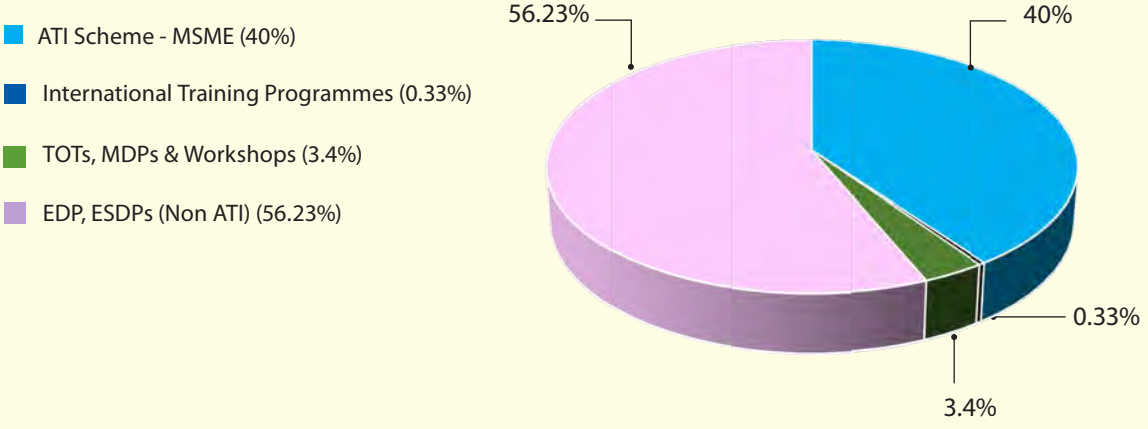

10.0 MEETINGS OF VARIOUS BODIES

A: Governing Council : Deliberations & Decisions

The thirtieth Meeting of the Governing Council of the Institute was held on December 16, 2013 at Udyog Bhawan, New Delhi. The Meeting was chaired by Shri K.H. Muniyappa, the then Hon'ble Minister of State (Independent Charge), Micro, Small and Medium Enterprises (MSME).

While discussing the issue of convergence of different organizations of the Ministry of MSME in implementation of the PMEGP, the Council decided that in selection of the applicants, those who have undergone Entrepreneurship Development Programmes (EDP) and similar training, should be given priority/ preference under the Scheme as they will be able to present their proposals in a better manner before banks and will have better capacity for setting up enterprises.

The Hon'ble Minister highlighted the importance of synergy with the representatives of the Financial Institutions so that trained persons are able to got loan(s) and thus more and more trained person are motivated to entrepreneurial career. He also emphasized upon the desirability of imparting training and setting up of enterprises by the trained persons in the areas having high potential of import substitution like defence production etc.

The Secretary (MSME) advised that all the stakeholders regularly share their best practices with the others so that they could learn from each other's experiences, for optimum results.

The Hon'ble Minister and Members of the Council congratulated the Institute for diversifying training programmes and crossing the target set by the Ministry for the year 2013-14, quite well in advance and that too through conducting market oriented training programmes which brought revenue to the Institute. However, the Hon'ble Minister emphasized upon desirability of the prospective entrepreneurs being both trained and educated so as to be in a position to launch enterprise successfully and have effective interaction with different stakeholders.

The Draft Annual Report including audited Books of Accounts of the Institute for the year 2012-13 was considered and approved by the Council. The Council also considered and approved the appointment of M/s. D. Bhatia & Company, New Delhi, for auditing the Books of Accounts of the Institute for the year 2013-14 at a remuneration of Rs. 20,000/- and reimbursement of actual conveyance, besides the applicable Service Tax. The decisions and recommendations of the Executive Committee made at its different meetings were considered and noted by the Council.

Shri A.K. Jha welcoming Secretary MSME, Shri Madhav Lal to 68 Executive Committee Meeting heal at NIESBUD

The Hon'ble Minister also released the Book on "Curriculum of Entrepreneurship Development Programmes (EDPs), Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs), Training of Trainers (ToTs) and Management Development Programmes (MDPs)". The Book published by the Institute under the auspices of the Ministry, contains the standardized and courses content of different training programmes being organized by various organizations under the "Assistance to Training Institutions" (ATI) Scheme of the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, (MSME), Government of India.

B: Executive Committee : Discussions & Decisions

(a) The 68th Meeting of the Committee was held on April 08, 2013 at the Campus of the Institute. Shri Madhav Lal, Secretary (MSME) chaired the Meeting. The Institute was advised to suitably upgrade the residential units at V & VI Floors of the Hostel Block in the existing form, for utilization by Official Guests, Participants etc. as against the proposal of converting them into Hostel Rooms at huge cost. The Chairman directed that the Regional Centre at Dehradun must

Relaunch of Newsletter by Secretary MSME, during 68th Executive Committee Meeting

act as an independent Profit Centre. The Committee reviewed and appreciated the performance of the Institute during current year.

In order to suitably strengthen the infrastructure in consonance with expansion in activities of the Institute, the Chairman asked it to explore the possibilities of utilizing the land allotted to the Ministry at Greater NOIDA for setting up a Toy Institute for developing the aforesaid Institute and additional facilities for the Institute. The Committee appreciated the efforts of the Institute in re-introducing One-year Diploma Course in Entrepreneurship and Management.

The Committee advised the Institute to approach different Ministries/Departments of the Government for award of research projects. On the question of Assessment and Award of Certificate(s) for the training programmes of Ministry of MSME (and its different organizations), the Chairman advised that the Ministry may develop Regulatory Framework of its own containing the relevant standards and evaluation/ assessment criterion with an in-house regulatory/ assessment institution/body as the existing Regulatory Framework for assessment and certification of other Ministries was not found appropriate for training programmes of the Ministry of MSME.

The Committee considered and approved the training programmes other activities and budget of the Institute for the year 2013-14. While lauding the efforts of the Institute in over-achieving the programme target for 2012-13, the Chairman was of the opinion that Institute should look into other aspects of training expenditure in order to achieve the desired objectives of the ATI Scheme and therefore in the public interest, it may like to utilize the savings under the Scheme in meeting such cost. The Chairman also advised the Institute to fully computerize all its accounting activities including voucher writing, maintenance of different books etc. latest by end of May 2013.

The Committee advised the Institute to take up with LIC, the matter of covering its future employees under the Group Gratuity Scheme. However, the payment of Gratuity to the former and retiring employees of the Institute should be made from the Institute's own resources.

While appreciating the need of additional manpower at the Institute in view of its expanding activities, the Chairman desired that the posts should be project based and filled up on contract basis till the concerned project lasts. The Committee also constituted a Sub-committee to examine the manpower requirements of the Institute and submit its Report to the Committee.

(b) The 69th Meeting of the Committee held on August 16, 2013 at Udyog Bhawan, New Delhi was chaired by Shri Madhav Lal, Secretary (MSME). The Chairman after reviewing the matter of utilization of the land(s) at Greater NOIDA directed that a Sub-committee under the Chairmanship of AS&DC with the Joint Secretary (SME) and DG of the Institute as other Members, would submit a Report to the Committee on all the issues involved in utilizing the land(s) at Greater NOIDA for the respective purposes as well as establishing the Institute's Extension Centre.

The Committee desired that business/revenue model should be put in place so that benefits accrued in the past remain intact and Institute grows in a smooth and sustainable manner in future.

The Committee noted that the trainings done by different organizations of the Ministry, under the ATI Scheme, are available on the Website of the Ministry with complete details of each of the beneficiaries alongwith their photograph. The Vice-chairman also clarified that feedback reports are obtained by Call Centre of the Ministry periodically from each batch of the trainees.

While appreciating the efforts of the Institute in enhancing its training programmes under Non-ATI

category, the Chairman advised that all the Institutes of the Ministry should diversify their activities while maintaining the core mandate of entrepreneurship promotion. The Committee while noting the efforts of the Institute in undertaking research/review/consultancy assignment was of the opinion that the Institute may go for hiring experts as consultants for taking up quality consulting work which may generate revenue as well as bring prestige to the organization. The Institute was advised to verify the credentials of the International organization with which it intended to collaborate for promotion of entrepreneurship.

While appreciating the requirement of strengthening the manpower base of the Institute, the Committee observed that the organizational structure of the three Entrepreneurship Development Institutes (EDIs) should be flexible one and that the Institutes should engage experienced and knowledgeable Consultant/Advisor for formulating model organizational structures.

(c) The 70th Meeting of the Committee was held on November 26, 2013 at Udyog Bhawan, New Delhi. Shri Madhav Lal, Secretary (MSME) chaired the Meeting. While observing that for effective execution of different activities of the Institute, its organization structure should not only be lean but flexible too, the Chairman asked the Joint Secretary (SME) to take initiative in consultation with Director General of the Institute, for finalizing its organization structure.

The Institute was asked by AS&FA to follow due procedure while hiring the services of the Consultants even on daily payment basis. The Chairman, however, reiterated hiring experts for taking up quality consulting work so that the Institute develops itself as a Centre for quality consultancy work/assignments in line with the market requirements. The Chairman was of the opinion that the consultancy should become one of the core activities of the Institute in due course of time.

The Director General elucidated the development of an E-learning Module on EDP and training of about 50,000 persons under the Module. The Institute was advised by AS&FA to also organize exclusive training programmes for women in different skills/trades so that the proportion of this important segment of the society in the trained persons, could increase.

Team NIESBUD at Kannatal

The Chairman expressed the opinion that the persons receiving training from the Institute and other national EDIs should be given preference in selection under the PMEGP Scheme. This is expected to add value to concerned training activities as the attending participants/beneficiaries will be sure of the preferential treatment under the Scheme.

The draft Annual Report and audited Books of Accounts of the Institute for the year 2012-13 was considered by the Committee and recommended for consideration and adoption by the Governing Council. The Chairman, however, directed that realization of the amount of debtors must be expedited through writing to the concerned Government Departments/ Organizations as majority of the amount of the debtors was of the Governmental Organizations.

The Committee after due consideration decided to recommend to the Governing Council, the consideration and approval of appointment of M/s. D. Bhatia and Company for auditing the books of accounts of the Institute for the year 2013-14 at a remuneration of Rs. 20,000/- and reimbursement of actual conveyance and DA, if any, besides the service tax. The Committee considered and approved making the payment of Rs. 4,57,389/- to the Life Insurance Corporation of India for extending the Group Gratuity Scheme to the 26 existing employees of the Institute.

10.1 STAFF POSITION

In accordance with the recommendations of the Departmental Promotion Committee headed by the Joint Secretary (SME), Shri Mukesh Kumar Gupta

was promoted to the post of Joint Director (Business Development & Management) w.e.f. April 26, 2013 (A.N.). Shri Gupta had been serving the Institute as its Administrative Officer since February 24, 1993. Shri Gupta also continued to discharge the functions of the post of the Administrative Officer during the year.

Ms. Poonam Sinha, Faculty Member of Indian Institute of Entrepreneurship who was looking after the operations of the IIE's Regional Centre at Dehradun, was taken on the pay roll of the Institute w.e.f. April 01, 2013 coinciding with the merger of the Regional Centre, Dehradun with the Institute. Ms. Sinha will be assimilated in the regular strength of the Institute upon creation of a post in the Pay Band and Grade Pay being held by her. Shri Vinod Kumar Sharma, Accountant was entrusted with the duties of the post of Accounts Officer of the Institute till it gets filled-up.

While appreciating necessity of strengthening manpower base of the Institute in view of expanding activities and examining the additional manpower requirements assessed by the Institute, the Executive Committee advised that a Model flexible and lean Organisation Structure should be developed which could be adopted by all the three entrepreneurial institutions.

The period of contractual appointment of Shri P.S. Nagar, Librarian was extended for a period of two years w.e.f May 03, 2013.

The year saw the Institute continuing with efforts to fill up its vacant posts. The Institute also continued to engage/outsource incumbents of different categories for completing work under different Schemes, Research Studies etc.

The Institute took further effective steps for improving the working environment for all the employees especially the women incumbents who constitute about 30% of the total personnel.

As on March 31, 2014, the effective regular staff strength at the Institute was 27 in different categories.

The Organizational Chart of the Institute is at *APPENDIX – B.*

10.2 USE OF OFFICIAL LANGUAGE

In accordance with the Government Policy, all efforts aimed at progressively increasing the use of Hindi

Communication Exercise in progress during MDP on Team Building

in official work, were made. The Annual Programme : 2013-14 as issued by the Department of Official Language for transacting the official work of the Union in Hindi, was circulated to all the different sections of the Institute for making all efforts to achieve the targets of the Programme. Besides, the Annual Report of the Institute for the year 2012-13 was printed bilingually. The Institute, during the year, also commenced the practice of sending all its communications in English with a covering letter in Hindi. The Institute also encouraged its employees to increasingly undertake original works in Hindi.

The Week starting from September 14, 2013 was organized as Hindi Week. On this occasion, the Director General of the Institute, in his address to the employees, motivated them to increasingly use Hindi in official correspondence, internal notings and at all other possible places. Besides organizing a Workshop on "Rajbhasha Neeti Tatha Prashasinik Shabdawali", the competitions on Noting and Drafting, Essay Writing, Debate and General Awareness about Official Language Policy were organized during the Week which were participated by a total of 40 employees of the Institute.

The Institute continued with its efforts to fill the post of Junior Translator. The prescribed reports/ information relating to progress in implementing the Official Language by the Institute, were regularly and timely submitted to the Ministry.

10.3 HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

During the year, the Institute continued to lay emphasis upon the development of its human resources

and enhancement of their knowledge base in current changing economic scenario.

Under the Initiative started in 2012 on monthly capacity building sessions for employees. The Institute without fall conducted the programmes every month on topics such as: Team Building, Quality Perspective, Time management, Communications skills, MSME policies

MDP on Team Building and High Performance

As one of the growth initiatives, Management decided to organize an MDP titled 'Team Building for High Performance' to convert its team into a revenue-generating force. The main goal of the programme was to build a high-performance team by providing an environment of trust, confidence and by promoting the right team spirit. The objective was to achieve a defined training target for 2013-14. A total of 26 participants from Noida and Dehradun Office participated in the programme. The programme was successful in all aspects, participants felt rejuvenated, relaxed and charged up to take on their responsibilities with greater zeal and team spirit. The programme also helped the NIESBUD head office and regional team understand each other to work cohesively in future.

The main outcomes of the programme were: Individual Action plan for 2013-14; New strategies for achieving targets; Preparation of "VISION 2014" for NIESBUD

Synergy Meet at Dehradun

In order to create better synergies among the employees of NOIDA and Dehradun office a meet to discuss future plans, responsibilities and learn best practices from each other a Synergy Meet was organised at Dehradun office from 29th – 31st August.

The meeting was successful as participants came up with a joint action plan for next five years in order to achieve high growth and impact the target audience.

10.4 RESULTS FRAMEWORK DOCUMENT (RFD)

The Institute signed its Results Framework Document (RFD) for the year 2013-14 with the Ministry. In terms of the Document, the Institute was assigned the targets for different activities for the year. With its relentless efforts, the Institute generally exceeded the targets of organizing training programmes and providing training to different sections of the participants, set for the year, as per the details given below: -

Sl. No.	Objective/Activity	Targets	Achievements
1.	Training Programmes *(Sponsored)*	1916	1524
2.	Sections of Participants :		
	• Scheduled Castes	10,200	16,411
	• Scheduled Tribes	8,850	7,051
	• Women – General	3,900	28,111
	• Minorities	680	960
	• Differently Abled	500	500
	• Others	23,770	40,125
	• International	225	252
3.	Training Programmes *(Market-driven)*	75	2362
4.	Evaluation/Impact Assessment Studies and Consultancy Assignments *(Sponsored)*	13	15

Besides, the targets assigned for providing consultancy and mentoring service to the participants going in for self-employment and enhancing employability of the participants, hard intervention in Scissors Cluster, Meerut and assisting filing of applications for grant of different IP Tools were also generally exceeded. Besides, the expectations in complying with the statutory responsibilities; undertaking administrative reforms and improving internal efficiency/responsiveness/service delivery, were also met.

1.5 VIGILANT AND TRANSPARENT MANAGEMENT

Shri Arun Kumar Jha, Director General of the Institute continued to discharge the role and functions of its Chief Vigilance Officer.

The Monitoring Mechanism as existing at the Institute, for assessing the conduct and ensuring effective supervision of the off-campus training activities, was further strengthened, during the year, through introduction of effective strategies. Besides, the process of identifying and selecting Infrastructure Providers, Faculty and Coordinating Agencies for such programmes was made more transparent and effective in light of the objective of the training activities.

The Institute observed Vigilance Awareness Week from October 28 to November 02, 2013. In order to mark the occasion, the employees of the Institute were administered the Vigilance Pledge. The occasion was also utilized for deliberating the virtues of transparency etc. in functioning of the Institute and ways and means through which the functioning could be made more transparent.

During the year, the requisite information/reports on the Status of Pending Disciplinary Cases and other Vigilance Matters, were regularly and timely sent to the Ministry.

10.6 Right to informAtion act, 2005

During the year, the Institute accepting all the applications for information under the Act, furnished information in a total of 16 cases. Besides, as mandated by the Act, the Institute continued with proactively disclosing different information on its Website. The Institute also promptly uploaded on the Website of the Central Information Commission (CIC), the Quarterly Reports under Section 25 of the Act.

The Director General of the Institute continued to discharge the functions of the Appellate Authority (First) and Transparency Officer under the Act.

D. BHATIA & CO.
Chartered Accountants

25, Lakshmi Insurance Building
Asaf Ali Road, New Delhi-110002
Website: *www.dbhatia.net*

Phone : 91-11-23238686, 23233508, 23230780
Fax : 91-11-23239702
E-mail : *dbcoca@gmail.com*

AUDITORS' REPORT TO THE MEMBERS OF THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS DEVELOPMENT, NOIDA

We have audited the Balance Sheet of The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development, NOIDA as at 31st March, 2014, signed by us under reference to this Report and the relative Income and Expenditure Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with Auditing Standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatements. An audit includes examining on a test basis, evidence supporting the accounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management as well as evaluating the overall financial statements presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

We report that:

1) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of audit.

2) In our opinion proper books of account as required by law, have been kept by the Institute so far as appears from our examination of those books.

3) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this Report are, in agreement with the books of account.

4) In our opinion, the Balance Sheet and Income and Expenditure Account comply with the Accounting Standards (AS) as notified by ICAI to the extent considered applicable.

5) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements *subject to and read together with the Notes appearing in Schedule 15 of Significant Accounting Policies and Notes*, give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

D. BHATIA & CO.
Chartered Accountants

(i) In the case of the Balance Sheet, of the State of Affairs of the Institute as at 31st March, 2014 and

(ii) In the case of Income and Expenditure Account, of the excess of income over expenditure for the year ended on 31st March, 2014.

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M. No. 16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Registration No. 000971N

Place : New Delhi
Date : 25 September, 2014

Balance Sheet as at 31st March 2014

(₹)

	Schedule Reference		As on 31st March 2014		As on 31st March 2013
SOURCES OF FUNDS					
A. **Accumulated Surplus:**					
Opening Balance		110,812,420			71,664,353
Less: Transferred to Corpus Fund		(15,000,000)			(33,275,725)
		95,812,420			38,388,628
Add: Surplus/ (Deficit) for the year		86,818,671			72,423,792
Balance accumulated surplus			182,631,091		110,812,420
Corpus Fund					
Opening Balance		33,275,725			33,275,725
Add: Addition during the year		15,000,000			-
Add: Interest on Corpus Fund		6,398,118			3,166,936
			54,673,843		36,442,661
Set Apart Fund for 2010-11		-			5,806,243
Less: Spent during the year 2012-13		-			5,806,243
			-		-
TOTAL			**237,304,934**		**147,255,081**
APPLICATION OF FUNDS					
B. **Fixed Assets:**					
Gross Block	1	11,865,714		6,599,883	
Less: Depreciation to date		(4,197,952)		(2,794,650)	
Net Block			7,667,762		3,805,233
C. **Current Assets Loans and Advances:**					
Inventories	2	296,461		217,342	
Sundry Debtors	3	122,134,477		124,014,574	
Cash & Bank Balances	4	191,299,549		74,613,685	
Security Deposits	5	5,652,162		3,064,155	
Loans and Advances	6	34,926,651		4,552,309	
Total : Current Assets		**354,309,300**		**206,462,065**	
D. ***Less*: Current Liabilities**	7	**124,672,128**		**63,012,217**	
Net Current Assets (C-D)			**229,637,172**		**143,449,848**
TOTAL			**237,304,934**		**147,255,081**
Accounting Policies and Notes to Accounts	15				

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M.No.-16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 000971N

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP & SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Place : New Delhi.
Dated : 25 September, 2014

Income and Expenditure Account for the Year ended 31 March 2014

(₹)

		Schedule Reference	Current Year	Previous Year
A.	**Income**			
	Training Income	8	424,108,519	470,438,376
	Other Income	9	6,637,785	4,615,210
	TOTAL		**430,746,304**	**475,053,586**
B.	**Expenditure**			
	Employees' Remuneration & Benefits	10	19,541,166	26,428,909
	Training Expenses	11	299,234,328	358,886,752
	Research & Publication Expenses	12	2,651,323	1,989,303
	Administration Expenses	13	18,349,164	13,390,268
	Depreciation		877,422	434,089
	TOTAL		**340,653,403**	**401,129,321**
C.	Surplus/ (Deficit) for the year Before Grant	(A-B)	90,092,901	73,924,265
D.	***Add:*** Grant in aid		-	-
E.	Surplus (deficit) after Grant in Aid	(C-D)	90,092,901	73,924,265
F.	Prior Period Adjustments	14	3,123,888	(1,500,473)
G.	Interest transferred to Corpus Fund		6,398,118	-
H.	**Net Surplus (deficit) carried over Balance Sheet**	**(E+F-G)**	**86,818,671**	**72,423,792**
	Accounting Policies and Notes to Accounts	15		

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M.No.-16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 000971N

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP & SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Place : New Delhi.
Dated : 25 September, 2014

Schedule 1 Fixed Assets as at 31st March 2014

A. Assets Acquired out of Recurring Grants

Description of Assets	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	As on 31.3.2013	Additions during the year	Sale/ Adjustment during the year	Total as on 31.3.2014	Upto 31.3.2013	For the year	Adjustment During the year	Upto 31.3.2014	As on 31.3.2014	As on 31.3.2013
Library Books	1,377,812	53,255	-	1,431,067	1,159,825	30,467	-	1,190,292	240,775	217,987
Furniture & Fixtures	1,116,005	694,067	-	1,810,072	160,865	132,365	(20,237)	313,467	1,496,605	955,141
Office Equipment	1,719,290	528,920	-	2,248,210	461,799	151,830	16,602	597,027	1,651,183	1,257,491
Training Equipment	617,515	-	-	617,515	277,696	25,754	-	303,450	314,065	339,819
Electricals	1,185,774	950,400	-	2,136,174	324,860	141,537	-	466,397	1,669,777	860,914
Computers	2,373,155	556,403	-	2,929,558	1,230,934	314,717	471,173	1,074,478	1,855,080	1,142,221
Vehicles	690,746	-	-	690,746	172,089	80,752	-	252,841	437,905	518,657
Total (₹) (A)	**9,080,297**	**2,783,045**	**-**	**11,863,342**	**3,788,068**	**877,422**	**467,538**	**4,197,952**	**7,665,390**	**5,292,230**

B. Assets Acquired out of Specific Grants

Description of Assets	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	As on 01.04.2013	Additions during the year	Sale/ Adjustment During the year	Total as on 31.03.2014	Upto 31.3.2013	For the Year	Sale/ Adjustment During the year	Upto 31.3.2014	As on 31.3.2014	As on 31.3.2013
Building A/c	72,888,109			72,888,109						
Less : Grants from GOI	72,888,108			72,888,108						
	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
Leasehold Land	35,789,768			35,789,768						
Less : Grants from GOI	35,789,767			35,789,767						
	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
Library Books	120,103			120,103						
Less:Grants From GOI	119,904			119,904						
	199	-	-	199	-	-	-	-	199	199
Furniture & Fixture	3,358,721			3,358,721						
Less:Grants From GOI	3,357,764			3,357,764						
	957	-	-	957	-	-	-	-	957	957
Office Equipment	10,105,466			10,105,466						
Less:Grants From GOI	10,104,599			10,104,599						
	867	-	-	867	-	-	-	-	867	867

Schedule 1 fixed assets as at 31st march 2014 (Contd...)

B. Assets Acquired out of Specific Grants

Description of Assets	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	As on 01.04.2013	Additions during the year	Sale/ Adjustment During the year	Total as on 31.03.2014	Upto 31.3.2013	For the Year	Sale/ Adjustment During the year	Upto 31.3.2014	As on 31.3.2014	As on 31.3.2013
Training Equipment	843,106			843,106						
Less:Grants From GOI	843,101			843,101						
	5	-	-	5	-	-	-	-	5	5
Electricals	2,276,653			2,276,653						
Less:Grants From GOI	2,276,465			2,276,465						
	188	-	-	188	-	-	-	-	188	188
ComputersItems	3,252,006			3,252,006						
Less:Grants From GOI	3,251,853			3,251,853						
	153	-	-	153	-	-	-	-	153	153
Vehicles	433,715			433,715						
Less:Grants from GOI	433,714			433,714						
	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
Total ₹ (B)	**2,372**	**-**	**-**	**2,372**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,372**	**2,372**
Total ₹ (A+B)	**9,082,669**	**2,783,045**	**-**	**11,865,714**	**3,788,068**	**877,422**	**467,538**	**4,197,952**	**7,667,762**	**5,294,602**
Previous Years ₹	**5,989,187**	**1,277,183**	**666,487**	**6,599,883**	**2,984,868**	**434,089**	**624,307**	**2,794,650**	**3,805,233**	**3,004,319**

Note : Assetsacquired out of Government Grants are shown at ₹ 1.00 per item

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M.No.-16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 000971N

Place : New Delhi.
Dated : 25 September, 2014

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP & SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

(₹)

	As at 31st March 2014	As at 31st March 2013
SCHEDULE - 2 - INVENTORIES		
EMT Kits	51,987	70,434
Stock of Publications	5,346	8,199
Stock of Course Material	131,271	81,905
Stock of Stationery Items	107,857	56,804
TOTAL	**296,461**	**217,342**
SCHEDULE - 3 - SUNDRY DEBTORS		
Outstanding for more than six months		
- Considered Good	95,701,363	5,704,273
- Considered doubtful	-	-
	95,701,363	5,704,273
Less: Provision for doubtful debts	-	-
Others - Outstanding for less than six months	26,433,114	118,310,301
TOTAL	**122,134,477**	**124,014,574**
SCHEDULE - 4 - CASH & BANK BALANCES		
Cash in Hand	236,588	542,920
OBC RGUMY	57,792	54,421
Commercial Internationl Bank (Egypt) (Eq. USD 776)	42,152	42,152
OBC Savings Fund Account 2654	50,872,890	16,280,205
OBC Savings Fund (Ozone)	-	18,472
OBC Savings Fund Account 2982	40,966,903	5,465,929
HDFC Saving FundA/c	218,047	209,586
AXIS Bank Saving Fund A/c	15,773,057	-
State Bank of Travancore Saving Fund A/c	1,702,777	-
Bank on Baroda Saving Fund Account 778	1,470,117	-
United Bank of India Saving Fund 4239	18,661	-
United Bank of India Saving Fund 5780	11,445,457	-
United Bank of India, Current Account	10,005	-
FDR with State Bank of Travancore	19,800,000	-
FDR with OBC	37,122,103	52,000,000
FDR- Autosweep with United Bank of India	3,563,000	-
FDR with United Bank of India	3,000,000	-
FDR with Uttrakhand Gramin Bank	5,000,000	-
TOTAL	**191,299,549**	**74,613,685**
SCHEDULE - 5 - SECURITY DEPOSITS		
Telephone	8,200	6,500
Water	89,425	89,425
Electricity	401,537	273,230
DGE&T	50,000	50,000
Security Deposit (Tender)	5,053,000	2,245,000
Security-Printer	20,000	20,000
Security Deposit (SSS Delhi)	-	350,000
Security -Washing Machine	30,000	30,000
TOTAL	**5,652,162**	**3,064,155**
SCHEDULE - 6 - LOANS AND ADVANCES		
Receivable from IIE Guwahati	27,416,585	-
Advances to Others	1,304,400	-
Advances to Staff	83,300	-
Festival Advance - Staff	12,600	9,000

Schedules

Forming Part of the Balance Sheet as at 31st March 2014

(₹)

	As at 31st March 2014	As at 31st March 2013
Prepaid Expenses	212,710	285,630
TA Advance	45,000	6,000
TDS Refundable/Recoverable	4,378,851	3,035,716
Amount Recoverable - Sh. Vinesh Chhabra	74,825	74,825
Accrued Interest on MSME receipts	1,398,380	1,141,138
TOTAL	**34,926,651**	**4,552,309**
SCHEDULE - 7- CURRENT LIABILITIES		
Sundry Creditors	49,921,252	20,309,200
Amount Payable	17,226,375	4,118,312
Salary Payable	73,622	73,622
	67,221,249	24,501,134
Advances from Government Sector:		
Advance for CRR Programme	-	720,000
Advance for Evaluation Study of the Scheme	-	311,000
Advance for Ministry of Minority Affairs	-	1,075,000
Advance for SJSRY Prog.	-	1,350,000
Advance for TREAD Program	-	180,000
Advance for HUPA	-	435,000
Advance for Programme on IPFC	1,638,390	2,323,331
Grants for Capital Assets	51,619	51,619
Interest on IPFC Programme Advance	-	105,205
Interest on RUGUMY Advance	-	96,477
Amount due to United Bank of India SB A/c5797 (Book Overdraft)	24,141,414	-
	25,831,423	6,647,632
Amount Payable to Others:		
Security Deposit Payable	24,787,055	20,690,698
	24,787,055	20,690,698
Provisions:		
Provision for Retirement Benefits	6,763,723	11,104,075
Provision For Doubtful Debts	68,678	68,678
	6,832,401	11,172,753
TOTAL	**124,672,128**	**63,012,217**
SCHEDULE - 8 - TRAINING INCOME		
Course Fee	10,818,499	9,870,572
International Training Programme Fee	36,944,317	35,629,286
Receipts from Ministry Of Labour	-	410,400
Receipts under ATI Scheme (MSME)	321,757,875	420,679,741
Interest onATI funds (MSME)	4,887,319	-
Receipts from CRR Programme	720,000	-
Receipt from IPFC	665,331	176,669
Receipts from SSS Delhi	12,683,880	-
Receipts from HUPA	1,350,000	-
Receipt from Tread Programme	157,500	-
Receipt from Evaluation Study	15,027,900	924,000
Receipt from IPR Training Programme	1,050,000	500,000
Receipts of MP Programme	-	155,105
Receipt from RGUMY	4,261,600	2,019,000
EDC Income	-	30,000
Receipts from Cluster	4,654,750	-

(₹)

	As at 31st March 2014	As at 31st March 2013
Receipts from DIC & KVIC	3,746,808	-
Receipts from Announced C.D. Programme	5,260,920	-
Sale of Publication/EMT Kits	121,820	43,603
TOTAL	**424,108,519**	**470,438,376**
SCHEDULE - 9 - OTHER INCOME		
Membership Fee	20,500	-
Hostel Income	826,790	1,555,477
Interest on Advance	49,275	14,736
Interest On Savings	1,890,919	1,914,827
Interest on Corpus Fund	3,231,182	-
Office Rental Income	117,230	1,044,100
Recruitment fee	2,100	42,250
Saleof Tender Documents	2,000	-
Sale of old newspapers	30,250	-
Excess depreciation charged in prevous years	467,539	-
Surplus on sale of fixed assets	-	43,820
TOTAL	**6,637,785**	**4,615,210**
SCHEDULE - 10 - EMPLOYEES REMUNERATION & BENEFITS		
ACP Arrears (Staff)	837,843	521,273
Basic Pay (Officers)	3,308,295	3,697,491
Basic Pay (Staff)	2,001,170	1,895,656
Bonus to Staff	69,080	69,080
Dearness Allowance (Officers)	3,565,393	3,177,188
Dearness Allowance (Staff)	2,146,064	1,676,290
Deputation Allowance	24,000	37,067
DA Arrear	231,419	121,844
Employer's Contribution to Provident Fund	1,746,177	1,712,221
Grade Pay (Officers)	850,520	834,048
Grade Pay (Staff)	507,500	500,961
Honorarium to Staff	307,500	90,500
House Rent Allowance (Officers)	687,178	1,394,690
House Rent Allowance (Staff)	749,649	716,033
Leave Encashment To Staff	205,824	2,318,704
Leave Travel Concession Expenses	82,436	146,257
Medical Benefits Expenses	1,031,852	2,160,493
Overtime Expenses	5,438	6,225
Gratuity Expenses (GIS)	493,735	-
Salary and Allowances	-	299,032
Special Allowance	7,500	7,500
Staffand Faculty Development Expenses	-	1,300
Staff Welfare Expenses	110,897	106,657
Transport Allowance (DA)	263,856	277,355
Transport Allowance (Officers)	154,240	183,148
Transport Allowance (Staff)	153,600	204,773
Gratuity Benefit	-	4,273,123
TOTAL	**19,541,166**	**26,428,909**
SCHEDULE - 11 - TRAINING EXPENSES		
Boarding & Lodging Expenses - Training	14,329,634	13,635,421
Announced ProgrammeExpenses	1,561,084	-
Business Promotion Expenses	22,472	935,155

Schedules

Forming Part of the Income and Expenditure Account for the Year ended 31st March 2014

(₹)

	As at 31st March 2014	As at 31st March 2013
Cluster Devlopment Program Expenses	1,290,669	356,657
Consultant's Fee & Expenses	580,045	347,000
Course Material	1,236,877	794,207
CBSE Programme Expenses	236,954	-
Coordinator Fee & Expenses	-	213,000
CRR Programme Expenses	510,000	-
DGR Programme Expenses	-	160,178
EDP -SBI Programme Expenses	-	20,000
EMT Kit Expenses	18,447	31,863
Evaluation Study (MSME) Expenses	-	638,750
Evaluation Study (NMDFC) Expenses	1,564,510	390,000
Evaluation of ISO 9001 Programme Expenses	800,000	-
Foreign Travel Expenses	-	130,116
HUPA Programme Expenses	958,293	-
IFC Programme Expenses	266,743	77,548
IPFC Programme Expenses	928,240	524,061
IPR Programme Expenses	80,791	471,240
Outside Faculty Expenses	1,276,775	1,077,150
Publicity Expenses - Training	587,915	1,531,491
Skilled Dev Programme Expenses	-	75,000
Study Tour Expenses	7,374,938	6,122,699
Faculty Traveling Expenses	-	611,488
MSME Cordinator/Misc.Expenses	91,141,675	60,783,467
MSME Faculty Expenses	19,796,286	66,813,900
MSME PI Programme Expenses	16,200,000	74,610,264
MSME Programme Expenses	30,226,163	10,603,550
MSME Rent Expenses	92,417,354	117,461,000
NSFDC Programme Expenses	3,525,160	-
QMS/QTT Programme Expenses	439,455	-
KVIC Programme Expenses	40,000	-
SSS Delhi Programme Expenses	9,711,909	-
TREAD Programme Expenses	227,500	-
Tender Charges	77,127	114,500
Vehicle Hiring Expenses	1,807,312	352,286
Sundry debtors written off (MEA)	-	4,761
TOTAL	**299,234,328**	**358,886,752**
SCHEDULE - 12 - RESEARCH & PUBLICATION EXPENSES		
Newsletter expenses	9,000	179,000
Research/Publication Expenses	2,642,323	1,810,303
TOTAL	**2,651,323**	**1,989,303**
SCHEDULE - 13 - ADMINISTRATION EXPENSES		
Advertisement Expenses	1,080,428	16,728
Annual Membership Fee	50,562	22,060
Audit fee	37,472	18,539
Bank Charges	23,244	833
Consumable Items	4,468	8,876
Conveyance Expenses	396,822	230,469
ElectricMaintenance Expenses	58,655	94,933
Electricity & Water Expenses	2,708,362	2,528,063
Generator Expenses	349,615	494,793

(₹)

	As at 31st March 2014	As at 31st March 2013
HorticultureExpenses	553,308	782,842
Hostel Expanses	311,487	94,815
Housekeping Expenses	844,472	1,063,171
Insurance Expenses	48,647	45,014
Interest on TDS	77,987	-
Journalsfor Library	13,573	13,056
Legal & Professional Expenses	439,896	39,356
Meeting Expenses	139,006	38,169
Newspaper & Periodicals	121,382	93,315
Postage & Telegram	220,018	161,905
Petrol,Oil,Lubricant	406,790	273,992
Recruitment Expenses	15,000	231,563
Repairs & Maintenance - Fixed Assets	546,287	899,700
Repairs & Maintenance - Office	3,396,901	2,915,958
Security Expenses Office	593,127	511,402
Stationery & Printing	3,362,545	1,749,553
Telephone Expenses	1,538,708	912,242
Vehicle Running & Maintenance Expenses	87,979	57,771
Washing Expenses	118,843	91,150
Rent-Regional Office	664,800	-
Festival Expenses	72,944	-
Function and Seminar Expenses	65,836	-
TOTAL	**18,349,164**	**13,390,268**
SCHEDULE- 14 - PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS		
A. **PRIOR PERIOD INCOME**		
Expenses Recovered Account	-	12,020
Prior Period Inome	3,226,936	354,117
TOTAL	**3,226,936**	**366,137**
PRIOR PERIOD EXPENSES		
B. Prior Period Expenses	103,048	1,866,610
TOTAL	**103,048**	**1,866,610**
Net Prior Period Adjustments (A-B)	**3,123,888**	**(1,500,473)**

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M.No.-16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 000971N

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP & SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Place : New Delhi.
Dated : 25 September, 2014

Schedule 15 Significant Accounting Policies and Notes on Accounts Forming Part of the Statements of Accounts for the Year ended 31st March 2014

A. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Basis of Preparation of Financial Statements.

The financial statements have been prepared on going concern assumption and under historical cost convention basis.

The generally accepeted accounting standards & principles as notified by the Institute of Chartered Accountants of India have been adopted by the Institute.

The Institute generally follows the mercantile system of accounting and recognizes income and expenditure on accrual basis except those with significant uncertainties.

2. Fixed Assets

i) Fixed Assets are stated at cost of acquisition and subsequent improvements hereof including taxes, duties, freight and other incidental expenses (including cost of specific borrowings) related to acquisition and installation.

ii) Deprecation on the assets has been provided on Straight Line Method (SLM) on the basis of the life of the assets estimated by the Management.

iii) No amortization of leasehold land has been made as the same is for a very long period (99 years) and the value is on increasing trend.

3. Inventories

Course materials are valued at cost or net realizable value, whichever is lower. Cost includes all the direct expenses but excludes administrative, financial and selling expenses.

4. Recognition Of Income And Expenditure

Income and Expenditure are recognised on accrual basis.

5. Government Grants

a) Government Grants related to specific fixed assets are presented in the Balance Sheet by showing the Grants as deduction from the gross value of the assets concerned in arriving at their book value. Where such Grants equal the whole value of the cost of the assets, the asset is shown in the Balance Sheet at a nominal value.

b) Government Grants related to revenue are recognised in the Income & Expenditure Account separately.

6. Contingent Liabilities

Contingent Liabilities which are not provided for in the accounts are disclosed separately in Notes on Accounts.

7. Prior Period Adjustments

All prior period adjustments including those ascertained and determined during the year, have been accounted for under the respective heads of accounts.

B. NOTES ON ACCOUNTS

1. During the year Regional Office Dehradun of Indian Institure of Entrepreneurship, Guwahati alongwith the existing incumbent was merged with NIESBUD vide order dated 01/04/2013 of the Ministry of MSME, effective from April 1st 2013.

2. Sundry Debtors, exceeding six months largely representing government sector amounting ₹ 9,57,01,363/- are subject to confirmation.

3. Balance of ` 42,152/- is lying in the Commercial International Bank, Egypt but no bank statement or balance confirmation certificate has been received during the financial year 2013-14. However, the management has requested the bank for closure of the account.

4. As per information avaialable with the Institute, there is no amount payable to suppliers covered under Micro, Small & Medium Enterprise Development Act, 2006. As a result, no interest provision/payment has been made.

5. Balance of Debtors, Loans and Advances. Creditors/ Expenses Payable is subject toconfirmation and reconcilation.

6. Contingent Liabilities: Legal case filed by one of the employees of the Institute is pending in Delhi High Court, in which the liabilities could not be quantified, on account of higher post/higher emoluments demanded.

7. All known liabilities have been provided for in the books of account for the year ended 31st March 2014.

8. The Institute is recognizing membership fees on cash basis.

9. In the opinion of the Institute`s management and to the best of their knowledge and belief, the value of realisation of Current Assets, Loans and Advances,

except those which are stated in Notes on Accounts, in the ordinary course of business will not be less than the amount at which they are stated in the balance sheet.

10. Prior Period Adjustments consist of:

		2013-14	2012-13
a)	Income of previous year booked in current year	3226936/-	3,66,137
b)	Amount treated as Expenses	(-) 103,048/-	(-) 18,66,610/-
	Net :	3123888/-	(-) 15,00,473/-

11.

Auditor`s Remuneration	Current Year	Previous Year
Audit Fees (including service tax)	37,472/	18,539/-

12. The internal audit of the Institute has been conducted by a firm of Chartered Accountants for the year under review.

13. Figures for the previous year have been regrouped and/or rearranged whereever necessary. Paise have been rounded off to the nearest rupee.

14. Schedules 1 to 7 form part of the Balance Sheet as at 31st March 2014, Schedules 15 Notes and Accounting Policies and Schedules 8 to 14 form part of the Income & Expenditure Account.

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M.No.-16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 000971N

Place : New Delhi.
Dated : 25 September, 2014

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP & SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Receipts and Payment Account for the year ended 31st March 2014

Payments	AMOUNT (Rs)	Payments	AMOUNT (Rs)
Bank Accounts		CPF Payable	537,458.00
Commercial International Bank (Egypt)	42,152.00	Income Tax Payable (Salary)	8,375.00
Fixed Deposit A/c-O B C 2654	52,000,000.00	Income Tax Payble (Others)	12,491,131.00
H D F C S/f A/c- 03941450000114	209,586.00	Interest on R G U M Y Adv.	96,477.00
O B C (OZONE) S/f A/c-09312011002678	18,472.00	Provision for Gratuity	4,273,123.00
O B C PI S/f A/c- 09312011002982	5,465,929.00	Provisions for Retirement Benefits	67,229.00
OBC S/f A/c-09312011002654	16,280,205.00	Security Deposits Payable	1,743,643.00
O B C (RGUMY) S/f A/c-09312151009476	54,421.00	Sundry Creditors	183,744,000.00
Cash-in-hand	542,920.00	Fixed Assets Computers	589,428.00
Fixed Deposits with Bank	13,747,260.00	Fixed Assets Electricals	28,500.00
AutoSweep with Bank	15,000.00	Fixed Assets Furniture and Fixtures	667,905.00
Bank Balance	-	Fixed Assets Library Books	53,255.00
-Bob # 0605	715,813.00	Fixed Assets Office Equipments	509,073.00
-Ubi # 0819010104239	6,658.00	Festival Advance	3,600.00
-Ubi # 0819010113205	3,116,683.00	Festival Expenses	72,944.00
Interest on Corpus Account	2,139,736.00	Function & Seminar Expenses	65,836.00
Receipts From ATI Prog M S M E	382,882,125.00	Prepaid Expenses	28,383.00
Receipts From DC MSME	395,000.00	TDS Recoverable/Refundable	1,070,626.00
-Receipts From DIC & KVIC	3,745,604.00	Security Receivable	2,098,307.00
Receipts From Evaluation Study of the Scheme	760,000.00	TA Advance to Staff	357,024.00
Receipts From Prog on (IPR)	550,000.00	Advances to Staff	1,068,658.00
Interest on I P F C Adv.	33,185.00	Advances to Others	67,687,931.00
Interest on Autosweeps	69,431.00	Business Promotion Expenses	673,041.00
Interest on Fixed Deposits	536,643.00	CBSE Prog Exp	11,954.00
Amount Payble	429,509.00	Cluster Programme Expenses	1,290,669.00
Accrued Interest	1,141,138.00	Programme Expenses- KVIC On Leather Goods	40,000.00
Sundry Debtors	29,770,662.00	Consultants Fee	14,045.00
Course Fee	14,721,216.00	Coordinator Fee & Exp	5,000.00
International Training Prog. Fee	21,611,636.00	Course Material Training	899,021.00
Receipts From Cluster	3,147,900.00	Evaluation Study N M D F C	1,272,010.00
Receipts From MSME(Interest)	4,887,319.00	Faculty Travelling Exp.	473,992.00
Receipts From SSS Delhi	6,577,202.00	I F C Prog Exp	82,353.00
Receipts From Announced Prog	3,353,270.00	IPFC Prog Exp.	615,841.00
Receipts From I P R Trg Prog	500,000.00	IPR Prog Exp	8,387.00
Receipts From National Award Scheme	175,000.00	Boarding and Lodging Expenses	9,020,652.00
Receipts From Research/ Evaluation Studies	8,508,900.00	MSME Rent Expense	44,614,242.00
Receipts From R G U M Y	4,261,600.00	MSME Faculty Expense	26,849,205.00
Receipts From Tread Program	157,500.00	MSME Coordinator/Misc.Expense	15,583,841.00
Sale of Curriculam	1,000.00	MSME Program Expenses	14,770,088.00
Sale of EMT Kits	31,250.00	N S F D C Prog Exp	1,515,160.00
Sale of Publications	89,570.00	Outside Faculty Expenses	9,000.00
Announced Prog Exp	1,648,597.00	Publicity Expenses (Trg)	193,534.00
Prior Period Income	60,000.00	QMS/QTT Prog. Expenses	71,455.00
Hostel Income	826,790.00	Research and Publication Expenses	85,776.00
Interest on Saving	977,503.00	Research Study Expenses	5,160.00
Membership Fee	2,500.00	S J S R Y Expenses	618,851.00
Office Rental Income	117,230.00	SSS Delhi Prog Expenses	22,689.00
Recruitment Fee	2,100.00	Study Tour Expenses	4,560,917.00

Receipts and Payment Account for the year ended 31st March 2014

Payments	AMOUNT (Rs)	Payments	AMOUNT (Rs)
Registration Fee	18,000.00	Tender Charges	77,127.00
Sale of Old Newspaper	30,250.00	Vehicle Hiring Expenses	1,052,878.00
Sale of Tender Documents	2,000.00	Rent	715,000.00
Security Deposit receivable	50,000.00	Advertisement Expenses	289,766.00
Receipt from IIE, Guhawati- Head Office	13,036,449.00	Annual Membership Fee	50,562.00
		Bank Charges	23,244.00
		Consumable Items	3,888.00
		Conveyance	445,247.00
		Electicity & Water Expenses	2,618,002.00
		Electric Maintenance Expenses	58,655.00
		Audit Fee	10,000.00
		Horticulture Expense	13,820.00
		Generator Expenses	338,721.00
		Hostel Expenses	141,168.00
		House Keeping Expenses	334,695.00
		Insurance Expenses	17,254.00
		Interest on TDs	77,987.00
		Journals for Library	13,356.00
		Legal and Prof Expenses	269,503.00
		Meeting Expenses	139,006.00
		Newspapers and Periodicals	121,382.00
		Petrol, Oil and Lubricants	405,695.00
		Postage Expenses	202,911.00
		Printing and Stationery	1,917,236.00
		Repairs and Maintenance Office	894,256.00
		Repairs and Maintenance Vehicles	79,432.00
		Repairs and Maint. Fixed Assets	210,202.00
		Telephone Expenses	1,242,823.00
		Washing Expenses	100,243.00
		Acp (Areears) Staff	837,843.00
		Basic Pay- Officers	3,308,295.00
		Basic Pay- Staff	2,001,170.00
		Bonus Expenses	69,080.00
		Contribution to CPF	1,775,092.00
		DA Arears	231,419.00
		DA- Officers	3,565,393.00
		DA- Staff	2,146,064.00
		Deputation Allowance- DG	24,000.00
		Grade Pay (Officers)	850,520.00
		Grade Pay (Staff)	507,500.00
		Gratuity Expense (G I S)	493,735.00
		Honorarium to Staff	307,500.00
		HRA- Officers	975,088.00
		HRA- Staff	749,649.00
		Leave Encashment to (DG)	37,704.00
		Leave Encashment to Staff	168,120.00
		L.T.C.Expenses	36,296.00

Receipts and Payment Account for the year ended 31st March 2014

Payments	AMOUNT (Rs)	Payments	AMOUNT (Rs)
		Medical Benefits	1,031,852.00
		Overtime	5,438.00
		Special Allawance	7,500.00
		Staff Welfare Expenses	94,284.00
		Transport Allowance (D A)	263,856.00
		Transport Allowance Officers	154,240.00
		Transport Allowance Staff	153,600.00
		Prior Period Expenses	75,693.00
		Closing Balance	-
		Commercial International Bank (Egypt)	42,152.00
		Fixed Deposit A/c-O B C 2654	37,122,103.00
		Fixed Deposit SBT Bank 0574	19,800,000.00
		H D F C S/f A/c- 03941450000114	218,047.00
		AXIS Bank A/c 913010038953628	15,773,057.00
		O B C PI S/f A/c- 09312011002982	40,966,903.00
		O B C (RGUMY) S/f A/c-09312151009476	57,792.00
		OBC S/f A/c-09312011002654	50,872,890.00
		SBT S/f a/c 67226280574	1,702,777.00
		Cash-in-hand	236,588.00
		UBI # 0819010115780	11,445,457.00
		BOB#41460100000778	1,470,117.00
		UBI # 0819010104239	18,661.00
		UBI CURRENT # 0819010113205	10,005.00
		Fixed deposit	8,000,000.00
		Autosweep Account	3,563,000.00
		-UBI #8019010115797 -	(24,141,414.00)
Total	**599,462,914.00**	**Total**	**599,462,914.00**

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M.No.-16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 000971N

Place : New Delhi.
Dated : 25 September, 2014

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP & SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Appendix 'A' Financial Position

The executive bodies of the Institute have been advising inter-alia for broadening of the revenue sources of the Institute so as to reduce dependence upon one single source of revenue especially the programmes under the ATI Scheme of the Ministry of MSME. This was with a view to ensure financial sustenance over a period of time. Accordingly, the Institute initiated action for implementation of its Strategic Action Plan, during the year, involving diversification of the multi-farious activities into related areas and at the same time ensuring focus on its areas of core strength.

Thus the year 2013-14 turned out to be a period of true financial consolidation for the Institute which saw a total revenue generation of Rs. 43.07 crore. The revenue for the year was 9.34% lower than Rs. 47.51 crore generated during the year 2012-13.

While this saw the Institute increasing the revenue generation from its non-ATI activities *(training, research, consultancy etc.)* by more than 105%, during the year, that under the ATI Scheme was reduced by Rs. 9.89 crore.

As the expenditure of the Institute stood at Rs. 34.07 crore for the year, the Institute was able to meet its entire expenditure out of its own resources registering an impressive Recovery Ratio of 126.45% for the year (*as against 118% during the previous year)*. The recurring expenditure during the year was also 15% lower in comparison to that for the year 2012-13. In this manner, a Surplus of Rs. 8.68 crore *(as against Rs. 7.24 crore during the previous year)* was generated during the year which will be transferred to the Corpus Fund of the Institute which otherwise has a balance of Rs. 5.47 crore as at March 31, 2014 *(including accrued interest).*

In view of the earnings of the Institute for the current year, a sum of Rs. 2.53 crore has been set apart to be spent on the Institute's purposes during the next 5 years.

The Institute was able to release the amount of admissible Gratuity under The Payment of Gratuity Act, 1972 to all its former employees, during the year, in light of the position being clarified by the Executive Committee of the Institute in this regard. Besides, in accordance with the advice of the Committee, the Institute formulated and put into operation Employees' Group Gratuity Cash Accumulation Scheme in association with the Life Insurance Corporation of India, for ensuring availability of sufficient funds for release of the Gratuity to employees in accordance with the Act, without causing undue strain on the financial resources of the Institute at the relevant time.

The Institute continued to engage the services of M/s. S.K. Handa& Associate, Chartered Accountant, as an Internal Auditor, during the year, for periodical and continuous monitoring/examination of all the major transactions of the Institute. The Institute promptly put into effect the recommendations of the Firm for streamlining the systems, procedures etc. for bringing more transparency and effectiveness.

There are no unanswered/non-complied Paras in the Audit Reports of either the Office of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) or the Internal Audit Wing of the Ministry of MSME.

The relations between the Management and Employees of the Institute were very cordial during the year. This resulted into the productivity of the employees, in terms of the trained persons, increasing from 760 participants during 2012-13 to 810 participants during the year.

Appendix 'B' Statement of Number of Programmes and Beneficiaries

Programme Categories	1983-1992		1992-2011		2011-2012		2012-2013		2013-2014	
	No. of Prog.	No. of Benef.	No. of Prog.	No. of Benef.	No. of Prog.	No. of Benef.	No. of Prog.	No. of Benef.	No. of Prog./	No. of Benef.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. TRAINERS' TRAINING PROGRAMME										
a) Accreditation Programme:										
i) First Phase	14	228	33	472	3	58	1	17	2	20
ii) Final Phase	11	130	21	252	2	31	1	08	-	-
b) Enterprise Launching and Management	10	160	7	106	–	–	–	–	-	-
c) Training of Trainers for Small Enterprise Mgt. Asstt.	–	–	3	40	–	–	–	–	-	-
d) Orientation Programme on Micro Enterprise Dev. for Project Officers of Voluntary organisations	–	–	3	37	–	–	–	–	-	-
e) Training of Trainers for Self-Employment (PMRY)/ Income Generation	–	–	17	299	–	–	–	–	-	-
f) Project Identification, Formulation & Appraisal	–	–	13	186	3	45	–	–	-	-
g) Planning & Organising EDP	–	–	10	189	1	13	–	–	-	-
h) TTP for SRDT Faculty/Trainers	–	–	3	47	–	–	–	–	-	-
i) Small Business Planning & Promotion	–	–	4	57	–	–	–	_	-	-
j) Business Advisors Training	–	–	1	07	–	–	–	–	-	-
k) Human Resource Development Through Entrepreneurship	–	–	2	44	–	–	–	–	-	-
l) Capacity Building in Entrepreneurship Development	_	_	4	49	–	–	–	–	-	-
m) Capacity Building Programme (NIESBUD-IFC)	_	_	_	_	–	–	5	82	11	150
n) Innovative Leadership for Organisation Growth & Excellence	_	_	_	_	–	–	1	20	3	31
o) QBSC Peachers Traing	-	-	-	-	-	-	-	-	4	55
TOTAL	**35**	**518**	**121**	**1,785**	**9**	**147**	**8**	**127**	**20**	**256**
2. TRAINERS'/PROMOTERS' ORIENTATION PROGRAMME										
a) DICs and Other Middle Management	20	443	8	173	–	–	1	70	-	-
b) SIDO Officers	12	181	4	63	2	35	–	–	-	-
c) Trainers' Training Programmes for Officials of Voluntary Organisations	1	12	1	17	–	–	–	–	-	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
d) Women Trainers' Training Programme/Promotion of Income Generation Activities	4	81	7	100	–	–	–	–	-	-
e) Orientation Programme for IIT Professors	1	8	–	–	–	–	–	–	-	-
f) Trainers' Orientation/Planning & Organizing EDPs	11	390	3	87	–	–	–	–	-	-
g) Course on Assessing and Monitoring Industrial Health	1	8	–	–	–	–	–	–	-	-
h) Techniques for Identification & Selection for Potential Entrepreneurs	2	33	–	–	–	–	–	–	-	-
i) TTP on Industrial/Business Project Appraisal Techniques	–	–	4	49	–	–	–	–	-	-
j) Entrepreneurship Orientation Training for KVIC/Retiring Employees/ILFS/BECIL/DGR	–	–	10	189	–	–	1	15	-	-
k) Developing Personal Effectiveness/Capacity Building for Improved Performance	–	–	10	167	2	30	–	–	-	-
l) Faculty Dev. Prog. on Entrepreneurship Motivation	–	–	13	225	–	–	–	–	-	-
m) SMEs Mgt. Development Programme/Stress & Time Mgt.	–	–	9	210	–	–	2	33	2	24
n) Proj. Identifiction, Selection, Planning, Scheduling & Monitoring	–	–	6	91	–	–	–	–	-	-
o) Intellectual Property Rights (IPRs)	–	–	7	209	–	–	–	–	8	200
p) Sustenance & Growth of SHGs	–	–	2	50	–	–	–	–	-	-
q) Training Programme (SFURTI)/Lean Manufacturing Competitiveness	–	–	3	50	–	–	–	–	-	-
r) Working Capital Assessment & Management	–	–	1	13	–	–	–	–	-	-
s) Training Programme for Business Dev. Service Providers/BMOs	–	–	1	25	–	–	1	20	-	-
TOTAL	**52**	**1,156**	**89**	**1,718**	**4**	**65**	**5**	**138**	**10**	**224**
3. SMALL BUSINESS PROMOTERS' PROGRAMME										
a) Small Business Promoters/ Women Empowerment Through Enterprise Development / Employability Skills	4	66	17	464	–	–	1	20	-	-
b) TRYSEM & ISB Beneficiaries/Call Centre Executives/Udymi Mitras	3	64	11	317	5	135	5	73	-	-
c) Training Programme on Entrepreneurship Development for SC/ST Trainers/Promoters	3	45	–	–	–	–	–	–	-	-
d) Self Employment Trainers' Training Programme	1	22	–	–	–	–	–	–	-	-
e) Orientation Programme on Entrepreneurship Development Projects of V.O.	1	6	9	233	1	16	–	–	-	-
f) Entrepreneurship Orientation Programme for DWACRA Functionaries/Weaker Section/SHGs/IGP/Micro Enterprise Dev.	–	–	44	1,062	4	78	3	55	2	52
g) Training of Enterprise Support Teams/Grassroot Management Training (GMT) - WEMTOP Project	–	–	36	814	–	–	–	–	-	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
h) Micro-Credit Programme/Innovative Business Opportunities	–	–	2	41	–	–	–	–	-	-
i) Gender Equity Through Enterprise Development	–	–	2	120	–	–	–	–	-	-
j) Induction Programme for Promoters (CBSE-NIESBUD-GIZ)	–	–	–	–	–	–	1	30	-	-
Director General of Resettlament (DGA) certificate in Business Entre premenship Development				-	–	–	–	–	1	16
TOTAL	**12**	**203**	**121**	**3,051**	**10**	**229**	**10**	**178**	**3**	**68**
4. SMALL ENTERPRISE CONTINUING EDUCATION (SECEP) FOR SUSTAINING ENTREPRENEURSHIP										
a) General Management Course for Small Entrepreneurs	2	48	–	–	–	–	–	–	-	-
b) Small Enterprise Management Programme Formulation/ Implementation	1	20	–	–	–	–	–	–	-	-
c) Assessment & Management of Working Capital	3	22	6	90	–	–	–	–	-	-
d) Orientation Prog. for Mktg. (Export)/Web Promotion for Exports	1	27	17	337	17	214	18	165	18	241
e) Industrial/Commercial Law Appreciation Programme for Small Entrepreneurs/ Computer for Small Entrepreneurs	15	445	1	9	–	–	–	–	-	-
f) Creativity & Innovative Strategies for Overcoming Creative Block	–	–	–	–	–	–	1	168	-	-
g) Financial Planning & Control for SSI/How to Raise Finance	4	49	6	63	–	–	1	17	4	73
h) Opportunity and Support for Expansion, Diversification & Modernising Small Enterprises	4	91	1	12	–	–	–	–	-	-
i) Enhancing Productivity, Improving Quality & Effectiveness	1	28	2	14					-	-
j) Small Enterprise Management Assistant Programme (Barefoot Managers)	–	–	2	35					-	-
k) Total Quality Management (Small Business & Industry)	–	–	5	61					-	-
l) Marketing for Small Industries & Business	–	–	10	106					-	-
m) Managing & Controlling Small Business Accounts	–	–	4	46					-	-
n) Opportunity Identification & Guidance	–	–	5	68					-	-
o) Marketing Research for Management Decisions / Creative Selling & Effective Advertising/Effective Salesmanship	–	–	10	115					-	-
p) Market Assessment Methods for Launching a Business	–	–	2	19					-	-
q) Strategic Management for Small Business	–	–	3	19					-	-
r) Effective Business Communication for Small & Medium Entreprises	–	–	5	79					-	-
s) Project Management/Project Mgt. Trg. & Certification	–	–	1	10	–	–	4	71	-	-
t) Trg. Prog. on Appraisal of Credit Proposals in NSIC	–	–	2	63	–	–	–	–	-	-
u) Effective Marketing Strategies for Improved Business Performance	–	–	4	57	–	–	–	–	-	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
v) Leadership & Team Building Skills for Improved Enterprise Growth & Development	–	–	3	40	5	98	1	25	-	-
w) Induction Training for Fresh Recruits of HCL (NIIT)/Personality Development and Communication Skills	–	–	2	59	_	_	1	9	-	-
x) The 8 x 8 Beyonder Leadership/Beyonder-I Wisdow/Whole Brain Thinking	–	–	–	–	3	29	–	–	-	-
y) Video Editing & Sound Recording/Film Production & Direction/TV Journalism		–	–	–	3	19	–	–	-	-
z) Buyer-Seller Meet/ Organisational Growth Through Creativity & Innovation	–	–	–	–	1	25	4	30	-	-
TOTAL	**31**	**730**	**91**	**1,302**	**29**	**385**	**30**	**485**	**22**	**314**
5. ENTREPRENEURSHIP ORIENTATION PROGRAMME FOR HEAD OF DEPARTMENTS & SENIOR EXECUTIVES										
a) Workshop on Emerging Trends in Entrepreneurship for SISI Directors	1	14	–	–						-
b) State-level Top/Middle Executive Entrepreneurship Orientation Programme	3	102	1	42						-
c) Employment Exchange Directors/Shramik Vidyapeeth Officials	3	41	–	–						-
d) Diagnostic & Counselling Skills for Senior Officers	1	15	–	–						-
e) Regional Convention on Sharing Experiences in Developing Entrepreneurship and Self-Employment in North-Eastern Region	3	128	–	–						-
f) Entrepreneurship Orientation Programme for School Principals/ Trainers/Teachers of U.P./P.I.s	1	16	1	17	–	–	4	114	-	-
g) Annual Conference of Heads of Institutions & Senior Officers - Ministry of SSI	–	–	2	215						-
h) Innovative Leadership & Emotional Intelligence/ Enhancement of Entrepreneurial Performance	–	–	16	288						-
i) Capacity/Competency Building for IIT Principal/Sr. Faculty	4	125	20	323	5	93	5	96	2	50
TOTAL	**16**	**441**	**40**	**885**	**5**	**93**	**9**	**210**	**2**	**50**
6. CONFERENCES, SEMINARS & WORKSHOPS										
a) National Seminars/ Workshops on different topics/trades	17	950	201	10,741	1	35	1	25	59	2129
b) Programme on Entrepreneurship Development for IIT, Delhi	1	41	–	–	–	–	–	–	-	-
c) WTO: Issues & Implications on SSI	–	–	1	55	–	–	–	–	-	-
d) Sensitization Workshop on WTO & IPR/SFURTI/Cluster	–	–	25	1,050	2	55	10	527	-	-
e) Trainers' Meet/ CBSE Brainstorm Meet/CBSE Teachers Workshops	–	–	1	68	1	31	3	73	-	-
f) International Conference	–	–	1	150	-	-	–	–	-	-
(g) Export Management	-	-	-	-	-	-	-	-	1	5
(h) Capacity Building Afghan Busine Nanagers in seeds production	-	-	-	-	–	–	_	_	1	6
(i) Request Programme for colombo plan sec & tanface small buiness planning and pronioting	-	-	-	-	-	-	-	-	1	10
TOTAL	**18**	**991**	**229**	**12,064**	**4**	**121**	**14**	**625**	**62**	**2150**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	10
7. INTERNATIONAL PROGRAMME, WORKSHOP, SEMINAR AND TRAINING										
a) International Seminar for Women Entrepreneurs	1	42	1	43	–	–	_	_	-	-
b) One month Individual Training in the Area of Entrepreneurship Development	1	1	2	21	–	–	–	–	-	-
c) International Programme on Small Business Creation & Development for Women Entrepreneurship/WED	5	46	21	264	1	38	1	16	1	34
d) Overseas Entrepreneurship Development Policies & Programmes	1	2	1	22	–	–	_	_	-	-
e) Training Programme on Development of Entrepreneurship & Entrepreneurial Skill for Participants from Commonwealth Countries	2	11	–	–	–	–	–	–	-	-
f) International Programme on Entrepreneurship for Small Business Trainers/Promoters (ESB-TP)	5	49	21	391	1	33	1	37-	1	24
g) International Programme for Entrepreneurship Development for Business Entrants. (UNIDO Programme)	1	14	–	–	–	–	–	–	-	-
h) International Programme on Small Business Planning & Promotion (SBPP)	1	8	20	336	2	37	2	37	1	31
i) Request Programme on Micro Enterprise Development in India	–	–	5	36	–	–	_	_	-	-
j) International Programme on Case Development	–	–	1	1	–	–	–	–	-	-
k) International Programme on Curriculum Development	–	–	1	1	–	–	–	–	-	-
l) Entrepreneurship Development & Promotion of Income Generation Activities (ED-PIGA)	–	–	22	396	1	24	1	20	1	21
m) Business Advisors' Training Programme (BATP)	–	–	16	180	1	11	1	12	1	9
n) HRD Through Entrepreneurship Education (HRD-EE)	_	_	5	64	1	28	1	24	1	36
o) Sustenance & Growth of SHGs (SHGFGS)	–	–	4	62	1	13	1	18	1	14
p) Innovative Leadership for Organisation	–	–	–	–	1	34	1	40	1	36
Growth & Execellence (ILOGE)	–	–	–	–	–	–	–	–	-	-
q) Total Quality Management for Lead Auditors & Consultants (TQM-LAC)	–	–	–	–	–	–	1	8	-	-
r) International Marketing & Global Competitiveness (IMGC)	–	–	–	–	–	–	1	24	1	15
s) Cluster Development - Emerging Strategy for MSME / Entrepreneurship (CDES-MSME)	–	–	–	–	–	–	1	9	1	10
Expert management	-	-	-	-	-	-	-		-	-
TOTAL	17	173	120	1,817	9	218	12	245	10	230
8. EDPS/ESDPS								**Prog.bilction**		
a) General Catagory / E-Learning Module	27	731	45	1,225	64	1,764	18	457	1976	50196
b) Women Entrepreneurs	9	262	4	103	–	–	–	–	2	33
c) Science & Technology Youth/ Exports	5	107	1	40	–	–	3	71	-	-
d) SEEUY/SEEP/REDP	2	58	14	360	–	–	–	–	-	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
e) EDP PMEGP	-	-	-	-	–	–	–	–	10	250
f) Ex-Servicemen/VRS Employees	6	158	8	129	–	–	–	–	-	-
g) School Leavers/Students	1	24	4	132	–	–	–	–	-	-
h) SC/ST/OBC Youth	4	103	2	41	–	–	–	–	-	-
i) Food/Product/Process Oriented E.D.P.	7*	228	110	2,778	–	–	–	–	-	-
j) Integrated Entrepreneurship Development	26*	770	191	4,775	–	–	–	–	-	-
k) Information Technology/Computer Hardware	–	–	39	1,128	–	–	–	–	36	1718
l) Career Guidance Workshop/ Entrepreneurship/Skill Awareness Programme	–	–	140	9,643	–	–	–	–	-	-
m) EDP for Students of Apeejay Institute of Design/ GGSIP University / SBI	–	–	3	147	–	–	1	24	-	-
n) Sales/Showroom Management/Mall Management/Retail Managment	–	–	14	345	44	1,089	89	2,326	10	250
o) Marketing Linkage	–	–	51	1,249	–	–	–	–	-	-
p) Accountancy & Material Management/ Computerised Accountancy	–	–	37	940	–	–	1	25	-	-
q) Sewing Machine Operations/Cutting & Tailoring	–	–	350	9,487	–	–	3	50	21	625
r) Mobile Repairing	–	–	149	3,463	237	5,947	99	2,584	71	1735
s) Artificial Gems & Jewellery/Designing & Manufacturing of Artificial Jewellery	–	–	19	478	12	254	10	272	32	817
t) Bio-Technology	–	–	20	500	8	200	6	150	10	525
u) Welding Process & Quality Control/ Elect. Appliances Repairs etc.	–	–	32	796	46	1,150	139	3,469	15	325
v) Animation/CDI / Android/Des. & Assm. of Electronic Devices	–	–	12	289	–	–	12	305	-	-
w) Hospitality/Receptionist/House Keeping	–	–	113	2,680	29	725	56	1,375	27	476
x) Room Boys	–	–	8	200	–	–	–	–	-	-
y) Waste Utilization/Mushroom Cultivation	–	–	12	323	2	50	10	265	-	-
z) Desk Top Publishing	–	–	4	100	238	5,933	52	1,454	77	206
z) Tractor/Two Wheeler Repairs	–	–	6	140	4	100	26	667	40	1090
i) Garment Drafting & Construction	–	–	–	–	8	196	2	35	23	598
ii) Beauty & Health Care/ Cosmetology & Beautician	–	–	–	–	22	533	21	525	83	2107
iii) Web Designing	–	–	–	–	53	1,406	156	4,067	20	716
iv) Fashion Designing	–	–	–	–	123	3,079	71	1,863	9	225
v) Leather Products / Footwear Designing	–	–	–	–	18	450	4	84	4	102
vi) CAD with Pro-Engineers	–	–	–	–	32	800	–	–	-	-
vii) Personalitiy development	-	-	-		-	-	-	-	10	780
viii) Construction Management	-	-	-	-	-	-	-	-	6	128
ix) Total & Taxes	-	-	-	-	-	-	-	-	21	504

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
vii)	Electroplating / Electronic Mechanic	–	–	–	–	4	100	7	157	-	12	306
viii)	Computer Accounting with TALLY	–	–	–	–	89	2,225	137	3,610	-	144	3642
ix)	Sports Goods	–	–	–	–	4	100	–	–	-	5	50
x)	Rep. & Main : Power Supply, Inverter & UPS/Batteries	–	–	–	–	24	603	163	4,070	-	109	2626
xi)	Plumbing & Saintory Fittings	–	–	–	–	6	150	68	1,703	-	14	223
xii)	TIG/MIG Welding	–	–	–	–	5	125	6	133	-	6	92
xiii)	Moulding & Pattern Cutting/Making	–	–	–	–	2	50	7	157	-	3	40
xiv)	Food Processing	–	–	–	–	38	953	106	2,552	-	46	1080
xv)	Engineering Drawing with CAD	–	–	–	–	4	102	–	–	-	26	728
xvi)	T.V. Repairing	–	–	–	–	2	50	25	549	-	15	364
xvii)	Wireman Training	–	–	–	–	2	50	6	134	-	7	147
xviii)	CAD/CAM/CNC Programming	–	–	–	–	24	600	61	1,584	-	21	1694
xix)	Fitter Fabrication/Fitter Maintenance General	–	–	–	–	4	100	34	789	-	28	672
xx)	Interior Designing	–	–	–	–	3	75	7	156	-	4	103
xxi)	Security Guards	–	–	–	–	4	100	10	276	-	6	120
xxii)	Computer Hardware & Networking	–	–	–	–	233	5,829	158	4,157	-	148	3692
xxiii)	CNC Lathe Wire Cut Milling	–	–	–	–	4	100	2	50	-	6	128
xxiv)	Apparel Manufacturing & Merchandising	–	–	–	–	1	5	2	50	-	2	40
xxv)	Computers-Basic	–	–	–	–	2	11	4	78	-	16	412
xxvi)	Computerised Embroidery Process	–	–	–	–	3	75	–	–	-	-	-
xxvii)	A.C. Refrigerator & Water Cooler Repair	–	–	–	–	–	–	71	1,826	-	97	2416
xxviii)	Auto Body Painting	–	–	–	–	–	–	4	120	-	-	-
xxix)	Bakery Products	–	–	–	–	–	–	4	101	-	23	568
xxx)	C, C^{++} & oops	–	–	–	–	–	–	83	2,207	-	60	1435
xxxi)	Carpentry	–	–	–	–	–	–	2	42	-	10	237
xxxii)	Core Java / Java & J2EE / OOPs Through Java	–	–	–	–	–	–	19	557	-	11	261
xxxiii)	Dairy	–	–	–	–	–	–	2	46	-	16	422
xxxiv)	Diesel Fuel Injection	–	–	–	–	–	–	93	2,295	-	72	2088
-	Retail Management	-	-	-	-	-	-	-	-	-	52	1508
-	Repair and Maintenance of washing machine and Microuvege over	-	-	-	-	-	-	-	-	-	22	616
-	Repair and Maintanence of Inticom system	-	-	-	-	-	-	-	-	-	16	409
-	Electrical Gadget Repair	-	-	-	-	-	-	-	-	-	59	1204

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
xxxv) Digital Marketing/Micro-Strip Patch Antena Design & Techniques	–	–	–	–	–	–	3	44	-	2	52
xxxvi) .NET Technology / Embedded Systems	–	–	–	–	–	–	2	43	-	-	-
xxxvii) Draughtsmanship	–	–	–	–	–	–	44	1,136	-	14	361
xxxviii) Finishing & Packing Supervisor	–	–	–	–	–	–	3	64	-	4	108
xxxix) Glass Cutting & Polishing	–	–	–	–	–	–	4	90	-	5	126
xl) Hosiery & Woolen Garments	–	–	–	–	–	–	4	89	-	2	54
xli) Linux Administration	–	–	–	–	–	–	2	43	-	2	51
xlii) MCP and CCNA	–	–	–	–	–	–	4	104	-	-	-
xliii) Mehandi	–	–	–	–	–	–	2	30	-	-	-
xliv) Motor & Transformer Rewinding/ Motor Winding	–	–	–	–	–	–	6	135	-	24	624
xlv) Motor Winding & Pumpset Repair	–	–	–	–	–	–	45	1,153	-	48	1392
xlvi) MS Office & Internet/MS Office & Internet-cum-Kiosk Operator/MS Office & Net/ MS Office App. & Internet	–	–	–	–	–	–	6	152	-	23	598
xlvii) Multimedia and Annimation	–	–	–	–	–	–	18	502	-	25	750
xlviii) Office Communication / Office Management	–	–	–	–	–	–	3	45	-	-	-
xlxix) Oracle / PCB / PLC / VHDL	–	–	–	–	–	–	4	76	-	-	-
L) Routing Technology CCNA	–	–	–	–	–	–	6	150	-	-	-
Li) Screen Painting and Hand Painting on Glass	–	–	–	–	–	–	1	21	-	2	53
Lii) SQL Server Database Administration	–	–	–	–	–	–	14	380	-	17	425
Liii) Tool & Die Making	–	–	–	–	–	–	4	88	-	4	104
Liv) Tour Operators	–	–	–	–	–	–	6	133	-	26	650
TOTAL	**87**	**2,441**	**1,388**	**41,491**	**1,398**	**35,079**	**2,041**	**51,945**		**3757**	**96278**
9.POST GRADUATE DIPLOMA IN ENTREPRENEURSHIP (PGDE)	3	45	–	–	–	–	–	–	-	-	-
TOTAL	3	45	–	–	–	–	–	–	-	-	-
GRAND TOTAL	271	6,698	2,199	64,113	1,468	36,337	2,129	53,953	6,067	3886	99560

*Includes 1 EDP for Women (34 beneficiaries)

**Includes 2 IEDMPs for Women (57 beneficiaries)

Appendix 'C' Organisational Chart

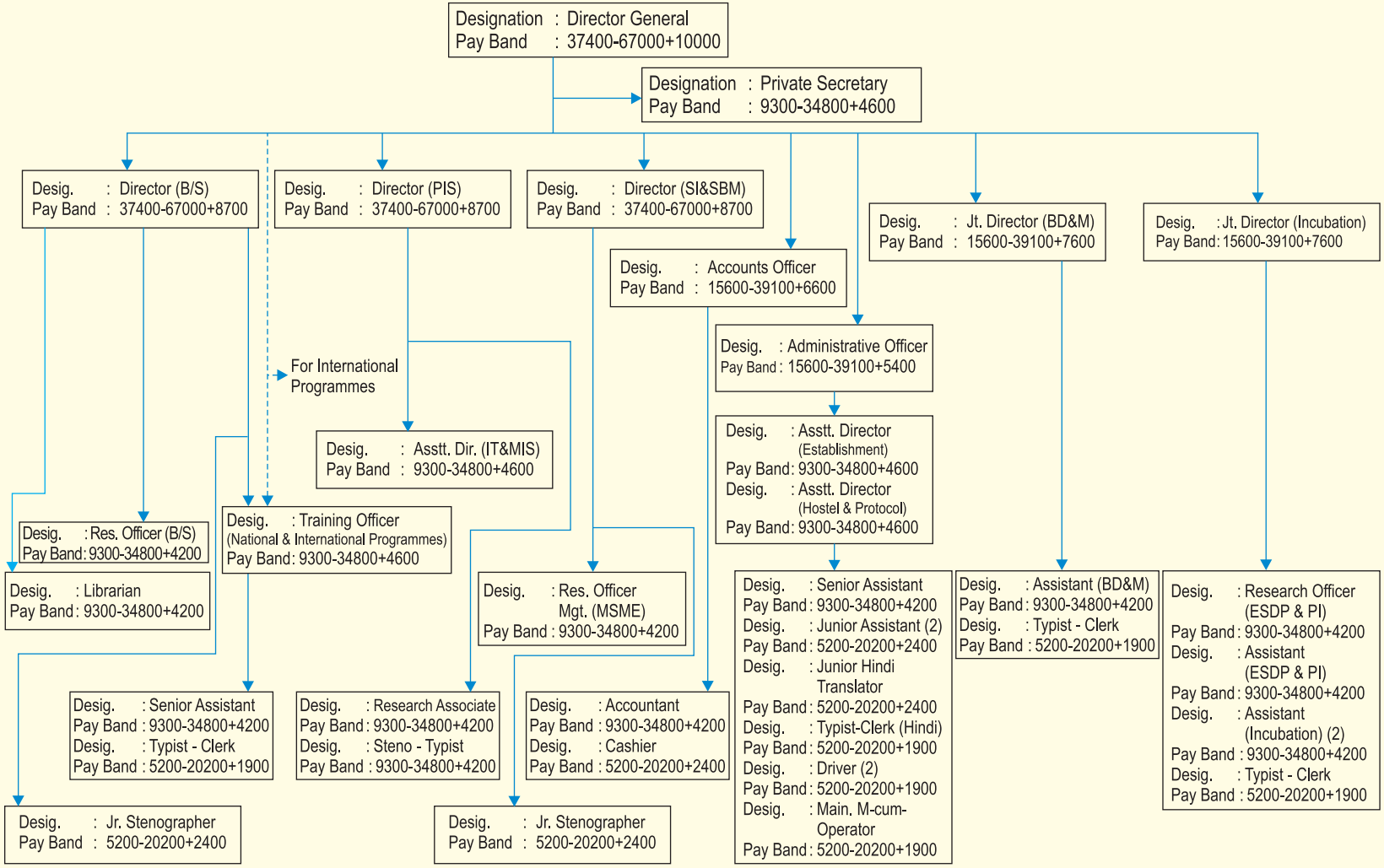

Besides, there are six MTS in the Institute. The Institute also hires the Services of different experts on contract basis as and when requied.

Exhibit-1 state-wise training programmes during the last three years

A. 2011-12

States	No of Training Programme	No of Participants
Uttar Pradesh	693	16968
Uttarakhand	60	1516
Rajasthan	45	1132
Odisha	0	0
Delhi	74	1852
Bihar	87	2184
Madhya Pradesh	39	987
West Bengal	126	3125
Punjab	56	1400
Jharkhand	115	2879
Haryana	98	2424
Gujarat	38	950
Himachal Pradesh	27	670
Chattissgarh	2	50
Chandigrah	0	0
Others	8	200
Total	**1460**	**36137**

A. 2012-13

States	No of Training Programme	No of Participants
Uttar Pradesh	692	13559
Uttarakhand	0	0
Rajasthan	89	2630
Odisha	91	3100
Delhi	81	1950
Bihar	218	6820
Madhya Pradesh	104	3200
West Bengal	186	4249
Punjab	84	2100
Jharkhand	253	6815
Haryana	125	3620
Gujarat	101	3210
Himachal Pradesh	48	1200
Chattissgarh	21	300
Chandigrah	36	1200
Others	0	0
Total	**2129**	**53953**

A. 2013-14

States	No of Training Programme	No of Participants
Uttar Pradesh	937	23630
Uttarakhand	360	10415
Rajasthan	193	3515
Odisha	312	4305
Delhi	79	1640
Bihar	466	12660
Madhya Pradesh	282	7413
West Bengal	415	11350
Punjab	161	5620
Jharkhand	209	5355
Haryana	102	3120
Gujarat	232	6990
Himachal Pradesh	69	1751
Chattissgarh	42	1106
Chandigrah	27	690
Total	**3886**	**99560**

Exhibit-2

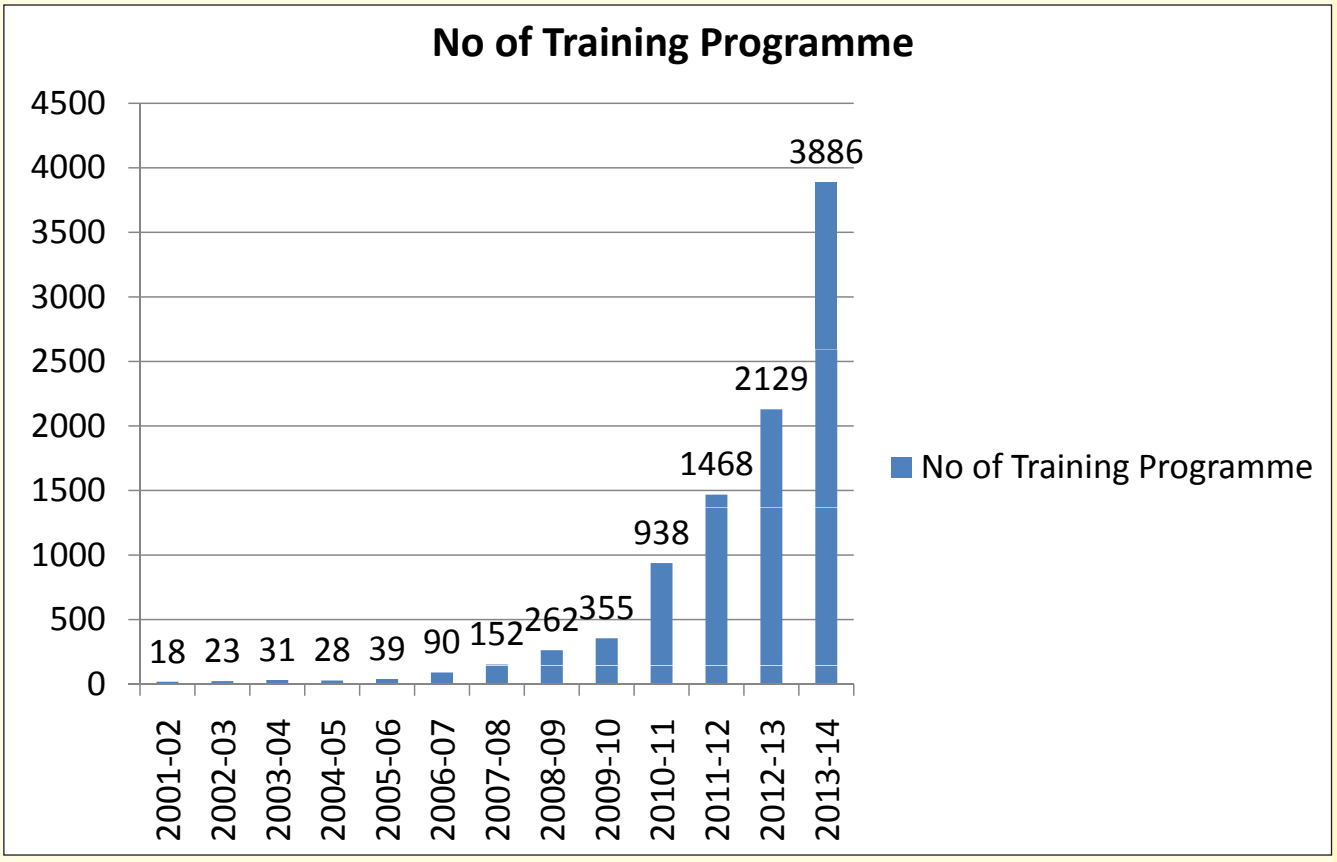
No of Training Programme
4500
4000
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
18
23
31
28
39
90
152
262
355
938
1468
2129
3886
2001-02
2002-03
2003-04
2004-05
2005-06
2006-07
2007-08
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
No of Training Programme

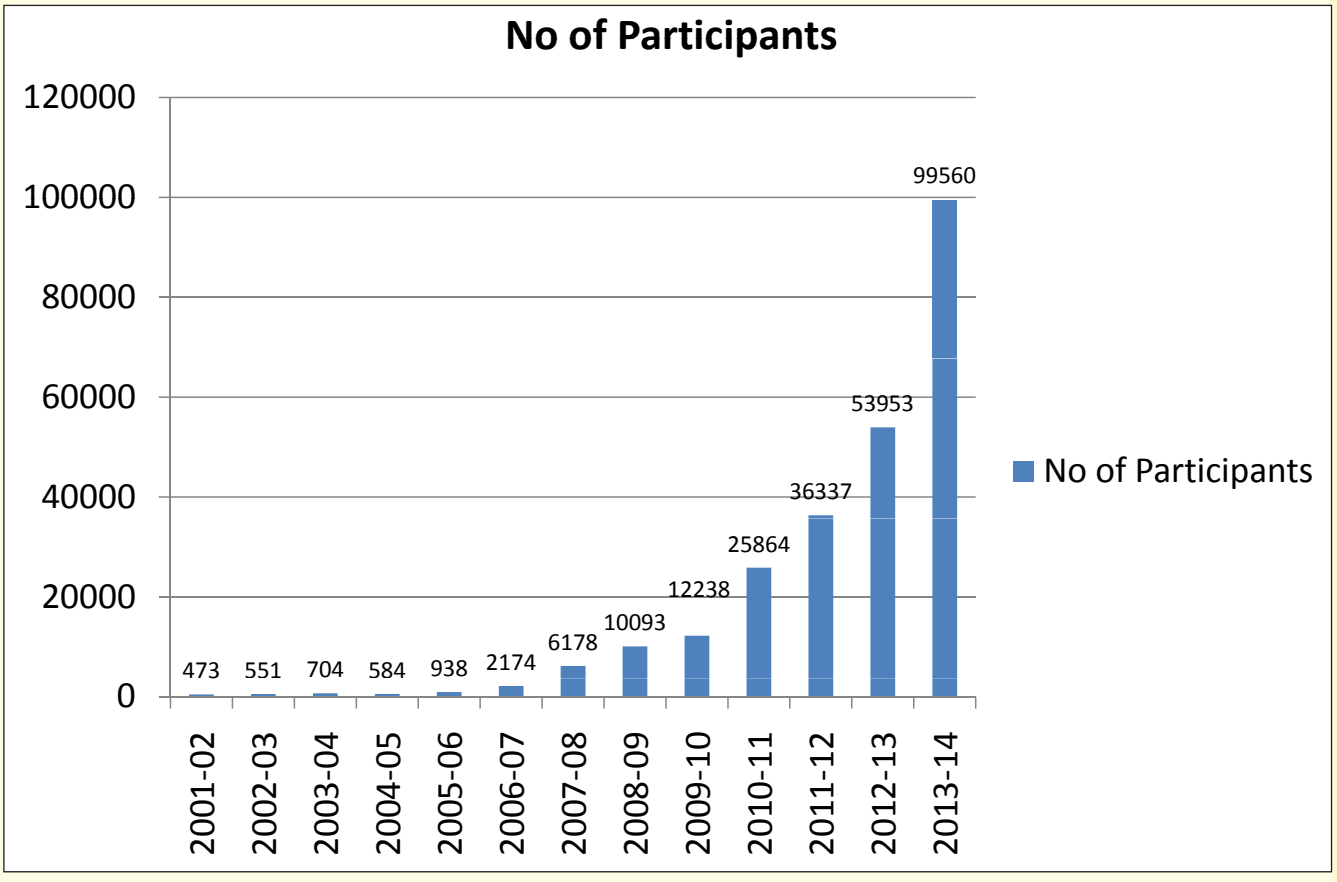
No of Participants
120000
100000
80000
60000
40000
20000
0
473
551
704
584
938
2174
6178
10093
12238
25864
36337
53953
99560
2001-02
2002-03
2003-04
2004-05
2005-06
2006-07
2007-08
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
No of Participants

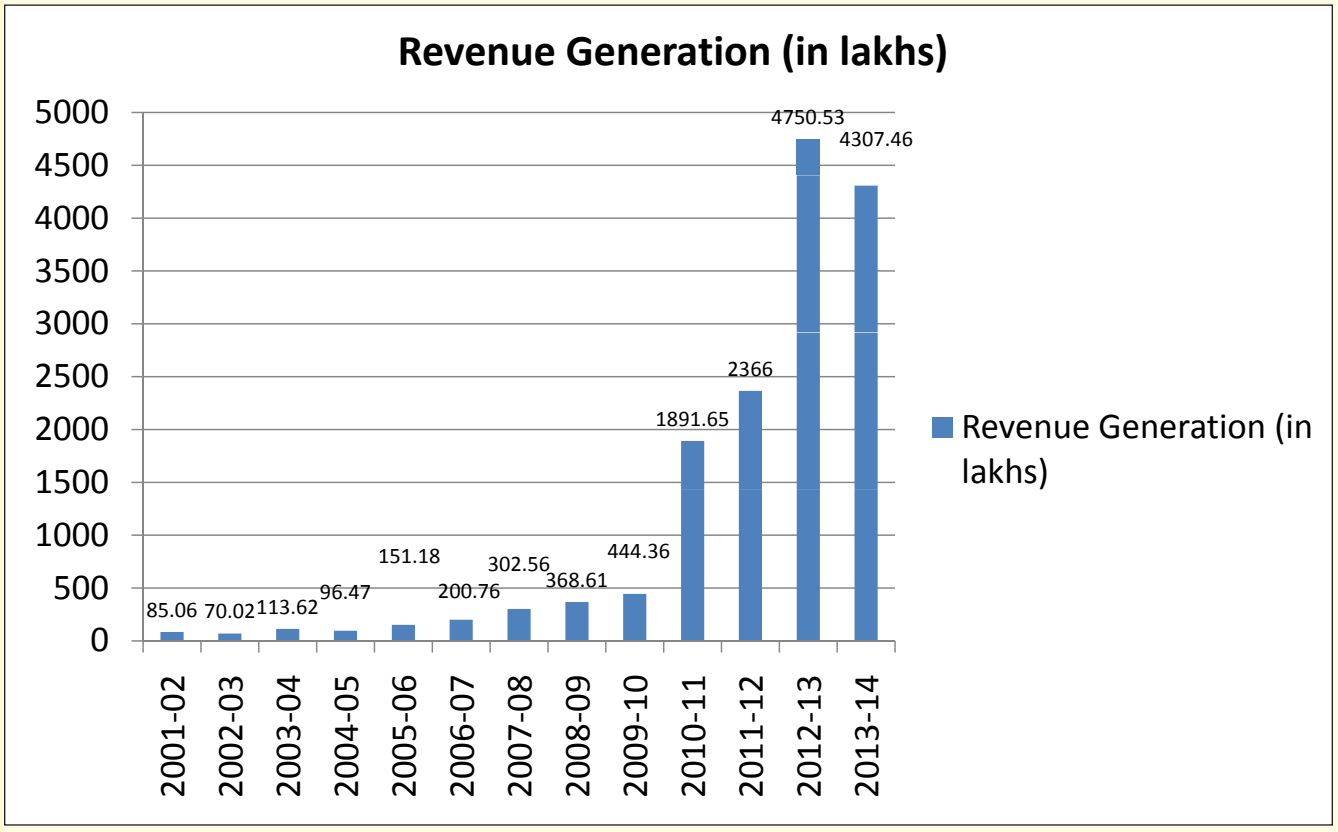
Revenue Generation (in lakhs)
5000
4500
4000
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
85.06
70.02
113.62
96.47
151.18
200.76
302.56
368.61
444.36
1891.65
2366
4750.53
4307.46
2001-02
2002-03
2003-04
2004-05
2005-06
2006-07
2007-08
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
Revenue Generation (in lakhs)

Exhibit-4

उद्यमी लभते सिदधिम्
niesbud

LIST OF STANDARDIZED COURSES

List of Entrepreneurship Development Programmes, Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes, Management Development Programmes and Training of Trainers' Programmes

S.No.	EDPs	No of Hours
1.	Counselling, Retraining and Redeployment (CRR) Scheme for Central Public Sector Undertakings (CPSUs)	30
2.	EDP	72
3.	EDP for Women	120
4.	Women Empowerment through Gender Equity	72
	ESDPs	
5.	AC Refrigerator & Water Cooler Repair	300
6.	Agricultural Water Lifting Equipment – Maintenance & Repair	300
7.	Bakery Products	125
8.	Biotechnology	125
9.	Blacksmith	200
10.	Computer Aided Designing/Computer Aided Manufacturing (CAD/CAM)	250
11.	Calibrations of Instruments	200
12.	Carpentry	125
13.	Catering	125
14.	Computurized Numerically Controlled (CNC) Lathe Wire cut Milling	250
15.	Compressor Repair	250
16.	Computer Accounting with Tally	250
17.	Cosmetology and Beautician	125
18.	Cyber café	125
19.	Dairy based ESDP	125
20.	Designing and Manufacturing of Artificial Jewellery	125
21.	Die Fitter	125
22.	Draughtsmanship Training	150
23.	Desktop Publishing (DTP)	125
24.	Electrical gadgets repair	250
25.	Electronic Assembly	250
26.	Electroplating	125
27.	ESDP in Fashion Designing	125
28.	ESDP on Hosiery & Woollen Garments	125
29.	Essential Oil and Perfumery Products	125
30.	Food Processing	150
31.	Footwear Designing	125
32.	Forging and Casting	125
33.	Gaming with Flash	125

34.	Glass Cutting & Polishing	125
35.	Heat Treatment	125
36.	Leather Products	125
37.	Lens Grinding	125
38.	Machining	125
39.	Microprocessor Application & Programming	125
40.	Microsoft Certified Software Engineering	125
41.	Mobile Repairing	125
42.	Motor & Transformer Rewinding	250
43.	Motor Winding & Pumpset Repair	250
44.	Mouldings & Pattern Making	250
45.	Multimedia & Animation	300
46.	Mushroom Cultivation	125
47.	Printed Circuit Board (PCB) Design	125
48.	Photography and Photoshop	125
49.	Progammable Logic Controller (PLC) Programming	200
50.	Plumbing and Sanitary Fittings	200
51.	Retail Management	250
52.	Screen Printing and Hand Painting on Glass	125
53.	Soap and Detergents	125
54.	Sports Goods	125
55.	Steel Fabrication	125
56.	T.V Repairing	125
57.	Testing of Chemicals	125
58.	Tool and Die Making	125
59.	Tour Operators	125
60.	Two Wheeler Maintenance & Repair	300
61.	Wax Candle and Chalk Crayons	125
62.	Wireman Training	125
63.	2D	250
64.	3D	300
65.	Adobe	250
66.	Advance JAVA	250
67.	Autodesk Combustion	125
68.	CC++ and OOPs	250
69.	Computer Hardware and Networking	300
70.	Core JAVA	250
71.	Digital Photography & Videography	125
72.	Electronic Mechanic	250
73.	Engineering Drawing with CAD	125
74.	Finishing & Packing Supervisor	125
75.	Fitter Fabrication	125
76.	Fitter Maintenance General	125
77.	Housekeeping & Hospitality	125
78.	Interior Design	125
79.	Landscape Design	125
80.	Linux Administration	125
81.	Microsoft Certified Professional (MCP) and CISCO Certified Network	125

	Associate (CCNA)	
82.	Medical Transcription	125
83.	MS Office and Internet	125
84.	Multimedia and Animation	250
85.	Net Programming	250
86.	O Level (DOEACC)	250
87.	OOPs through JAVA	250
88.	Programming & Operation for Computerised Numerically Controlled Machines	300
89.	Receptionist	125
90.	Routing Technology CCNA	125
91.	Security Guard	125
92.	Structured Query Language (SQL) Server Database Administration	125
93.	Tungsten Insert (TIG)/Metal Insert Gas (MIG) Welding	125
94.	Visual Effects	125
95.	Web Designing	300
96.	Basic Hydraulics	125
97.	Basic Pneumatics	125
98.	CAD with Pro Engineers	250
99.	Dot Net Technology	250
100.	Graphics Design	125
101.	Information Technology (IT) Tools and Applications	250
102.	Maintenance Fitter	125
103.	Material Testing	125
104.	Personal Computer (PC) Maintenance	300
105.	Sheet Metal Worker	125
106.	Welder	125
107.	Auto Body Painting	125
108.	Diesel Fuel Injection Technician	250
109.	Battery Maintenance	125
110.	Repair and Maintenance of Public Address (PA) and Audio Systems	300
111.	Repair and Maintenance of Power supply, Inverter and Uninterrupted Power Supply (UPS)	300
112.	Repair and Maintenance of Washing Machine and Microwave Oven	300
113.	Repairing of Automobile Air Conditioning	300
114.	Repair and Maintenance of Intercom System	300
	MANAGEMENT DEVELOPMENT PROGRAMS	
115.	Advanced Skill for Effective Office & Change Management	125
116.	Advanced Skills for Effective Executive Secretaries and Change Management	30
117.	Business Advisors' Training Programme	36
118.	Business Development Plan for Micro & Small Enterprises	36
119.	Capacity Building of Principals of ITIs	30
120.	Carbon Trading	06
121.	Competency Building for Improved Performance	19
122.	Contemporary Human Resource Management Practices	30
123.	Cost Effectiveness in Economic Downturn	30
124.	Delayed Payments to MSEs	06

125.	Executive Development Programme on Achievement Motivation Training	12
126.	Export Procedures, Documentation and Management	30
127.	Extension Motivation Programme for Executives	18
128.	Finance for Non-Finance Executives	30
129.	Financial Statement Analysis	30
130.	Intellectual Property Rights (IPR) Challenges and Prospects for MSMEs	30
131.	IPR for Competitive Advantage	30
132.	ISO 9001:2008 Certification Process – Issues & Challenges	30
133.	Logistics & Supply Chain Management and Retail Management	30
134.	Marketing for Managers	30
135.	MDP on Project Management for Small Business Enterprises in Tribal Areas	30
136.	Modern Office Practice	30
137.	Product Identification & Marketing Strategies	30
138.	Productivity, Quality & Lean Manufacturing	30
139.	Project Appraisal	30
140.	Project Identification and Preparation of Project Profiles	30
141.	Project Preparation Skills for Micro-Enterprises through SHGs	30
142.	Strengthening Self-Help Groups for Urban Development Officials (under SJSRY)	30
	TRAINING OF TRAINERS	
143.	Accreditation Programme for Entrepreneurial Motivation (EM) Trainers	140
144.	Technology Infusion cum Skill Development Programme	30
145.	TOT in Entrepreneurship & Skill Development in 2D Animation	30
146.	TOT in ESDP for Fashion Designing	30
147.	Training of Trainers (EDP)	90
	OTHERS	
148.	Assessment of SHGs for Promotion of Micro Enterprises	30
149.	Cluster Development	30
150.	Entrepreneurship & Skill Development for Partner Organistions/Agencies	30
151.	Financing & Management of Common Facility Centres (CFCs)	30
152.	Lending Strategies for MSMEs	30
153.	Orientation Programme for Officials of Industries & Commerce Department	30
154.	Orientation to Skill & Entrepreneurship Development under SJSRY, PMEGP etc.	30
155.	Promotion of Induced Clusters	30
156.	Promotion of Micro-Enterprises	30
157.	Promotion of Service Enterprises	15
158.	Promotion of Viable Enterprises for Self Help Groups(SHGs)	15
159.	Risk Management for Self Help Groups (SHGs)	10
160.	Union Budget and MSMEs	06

सत्यमेव जयते

Udyami Helpline
1800-180-6763 (Toll Free)
(M S M E)

Providing Information About

MARKETING ASSISTANCE

CREDIT SUPPORT

CLUSTER DEVELOPMENT

TECHNOLOGY UPGRADATION

SKILL DEVELOPMENT

SETTING UP ENTERPRISE

SCHEMES OF MINISTRY OF MSME

Assistance and Guidance to prospective as well as existing entrepreneurs about opportunities and facilities available under various Schemes of the Government

Udyami Helpline 1800-180-6763 (Toll Free)

Timings: 7.00 am to 9.00 p.m. (Hindi / English)

MSME
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम

MINISTRY OF MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES

www.msme.gov.in GOVERNMENT OF INDIA *www.dcmsme.gov.in*

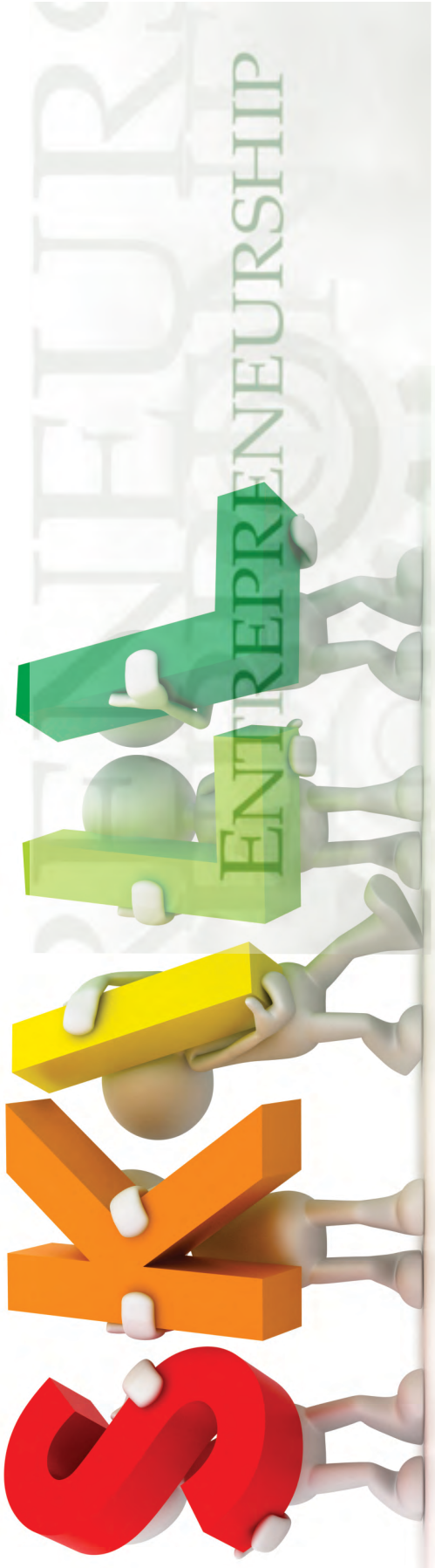

NIESBUD

उद्यमी लभते सिदधिम्
niesbud

The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD) was set up on 6th July 1983, by the then Ministry of Industry (now Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises), Government of India. The basic objectives of the Institute are promotion and development of micro, small and medium enterprises including enhancement of their competitiveness through different interventions. One focus area of the activities is to promote entrepreneurship through training and other interventions.

The major activities of the Institute include organising different training activities for various target groups viz; Training of Trainers for trainers/promoters; Management Development Programmes for existing /prospective entrepreneurs and practicing consultants; Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes for prospective entrepreneurs and unemployed youth ; Orientation Programmes for Development Functionaries and Officials of Support Organisations etc, undertaking research and review of different Schemes/Projects, standardizing and developing courses and course material, bringing out publications, manuals and training aids for effective learning, rendering assistance in formulation of appropriate policies and their effective implementation, facilitating the entrepreneurial and related activities of other organizations both Governmental and Non- Governmental, providing consultancy services for promoting entrepreneurship and undertaking all other related activities for promoting and sustaining entrepreneurial culture and small businesses.

The Institute has diversified its activities in the recent past and has increased its market oriented training programmes for existing MSMEs as well as for students in order to promote enterprise creation and strengthening. The share of market oriented programmes have taken a larger share in the total of about l00,000 persons in the year 2013-14. It speaks of the quality training being provided by NIESBUD to its clientele. Not only that, NIESBUD has also entered into the area of research & publications and has started organizing several national and international seminars and workshops.

The Institute is functioning from its integrated Campus in Sector 62, NOIDA, NCR; Delhi, India.

निसबड

Head Office: The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD)
Address: A-23, Sector-62, (Institutional Area), Noida-201309 (NCR of Delhi), U.P., India
Phones : 0120-4017001 /0120-4017039/ 0120-4017024/ 0120-4017005 Fax: 0120-2403062 / 0120-2403057
E-mail: dgniesbud@gmail.com/sunilbhardwaj6@aol.com/mukesh.gupta.niesbud@gmail.com
Regional Office: D/98, Defence Colony, Dehradun-248001, Uttarakhand, India
Phones: 0135-2666980, 2666919
Websites: www.niesbud.org | www.niesbudnaukri.com | www.niesbudro.org | www.msmevirtualclusters.in | www.niesbudtraining.org

Toll Free No. 1800-180-8956

Printed at: Chandu Press Ph: 22526936